सच, सिर्फ सच

वॉयस ऑफ लखनऊ

मंगलवार, 17 जून, 2025 लखनऊ, महानगर, वर्ष 20, अंक 163, पेज 16, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 678 अंकों की उछाल

आईटी एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से सेंसेक्स में करीब 678 अंक बढ़कर 81,796.15 अंक पर बंद हुआ। } 14

आपदा प्रबंधन में अग्रणी बना भारतः शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत एनडीएमए और एनडीआरएफ सहित अन्य एजेंसियों के उत्कृष्ट कार्यों की वजह से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन गया है। } 16

जनगणना की अधिसूचना जारी

13 हजार करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना, जाति गणना भी होगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। साल 2011 में हुई पिछली जनगणना के 16 साल बाद सरकार ने भारत की 16वीं जनगणना 2027 में कराने के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी की जिसमें जाति गणना भी शामिल होगी।

अधिसूचना में कहा गया है कि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 की संदर्भ तिथि तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 की संदर्भ तिथि से की जाएगी। इसमें कहा गया उक्त जनगणना के लिए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू- कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के बर्फ बारी वालों क्षेत्रों के अलावा बाकी राज्यों के लिए संदर्भ तिथि एक मार्च, 2027 को 00.00 बजे होगी। इसमें कहा गया है कि लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि एक अक्टूबर 2026 को 00:00 बजे होगी। देश भर से जनसंख्या संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराने का यह विशाल कार्य लगभग 34 लाख गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों तथा डिजिटल उपकरणों से लैस लगभग 1.3 लाख जनगणना कर्मियों द्वारा किया जाएगा। इसपर सरकार के 13 हजार करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि जनगणना के साथ ही जातिगत गणना भी की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां केंद्रीय गृह सचिव, भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि जनगणना कार्य शुरू होने के बाद से यह 16वीं जनगणना है तथा स्वतंत्रता के बाद आठवीं ...शेष पृष्ठ 14 पर

मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

साइप्रस की सांसद ने स्वागत समारोह के दौरान प्रधानमंत्री के पैर छुए

एजेंसी

निकोसिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, साइप्रस के ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय सम्मान प्राप्त करके मैं बहुत कृतज्ञ हूं। मैं इसे हमारे देशों के बीच की मित्रता को समर्पित करता हूं। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो में निकोसिया परिषद की सदस्य मिकेला किथ्रेओटी म्लापा प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक तरीके से पैर छूकर स्वागत करती हुई दिख रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान बड़ी विनम्रता से उनका अभिवादन स्वीकार किया, जो दुनिया भर के देशों के साथ भारत के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है। यह ऐतिहासिक केंद्र पुराने निकोसिया का हिस्सा है। यह अपनी किलों, पारंपरिक वास्तुकला और बाजारों के लिए प्रसिद्ध है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने मोदी को सम्मानित किया। इस सम्मान का नाम साइप्रस के पहले राष्ट्रपति आर्चबिशप मकारियोस तृतीय के नाम पर रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को यह सम्मान समर्पित करते हुए कहा कि यह भारत-साइप्रस की भरोसेमंद दोस्ती का सम्मान है। उन्होंने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी सक्रिय साझेदारी नई उंचाइयों को छुएगी। हम मिलकर न केवल दोनों देशों की प्रगति को मजबूत करेंगे, बल्कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित विश्व के निर्माण में भी योगदान देंगे। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को साइप्रस के ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया। यह सम्मान भारत-साइप्रस के बीच स्थायी द्विपक्षीय साझेदारी और शांति, प्रगति एवं समृद्धि के साझा दृष्टिकोण के लिए मिलकर काम करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

साइप्रस के इस सम्मान के साथ ही प्रधानमंत्री को प्राप्त अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की कुल संख्या 23 हो गई है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मोदी ने कहा कि यह सम्मान भारत के सदियों पुराने दर्शन 'वसुधैव कुटुम्बकमै को मान्यता देता है, जो वैश्विक शांति और प्रगति के लिए इसके दृष्टिकोण को निर्देशित करता है। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने इस सम्मान को भारत और साइप्रस के बीच साझेदारी को मजबूत करने और विविधता लाने की नयी प्रतिबद्धता के रूप में स्वीकार किया और इस बात पर जोर दिया कि यह सम्मान शांति, सुरक्षा, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और समृद्धि के प्रति दोनों देशों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में साइप्रस में हैं। वह साइप्रस से कनाडा जाएंगे और जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद वह ...शेष पृष्ठ 14 पर

संक्षेप

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मैनेजरों पर हत्या का केस

बिजनौर। केदारनाथ गौरीकुंड के पास गौरीमाई के जंगल में रविवार की सुबह हेलीकॉप्टर क्रैश में पायलट समेत सात लोगों की मौत के मामले में आर्यन कंपनी के मैनेजर व अकाउंटेबल मैनजर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ है। केदारनाथ गौरीकुंड के पास गौरीमाई के जंगल में रविवार की सुबह 5:30 बजे पायलट समेत सात लोगों की हेलीकॉप्टर हादसे में हुई मौत को उत्तराखण्ड सरकार ने गंभीरता से लेते हुए कार्रवाही की है। आर्यन कंपनी के खिलाफ दर्ज कराये गए गैर इरादतन हत्या के तहत मुकदमे में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर का संचालन प्रथम स्लॉट सुबह 6 बजे से आवंटित हुआ था।

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, चार की मौत

अमरोहा (उप्र)। अमरोहा जिले में एक वन क्षेत्र के अंदर स्थित एक पटाखा फैक्टरी में सोमवार को विस्फोट हो जाने से चार महिलाओं की मौत हो गई और 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट अतरासी गांव के पास जंगल में करीब दो किलोमीटर अंदर हुआ। उस समय करीब 25 पुरुष और महिलाएं फैक्टरी में काम कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट ने टिन की छत वाली फैक्टरी को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया, जिसका मलबा 300 मीटर तक उछला और आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। जिलाधिकारी (डीएम) निधि गुप्ता और पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित कुमार आनंद ने घटनास्थल का दौरा किया और इस हादसे में चार महिलाओं की मौत की पुष्टि की।

सीएम योगी ने अम्बेडकर नगर को दी 1,184 करोड़ की सौगात

अकबरपुर और टांडा बस स्टैंड का नाम बदला, 194 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण

विशेष संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनप्रतिनिधियों की मांग पर विचार करते हुए कहा कि अकबरपुर बस स्टैंड का नामकरण 'श्रवणधाम बस स्टैंड' करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह नामकरण श्रवण धाम की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्ता को सम्मान देने का प्रयास है, जो मातृ-पितृ भक्ति का प्रतीक है। इसके साथ ही टांडा बस स्टैंड का नाम स्वर्गीय जयराम वर्मा के नाम पर 'जयराम वर्मा बस स्टैंड' करने का ऐलान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रवण धाम को रामायण काल से पूर्व के धाम के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने शिव बाबा धाम में विधिवत दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। योगी ने कहा कि कुछ लोगों को प्रदेश का विकास अच्छा नहीं लगता, केवल अपने परिवार का विकास ही अच्छा लगता है। ऐसे लोग परिवार के नाम पर जाति को निशाना बनाते हैं। जातिवाद के नामपर सत्ता में आकर नग्न ...शेष पृष्ठ 14 पर

विकास व विरासत के साथ देश को मिल रही पहचान : योगी

विशेष संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज हम नए भारत में रह रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नया भारत विकास के साथ विरासत पर गौरव की अनुभूति भी करता है। आज विकास और विरासत का अद्भुत संगम हमारे देश को पहचान दे रहा है। सरकार लगातार कुछ न कुछ नया करने का काम रही है। भाजपा सरकार से पहले नौकरी की बोली लगती थीए लूट.खसोट थी। एक परिवार का बोल-बाला हुआ करता था। योग्यता के आधार पर प्रदेश के सभी युवाओं ...शेष पृष्ठ 14 पर

गैंगरेप का झूठा केस दर्ज कराने पर युवती को सात साल की कैद

विधि संवाददाता

लखनऊ। सामुहिक दुराचार का झूठा मुकदमा दर्ज कराने के आरोप में एससी-एसटी एक्ट की विशेष अदालत ने अभियुक्ता रेखा देवी को दोषी करार दिया है। विशेष जज विवेकानन्द शरण त्रिपाठी ने रेखा देवी को सात वर्ष की सश्रम कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर दो लाख एक हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है।

बदला लेने व मुआवजे की लालच में दर्ज कराए जा रहे हैं फर्जी मुकदमे

अदालत ने कहा है कि जुर्माने की आधी धनराशि का आधा-आधा झूठा मुकदमा दर्ज कराने के चलते जेल में बंद रहे दोनों व्यक्तियों को दी जायेगी। अभियोजन के मुताबिक 29 जून 2021 को रेखा ने बाराबंकी के जैदपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें दो व्यक्तियों पर दुराचार का आरोप लगाया था। बाद में घटनास्थल लखनऊ के बीकेटी थानांतर्गत पाए जाने पर नौ मई 2022 को विवेचना थाना बीकेटी ट्रांसफर हो गयी। साथ ही इसमें एससी-एसटी एक्ट की बढ़ोतरी भी हुई। विवेचना के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण, गवाहों के बयान व वैज्ञानिक साक्ष्य आदि से आरोपों की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने आरोपों को झूठा पाया। लिहाजा इस मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी गई। विवेचक ने इसके साथ ही झूठा मुकदमा दर्ज कराने पर रेखा के खिलाफ अदालत में परिवाद दाखिल कर दिया। विशेष जज ने अपने फैसले में टिप्पणी करते ...शेष पृष्ठ 14 पर

टॉपर्स बनेंगे एक दिन के डीएम, एसपी

धामी सरकार का नया प्रयोग, युवाओं में बढ़ेगा आत्मविश्वास

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में दो अभिनव और प्रेरणादायी योजनाओं की घोषणा की है, जो युवा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास को बढ़ावा देने और नदियों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी जिलों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर्स को एक दिन के लिए जिले का जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) बनाया जाएगा। इस अनूठी पहल का उद्देश्य मेधावी छात्रों को प्रशासनिक व्यवस्था की प्रत्यक्ष जानकारी देना, उनमें नेतृत्व की भावना विकसित करना और उन्हें उच्च उद्देश्य की ओर प्रेरित करना है। शीघ्र ही इस योजना को जिलों में लागू किया जाएगा, जिसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने नदी उत्सव के आयोजन के निर्देश भी दिए हैं। राज्य की प्रमुख नदियों के नाम पर आयोजित होने वाले इन उत्सवों का उद्देश्य जल स्रोतों की सफाई, पुनर्जीवन और संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना है। ये उत्सव प्रदेशवासियों को नदियों के सांस्कृतिक, सामाजिक और पारिस्थितिक महत्व से जोड़ेंगे और जल संरक्षण के प्रति जनचेतना को बल देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की नदियां सिर्फ जल आपूर्ति का साधन नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, आस्था और संस्कृति की जीवंत प्रतीक हैं। नदी उत्सव के माध्यम से नागरिकों को उनकी रक्षा और स्वच्छता के लिए प्रेरित किया जाएगा। धामी सरकार की यह दोहरी पहल, ...शेष पृष्ठ 14 पर

देवरिया व भदोही में पांच की डूबकर मौत

बरहज (देवरिया)। सोमवार की सुबह बरहज नगर के पटेल नगर पूर्वी मोहल्ले के तीन युवकों की सरयू नदी में स्नान करने के दौरान डूबने से मृत्यु हो गई। स्थानीय गोताखोरों ने तलाश कर तीनों युवकों का शव नदी से बाहर निकाला। पुलिस और परिजन युवकों को सीएचसी बरहज लेकर आए जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा बना पोस्टमार्टम के लिये मेडिकल कॉलेज देवरिया भेज दिया।

भदोही में सोमवार को गंगा नदी में नहाने गए तीन युवकों में दो डूब गए जबकि एक युवक को मल्लाहों ने बचा लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि गहरे पानी में डूबे युवकों को स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश नाकाम होने पर शाम को एनडीआरएफ को मौके पर ...शेष पृष्ठ 14 पर

इजरायल ने तेज किये ईरान पर हमले

ईरान का खाड़ी देशों से आग्रह, संघर्ष विराम के लिए ट्रंप से करें बात

एजेंसी

तेल अवीव। ईरान ने इजराइल के मध्य तथा उत्तरी क्षेत्र को निशाना बनाते हुए सोमवार को फिर सिलसिलेवार मिसाइल हमले किए जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

वहीं दूसरी ओर ईरान ने कतर, सऊदी अरब और ओमान से आग्रह किया है कि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करें और इस्त्राइल पर दबाव डालें, ताकि वह ईरान के साथ तुरंत संघर्षविराम के लिए राजी हो जाए। बदले में ईरान ने संकेत दिया है कि वह परमाणु वार्ता में ढील दिखाने को तैयार है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने यह जानकारी सोमवार को दो ईरानी और तीन खाड़ी क्षेत्र के सूत्रों के हवाले से दी। खाड़ी देशों के नेता और उनके वरिष्ठ राजनयिक पूरे सप्ताहांत टेलीफोन पर सक्रिय रहे। वे एक-दूसरे से, तेहरान से, वॉशिंगटन से और अन्य देशों से बातचीत कर रहे हैं, ताकि इस्त्राइल और ईरान के बीच लगातार बढ़ते टकराव को और गंभीर होने से रोका जा सके। यह दोनों देशों के बीच हाल का सबसे बड़ा संघर्ष बन गया है। एक ईरानी सूत्र ने कहा कि अगर संघर्षविराम हो जाता है, तो ईरान परमाणु वार्ता ...शेष पृष्ठ 14 पर

आज का मौसम

अधिकतम : 37.06 डिसे.
न्यूनतम : 29.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- खरीफ की फसलों के लिए तैयार करें रणनीति (पृष्ठ-02)
- छात्रवृत्ति पोर्टल से समस्याओं का करें तत्काल समाधान (पृष्ठ-02)
- थोक मंहगाई मई में घटकर 14 माह के निचले स्तर पर (पृष्ठ-14)
- सोना 170 रुपये टूटा, चांदी 1000 फिसली (पृष्ठ-14)
- जल्द बारिश से ईंधन की मांग वृद्धि में नरमी (पृष्ठ-14)

विशेष खबर अगले 3-4 दिनों में गुजरात, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पूर्वी उत्तर प्रदेश में जमकर बरसेंगे बादल

भीषण गर्मी से मिलेगी निजात, कल दस्तक दे सकता है मानसून

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर भारत में भीषण गर्मी से राहत मिलने लगी है। सोमवार से मौसम में बदलाव दिखने लगा है। पूरे प्रदेश में कहीं हल्की तो कहीं तेज हवा के साथ बारिश और बौछारें पड़ने से गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में गोरखपुर से होकर 18 जून को मानसून दस्तक दे सकता है।

अगले तीन दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में मानसून दस्तक दे सकता है। अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्रों के कारण प्रदेश में मानसून सक्रिय होने के साथ ही मेघ गर्जन एवं वज्रपात के साथ भारी बारिश की संभावना है। इससे अगले पांच दिनों तक 4 से 5 डिग्री तक तापमान में गिरावट रहेगी। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 18-21 जून को भारी बरसात होने वाली है। सोमवार को उत्तर प्रदेश में पश्चिमी और पूर्वी हिस्से के करीब 51 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश, बादल गरजने व बिजली चमकने के साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलीं। अधिकतम तापमान 37 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री तक दर्ज किया गया। फिलहाल एक हफ्ते तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, पुरी और बालुरघाट जैसे प्रमुख स्थानों से होकर गुजर रही है, अगले 3-4 दिनों में गुजरात, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल बन रहा है, ऐसे में संभावना है कि 18 जून को गोरखपुर के रास्ते दक्षिण-पश्चिम मानसून प्रदेश में दस्तक दे सकता है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र से दी गई जानकारी के अनुसार मध्य और ऊपरी क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की निम्न क्षोभमंडलीय पुरवा हवाओं के साथ प्रतिक्रिया बन रही है। इस वजह से पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में मानसून पूर्व वर्षा की गतिविधि सामान्य रही। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अनेक 51-75% स्थानों जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ 26-50 प्रतिशत स्थानों पर तड़ित झंझावात के साथ हल्की से ...शेष पृष्ठ 14 पर

भीषण सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत

जिला संवाददाता

बांदा/सीतापुर। यूपी में महोबा जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर कार और मोटरसाइकिल के बीच भीषण टक्कर होने से पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीतापुर के रेउसा थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। क्षेत्र के मारूबेहड़ मोड़ पर अचानक धान की पालिस लदा ट्रक अचानक पलट गया। इस दौरान चार राहगीर चपेट में आ गए। जिससे मौके दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची रेउसा पुलिस ने रेस्क्यू कर ट्रक के नीचे दबे राहगीरों को बाहर निकाला और सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महोबा जिले की अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) वंदना सिंह ने बताया कि श्रीनगर थाना क्षेत्र में श्रीनगर-बेलाताल मार्ग पर नौरा गांव के नजदीक सोमवार दोपहर डेढ़ बजे के करीब एक ईको कार और मोटरसाइकिल के बीच भीषण टक्कर हो गई तथा कार में फंसकर मोटरसाइकिल करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। उन्होंने बताया कि इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जिनकी पहचान भरतलाल अजय, संजीव, विनोद और रामपाल के रूप में हुई है।

महोबा व सीतापुर में हुआ हादसा

गरीब बच्चों को संवार रहा सर्वोदय विद्यालय

प्रदेश में खुले 9 नये सर्वोदय विद्यालयों में नये सत्र 2025-26 से शुरू हो रही पढ़ाई

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गरीब, वंचित और ग्रामीण परिवेश के मेधावी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और निरूशुल्क आवासीय शिक्षा देने के संकल्प के तहत संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय आज प्रदेश में एक आर्दश मॉडल के रूप में स्थापित हो

- कक्षा 6 से 8 तक के 2000 बच्चों को मिलेगा नि:शुल्क शिक्षा संग आवासीय शिक्षा का मौका
- अगले वर्ष से कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाएं होंगी संचालित
- स्मार्ट क्लास से लेकर नीट-जेईई कोचिंग तक की सुविधा

रहे हैं। इसे देखते हुए इस वर्ष से प्रदेश के विभिन्न जिलों में 9 नए सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जाएंगे। इनमें मथुरा, बलिया, पीलिभीत, मनकापुर (गोंडा), सरवनखेड़ा (कानपुर देहात), अमरोहा, महाराजगंज, आंबेडकर नगर, मैनपुरी शामिल हैं।

उप निदेशक जे. राम ने बताया कि हर जिले में 5 एकड़ में बने इन विद्यालयों में सत्र 2025-26 में कक्षा 6 से 8 तक कुल 2000 बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। अगले वर्ष से कक्षा 12 तक इन विद्यालयों में शिक्षण कार्य शुरू होगा। इस पहल से न सिर्फ छात्रों का भविष्य संवर रहा है बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व और सामाजिक समृद्धि का रास्ता भी खुल रहा है।

आवासीय सुविधा संग मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : मौजूदा समय में समाज कल्याण विभाग की ओर से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग व अन्य वर्गों के छात्र-छात्राओं को निरूशुल्क आवासीय सुविधा के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 58 जिलों में कुल 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। 9 नए विद्यालयों के साथ अब 62 जनपदों में सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

इनमें से 45 विद्यालयों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है। अब इन 9 नए विद्यालयों के शुरू होने से यह संख्या 109 हो जाएगी। इन विद्यालयों में 85: छात्र ग्रामीण व 15: शहरी क्षेत्र से चयनित किये जाते हैं। इन विद्यालयों में 60: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, 25: पिछड़ा वर्ग व 15: सामान्य वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिया जाता है।

ये मिलती हैं खास सुविधाएं: स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, 34 टैब के टैब लैब, ऑनलाइन शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इन्ट्रेक्ट पैनल/एड, एयरोमॉडलिंग व आटीर्फीशियल इन्टेलिजेन्ट की कार्यशालाओं का आयोजन, ऑनलाइन लर्निंग मटेरियल

आवासीय सुविधा: पूरी तरह सुरक्षित और अनुशासित व्यवस्था, खाने से लेकर यूनिफॉर्म, पाठ्य-पुस्तकें, स्टेशनरी, दैनिक उपयोग की सामग्री, भोजन और नाश्ता की व्यवस्था, कोचिंग सुविधारू नीट, जेईई और जैसी परीक्षाओं की मुफ्त तैयारी के लिए अभ्युदय कोचिंग केंद्र की स्थापना, कौशल विकास प्रशिक्षण, अंग्रेजी पर जोररू शिक्षकों को भी अंग्रेजी में प्रशिक्षण, छात्रों के लिए बोलचाल की क्लास,सीसीटीवी निगरान, हर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम,: खेलकूद के क्षेत्र में छात्र/छात्राओं को ट्रेनिंग, स्कूल में छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है

बढ़ी लाभार्थियों की संख्या : पिछले कुछ वर्षों में सरकार की इस योजना के चलते लाभार्थी छात्रों की संख्या में साल दर साल बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2018-19 में जहां यह संख्या 32,429 थी, वहीं 2025-26 में करीब 37,000 छात्र-छात्राएं लाभान्वित होंगे।

छात्रवृत्ति पोर्टल की तकनीकी समस्याओं का किया जाये तत्काल समाधान : कश्यप

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के ऑनलाइन पोर्टल पर साइट स्लो होने की मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग के तकनीकी अधिकारियों को तत्काल इस समस्या के समाधान के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवेदन की प्रक्रिया सरल एवं सुगम होनी चाहिए, जिससे छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने छात्रों की सुविधा के लिए पोर्टल की तकनीकी दक्षता बढ़ाने, समय पर सर्वर अपग्रेड करने को कहा।

- सर्वांगीण विकास के लिए नवीनतम तकनीकी सुविधाएं भी उपलब्ध
- 58 जिलों में संचालित थे 100 स्कूल, अब 62 जिलों में 109 विद्यालय संचालित होंगे
- सर्वोदय विद्यालयों को आधुनिक लैब, मेस, कंप्यूटर/टैबलेट से किया गया सुसज्जित

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सोमवार को सचिवालय, विधान भवन स्थित कक्ष संख्या-80 में दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक कर रहे थे। मंत्री द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय प्रगति, लंबित प्रकरणों के निस्तारण एवं तकनीकी सुधारों को लेकर बिंदुवार समीक्षा की गई। मंत्री कश्यप ने बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशो की अनुपालन स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्टकिया कि मुख्यमंत्री के निर्देशो का पूर्ण पालन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही

- मंत्री ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक की
- मुख्यमंत्री के निर्देशो के पालन, योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय प्रगति और लंबित मामलों के निस्तारण पर जोर दिया गया

पिछली विभागीय बैठकों में लिये गये निर्णयों पर अमल की वर्तमान प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री ने दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं, जैसे वित्तीय सहायता, छात्रवृत्ति, उपकरण वितरण, स्वरोजगार प्रशिक्षण आदि के प्रचार-प्रसार को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि योजनाओं की जानकारी प्रदेश के प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन तक पहुंचे। बैठक में दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री ने राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय द्वारा प्राप्त शिकायतों, प्रकरणों एवं लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। विभागीय निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की भी समीक्षा की और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं समयसीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों की स्थिति, नामांकन संख्या, मूलभूत सुविधाएं एवं शैक्षिक गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिये गये। उन्होंने उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन सलाहकार समिति की आगामी बैठक तिथि को शीघ्र निर्धारण करने को कहा, जिससे विभागीय नीतियों एवं योजनाओं पर विचार विमर्श कर उन्हें और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में शादी अनुदान योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत मामलों एवं भुगतान की जनपदवार अद्यतन स्थिति पर संतोष व्यक्त किया(

खरीफ की फसलों के लिए तैयार की जाये खास रणनीति

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय सभागार में खरीफ मौसम में कृषि उत्पादन संबंधी एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य खरीफ की फसलों के लिए आवश्यक रणनीति तैयार करना, कृषि आदानों

- यूपी में खरीफ कृषि तैयारी पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, कृषि उत्पादन आयुक्त ने उत्पादन बढ़ाने के दिये निर्देश

(जैसे उर्वरक और कीटनाशी) की उपलब्धता सुनिश्चित करना और केंद्र व राज्य सरकार की कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना था। बैठक में खाद्यान्न, दलहन और तिलहन उत्पादन में वृद्धि पर विशेष जोर दिया गया, जिसमें खासकर दलहन और तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर गहन चर्चा हुई। कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरकों और कीटनाशकों की पर्याप्त व्यवस्था पर भी बात की गई। भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई, जिनमें तिलहन एवं दलहन के मिनिकिट, प्राकृतिक खेती, फार्मर रजिस्ट्री, पीएम किसान सम्मान निधि और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण की स्थिति शामिल थी। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन और प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पर चर्चा हुई और कृषि शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में हो रहे कार्यों, नई प्रजातियों के विकास तथा किसानों और अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श हुआ। किसानों को उनके उत्पादों का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए बेहतर विपणन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि खरीफ मौसम में अनुकूल मौसम रहने की संभावना है, जिसका लाभ उठाते हुए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को व्यापक तैयारी करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कृषि उत्पादन में वृद्धि करके प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान दिया जाए, ताकि माननीय मुख्यमंत्री के $1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सके।

बैठक के अंत में, कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी उपस्थित अधिकारियों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार काम करने और प्रदेश के कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए समय पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिनमें प्रमुख सचिव, कृषि, महानिदेशक तथा सचिव, उप्र कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि निदेशक, निदेशक, उप्र बीज प्रमाणीकरण संस्था, प्रबंध निदेशक, उप्र बीज विकास निगम, निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा, उप्र और प्रबंध निदेशक स्टेट एग्रो इंडस्ट्रियल कॉपोर्रेशन लिमिटेड प्रमुख थे।

जन समस्याओं के समाधान के लिए तय की जाये जवाबदेही : केशव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाये।

- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

उन्होंने निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाये और समस्याओं के समाधान के लिए सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। डिप्टी सीएम ने निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाये और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाये।

उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाये कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए । जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न, सेवा सम्बन्धी प्रकरण पैमाइस कराने, पार्क सौन्दर्यीकरण, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, अनुदान, सीसी रोड आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक-एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाये और सार्थक समाधान कराया जाये। उप मुख्यमंत्री ने समस्याओं के निस्तारण के बावत सुल्तानपुर, मिर्जापुर रायबरेली, ललितपुर व मैनपुरी के जिलाधिकारी, अमरोहा, जालौन, बदायुं, इटावा व रामपुर के पुलिस अधीक्षक, वाराणसी के पुलिस कमिश्नर व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

सीएम धामी की पहल : पत्रकारों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आज विशेष शिविर

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले पत्रकार समुदाय के स्वास्थ्य को लेकर एक नई संवेदनशील पहल की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंगलवार, 17 जून को देहरादून स्थित सूचना निदेशालय परिसर में पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए विशेष

- स्वस्थ लोकतंत्र के लिए पत्रकारों का स्वस्थ रहना जरूरी : सीएम धामी

स्वास्थ्य सुरक्षा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य पत्रकारों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं एवं परामर्श उपलब्ध कराना है, ताकि वे निरोग रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पत्रकार समाज के लिए सूचना देना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही आवश्यक है कि वे स्वयं भी शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी समय-समय पर इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा, जिससे पत्रकारों को निरंतर स्वास्थ्य लाभ मिलता रहे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सूचना विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस शिविर में राजकीय दून मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम मौजूद रहेगी, जो न केवल स्वास्थ्य जांच करेगी, बल्कि आवश्यक परामर्श भी प्रदान करेगी। शिविर का आयोजन मंगलवार को सुबह 11 बजे से सूचना निदेशालय परिसर (रिंग रोड) में किया जाएगा। निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि शिविर में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. विवेकानंद सत्यावली, डॉ. अंकुर पांडे, बाल रोग

विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. नितिन शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शांति पांडे, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अमर उपाध्याय, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चित्रा जोशी, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल जोशी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. देवाशीष सवाई और डॉ. योगेश्वरी, सर्जन डॉ. दिनेश चौहान, यूरोलॉजिस्ट डॉ. मनोज विश्वास सहित त्वचा एवं मानसिक रोग विशेषज्ञ भी अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में लगभग 265 प्रकार की स्वास्थ्य जांचें निःशुल्क की जाएंगी। सूचना विभाग के उपनिदेशक रबी बिजारनियां और स्वास्थ्य विभाग के जनसंपर्क अधिकारी अनिल सती ने बताया कि यह शिविर मुख्यमंत्री धामी की पत्रकारों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाता है। यह पहल न केवल एक चिकित्सा सेवा है, बल्कि पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मनोनीत

लखनऊ। रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मनोनीत किये जाते है। जिसमें कासगंज से शारिक अली, मुजफ्फरनगर से सत्यवीर सिंह वर्मा, बिजनौर से राजीव कुमार, शामली से विकास धीमान, सोनभद्र से सचिन गुप्ता, जालौन से रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव, रायबरेली से महेंद्र अग्रहरि, सुल्तानपुर से नरोत्तम दास कनौडिया तथा श्रावस्ती से बब्लू गुप्ता को मनोनीत किया है।रोहित अग्रवाल ने आशा की है कि नव मनोनीत जिलाध्यक्ष इस गहन दायित्व का निर्वहन करते हुए भारत रत्न चौधरी चरण सिंह एवं चौधरी अजित सिंह की विचारधारा तथा रालोद की रीति-नीति में आस्था रखते हुए रालोद के संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के माध्यम से छोटे व्यापारियों के उत्थान के लिए नई रणनीति बनायी जायेगी।

भाजपा सरकार समाज में नफरत फैला रही : अखिलेश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार समाज में नफरत फैला रही है। कारोबार रोक रही है। महंगाई, बेरोजगारी बढ़ा रही है। भाजपा स्वतंत्र रूप से काम करने वाली संस्थाओं को अपने नियंत्रण में करना चाहती है। सारी संस्थाओं को बर्बाद कर रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता से ऐसे हटेगी कि उसका कहीं अता-पता नहीं चलेगा।

पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी और पदाधिकारियों की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई रोकने में विफल है। हर चीज की कीमते बढ़ गयी है। सोना एक लाख रू. से पार चला गया है। गरीब व्यक्ति अपनी बेटी की शादी कैसे करेगा। इस महंगाई में शादी-विवाह में गरीब बेटी को कुछ भी देने की स्थिति में नहीं है। क्या यही भाजपा का विकसित भारत है। क्या यही सबका साथ और सबका विकास है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाली पार्टी है। प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे में श्रद्धालुओं की मौत के आंकड़े को लेकर पूरी सरकार ने झूठ बोला। मृतकों के परिजनों को मुआवजा न देना पड़े इसलिए मरने वालों की संख्या सिर्फ 37 बतायी। अब जब एक प्रतिष्ठित समाचार संस्था ने पूरा आंकड़ा और सच्चाई सामने ला दिया है तो सरकार कहीं भी मुंह दिखाने लायक नहीं बची है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कुंभ हादसे में मृतको का सही आंकड़ा नहीं बताया लेकिन मृतकों के परिजनों के घर पहुंच कर पैसे दिए गए।

संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लाक स्तर पर संगठन को देंगे नया रूप : अविनाश पाण्डेय

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जारी संगठन सृजन अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व यूपी प्रभारी अविनाश पाण्डेय की उपस्थिति एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता और राष्ट्रीय सचिव नीलांशू चतुर्वेदी की मौजूदगी में सोमवार को तीसरे दिन प्रदेश के बुंदेलखंड जोन के जनपद (कानपुर, कानपुर देहात, कन्नौज, औरैया, जालौन, महोबा, झांसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, हमीरपुर, इटावा) के जिला/शहर अध्यक्ष एवं कोऑर्डिनेटरों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से उप्र कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह एवं निवर्तमान प्रदेश महासचिव अनिल यादव, संजय दीक्षित भी मौजूद रहे।

बैठक में जिला/शहर अध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा के साथ अविनाश पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों को प्रदेश के सभी 823 ब्लाकों में उनके अंतर्गत आने वाली न्याय पंचायत स्तर तक कांग्रेस पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी न्याय पंचायत इकाईयों में पदाधिकारियों का चयन कर नवीन संगठन का निर्माण करें, जिससे बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूती मिल सके। न्याय पंचायत से ही हम प्रदेश के जमीनी मुद्दों को समझकर जनविरोधी भाजपा सरकार से जनता के हितों की लड़ाई लड़ सकेंगे।

ट्रांसजेंडर समुदाय को मिले वास्तविक लाभ : आनंदीबेन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में किन्नर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की योजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि

- राज्यपाल ने की किन्नरों के सामाजिक उत्थान एवं आत्मनिर्भरता के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें वास्तविक लाभ मिल सके।

राज्यपाल सोमवार को राजभवन में किन्नरों के सामाजिक उत्थान एवं आत्मनिर्भरता के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की

समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल ने वित्तीय समावेशन की योजनाओं की जानकारी ट्रांसजेंडर समुदाय तक पहुंचाने और उन्हें इनका लाभ दिलाने पर जोर देते हुए उन्होंने समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि ट्रांसजेंडर समुदाय से संवाद स्थापित कर उनकी प्राथमिक आवश्यकताओं को समझा जाए और योजनाओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाए। राज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों को सामूहिक प्रयासों के माध्यम से किन्नर समुदाय के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए ठोस और सतत कार्ययोजना बनाने पर जोर देते हुए निर्देशित किया कि इस समुदाय के लिए चलाई जा रही सभी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किन्नरों के कल्याण के लिए 100 केंद्र स्थापित किए जाएं तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि एचआईवी संक्रमित ट्रांसजेण्डर का समय पर पहचान कर उन्हें समुचित उपचार की सुविधा दी जाए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि यदि इस समुदाय में कोई विशेष दक्षता या कौशल युक्त है, तो उन्हें प्रशिक्षण देकर विभिन्न संस्थानों में रोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार विभिन्न संस्थानों में रोजगार देने के लिए निर्देश दिया। इस कार्य में स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) एवं समाज की सहायता लेने के भी निर्देश दिए गये। राज्यपाल जी ने कहा कि जब ट्रांसजेंडर समुदाय को रोजगार प्राप्त होगा, तो उनके परिवारजन भी उनका सम्मान करने लगेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर गठित ट्रांसजेंडर कल्याण समिति एवं ट्रांसजेंडर सुरक्षा प्रकोष्ठ सक्रिय रूप से कार्य करें और समय-समय पर उनकी बैठकें आयोजित की जाएं। उन्होंने समितियों में ट्रांसजेंडर समुदाय को भी शामिल करने, इनके पहचान प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल एवं त्वरित बनाने का निर्देश दिया, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस प्रक्रिया से वंचित न रहे। राज्यपाल ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए सभी स्तरों पर समर्पित और समावेशी दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश हुए कहा कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम उन्हें बराबरी और गरिमा का जीवन देने हेतु हरसंभव प्रयास करें। बस्ती जनपद में ट्रांसजेण्डर समुदाय के लिए संचालित पाठशाला को शिक्षण-सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए राजभवन की ओर से एक स्मार्ट बोर्ड प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी है और ट्रांसजेंडर समुदाय को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से न केवल शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि डिजिटल माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने में उन्हें नई दिशा भी मिलेगी।

कानपुर के भीमसेन में बनेगा 700 करोड़ की लागत से ईवी पार्क

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीएसआईडीए) कानपुर के भीमसेन के निकट नए डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन (डीएफसीसी) कॉरिडोर के 500 एकड़ क्षेत्र में एक अत्याधुनिक ईवी पार्क की स्थापना करेगा। समीक्षा बैठक दौरान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 700 करोड़ रुपये है। यह परियोजना पीपीपी मॉडल के तहत विकसित की जाएगी, जो कानपुर को इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में अग्रणी बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

- यूपीएसआईडीए 500 एकड़ में ईवी पार्क, विकसित होगा ईवी सहायक क्लस्टर
- पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा उपयोग को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप प्रदेश को इलेक्ट्रिक वैहकिल विनिर्माण का हब बनाने के उद्देश्य से कानपुर में ईवी पार्क के निर्माण किया जा रहा है। ईवी पार्क निर्माण का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति श्रृंखला को स्थानीय स्तर पर मजबूत करना और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना है। पार्क में इलेक्ट्रिक मोटर, चेसिस, स्टील पार्ट्स, और लिथियम-आयन सेल विनिर्माण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा, लिथियम-आयन बैटरी असेंबली इकाई, चार्जर, कंट्रोलर, और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के उत्पादन की सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र होगा, जो नवाचार को बढ़ावा देगा और उत्पाद विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

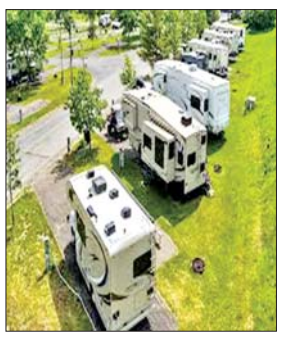

यह केंद्र न केवल स्थानीय बल्कि वैश्विक स्तर पर ईवी तकनीक में प्रगति को गति देगा। कानपुर में ईवी पार्क का निर्माण न केवल कानपुर को ईवी विनिर्माण का हब बनायेगा साथ ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। ईवी पार्क में एक समर्पित ईवी सहायक क्लस्टर भी विकसित किया जा रहा है, जो आसपास के क्षेत्र के छोटे और मध्यम उद्यमों को ईवी के कम्पोनेंटस के उत्पादन में सहायता प्रदान करेगा। साथ ही ये क्लस्टर स्थानीय उद्यमियों को स्टार्टअप्स के लिए अवसरों का सृजन करेगा, जिससे रोजगार के भी नए अवसर पैदा होंगे। डीएफसीसी कॉरिडोर के निकट होने के कारण, यह पार्क लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के मामले में भी लाभकारी होगा। सामरिक दृष्टिकोण से यह स्थान रेल और सड़क मार्गों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, जिससे कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन सुगम होगा। सरकार का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन को बढ़ावा देकर, यह परियोजना कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा देगी। कानपुर महानगर विकास विजन 2030 के तहत यह ईवी पार्क न केवल औद्योगिक प्रगति का प्रतीक बनेगा, बल्कि शहर को वैश्विक ईवी उद्योग के नक्शे पर एक प्रमुख स्थान दिलायेगा।

महापौर ने स्वच्छता रैंकिंग की प्रक्रिया में बदलाव की उठाई मांग

लखनऊ। हरियाणा के पंचकूला में आयोजित अखिल भारतीय महापौर परिषद की 115वीं कार्यकारिणी बैठक में देशभर के महापौरों ने भाग लिया। इस आयोजन में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने उत्तर प्रदेश की राजधानी का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने लखनऊ में हो रहे सफाई एवं कूड़ा प्रबंधन के कार्यों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर दी। इस विशेष बैठक में

- अखिल भारतीय महापौर परिषद की 115वीं कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुईं लखनऊ की महापौर

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शहरी विकास मंत्री विपुल गोयल, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा, पंचकूला के मेयर कुलभूषण गोयल सहित देशभर से आए महापौरों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस बैठक का उद्देश्य नगर निकायों के बीच बेहतर समन्वय, कार्यप्रणाली में एकरूपता और शहरी विकास की दिशा में प्रभावशाली पहल करना था।

बैठक में महापौर सुषमा खर्कवाल ने मांग उठाई कि स्वच्छता सर्वेक्षण में रैंकिंग की प्रक्रिया को दो अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाए। पहली श्रेणी उन नगर निगमों की हो जहां 74वां संविधान संशोधन लागू है, और दूसरी श्रेणी उन नगर निगमों की जहां यह संशोधन लागू नहीं है। उनका मानना है कि सभी नगर निगमों को एक समान मानकर रैंकिंग देना न्यायसंगत नहीं है। इस पर चर्चा करते हुए सभी ने यह भी मांग की कि देशभर में मेयर का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से हो, मेयर का कार्यकाल पांच वर्षों का सुनिश्चित किया जाए और 74वां संशोधन पूरे देश में लागू किया जाए, जिससे नगर निकाय अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकें।

महापौर ने प्रस्तुत किया लखनऊ का कूड़ा प्रबंधन मॉडल : बैठक में महापौर सुषमा खर्कवाल ने लखनऊ नगर निगम के कूड़ा प्रबंधन मॉडल को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कैसे शिवरी प्लांट में ठोस कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण किया जा रहा है। लखनऊ नगर निगम इस कचरे से खाद और आरडीएफ तैयार कर राजस्व अर्जित कर रहा है। महापौर ने यह भी बताया कि ब्राजील से आए प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में लखनऊ में कूड़ा प्रबंधन की व्यवस्था का अवलोकन किया था, साथ ही आंध्र प्रदेश के शहरी विकास मंत्री भी लखनऊ की सफाई व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए आए थे।

पर्यावरण सुधार में लखनऊ की बड़ी पहल : उन्होंने यह भी बताया कि लखनऊ में 1000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन कूड़ा उठाने के कार्य में लगाए गए हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण में भी अहम योगदान मिल रहा है। यह पहल न केवल लखनऊ की स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि ग्रीन सिटी के तौर पर लखनऊ की पहचान भी मजबूत कर रही है। यह बैठक न केवल अनुभव साझा करने का माध्यम बनी, बल्कि शहरी प्रशासन को और अधिक सशक्त व सक्षम बनाने की दिशा में सुझावों और मांगों का एक सशक्त मंच भी बनी।

विमान हादसे में दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि : बैठक में देशभर के महापौरों ने अपने-अपने शहरों में किए जा रहे नवाचार और अच्छे कार्यों की जानकारी साझा की। साथ ही, अहमदाबाद में हाल ही में हुए विमान हादसे में जान गंवाने वाले लोगों, जिनमें पूर्व महापौर और पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे, को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विभाग को जेई ने लगाया लाखों का चूना, प्रापर्टी डीलर को मिला फायदा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बिजली विभाग में कब क्या हो जाये यह किसी को पता नही है। जी हां पैसा मिले तो नियम और कायदा जेई द्वारा बदल दिया जाता है। शारदानगर बिजली उपकेन्द्र पर पूर्व में तैनात अवर अभियंता अंगद कुमार ने अशरफनगर में चल रहे प्रापर्टी डीलर को लाखो का फायदा पहुंचाने के लिए प्लाटिंग पर बिना लोड़ सेंसन किये ही लगभग 400 मीटर पर बांसबल्ली के सहारे आवेदन संख्या 4771430557 पर मनोज कुमार यादव के नाम से दो किलोवाट का घरेलू कनेक्शन दे दिया। प्लाटिंग में एक कनेक्शन मिलने पर अब वहां पर विभागीय ट्रांसफार्मर से ही प्लाटिंग में दूरी का कनेक्शन देना मजबूरी हो जायेगा। जिससे विभाग का नुकसान तो हुआ ही साथ में भ्रष्टाचार का भी बढ़ावा मिला। मामला सोशल मीडिया पर चलने के बाद आनन-फानन में सर्किल 4 अधीक्षण अभियंता ने नादरगंज एक्सीन से जांच कर रिपोर्ट मांगा है। अब ऐसे में प्लाटिंग का लोड सेंसन हुआ होता तो विभाग को लगभग 20 लाख से अधिक का राजस्व मिलता। लेकिन जेई के निजी स्वार्थ के कारण लाखो रुपये का नुकसान हो गया। नादरगंज एक्सीएन ने बताया कि जांच किया जा रहा है जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ लिखित में उच्च अधिकारियों को बताया जायेगा।

किसी को भी फायदा पहुंचाने के लिए विभाग का नुकसान नही किया जा सकता है। जांच कराया जायेगा, जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई किया जायेगा।

मध्यांचल एमडी, रिया केजरीवाल

पत्नी के नाम बना स्टीमेट, दे दिया पति के नाम कनेक्शन

लेसा सिस गोमती अमौसी जोन के एकता नगर में सोनल पाण्डेय के नाम से दो किलोवाट का घरेलू कनेक्शन संख्या-जे1017135484 पर आवेदन हुआ था जिसका पहले से ही 88728 रुपये का एस्टिमेट बना था। लेकिन अपने स्वार्थ के चलते जेई अंगद ने उपभोक्ता से मिलकर आवेदक के पति राममिनल पाण्डेय के नाम से फिर आवेदन कराया और बिना एस्टिमेट जमा कराये कनेक्शन दे दिया। सोनल पाण्डेय के नाम से आवेदन हुआ था तो पूर्व के जेई ने मौके का मुआयना किया जिसमें दूरी अधिक होने पर 88728 रुपये का एस्टिमेट बनाया। ऐसे में मामला सोशल मीडिया पर आने के कारण आनन-फानन में जेई अंगद कुमार ने मामला संविदा कर्मी पर डालते हुए उसे निकालने के लिए एसडीओ को पत्र लिख दिया। जिससे जेई का बचाव हो सके। निकाले गये संविदाकर्मी आफताब आलम ने बताया कि कनेक्शन देने का अधिकार तो जेई का होता है फिर हमे क्यो निकाला दिया गया। उसने बताया कि हमे निकालने से क्या फर्क पड़ता है। कोई जेई का हस्ताक्षर थोड़ी ही बदल देगा। इसपर जांच होना चाहिए।

निजीकरण के विरोध में मूक प्रदर्शन

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों ने विद्युत नियामक आयोग के कार्यालय पर मूक प्रदर्शन किया और निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दिया। प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर भी निजीकरण के विरोध में व्यापक विरोध प्रदर्शन किए गए। सैकड़ो की संख्या में बिजली कर्मचारी विद्युत नियामक आयोग के कार्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंचे। बिजली कर्मियों ने विद्युत नियामक आयोग के मुख्य द्वार के सामने निजीकरण के विरोध में तख्तियां लेकर मूक प्रदर्शन किया। नियामक आयोग के सचिव ने मुख्य द्वार पर आकर संघर्ष समिति का ज्ञापन लिया। ज्ञापन के जरिए संघर्ष समिति ने निजीकरण पर नियामक आयोग द्वारा सुनवाई पर अपनी आपत्ति और विरोध दर्ज किया। संघर्ष समिति ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के नाम दिए गए ज्ञापन में उनसे मांग की है कि वह पावर कापोर्रेशन प्रबंधन द्वारा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के लिए दिए गए आरएफपी डॉक्यूमेंट को मंजूरी न दें और निजीकरण की प्रक्रिया पर रोक लगाए।

अमीनाबाद घंटाघर पार्क की सुधरेगी हालत, सुरक्षा गार्ड होगा तैनात

लखनऊ। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने सोमवार को अमीनाबाद स्थित घंटाघर पार्क का निरीक्षण किया। बीते शनिवार को वित्त मंत्री एवं लखनऊ जनपद के प्रभारी सुरेश खन्ना ने निरीक्षण किया। इस दौरान पाया गया था कि पार्क में कूड़ा और सीएमडी वेस्ट का ढेर लगा हुआ था। इस पर मंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को अविलंब सफाई कराने और पार्क को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए थे। निदेर्शों के अनुपालन में नगर निगम की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सोमवार को पार्क में सफाई कार्य शुरू कर दिया है। पार्क के चारों ओर से सफाई कराई जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से पार्क के दोनों मुख्य प्रवेश द्वारों पर लोहे के बड़े गेट लगाए जा रहे हैं और गार्ड की भी तैनाती की जाएगी। इसके अलावा पार्क की बाउंड्री को ऊंचा करने का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है, जिससे बाहरी गंदगी और अराजक तत्वों की पार्क में घुसपैठ रोकी जा सके। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। पार्क में पौधारोपण किया जाएगा जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा और बैठने की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

- नगर निगम ने शुरू की बाउंड्री ऊंची करने और सुरक्षा गेट लगाने की प्रक्रिया

अलीगंज में नालों पर से हटाया गया अतिक्रमण

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर निगम की ओर से सोमवार को विभिन्न जोनों में अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में जोनल अधिकारियों ने पुलिस बल और नगर निगम की प्रवर्तन टीम के साथ मिलकर अवैध कब्जों को हटाया। जोन-3 में थाना अलीगंज पुलिस बल की मौजूदगी में हजारी लाल माध्यमिक स्कूल से एस.बी.आई. कॉलोनी के पीछे तक नाले पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। इस अभियान के दौरान 20 झुग्गियों और 15 पक्के टीनशेड निर्माण को ध्वस्त किया गया। जोन-5 में नादरगंज और अमौसी औद्योगिक क्षेत्र में अभियान चलाया गया। साथ ही नादरगंज, कानपुर मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से लगी आम की मंडी भी हटाई गई। जोन-6 के वार्ड दौलतगंज में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। मेहताब बाग बिजली घर के पास निरीक्षण कर बुलाकी अड्डे चौराहे से एलडीए कॉलोनी तक फैलाए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। जोन-4 में अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर निगम की टीम का विरोध हो गया। मौके पर अधिकारियों से बहस होने लगी। मिठाई वाले चौराहे के पास स्थित वेंडिंग जोन में अतिक्रमण की शिकायत स्थानीय पार्षद ने की थी। इसके बाद नगर निगम की टीम-296 कार्रवाई करने पहुंची थी। विरोध होने पर टीम बैरंग वापस लौट गई।

ओम साई सिटी समेत 02 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-1 की टीम ने गोमती नगर विस्तार में कार्रवाई। इस दौरान लगभग 50 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही 02 अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया, जिसमें विकासकताओं द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल, साइट ऑफिस व बिजली के खम्भों आदि को ध्वस्त कर दिया गया। प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि विष्णु तिवारी, शैलेन्द्र मोहन श्रीवास्तव व अन्य की ओर से गोमती नगर विस्तार के चंदियामऊ में न्यू ऐरा एकेडमी के सामने लगभग 20 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए ओम साई सिटी नाम से अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी।

महानगर में नये नलकूप से दूर होगी पानी की समस्या

लखनऊ। महानगर वार्ड के चर्च रोड पार्क के निकट स्थित सेंट फिडलिस स्कूल के पास नया नलकूप लगेगा। मंगलवार रात से यहां बोरिंग शुरू हो जाएगी। दो दिनों से यहां के दर्जन भर इलाकों में पानी की किल्लत बनी हुई है। रविवार को क्षेत्रीय लोगों ने स्थानीय पार्षद का घेराव कर दिया था। सोमवार को जलकल विभाग और स्थानीय पार्षद की संयुक्त पहल पर नई बोरिंग करने का निर्णय लिया गया है। जलकल के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह, अधिशासी अभियंता सचिन सिंह यादव तथा क्षेत्रीय पार्षद हरीशचंद्र लोधी यहां पहुंचे। नए नलकूप के लिए स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अवर अभियंता अनिल कुमार, अरुण सिंह सहित कॉलोनी के अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। टीम ने चर्च रोड पार्क के आसपास के विभिन्न स्थानों का जायजा लिया और तकनीकी एवं भूगर्भीय दृष्टिकोण से उपयुक्त स्थान पर नलकूप लगाने की सहमति दी गई।

बिजली दर बढ़ने के खिलाफ लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पावर कारपोरेशन ने गुपचुप तरीके से बिजली दर बढ़ाने के लिए नियामक आयोग में प्रस्ताव दिया है। जिसके खिलाफ उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग में बिजली दर बढ़ाने के खिलाफ लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल किया है। उत्तर प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को लालटेन युग में ले जाने का कर दिया पूरा इंतजाम ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं की अधिकतम रुपया 8 प्रति यूनिट और शहरी की अधिकतम रुपया 9 प्रति यूनिट फिक्स चार्ज को जोड़ लिया जाए तो अब रुपया 12 से 13 प्रति यूनिट के बीच में दरों का प्रस्ताव। उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ी बिजली दर बढ़ोतरी जो पावर कारपोरेशन ने गुपचुप तरीके से प्रस्तावित की और अब उस पर सुनवाई शुरू होगी के विरोध में आज उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल करते हुए असंवैधानिक टैरिफ बढ़ोतरी को खारिज करने की मांग उठाई कहा अडानी टाटा एनपीसीएल अभी उत्तर प्रदेश में आए नहीं उनका टैरिफ उत्तर प्रदेश में आ गया उपभोक्ता परिषद ने कहा सबसे चौंकाने वाला मामला यह है कि सत्ताधारी पार्टी के संकल्प पत्र में गरीबों को 100 यूनिट तक रुपया 3 प्रति यूनिट था उसमें भी 33 प्रतिशत इजाफा करके अब रूपया 4 प्रति यूनिट कर दिया अभी यही चौंकाने वाला मामला नहीं है गांव की अधिकतम बिजली दर अब रुपया 8 प्रति यूनिट प्रस्तावित की गई है और शहरी घरेलू उपभोक्ताओं की रुपया 9 प्रति यूनिट प्रस्तावित की वही शाहरी घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं का जो फिक्स चार्ज पहले रुपया 110 प्रति किलो वाट हुआ करता था अब उसे रुपया 190 प्रति किलो वाट प्रस्तावित किया गया है और वहीं ग्रामीण क्षेत्र में जो फिक्स चार्ज रुपया 90 प्रति किलो वाट हुआ करता था उसे रुपया 150 प्रति किलो वाट प्रस्तावित किया गया है। उपभोक्ता परिषद ने कहा घरेलू विद्युत उपभोक्ता जो थे पहले उनकी बिजली दरों का कर स्लैब था अब उसमें स्लैब को भी तीन भागों में बांट दिया गया है उसे आने वाले समय में कुछ स्लैब में 50 प्रतिशत से ज्यादा बिजली दरों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी फिक्स चार्ज को जोड़ लिया जाए तो उत्तर प्रदेश में अब बिजली दरें लगभग रुपया 12 से 13 प्रति यूनिट के आसपास पहुंच जाएगी। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा प्रदेश के ऊर्जा मंत्री की बात करे तो इनके कार्यकाल में उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी भी ऐसा नहीं हुआ भाजपा कभी बिजली दरों में बढ़ोतरी को लेकर नियामक आयोग में धरना प्रदर्शन करने जाती थी और आज सत्ता उत्तर प्रदेश की बिजली दरों में इतना बड़ा इजाफा करने जा रही है उपभोक्ता परिषद के रहते या संभव नहीं है। प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33122 करोड़ सर प्लस निकल रहा है ऐसे में अब हर हाल में विद्युत नियामक आयोग से हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जाएगी और विद्युत नियामक आयोग 45 प्रतिशत उपभोक्ताओं की बिजली दलों में कमी करके उसका हिसाब बराबर करें।

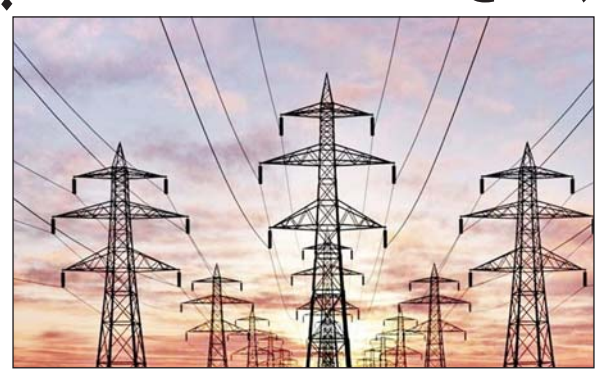

महिला सुरक्षा का वादा देश के लिए बना रोल मॉडल

यूपी पूरे देश के राज्यों में महिला संबंधी अपराधों के डिस्पोजल और कंप्लायंस रेट में पहले स्थान पर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भारत सरकार के इंवेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल अफेंस (आईटीएसएसओ) की जून माह की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश ने केंद्र शासित राज्यों को छोड़कर बड़े राज्यों में महिला संबंधी यौन उत्पीड़न के मामलों के निपटारे में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं योगी सरकार यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों के कॉम्प्लाएंस रेश्यो में भी बड़े राज्यों में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही पूरे देश में उत्तर प्रदेश में यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों में पेंडेंसी सबसे कम है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों की पेंडेंसी को जीरो करने के निर्देश योगी सरकार पिछले कई वर्षों से महिला संबंधी अपराधों के डिस्पोजल रेट कंप्लायंस रेट, में पहले स्थान पर बना हुआ है। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल पद्मजा चौहान ने बताया कि बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी का नतीजा है कि भारत सरकार के इंवेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल अफेंस (आईटीएसएसओ) की 21 अप्रैल 2018 से 3 जून 2025 तक की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश भर के राज्यों में पहले स्थान पर है। प्रदेश का निस्तारण रेश्यो 98.60 प्रतिशत है। इस दौरान उत्तर प्रदेश में कुल 1,22,130 एफ आई आर दर्ज की गयी। वहीं केंद्र शासित राज्यों में दादरा और नगर हवेली व दमन एवं दीव 98.80 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है। वहीं अगर देश के बड़े राज्यों की बात करें तो महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में उत्तर प्रदेश पहले, दिल्ली 97.60 प्रतिशत के साथ दूसरे और हरियाणा 97.20 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश इस रैंकिंग में सातवें स्थान पर था। उस समय मामलों के निस्तारण की दर 95 प्रतिशत थी। इसी तरह कंप्लायंस रेट (60 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करने की दर) में गोवा 88.50 प्रतिशत के साथ पहले, दादरा और नगर हवेली व दमन एवं दीव 88.30 प्रतिशत के साथ दूसरे और उत्तर प्रदेश 80.60 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं अगर बड़े राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश 80.60 प्रतिशत के साथ पहले, उत्तराखंड 80 प्रतिशत के साथ दूसरे और मध्य प्रदेश 77 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि वर्ष 2018 में प्रदेश इस रैंकिंग में दसवें स्थान पर था। नोडल पद्मजा चौहान ने बताया कि उत्तर प्रदेश का पेंडेंसी रेट (लंबित मामलों का अनुपात) केवल 0.20 प्रतिशत है, जो इसे देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य बनाता है। वहीं मणिपुर, तमिलनाडु और बिहार का पेंडेंसी रेट काफी अधिक (मणिपुर 65.7 प्रतिशत, तमिलनाडु 58.0 प्रतिशत और बिहार 34.5 प्रतिशत) है।

- एक बार फिर योगी सरकार ने महिला संबंधी अपराधों के निस्तारण में मारी बाजी
- पिछले कई वर्षों से उत्तर प्रदेश पूरे देश में शीर्ष स्थान पर, वर्ष 2018 से पहले सातवें और दसवें स्थान पर था
- योगी सरकार ने एक बार फिर महिला सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है

नगर निगम में कम्प्यूटर ऑपरेटरों को समान पारिश्रमिक देने की मांग

लखनऊ। नगर निगम में सेवा प्रदाता संस्था के माध्यम से कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटरों का पारिश्रमिक समान कार्य का समान वेतन के तहत 18,000 से 22,000 रुपये किये जाने की मांग उठी है। उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ ने एक बार फिर नगर आयुक्त को पत्र लिखा है। संघ के अध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया इससे पहले भी पत्र दिए जा चुके हैं। संघ की ओर से समय-समय पर नगर निगम में काम कर रहे कम्प्यूटर ऑपरेटरों के पारिश्रमिक वृद्धि के लिए अनुरोध किया गया है। बताया कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता लोक सेवा निर्माण विभाग की ओर से लाभांश सहित अपने श्रमिकों को 18,000 रुपये दिया जा रहा है। इसी प्रकार लखनऊ वृत्त लोक निर्माण विभाग, की ओर से सेवा प्रदाता के माध्यम से तैनात कम्प्यूटर ऑपरेटरों को 22,000 रुपये प्रतिमाह की पारिश्रमिक स्वीकृति प्रदान की गई है। अमृत-2.0 के अर्न्तगत प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक में कम्प्यूटर ऑपरेटर (अमृत निदेशालय/शासन में कार्यरत) स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) निदेशालय के कम्प्यूटर ऑपरेटर को 25,000 रुपये, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रेणी-2 (अमृत निदेशालय में कार्यरत श्रमिकों को 18,000 रुपये) दिए जा रहे हैं। वहीं कार्यालय नगर निगम, कानपुर कम्प्यूटर ऑपरेटर का पारिश्रमिक 18,000 रुपये प्रतिमाह दिया जा रहा है। बता दें कि नगर निगम, लखनऊ के लेखा विभाग में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर को भी 18,000 रुपये प्रतिमाह दिया जा रहा है। अटल विहारी वाजपेयी, नगर निगम डिग्री कालेज में कम्प्यूटर ऑपरेटर, पुस्तकालय इंचार्ज, लिपिक को वर्तमान में 19,800 रुपये प्रति माह दिया जा रहा है। परन्तु विभिन्न जोनों में सेवा प्रदाता के माध्यम से तैनात कम्प्यूटर ऑपरेटरों को मात्र 10,000 रुपये प्रतिमाह ही दिया जा रहा है। इस तरह से एक ही विभाग में समान पद के कार्य के लिए पृथक-पृथक पारिश्रमिक भुगतान में भेदभाव से कर्मियों में नाराजगी है। संघ उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, संगठन मंत्री मो. रेहान ने कहा कि कम्प्यूटर ऑपरेटरों को भी सम्मान जनक वेतन दिया जाए।

किसानों से एमएसपी पर होगी मक्के की खरीद

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। योगी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से पहली बार सीधे मक्का की खरीद कर रही है। यह खरीद 15 जून से शुरू हो गई है, जो 31 जुलाई तक चलेगी। क्रय केंद्रों पर सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक खरीद की जाएगी। मक्का की खरीद 2225 रुपये प्रति क्विंटल की दर से होगी।

बता दें, पिछले दिनों औरैया पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने मक्का उत्पादक किसानों से बात की थी और उन्हें आश्वस्त किया था कि सरकार नियमित रूप से उनकी खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेगी। बदायूं, बुलंदशहर, अलीगढ़, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, हाथरस, मैनपुरी, हरदोई, उन्नाव, कानपुर नगर, औरैया, कन्नौज, इटावा, फर्रुखाबाद, बहराइच, बलिया, गोंडा, संभल, रामपुर, अयोध्या व मीरजापुर जिलों में मक्का की खरीद की जायेगी।

इन बातों का रखें ध्यान : मक्के की बिक्री के लिए किसानों को यूपी किसान मित्र मोबाइल एप पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

किसान चालू मोबाइल नंबर से ही पंजीकरण कराएं, जिस पर प्राप्त ओटीपी भरकर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर सकें। किसानों की सुविधा के लिए नॉमिनी की भी व्यवस्था होगी।

किसान का बैंक खाता आधार से लिंक हो। खाते का एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) पोर्टल पर मैपिंग व सक्रिय होना जरूरी है। किसान किसी भी सहायता या समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर-18001800150 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा संबंधित जिला खाद्य विपणन अधिकारी, तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन निरीक्षक से भी संपर्क कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कर करोड़ों ठगने वाला गिरफ्तार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। एसटीएफ ने इंफ्रा विजन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर प्रमोद कुमार उपाध्याय को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ थाना मोहनलालगंज समेत अन्य थानों 30 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि प्रमोद अपने कान्हा उपवन मोहनलालगंज स्थित कार्यालय से महत्वपूर्ण दस्तावेज हटाने आने वाला है। इस पर एसटीएफ की टीम ने घेराबंदी की। ज्योतिनगर मोड़ से उसे दबोच लिया। पूछताछ में प्रमोद ने बताया कि बड़े भाई विनोद और पिता के साथ मिलकर इंफ्रा विजन कंपनी चलाता था। भोले-भाले लोगों को आकर्षक ऑफर देकर प्लॉट खरीदने के लिए प्रेरित करता था। आरोपी खुद को प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी का प्रतिनिधि बताते थे। रजिस्ट्री के बाद खरीदारों को पता चलता था कि जमीन या तो है ही नहीं या फिर उस पर कंपनी का कोई अधिकार नहीं है। पीड़ितों को न तो जमीन मिलती और न ही पैसे वापस होते। धोखाधड़ी सामने आने पर आरोपी पैसे लौटाने का आश्वासन देकर टालते रहते थे। खास तौर पर ऐसे लोगों को टारगेट करते थे, जो व्यस्तता के कारण जमीन का सही से निरीक्षण नहीं कर पाते थे। धोखाधड़ी से बेचे गये प्लाटों को से जो पैसे मिले थे उसे खलीलाबाद, प्रतापगढ़ और रक्सौल में काम्पलेक्स आदि में इन्वेस्ट किया है।

पिता भी थे कंपनी के निदेशक: कम्पनी के निदेशक के सम्बन्ध में बताया कि उसके बड़े भाई विनोद उपाध्याय के अलावा उसके पिता हरिद्वार उपाध्याय कम्पनी के निदेशक थे। लगभग एक वर्ष पूर्व पिता की मृत्यु हो चुकी है लेकिन कम्पनी के वेबसाइट से नाम परिवर्तित नहीं हुआ है। जब उसे पता चला कि उसके खिलाफ प्लॉट खरीदने वाले लोगों ने मुकदमा दर्ज कराया गया है, तब से गिरफ्तारी से बचने के लिए छिप रहा था। आशियाना में स्थापित कार्यालय को बंद कर दिया था। कान्हा उपवन स्थित कार्यालय को भी पहले ही बंद कर चुका था। यहां से सब कुछ समेटने के बाद चोरी छिपे देश के बाहर भागने की फिराक में था।

12 वीं पास करने के बाद शुरू कर दी ठगी, पार किए पांच सौ करोड़: 12वीं पास 15 साइबर ठगों ने साउथ इंडियंस से 500 करोड़ रुपए की ठगी की है। ये लड़के श्रीलंका में बैठे मास्टरमाइंड के इशारे पर काम करते थे। इनका लोकल सरगना विशाल यादव उर्फ गन्नी उर्फ प्रिंस था, जो उन्हें टारगेट देता था। प्रिंस दुबई में बैठा है। साइबर ठग अन्ना रेड्?डी गेमिंग एप का इस्तेमाल करते थे। इसके जरिए वे लोगों से 1 से 3 हजार रुपए तक की ऑनलाइन ठगी करते थे। साइबर ठगी गिरोह ने एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) बना रखी थी।

फेसबुक से जोड़कर साइबर जालसाजों ने 27.50 लाख ठगा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। साइबर ठगों का मकड़ जाल शहर में फैलता जा रहा है। हर रोज यह जालसाज लोगों को अपने जाल में फंसाकर ठगी की घटनाएं कारित कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला प्रकाश में तब आया जब फेसबुक के जरिए एक व्यक्ति से 27.50 लाख की ठगी कर ली। जालसाजों ने एक महीने में 14 बार में लाखों रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित ने जब अपना पैसा निकालना चाहा तो 20 प्रतिशत कमीशन की डिमांड करने लगे। जिसके बाद उसे ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर -ओ अलीगंज निवाली अभय कुमार मिश्रा पुत्र जटा शंकर मिश्रा ने फेसबुक पर ट्रेडिंग का ऐड देखा। जहां से वॉट्सऐप से जुड़ गए। वॉट्सऐप पर एम 3 बजाज एकेडमी के नाम से एक ग्रुप ज्वाइन किया।

एक लड़की असिस्टेंट बनकर संपर्क की। इसके बाद एक लिंक के जरिए एप्लिकेशन डाउनलोड कराया। जहां सेबी का रजिस्ट्रेशन नंबर दिखाकर एक ट्रेडिंग अकाउंट खोला। जहां रोजाना ट्रेड खरीदा और बेचा जाता था। उनकी बातों में आकर ट्रेडिंग में कुछ पैसा जमा किया जो उनके ब्रोकर खाते मे क्रेडिट होता रहा। इस तरह से करीब 19 लाख 50 हजार जमा कराए। अकाउंट में 2 करोड़ 68 लाख दिखने लगे। अभय ने अपना पैसा निकालना चाह तो 20 प्रतिशत कमीशन मांगने लगे। जिसमें 15 प्रतिशत एडवांस पहले देना था।

एक समय पर दो एप्लिकेशन से ठगी: इस दौरान अभय फेसबुक के जरिए एक अन्य वॉट्सऐप ग्रुप पर जुड़ गए। जिसका नाम टाटा कैपिटल मनीफाई था। उस पर एक दूसरी महिला से बातचीत हुई। जिसने एक एप्लिकेशन डाउनलोड कराया। जालसाजों ने अलग ट्रेड के नाम पर 8 लाख जमा कराया। जो प्रॉफिट के साथ 8.50 लाख दिखने लगा। अभय ने पैसे निकालने का प्रयास किया तो रिजेक्ट हो गया। पैसे निकालने के एवज में और रुपए की डिमांड करने लगे। तब साइबर फ्रॉड की जानकारी हुई। अभय ने बताया कि जालसाजों ने एक महीने में 14 बार में करीब 27.50 लाख हड़प लिए। पीड़ित ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर साइबर थाना बृजेश यादव का कहना है कि मुकदमा दर्ज किया गया है। रुपए होल्ड कराने का प्रयास किया जा रहा है।

ठगी के शिकार लोगों को लगता था कि वो गेम में पैसा हारे हैं, इसलिए वे पुलिस से शिकायत भी नहीं करते थे। गिरोह ने करीब ढाई लाख लोगों से 500 करोड़ रुपए ठगे हैं। साइबर थाना, पीजीआई थाना और क्राइम ब्रांच की टीम ने 11 जून को पीजीआई इलाके के शामिया मेल रोड के टावर-ए के पेंट हाउस में गिरोह के 15 लोगों को दबोचा। लोकल सरगना विशाल यादव की तलाश जारी है। ब्रजेश यादव ने बताया कि साइबर ठग एक संगठित गिरोह की तरह काम कर रहे थे। इन्होंने अपनी एक एसओपी तैयार कर रखी थी। जिसके तहत की काम करते थे। इनकी एसओपी का प्रमुख प्वाइंट यह था कि किस जोन के लोगों के साथ कितनी ठगी (1 से 3 हजार तक) करें कि पुलिस के पास शिकायत न जाए। जाने पर पुलिस जब तक पहुंचे ठिकाना बदल सकें। इस गिरोह में अभी तक की जांच में सामने आया कि इनमें किसी के पास टेक्निकल डिग्री नहीं थी।

युवक ने की आत्महत्या

लखनऊ। नगराम के फकीर खेड़ा गांव निवासी 19 वर्षीय युवक ने आत्म हत्या कर लिया। सोमवार सुबह उसका शव गांव से बाहर खेत में लगे पीपल के पेड़ की डाल में प्लास्टिक रस्सी के फंदे से लटकता हुआ मिला। शव पेड़ से लटका होने की जानकारी पाकर महिला पुरुषों का जमावड़ा लग गया। ग्राम प्रधान द्वारा डायल 112 व स्थानीय पुलिस को दी गई सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम व नगराम पुलिस द्वारा मौके की जांच की गई। थानाध्यक्ष नगराम के अनुसार मृतक के पिता द्वारा दी गई तहरीर पर इस्तफाकिया रिपोर्ट दर्ज कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा। आत्म हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। फिलहाल परिजनों द्वारा किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

अमेठी पावर हाउस के जेई निलंबित दो संविदा कर्मी भी हटाये गये

गोसाईंगंज। उपखंड कार्यालय अमेठी पर तैनात जेई को सोमवार को नियम विरुद्ध कार्य करने पर अधीक्षण अभियन्ता वि०वि० मण्डल (लखनऊ ग्रामीण) द्वारा निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही दो संविदा कर्मयो को भी हटा दिया गया। इसके साथ ही एसडीओ के विरुद्ध कार्यवाई करने के लिए उच्च अधिकारियों को भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक विद्युत वितरण मण्डल (लखनऊ ग्रामीण), अमौसी क्षेत्र, लखनऊ के अधीनस्थ विद्युत वितरण खण्ड-मोहनलालगंज, अमौसी क्षेत्र, लखनऊ के अन्तर्गत 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्र अमेठी पर तैनात अवर अभियन्ता (जेई) धीरज कुमार दीक्षित द्वारा बिना स्टीमेट जमा कराये कनेक्शन निर्गत किये जाने तथा 01 नग पोल नियम विरूद्ध विस्थापित किये जाने से विभाग को राजस्व हानि होने तथा अपने कार्यों तथा दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के दृष्टिगत तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया। एवं संतोष कुमार कुशवाहा, उपखण्ड अधिकारी अमेठी के विरुद्ध आरोप पत्र निर्गत किया गया है। साथ ही सुखदेव (संविदा), संजीव व दिलीप कुशल श्रमिक (संविदा) को सेवा से हटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

बीते 25 से 30 वर्षों में पुलिस के व्यवहार में आया सार्थक परिवर्तन : डीजीपी

- बेहेवियरल ट्रेनिंग प्रोग्राम की कार्यशाला का डीजीपी नें किया उद्घाटन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। पुलिस महानिदेशक नें उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा वेहतर सिटीजन सर्विस देने को लेकर बेहेवियरल ट्रेनिंग प्रोग्राम की कार्यशाला का उद्घाटन किया। पुलिस बल को अधिक सद्व्यवहार, संचार एवं व्यवहारिक कुशलता का प्रशिक्षण प्रदान करनें को लेकर आज सोमवार को क्षमता निर्माण आयोग (सी०बी०सी०) भारत सरकार के सहयोग से उनके नॉलेज पार्टनर इल्युमिन नें प्रशिक्षण निदेशालय में पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि डीजीपी राजीव कृष्ण नें कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस मौके पर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा व क्षमता निर्माण आयोग के सदस्य डॉ0 आर0 बालासुब्रमण्यम व अपर पुलिस महानिदेशक बी. डी. पॉल्सन एवं पुलिस महानिरीक्षक चन्द्र प्रकाश मौजूद थे।

इस मौके पर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा नें नवनियुक्त रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण को उच्च कोटि बनाये जाने के लिए आरक्षी नागरिक पुलिस के आधारभूत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में ईगोट को सम्मिलित किया गया है जिसमें प्रशिक्षु आरक्षियों को ईगोट पोर्टल पर उपलब्ध दो कोर्सेस को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा सद्व्यवहार पर प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा पूर्व में आयोजित की गयी अनेको कार्यशाला के सम्बन्ध में अवगत कराया गया एवं बताया गया कि क्षमता निर्माण आयोग (सी०बी०सी०) भारत सरकार के माध्यम से पांच दिवसीय सद्व्यवहार कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसके माध्यम से लीड ट्रेनर्स तैयार किये जायेगें जो संस्थानों में नियुक्त अध्यापकों को सद्व्यवहार में 03 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान कर लीड कोचेस तैयार किये जायेगें, जो नवनियुक्त 60,244 रिक्रूट आरक्षियों को सद्व्यवहार, संचार एवं व्यवहारिक कुशलता प्रशिक्षण प्रदान करेगें। इस अवसर पर राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम की अवधारणा के सम्बन्ध में व्याख्यान दिया गया। डीजीपी राजीव कृष्ण नें कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों एवं ऑनलाइन जुड़े पुलिस प्रशिक्षण संस्थानो के प्रभारियों को अपने सम्बोधन के माध्यम से प्रशिक्षण का महत्व एवं पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों में बदलती हुई संचार कुशलता एवं सद्व्यवहार के सम्बन्ध में सम्बोधित किया गया। डीजीपी नें कहा कि पिछले 25 से 30 वर्षो में पुलिस के व्यवहार में सार्थक परिवर्तन आया है। इंडक्शन ट्रेनिंग प्रारम्भिक और व्यवस्थित प्रशिक्षण होता है, जिसका प्रशिक्षुओं के पूरे कैरियर पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि 60,244 आरक्षियों को यूनिफार्म, आडियो विजुअल कन्टेन्ट के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाये, जिसे सभी 112 सेन्टर्स पर प्रशिक्षण में इस्तेमाल किया जाय। उन्होंने कहा कि 60 हजार आरक्षियों को प्रशिक्षित करने का यह एक सुनहरा अवसर है, जिसका हमे समुचित ढंग से उपयोग करना चाहिये। प्रशिक्षण में प्राप्त सिखलाई और फील्ड के व्यवहारिक अनुभव में हमे संतुलन स्थापित करना चाहिये और इसके मध्य एक ह्लस्वीट स्पाटह्व है। उन्होंने कहा कि पुलिस की बिहेवियरल ट्रेनिंग और कम्यूनिकेशन अत्यन्त महत्वपूर्ण है, जिससे हमे इंटरनलीज करना चाहिये और उसके प्रति हमारा कन्वक्शन होना चाहिये। डीजीपी नें कहा कि कुम्भ में पुलिस कार्मियों के द्वारा श्रद्धालुओं से सद्व्यवहार निरन्तर प्रशिक्षण, ब्रीफिंग एवं काउन्सलिंग के कारण संभव हो पाया। इसके उपरांत प्रशिक्षण संस्थानो के प्रमुखों द्वारा प्रशिक्षण के सम्बन्ध में अपने विचारो को साझा किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक पी.टी.एस. उन्नाव नवनीत सिकेरा नें बताया कि उनके द्वारा 32 पी.टी.आई. को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर हेल्थ कोचेस बनाया गया है जो रिक्रूट प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित करेगें जिनका प्रस्तुतिकरण शीघ्र पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के समक्ष किया जायेगा। अन्त में पुलिस महानिदेशक ने प्रशिक्षण संस्थानो के प्रभारियों को प्रशिक्षण में विशेष योगदान देने व प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु निर्देशित किया।

डीजीपी ने अच्छी यातायात व्यवस्था को सराहा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। इकाना स्टेडिएम में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान बिगड़ी यातायात व्यवस्था से सबक लेते हुए नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के दौरान ट्रैफिक प्रबन्धन पर सबसे अधिक ध्यान दिया गया। डीजीपी राजीव कृष्ण और एडीजी ट्रैफिक के. सत्यनारायण का त्रिस्तरीय ट्रैफिक व्यवस्था का प्लान सफल रहा। आयोजन शुरू होने से खत्म होने तक कहीं भी ट्रैफिक व्यवस्था नहीं बिगड़ी। सोमवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी और यातायात निदेशालय के अफसरों ने मातहतों को अच्छी व्यवस्था के लिए सराहा। इस बार के ट्रैफिक प्लान के मुताबिक एडीजी के साथ ही आईजी ट्रैफिक सुभाष चन्द्र दुबे और डीआईजी अरविन्द आयोजन स्थल के पास मौजूद पार्किंग स्थल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग रास्ते थे। साथ ही यहां बसों को चारों ओर कतारबद्ध खड़ा कराया गया था। ड्राइवरों को पहले से बता दिया गया था कि आयोजन खत्म होने पर जिस बस में सवार सिपाही पहले आ जाएंगे, वह बीच में खाली रखे गए स्थान से होते हुए निकल जाएगी। अफसरों के मुताबिक आधे घंटे में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से 25 बसें गुजर गई। इसके अलावा भारी वाहनों का प्रवेश इन रास्तों पर एक दिन पहले से रोक दिया गया था। इन भारी वाहनों को दूसरी ओर डायवर्ट कर दिया गया था। ट्रैफिक पुलिस और सिविल पुलिस के डिप्टी एसपी को रास्ते में तैनात कर उन्हें नोडल अधिकारी बनाया गया था ताकि उनकी जवाबदेही तय की जा सके।

युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या, आरोपी हिरासत में

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। रहिमाबाद इलाके में धारदार हथियार से काटकर युवक की हत्या कर दी गई। रविवार देर रात पहुंचे दो बदमाशों ने दरवाजा खटखटाया। गेट खोलने पहुंची युवक की मां का गला दबाकर धक्का दे दिया। आवाज सुनकर जैसे ही युवक पहुंचा उस पर चारा काटने वाले बांके से ताबड़तोड़ वार कर दिए।

पुलिस के मुताबिक, युवक कार ड्राइवर था। उसकी हत्या प्रेम-प्रसंग में की गई है। प्रेमिका के पति समेत 4 लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना रहीमाबाद थाना क्षेत्र के हामिद खेड़ा के माजरा मवई कला की है। प्रेमिका ने पुलिस पूछताछ में बताया कि हत्या उसके पति ने ही की है। मृतक की मां ने बताया- देर रात दो लोगों ने काफी तेजी से दरवाजा खटखटाया। मैंने जैसे ही गेट खोला। बदमाशों ने मेरी गर्दन पकड़ ली। अंदर से संजय ने पूछा क्या हुआ मां मैंने कहा- मारने वाले आए हैं। बचाओ। इतना सुनते ही संजय आया तो बदमाशों ने उसे मारना शुरू कर दिया। उनमें से एक बदमाश चिल्लाया- बोटी-बोटी काट डालो इसकी। मैं उनके हाथ जोड़ने लगी। मैंने कहा भगवान के लिए उसे छोड़ दो। लेकिन दोनों नहीं माने और मेरे बेटे को काटकर मार डाला। हमलावरों ने संजय के सिर, कमर, कंधे और शरीर के कई हिस्सों पर बांके से मारा। इस दौरान संजय रसोई की तरफ भागा तो वहां भी उसे बांके से मारते रहे। बाद में बेटा बाहर भागते हुए नहर में कूद गया। हमलावरों ने उसे वहां भी नहीं छोड़ा।

मृतक संजय का विवाह 12 साल पहले रानी से हुआ था। लेकिन, इस दौरान वह अपनी बचपन की प्रेमिका मीरा के संपर्क में भी रहा। इस बात से नाराज संजय की पत्नी अपने 3 बच्चों के साथ मायके जाकर रहने लगी। उसकी प्रेमिका मीरा की भी शादी हो चुकी थी। इसके चलते उसका पति सुनील आए दिन संजय को धमकी देता रहता था। आरोप है कि रात में वही लोग आए और हत्याकांड को अंजाम दिया। संजय की शादी ठाकुरगंज के बरौरा में हुई थी। मृतक अपने चार भाइयों में सबसे छोटा था। पत्नी रानी से तीन लड़के अजीत (10), अनुराग (8) और अतुल (6) हैं। प्रेमिका मीरा के भी 18 साल का बेटा है। रानी के मायके जाने के बाद संजय और मीरा लगातार मिलने-जुलने लगे थे।

पीपल के पेड़ की डाल में रस्सी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव : नगराम के फकीर खेड़ा गांव निवासी 19 वर्षीय युवक ने आत्म हत्या कर लिया। सोमवार सुबह उसका शव गांव से बाहर खेत में लगे पीपल के पेड़ की डाल में प्लास्टिक रस्सी के फंदे से लटकता हुआ मिला। शव पेड़ से लटका होने की जानकारी पाकर महिला पुरुषों का जमावड़ा लग गया। ग्राम प्रधान द्वारा डायल 112 व स्थानीय पुलिस को दी गई सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम व नगराम पुलिस द्वारा मौके की जांच की गई। थानाध्यक्ष नगराम के अनुसार मृतक के पिता द्वारा दी गई तहरीर पर इस्तफाकिया रिपोर्ट दर्ज कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चल सकेगा। आत्म हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। फिलहाल परिजनों द्वारा किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। नगराम के अचली खेड़ा का मजरा फकीर खेड़ा गांव निवासी बेचा लाल ने बताया कि गांव से पूरब तरफ नहर किनारे उसका खेत है। जिसमें धान की नर्सरी लगी हुई है। उसी खेत में मचान बनाकर आवारा पशुओं से नर्सरी की रखवाली करते हैं। रविवार शाम करीब सात बजे वह नहर किनारे खेत पर थे तभी उनका तीसरे नंबर का लड़का विनोद वहां पहुंचा और खुद नर्सरी की रखवाली करने की बात कहकर उसे घर भेज दिया। सोमवार सुबह करीब छः बजे जब वह खेत गया तो शौच को गई गांव की महिलाओं द्वारा उसके खेत से कुछ दूर शव पेड़ पर लटका होने की जानकारी दी। मौके पर जाकर देखा तो उसके लड़के विनोद का शव करोरा गांव निवासी श्री कांत द्विवेदी के खेत में लगे पीपल के पेड़ की डाल में प्लास्टिक रस्सी के फंदे के सहारे लटकता हुआ मिला। थानाध्यक्ष नगराम विवेक चौधरी ने बताया कि मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मदद से शव पेड़ से नीचे उतरवाया गया। नगराम पुलिस के साथ साथ फोरेंसिक टीम द्वारा मौके की जांच की गई। मृतक की जेब से उसका फोन बरामद किया गया। मृतक के पिता बेचा लाल द्वारा दी गई तहरीर पर इस्तफाकिया रिपोर्ट दर्ज कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। मृतक विनोद अविवाहित था व अपने भाइयों में तीसरे नंबर का था परिवार में बड़ा भाई रामाबाबू मनोज व छोटे भाई सुधीर आर्यन एवं बहन तान्या मां गुड़िया पिता बेचा लाल व बुजुर्ग बाबा मंगल हैं।

भैंसाकुंड पर अंतिम संस्कार के दौरान महिला के शव पर गिरा पेड़, मची भगदड़

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। भैसा कुंड श्मशान घाट (बैकुंठ धाम) में छत से गिरी महिला के शव पर भर भराकर पेड़ गिर गया। इससे अफरा तफरी का माहौल हो गया और अर्थी लाए लोग जान बचाकर भागे। बैकुंठ धाम के कर्मचारियों ने परिजनों के साथ मिलकर तत्काल शव को पेड़ के नीचे से निकला। इसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

बैकुंठ धाम के कर्मचारी नरेंद्र कोहली ने बताया कि 100 वर्ष पुराना पेड़ अचानक तेज आवाज के साथ गिर गया। प्लेटफार्म पर रखा एक शव उसके नीचे दब गया। घटना के समय शव के आस-पास खड़े परिजन जान बचाकर भागे। साथी कर्मचारियों ने परिजनों के साथ मिलकर पेड़ को उठाकर शव को नीचे से निकाला। पेड़ जिस शव पर गिरा। उसकी पहचान मृतक नीलू कनौजिया के रूप में हुई। भाई संजीव कुमार ने बताया कि नीलू वन विभाग की कर्मचारी थीं। रविवार को दो मंजिला इमारत से गिर गई थीं। बहन को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

दबंगों ने मजदूर को पीटा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में दबंगों ने मजदूर को घेरकर पीट दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित को गंभीर हालत में ट्रामा-2 में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक देवसी खेड़ा मोहारी कला निवासी दिलीप रावत के मुताबिक वह शुक्रवार को छोटी घुसवल से मजदूरी कर घर वापस जा रहा था। शाम करीब 6 बजे अचानक धोधनखेड़ा निवासी दबंग सुशील अपने 10-15 साथियों संग पहुंचा। इसके बाद उस पर लाठी-डंडे व ईंट से हमला कर दिया। हमले में दिलीप के सिर, हाथ व शरीर के कई अंगों में चोट लगी। इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सूचना

सूचित करना है मैंने अपने सौतेले पुत्र अंकित पुत्र गुड्डू निवासी ग्राम शेखपुर, समनाडीह, फतेहपुर को उसके गलत चाल-चलन के चलतें अपनी चल-अचल सम्पत्ति सें बेदखल कर दिया है। भविष्य में मेरा व मेरे परिवार का इसके किसी भी कृत्यों से कोई सरोकार नहीं होगा। कौशल पुत्र सुन्दरलाल निवासी-ग्राम मुगल माजरा, पोस्ट व थाना जंहागीराबाद, बाराबंकी।

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पासपोर्ट संख्या- K 1555552 में मेरा नाम MAHER NAZ दर्ज था, जोकि गलत है। सही नाम MEHAR NAJ FATIMA है। भविष्य में मुझे MEHAR NAJ FATIMA के नाम से जाना व पहचाना जाये। मेहर नाज फातिमा पत्नी स्व. आरिफ अली सिद्दीकी निवासी-459, सत्यप्रेमी नगर, थाना नगर कोतवाली, बाराबंकी।

दुःख की घड़ी में भावनात्मक संबल बने विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने संवेदनशील जनप्रतिनिधि की नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों एवं मोहल्लों का दौरा कर हाल ही में अपने परिजनों को खो चुके 20 शोक संतप्त परिवारों से भेंट की। विधायक का यह प्रयासपीड़ित परिवारों को भावनात्मक सहारा देने और भरोसे का संबल बनने की सच्ची अभिव्यक्ति भी थी। इस दौरान डॉ. सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक व्यक्तियों से भी मुलाकात की।

सरोजनीनगर विधायक ने अंबेडकरपुरम तेलीबाग निवासी, पूर्व पार्षद प्रत्याशी सद्गुरु शरण रावत व उनकी पत्नी (पूर्व जिला पंचायत सदस्य रही शशी बाला के आवास जाकर भेट की। अंबेडकरपुरम निवासी मनोज कुमार साहू के घर पहुंचे विधायक ने उनकी बेटी सर्विष्टा साहू के न्यायिक परीक्षा में चयनित पर बधाई दी। डॉ. सिंह ने बंथरा निवासी श्री लाल बहादुर सिंह के आवास पहुँचकर उनके दो पुत्रों अधिवक्ता अभिषेक सिंह एवं सुशील सिंह ह्यमोनूह्ल के चार दिन के भीतर हुए आकस्मिक निधन पर गहन संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस असहनीय वज्रपात को 'हृदयविदारक और अवर्णनीय पीड़ा' बताया तथा परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुकेश तिवारी 'पिंटू' (महामंत्री, बंथरा व्यापार मंडल) की दादी विमला देवी के निधन पर अंबरपुर बंथरा में, भाजपा बूथ अध्यक्ष दिलीप यादव के चाचा सत्यनारायण यादव (निवासी न्यूरहीमाबाद) के निधन पर, मनोज नाथ (निवासी सपेरा बस्ती, गांधीनगर) के निधन पर इस दौरान उनकी पत्नी सोना देवी और बच्चों के लिए पेंशन एवं अन्य सहायता का आश्वासन दिया, रामनाथ तिवारी (निवासी मजरा कल्ली पश्चिम, ग्राम अमोल) के निधन पर, संदीप कुमार (पुत्र, ओम प्रकाश, भाजपा कार्यकर्ता, सेक्टर-उ, वृंदावन योजना) के निधन पर, अजय रावत (निवासी अंबेडकरपुरम, तेलीबाग) की दादी के निधन पर, प्रशांत श्रीवास्तव (भाजपा बूथ अध्यक्ष) के मौसा चित्रांजन संजकर (निवासी सेक्टर उ1, आशियाना) के निधन पर, सौरभ सिंह राठौर (निवासी सेक्टर ऋ) की माता विजयलक्ष्मी देवी के निधन पर, महेन्द्र रावत (पूर्व पार्षद प्रत्याशी, भद्रुख) के भतीजे सोनू रावत के निधन पर इस दौरान उनके बच्चों की शिक्षा में सहायता का आश्वासन दिया। नरेंद्र पाल सिंह (कोटेदार, लोनहा) की माता शिवरानी देवी के निधन पर, करण रावत (छोटे भाई, संदीप कुमार, मंडल मीडिया सह संयोजक, हरौनी) के आकस्मिक निधन पर, रोहित अवस्थी (पुत्र, उमेश अवस्थी, निवासी बादेखेड़ा) के निधन पर, भाजपा नेता ऋतु सिंह (निवासी बुद्धेश्वर) की पुत्री के निधन पर संवेदना प्रकट की। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शोक-संतप्त परिवारों से भेंट कर केवल संवेदना प्रकट नहीं की, बल्कि उनके भविष्य को लेकर गंभीर आश्वासन भी दिए। उन्होंने सपेरा बस्ती निवासी दिवंगत मनोज नाथ की पत्नी को विधवा पेंशन के लिए शासन स्तर पर प्रयास का भरोसा दिलाया। इसी प्रकार, कई दिवंगत व्यक्तियों के छोटे बच्चों की शिक्षा में आर्थिक बाधा न आए, इसके लिए उनकी फीस माफ करने का आश्वासन दिया गया। एक पात्र बेटी, जिसने हाल ही में अपने पिता को खोया है, को संविदा नियुक्ति हेतु विभागीय समन्वय का आश्वासन दिया गया। कुछ अत्यंत जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहयोग दिलाने हेतु प्रयास का वचन दिया गया, वहीं एक दिवंगत अभिभावक की मेधावी संतान को नीट (ठएएळ) कोचिंग में प्रवेश दिलाने के लिए भी आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया गया।

अश्लील फोटो वायरल करने की दी धमकी

लखनऊ। ठाकुरगंज इलाके में एक युवक अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर युवती को भगा ले गया। पीड़ित मां ने ठाकुरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि युवक लंबे समय से बेटी को ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश कर रही है।

महिला ने बताया कि उसके पति की पांच महीने पहले मौत हो चुकी है। पति के गुजरने के बाद से बेटी काफी गुमसुम रहती थी। पहले तो उनको लगा कि पिता की मौत से दुखी है। एक दिन उन्होंने बेटी से वजह पूछी तो बताया कि अरबाज उसकी आपत्तिजनक फोटो बना ली है। उसे वायरल करने की धमकी दे रहा है। महिला ने बताया कि अरबाज इलाके में ही कबाड़ का काम करता है। पूरे मामले में उसकी मां, भाई शाहरुख और शाबान भी शामिल हैं। इस पर वह अरबाज के घर गईं। उसकी मां से विरोध दर्ज कराया। इस पर अरबाज की मां ने कहा कि आगे कुछ नहीं होगा।

विमान के पहियों से उठा धुआं डीजीसीए ने मांगी रिपोर्ट

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। एयरपोर्ट के रनवे पर एक विमान के पहियों से धुआं उठने का वीडियो वायरल होने पर डीजीसीए ने रिपोर्ट तलब की है। घटना 15 जून की है। सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर सऊदिया एयरलाइंस का विमान एसवी 3112 रनवे पर उतारते वक्त रनवे पर पानी दिखा तो पायलट ने झटके से विमान उतारते हुए ब्रेक लिया। यह प्रक्रिया मानसूनी मौसम में अक्सर अपनाई जाती है ताकि रनवे पर उतर रहा जहाज फिसले नहीं। इसी दौरान विमान के पहियों से तेज रगड़ खाने की वजह से धुआं निकलने लगा। विमान टैक्सी वे से होता हुआ एप्रन तक आ गया जहां उसे एयरोब्रिज से जोड़ा गया। इस बीच पेट्रोलिंग कर रहे एयरक्राफ्ट रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग टीम की पहियों पर नजर पड़ी तो पानी की तेज धार से उनको भिगो दिया। दरअसल, जेद्दा से लौट रहे 284 यात्रियों के लिए यह पहला अनुभव था। विमान में तेज ब्रेक लगने पर कई यात्रियों के सिर सामने वाली सीट से टकरा गए। विमान से उतरने के बाद कुछ यात्रियों ने पहियों से धुआं उठने का वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। यह वीडियो इतना ज्यादा साझा हुआ कि डीजीसीए ने संज्ञान लेते हुए साऊदिया एयरलाइंस से जवाब तलब कर लिया। यात्री ने कहा, ह्यड्राइवर ने तेज ब्रेक लिया एक और वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें विमान से उतरा एक यात्री बता रहा है कि ड्राइवर ने इतना तेज ब्रेक लगा दिया कि हमारे सिर सीटों से टकरा गए। क्या होता है एक्वा मैनेजमेंट एक प्रमुख एयरलाइंस की पायलट के अनुसार रनवे की सतह भीगी हुई हो तो एक्वा मैनेजमेंट की प्रक्रिया अपनाई जाती है। यह यात्रियों को सुरक्षित करने के लिए होता है। इसमें फ्लाइट कैप्टन झटके से विमान को उतारते हुए ब्रेक लेता है। तेज रगड़ से सतह की नमी गायब हो जाती है और पहियों को मजबूत पकड़ मिलती है।

शौर्य का किरदार मेरे बाकी किरदारों से बिल्कुल अलग है : अभिषेक वर्मा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। फेमस सिटकॉम 'ये है मोहब्बतें', नागिन 6, ये है चाहतें और खतरों के खिलाड़ी 12 में अपने अभिनय और स्टंट के लिए जाने- जाने वाले अभिषेक वर्मा सोनी सब के नए शो उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में दिखाई दे रहे हैं। इस शो में उनके साथ शब्बीर आहलूवालिया और आशी शर्मा है, वहीं अभिषेक शो में युग बने शब्बीर के भाई शौर्य का किरदार निभा रहे हैं। अभिषेक ने शो में अपने किरदार, लम्बे ब्रेक, शब्बीर आहलूवालिया- आशी शर्मा के साथ काम करने के अनुभव और अपने भाई अभय वर्मा की सफलता पर बात कीं।

बहुत दिनों बाद आपको टेलीविजन पर देखना एक विजुअल ट्रीट है, इतने दिन आप कहां थे ?

धन्यवाद ! लेकिन मैं कहीं नहीं गया था, मैं यहीं था. बस टीवी से थोड़ा ब्रेक लिया था. इस दौरान मैंने दो वेब शो- गृह लक्ष्मी और एक फर्जी लव स्टोरी की, जिनका अनुभव भी बहुत अच्छा रहा. उसमें भी मैंने बहुत शानदार कलाकारों के साथ काम किया. एक शो (गृह लक्ष्मी) तो मैंने टीवी की बड़ी स्टार हिना खान के साथ किया था. अब एक बार फिर टीवी पर वापसी कर रहा हूँ और बहुत मजा आ रहा है।

इस नए टीवी शो में आपका किरदार शौर्य पहले किए गए किरदारों से कितना अलग है ?

शौर्य का किरदार उन सब किरदारों से बिल्कुल अलग है, जो मैंने अब तक निभाए हैं. यह किरदार मस्ती करता है, थोड़ा चालाक है, शरारत करता है. ये सब चीजें मैंने पहले कभी नहीं की थीं, इसलिए मुझे खुद भी बहुत मजा आ रहा है. दर्शकों को भी यह किरदार बहुत पसंद आएगा, ऐसा मुझे पूरा भरोसा है।

इतने लंबे ब्रेक के पीछे क्या वजह थी ?

नहीं, मैं ब्रेक लेने वालों में से नहीं हूँ. मुझे काम करना बहुत पसंद है. मेरे लिए साल के 365 दिन काम के लिए हैं. लेकिन मैं अच्छे मौके का इंतजार कर रहा था. ऐसा किरदार चाहिए था जो अलग हो, नया हो. और मुझे लगता है उस इंतजार का फल बहुत अच्छा मिला है. ये शो, ये किरदार और ये टीम झ सब कुछ बेहतरीन है।

शो की प्रोड्यूसर सोनाली मैम ने आपको इस शो में लिया। इसका कोई खास कनेक्शन ?

हां, मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है झ 'ये है आशिकी' और 'ये है मोहब्बतें' जैसे शो में. मुझे लगता है उन्होंने मेरा काम याद रखा और दोबारा मौका दिया. ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है. एक तरह से ये मेरी मेहनत का फल है कि किसी को मेरा काम याद रहा।

शब्बीर आहलूवालिया और आशी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

शब्बीर भाई के बारे में कुछ भी कहूं, कम होगा. मैं शुरू से उनका फैन रहा हूँ. जब आप किसी को रोज शूट पर देखते हैं, तो मन करता है कि कभी उनके साथ भी काम करूं. मेरी माँ भी उनकी बहुत बड़ी फैन हैं. आज उनके साथ काम करना मेरे लिए सपने जैसा है. शब्बीर भाई ना सिर्फ. अच्छे एक्टर हैं बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं. आर्शी भी बहुत पॉजिटिव और एनर्जेटिक हैं. सेट पर हम सब मस्ती करते हैं, एक अच्छा बॉन्ड बन गया है।

आपके करियर की शुरूआत से अब तक का सफर बहुत शानदार रहा है. आप इसपर क्या कहना चाहेंगे ?

बिल्कुल, मेरा सफर बहुत ही शानदार रहा है और मैं खुद को बहुत लकी मानता हूँ. मुझे शुरू से ही अच्छे मौके और शानदार को-एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला. मैंने एक्टिंग, कैमरा, लाइटिंग झ हर चीज सीखी है और ये मेरे लिए स्कूलिंग जैसी रही है और मैं मानता हूँ कि ये सब मेरी मेहनत और ईश्वर की कृपा का नतीजा है।

सोशल मीडिया पर वर्मा ब्रदर्स काफी ट्रेंड कर रहा है, आप इस फैंडम और भाई की सफलता पर क्या कहना चाहेंगे ?

हम बहुत गर्व महसूस करते हैं कि हमें दर्शकों का इतना प्यार मिला. मेरे भाई की फिल्म बहुत अच्छा रही, लोग उसके काम को सराह रहे हैं. मैं जानता हूँ उसने कितनी मेहनत की है, और उसका फल मिल रहा है. मैं खुद उससे बहुत कुछ सीखता हूँ. हमारी बॉन्डिंग कमाल की है, हम घर पर भी काम की बातें करते रहते हैं. मैं हमेशा उसे दुआ देता हूँ कि वो ऐसे ही मेहनत करे, ग्राउंडेड रहे।

क्या आप भी बॉलीवुड में जाने की प्लानिंग कर रहे हैं ?

बिल्कुल ! अगर कोई अच्छा किरदार मिले, तो मैं जरूर करना चाहूँगा. हम दोनों भाई बहुत मेहनत कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही बड़े पर्दे पर भी धमाल मचाएंगे।

भातखण्डे में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में चला बृहद स्वच्छता अभियान

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ में 16 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य मे विशेष बृहद स्वच्छता अभियान एवं योग से संबंधित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक शुद्धता एवं पर्यावरणीय संरक्षण के महत्व को विद्यार्थियों तथा समाज तक पहुँचाना है। स्वच्छता के विशेष कार्यक्रम की शुरूआत भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह के संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने योग और स्वच्छता के बीच के गहरे संबंध को रेखांकित किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय परिसर, आवासीय परिसर ,छात्रावास एवं मंदिर परिसर के क्षेत्रों पार्किंग स्थल तथा आस-पास के सार्वजनिक स्थलों पर विशेष बृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर छात्रों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सभी ने मिलकर परिसर की सफाई की, कचरा हटाया तथा प्लास्टिक मुक्त अभियान का समर्थन किया। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ की कुलसचिव डा. सृष्टि धवन ने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जिसमें स्वच्छता का विशेष स्थान है। स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ जीवन की नींव है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी संकल्प लिया कि इस तरह के स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा 20 को मनायेगी वार्षिक उत्सव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा की महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय कार्यालय विशाल खंड 1 गोमतीनगर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवान सिंह रावत के द्वारा किया गया। बैठक में अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा के स्थापना दिवस 20 जुलाई को बडे सादगी से मनाए जाने पर जोर दिया गया। उक्त दिवस पर महासभा का स्थापना दिवस 18 प्रदेशों में एक ही दिन मनाया जाएगा। लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा की तैयार करने हेतु लखनऊ जिलाध्यक्ष नारायण दत्त जोशी को अधिकृत किया गया और राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आगामी 20 जुलाई के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी पदाधिकारी व सदस्य तन मन धन के साथ जुटे, जिसमें प्रांतीय इकाई व लखनऊ इकाई सहयोग के साथ मिलकर कार्य करेगी। बैठक में महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष हेमंत सिंह गड़िया प्रदेश संयोजक बी एस डोलिया प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र सिंह बिष्ट लखनऊ जिला संयोजक युवराज सिंह परिहार लखनऊ जनपद अध्यक्ष नारायण दत्त जोशी वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोमेंद्र सिंह बिष्ट कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट प्रदेश इकाई के सलाहकार शैलेन्द्र सिंह रावत एवं महासभा के संगठन मंत्री हरपाल सिंह गड़िया सहित सभी पदाधिकारी, सदस्य बैठक में उपस्थित रहे और अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए गए।

रथयात्रा 27 से, नगर भ्रमण पर निकलेंगे प्रभु जगन्नाथ

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। जगन्नाथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ गुंडीचा मंदिर जाते हैं। गुंडिचा मंदिर भगवान जगन्नाथ के मौसी के घर के रूप में जाना जाता है। इस यात्रा का आयोजन सदियों से होता आ रहा है, जिनके पीछे एक पौराणिक मान्यता चली आ रही है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 27 जून को सुबह 11 बजकर 19 मिनट पर होगा। ऐसे में जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत शुक्रवार 27 जून से होने जा रही है।

मौसी के घर होती है खातिरदारी : जगन्नाथ यात्रा के पीछे यह मान्यता चली आ रही है कि इस दौरान कुछ दिनों के लिए भगवान जगन्नाथ, उसके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा बीमार पड़ जाते हैं, इसलिए वह 15 दिनों तक विश्राम करते हैं। इसके बाद वह आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन स्वस्थ होकर विश्राम कक्ष से बाहर आते हैं।

इसी खुशी में रथ यात्रा निकाली जाती है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ मौसी के घर जाते हैं और 7 दिनों तक वहीं विश्राम करते हैं। मौसी के घर पर उनका आदर-सत्कार किया जाता है। इसके वह तीनों वापस अपने रख पर सवार होकर जगन्नाथ मंदिर जाते हैं।

रथ यात्रा से जुड़ी पौराणिक कथा: पौराणिक मान्यताओं के अनुसार एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर भ्रमण की इच्छा जाहिर की थी। तब भगवान जगन्नाथ ने उन्हें रथ पर बैठाकर नगर दर्शन करवाया और अपनी मौसी के घर भी ले गए, जहां वे 7 दिन तक रुके। तभी से यह परंपरा चली आ रही है कि हर साल भगवान अपने भाई और बहन के साथ रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करते हैं।

रथ यात्रा की खास बातें: इस यात्रा में तीन भव्य रथ निकाले जाते हैं। सबसे आगे भगवान बलराम का रथ, बीच में बहन सुभद्रा का रथ और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ का रथ चलता है। भगवान जगन्नाथ का रथ नंदीघोष कहलाता है जिसकी ऊंचाई करीब 45 फीट होती है और इसमें 16 पहिए होते हैं। यह रथ नीम और हंसी की लकड़ी से बनाया जाता है और इसे खींचने वाली रस्सी को ह्यशंखचूड़ह्ल कहा जाता है। रथ निर्माण में किसी भी प्रकार की कील या लोहे का प्रयोग नहीं किया जाता क्योंकि यह आध्यात्मिक रूप से अशुभ माना जाता है।

रथों का रंग और स्वरूप: भगवान बलराम और देवी सुभद्रा का रथ लाल रंग का होता है जबकि भगवान जगन्नाथ का रथ पीले या लाल रंग में सजाया जाता है। रथों को सजाने और सज्जा में पारंपरिक कारीगरों का विशेष योगदान होता है। यह कार्य भी पूरी श्रद्धा और विधिपूर्वक किया जाता है।

रथ यात्रा का धार्मिक महत्त्व: ऐसा कहा जाता है कि भगवान जगन्नाथ के दर्शन और रथ को खींचने से मनुष्य के सभी पाप खत्म हो जाते हैं और उसे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। रथ यात्रा में शामिल होकर मोक्ष की प्राप्ति तक का मार्ग खुल जाता है। यही वजह है कि देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु हर साल पुरी पहुंचते हैं।

इसलिए अपनी मौसी के घर जाते हैं भगवान जगन्नाथ: भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यह सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि ये आस्था, भक्ति और एक अनूठी परंपरा का प्रतीक है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून, 2025 को शुरू होगी, जिसमें भक्तों की भारी उमड़ेगी। वहीं, इस यात्रा की सबसे खास बात ये है कि भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर 'गुंडिचा मंदिर' जाते हैं, पुरी स्थित गुंडिचा मंदिर को भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर माना जाता है। इस मंदिर का नाम रानी गुंडिचा के नाम पर रखा गया है, जो राजा इंद्रद्युम्न की पत्नी थीं। राजा इंद्रद्युम्न ने ही पुरी में भगवान जगन्नाथ का मुख्य मंदिर बनवाया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रानी गुंडिचा भगवान जगन्नाथ की बहुत बड़ी भक्त थीं और उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें हर साल अपने घर आने का वरदान दिया था। इसी वरदान को पूरा करने के लिए भगवान जगन्नाथ अपनी रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर में नौ दिनों तक निवास करते हैं।

बीमार हो जाते है भगवान जगन्नाथ: एक और प्रचलित कथा के अनुसार, ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को स्नान कराया जाता है, जिसे 'स्नान पूर्णिमा' कहते हैं। माना जाता है कि इस स्नान के बाद वे बीमार पड़ जाते हैं और लगभग 15 दिनों जब वे ठीक हो जाते हैं, तो अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाते हैं, जहां उन्हें ठीक होने के बाद दिया जाने वाला भोजन कराया जाता है।

नौ दिनों तक गुंडिचा मंदिर में रहने के बाद, भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ अपने मुख्य मंदिर में वापस लौटते हैं, जिसे 'बाहुड़ा यात्रा' कहा जाता है। इस यात्रा के दौरान, भगवान जगन्नाथ अपनी वापसी पर 'मौसी मां मंदिर' में रुकते हैं और वहां 'पोड़ा पीठा का भोग ग्रहण करते हैं, जो आस्था और भक्ति का प्रतीक है। इसी के साथ यह शुभ यात्रा पूर्ण हो जाती है।

नये अंदाज में पेश होगा ड्रामा उमराव जान

- समाज की विभिन्न विभूतियों के सम्मान के साथ बुधवार को मंचित होगा नाटक
- कलाकारों ने जारी किया नाटक का पोस्टर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भारत की प्रसिद्ध कहानियों में से एक उमराव जान की कहानी को एक नए अंदाज में पेश किया जा रहा है फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल कमेटी (उत्तर प्रदेश सरकार) के तत्वावधान में इसका मंचन 18 जून 2025 को ऑरनेट होटल में होना है। एक पत्रकार वार्ता के दौरान इस नाटक के निर्देशक यूसुफ खान और वामिक खान ने बताया उमराव जान ड्रामा सुनकर आपकी जहन में आया होगा कि ड्रामा हादी रुसवा की नॉवेल उमराव जान अदा से लिया गया होगा और वही स्टोरी होगी।

इस ड्रामा का नाम उमराव जान इसलिए रखा गया है कि लोगों को अवध की संस्कृति के करीब आने और समझने में आसानी होगी क्योंकि अवध से जुड़ी किसी तवायफ का नाम मशहूर है तो वह सिर्फ उमराव जान थीं। ड्रामा की स्टोरी अलग है लेखक एस एन लाल की कहानी गुलनार का कोठा से ली गई है। हादी रुसवा की नावेल के किरदारों को गुलनार का कोठा की कहानी में पिरोया गया यानी किरदार हादी रुसवा के हैं और मुख्य स्टोरी व संवाद एस एन लाल के हैं। इस नाटक का मंचन इस लिये भी अहम होगा क्योंकि मुजफ्फर अली की फिल्म उमराव जान को दोबारा रिलीज 28 जून को री रिलीस हो रही है जो पुरानी यादों को ताजा कर देगी। नाटक के मंचन से पहले बुधवार 18 जून को होटल बृन्दावन कालोनी स्थित होटल ओरनेट में समाज की विभिन्न विभूतियों जैसे, लेखक, समाज सेवक, डॉक्टर, पत्राकार, उद्यमी आदि को सम्मनित भी किया जाएगा। इस दौरान नाटक के पोस्टर को जारी करते हुए मुख्य किरदार निभा रही प्रभाती पांडे के साथ डीप सचार, तनिष्का शर्मा ने भी इस नाटक से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर अरुणा पांडे, सुफियान, एडमिन मसीह, आरिफ खान, शान फरीदी, उबेद अहमद, युसूफ खान, अर्पित मिश्रा, अनिमेष श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

कथक की विधाओं में हुए कान्हा के बाल रूप के दर्शन

- कला मंडपम में ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य कार्यशाला का समापन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ संस्कृति विभाग, उ.प्र. द्वारा आयोजित प्रस्तुतिपरक ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य कार्यशाला का समापन समारोह कलामण्डपम-प्रेक्षागृह में किया गया।

प्रस्तुतिपरक ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य कार्यशाला समापन समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. माण्डवी सिंह, कुलपति, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ एंव विशेष सचिव, संस्कृति, संजय कुमार सिंह द्वारा दीपप्रज्जवलन से किया गया, कार्यक्रम में संस्थान की अध्यक्ष, डॉ. कुमकुम धर, उपाध्यक्ष, डॉ. मिथिलेष तिवारी एवं सहायक निदेशक कोषाध्यक्ष, तुहिन द्विवेदी की उपस्थिति रही। प्रस्तुति का शुभारम्भ संगीत की देवी मां सरस्वती की उपासना या कुदेंदु तुषार हार धवला वंदना जो की राग भूपाली में है... से किया गया। तदोपरान्त मात्र एक माह की कार्यशाला में कथक सीखे हुए नए विद्यार्थियों द्वारा कथक नृत्य का शुद्ध अंग तीनताल विलंबित व मध्यलय में प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति में लगभग हर उम्र के लोग अर्थात्जहां एक और नन्हे-नन्हे बच्चों ने प्रतिभाग किया, वहीं दूसरी ओर सेवानिवृत्ति सीनियर प्रतिभागी भी मंच पर एक साथ अपनी प्रस्तुति देते नजर आये। प्रथम प्रस्तुति का समापन भगवान श्री कृष्ण जी पर आधारित अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम भजन से किया गया। द्वितीय प्रस्तुति के अंतर्गत शांताकारम भुजगशयनम विष्णु वंदना के पदों को परम्परागत कथक के शुद्ध स्वरूप को विलंबित, मध्य एवं द्रुतलय में बांधते हुए प्रस्तुत किया गया, इसी श्रृंखला में उपज, आमद, परन जोड़ी आमद, थाट, तोड़े, टुकड़े, परन, तिहाई लड़ी, गत इत्यादि प्रस्तुत किया गया। तृतीय प्रस्तुति ठुमरी जो की राग हंसध्वनि पर आधारित है तथा इसके बोल हैं जा तोसे नहीं बोलूं कन्हैया पर छेड़छाड़ का सुन्दर स्वरूप व आपसी प्रेम का अद्भुत भाव, ब्रज का मनोहर दृश्य नन्हे-नन्हे बाल कलाकारों द्वारा दिखाया गया। कार्यक्रम का समापन कथा वाचन शैली पर आधारित एक नृत्य नाटिका विष्णु अवतार नरसिंह से किया गया। इस नृत्य नाटिका में काव्य एवं शब्द रचना आनंद दीक्षित की रही तथा इसको नृत्य नाटिका का स्वरूप डॉ. उपासना दीक्षित जी द्वारा दिया गया। प्रस्तुत नृत्य नाटिका में संगीत निर्देशन एवं गायन भी आनंद दीक्षित द्वारा ही दिया गया। यह नृत्य नाटिका में असत्य पर सत्य की जीत, अधर्म पर धर्म की विजय को परिलक्षित करने के उद्देष्य हेतु प्रस्तुत की गयी। कार्यशाला की संपूर्ण प्रस्तुति में गायन व संगीत निर्देशन श्रीमती मीना वर्मा एवं आनन्द दीक्षित का रहा। तबला- नीतीश भारती, ऑक्टोपैड राहुल शर्मा, सिंथसाइजर पर एकांक्ष शर्मा रहे। संपूर्ण कार्यशाला में परिकल्पना, शिक्षण कार्य एवं नृत्य निर्देशन डॉ. उपासना दीक्षित का रहा।

भरतनाट्यम, बांसुरी वादन और युगल नृत्य ने बांधा समां

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रगति इवेंट जेटेक और लखनऊ विकास प्राधिकरण के सम्मिलित प्रयास और सहयोग से लखनऊ सहित अगल-बगल के जिलों के लोग भी यूपी दर्शन पार्क गोमती नगर लखनऊ में पधार रहे हैं। यूपी दर्शन पार्क में 30 जून तक चलने वाले समर कार्निवल 2025 में साहित्य, कला, नृत्य, कवि सम्मेलन, मुशायरा, गीत, संगीत, डांडिया सहित बहुत सारे मन भावन आयोजन लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। एक से बढ़कर एक महान विभूतियां सांस्कृतिक मंच को नई ऊंचाइयां प्रदान कर रही हैं।

समर कार्निवल 2025 मैं आज सांस्कृतिक मंच से नावकला अकादमी द्वारा कई रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई कनिषा गोयल, अनन्या शर्मा, प्रियांशी शर्मा, कार्तिक , आद्या, रिदम ,समृद्धि, अविका ,मीनाक्षी अग्रवाल ,तनी सोनल ,आराध्य शुक्ल, कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम, बांसुरी वादन, युगल नृत्य, ग्रुप डांस, सोलो डांस, जैसे आने को परफॉर्मेंस से जनता की खूब तालियां बटोरीं। सांस्कृतिक मंच पर आज जोश और उमंग का एक और नमूना बालकृष्ण शर्मा के रूप में दिखा जिन्होंने अपने बेहतरीन नागमो से ऐसे लोगों को मनोरंजन किया और यह बता दिया कि आप किसी उम्र में संगीत साधना और संगीत को अपना सकते हैं। छूकर मेरे मन को, पल पल दिल के पास जैसे बेहतरीन नगमे सुनने को मिले। यूपी दर्शन पार्क में जहां प्रतिदिन सांस्कृतिक मंच पर उभरती प्रतिभाओं को निखारने का कार्य हो रहा है, झूला मस्ती सहित फूड स्टॉल अपने रंग बिखेर रहे हैं। कई राज्यों के उत्पाद उचित मूल्य पर समर कार्निवल 2025 में खूब बिक रहे हैं, वही मैक्स हॉस्पिटल की टीम द्वारा प्रतिदिन 50 से 75 व्यक्तियों की निशुल्क बीपी और शुगर की जांच की जा रही है तथा विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट जिसे हाल में ही संयुक्त राष्ट्र की बैठक में प्रोजेक्ट किया गया तथा जिसकी बहुत सराहना की गई यूपी दर्शन के समर कार्निवल 2025 में निशुल्क टीसीआई एक्सप्रेस फाउंडेशन तथा टिसीआई फाउंडेशन, जयपुर द्वारा दिव्यांगजनों व जरूरतमंदों को निशुल्क सहायता प्रदान की जा रही है केंद्र प्रभारी डॉ पवन नेहरा प्रस्थेटिक्स और आर्थराइटिस ने प्रगति इवेंट तथा जेटेक संस्था को इस नेक कार्य करने में सहायता करने को बहुत धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष एन बी सिंह ने सभी कलाकारों को सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

बच्चे रंगमंच की बारीकियों से हुए रूबरू

शिक्षा में रंगमंच का महत्व विषय पर नाट्य कार्यशाला का आयोजन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भारतेंदु नाट्य अकादमी एवं रंगनाद, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'शिक्षा में रंगमंच का महत्व' विषय पर आधारित दस दिवसीय नाट्य कार्यशाला का आयोजन जूनियर हाई स्कूल, बी.सी. बाजार, कैंट में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया है। इस विशेष कार्यशाला की प्रशिक्षक रोजी मिश्रा हैं, जो आंगिक अभिनय विषय पर बच्चों को गहन प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। कार्यशाला में थियेटर गेम्स, शारीरिक एवं मानसिक व्यायाम, रस-भावों की पहचान, गति-चलन, तथा योग और ध्यान के अभ्यास के माध्यम से बच्चों को सजीव अभिनय की ओर प्रेरित किया जा रहा है। विशेष रूप से संवाद के बिना केवल भाव-भंगिमा से अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने की कला को भी बच्चों को सिखाया जा रहा है, जिससे उनके संप्रेषण कौशल में वृद्धि हो। विद्यालय की प्रधानाचार्या साधना सिंह ने कार्यशाला पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए एक बहुमूल्य अवसर है, जिससे उनमें आत्मविश्वास, सृजनात्मकता और शारीरिक-मानसिक संतुलन विकसित होगा। इस कार्यशाला में समीक्षा राठौर एवं शुभी तिवारी द्वारा प्रशिक्षिका को सतत सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिससे कार्यशाला का संचालन प्रभावी और समृद्ध बन पा रहा है। यह पहल न केवल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है, बल्कि रंगमंच के शैक्षिक महत्व को भी उजागर करती है।

प्रयागराज से लालकुआं के लिए चलेगी विशेष ट्रेन, यात्रियों को मिलेगी राहत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 04117/04118 प्रयागराज जं.-लालकु आं-प्रयागराज जं. साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन 19 जून से 31 जुलाई तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को प्रयागराज जं. से तथा 20 जून से 01 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार को लालकु आं से 07 फेरों के लिए किया जायेगा।

04117 प्रयागराज जं. -लालकु आं साप्ताहिक विशेष गाड़ी 19 जून से 31 जुलाई तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को प्रयागराज जं. से 23.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन फतेहपुर से 01.00 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 03.35 बजे, कन्नौज से 04.50 बजे, फरूर्खाबाद से 06.00 बजे, कासगंज से 08.00 बजे, बदायूँ से 08.55 बजे, बरेली जं. से 09.55 बजे, बरेली सिटी से 10.15 बजे, इज्जतनगर से 10.35 बजे, बहेड़ी से 11.25 बजे तथा किच्छा से 11.42 बजे छूट कर लालकु आं 12.45 बजे पहुँचेगी।

वापसी यात्रा में 04118 लालकु आं-प्रयागराज जं. साप्ताहिक विशेष गाड़ी 20 जून से 01 अगस्त तक प्रत्येक शुक्रवार को लालकु आं से 14.50 बजे प्रस्थान कर, किच्छा से 15.17 बजे, बहेड़ी से 15.40 बजे, इज्जतनगर से 16.30 बजे, बरेली सिटी से 17.00 बजे, बरेली जं. से 17.20 बजे, बदायूँ से 18.10 बजे, कासगंज से 19.40 बजे, फरूर्खाबाद से 21.10 बजे, कन्नौज से 22.12 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 23.40 बजे तथा दूसरे दिन फतेहपुर से 01.00 बजे छूट कर प्रयागराज जं. 04.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, जनरेटर से लगेज यान का 01, एलएसएलआरडी का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01, तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02 कोच सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

पूर्व से चलायी जा रही 05447/05448 पीलीभीत- शाहजहांपुर-पीलीभीत अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचालन 01 जुलाई से 30 सितम्बर तक 92 फेरों के लिए बढाया जा रहा है। 05447 पीलीभीत-शाहजहांपुर अनारक्षित विशेष गाड़ी 01 जुलाई से 30 सितम्बर तक पीलीभीत से 12.10 बजे प्रस्थान कर भोपतपुर से 12.26 बजे, बीसलपुर से 12.45 बजे, निगोही से 13.06 बजे तथा शहबाजनगर से 13.25 बजे छूट कर शाहजहांपुर 13.45 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में 05448 शाहजहांपुर-पीलीभीत अनारक्षित विशेष गाड़ी 01 जुलाई से 30 सितम्बर तक शाहजहांपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर शहबाजनगर से 14.48 बजे, निगोही से 15.03 बजे, बीसलपुर से 15.33 बजे, भोपतपुर से 15.50 बजे छूटकर पीलीभीत 16.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में एसएलआर का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 10 तथा जीएसएलआरडी के 01 कोच सहित कुल 12 कोच लगाये जायेंगे।

रेलवे क्रासिंग संख्या 06 स्पेशल पर 9 घंटे आवागमन रहेगा बाधितः परिचालनिक सुगमता हेतु पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल प्रशासन द्वारा आम जनमानस को सूचित किया है कि डालीगंज-बादशाहनगर स्टेशनों के मध्य स्थित समपार संख्या 06 स्पेशल (आई.टी. कालेज एवं सीतापुर-लखनऊ मार्ग को जोड़ता है) पर रेल बदलने का कार्य कराया जाना अपरिहार्य है। यह कार्य 17 जून को प्रातः 07:00 बजे से सायं 18:00 बजे तक किया जाएगा। जिसके फलस्वरूप उक्त सड़क मार्ग बाधित रहेगा एवं अन्य मार्ग उपलब्ध रहेंगे। उक्त कार्य रेलपथ की संरक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित है।

चौदह रेल कर्मचारियों को डीआरएम ने किया सम्मानित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबन्धक गौरव अग्रवाल ने आज मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (परिचालन) रजनीश गुप्ता, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (इंफ्रा) भुवनेश सिंह एवं वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक प्रसन्न कात्यायन, वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर मुख्यालय विजय आनन्द वर्मा तथा मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर रवीन्द्र सिंह, सहायक संरक्षा अधिकारी सुधांशु शेखर श्रीवास्तव की उपस्थिति में सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचलन में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह्न एवं कर्मठ व अमूल्य योगदान प्रदान करने के लिए संरक्षा से जुडे.मण्डल के परिचालन, सिगनल एवं दूरसंचार तथा यॉत्रिक विभाग के 14 रेलवे कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

मण्डल रेल प्रबन्धक गौरव अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि यात्री सुरक्षा तथा संरक्षित टेज्न परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए हमारे रेल कर्मियों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निष्ठा पूर्वक ड्यूटी सम्पादित की जाती है। उनकी कर्तव्यनिष्ठा को और बल प्रदान करने की दिशा में उनके योगदान को आज सम्मानित किया गया है। उन्होंने कर्मचारियों को ड्यूटी के प्रति उनकी कर्तव्य निष्ठा, सतर्कता, लगन व परिश्रम के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा बधाई दी।

बरसात से पहले नाले-नालियों की सफाई हो सुनिश्चितः मुख्यमंत्री

- मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की तैयारियों को समय से पूरा करें : योगी
- विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

विशेष संवाददाता (vol)

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था के प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने 24 जून को प्रस्तावित मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की तैयारियों को ससमय पूर्ण रखने के निर्देश दिए। बताया गया कि बैठक में गृह मंत्री अमित शाह व चार राज्यों के मुख्यमंत्री आदि मौजूद रहेंगे। सीएम ने विकास परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर निर्धारित समयावधि में पूरा कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परियोजनाएं समय से पूर्ण होने से शासन की मंशा के अनुरूप जनमानस उससे शीघ्र लाभान्वित होने लगता है। विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बरसात से पूर्व शत- प्रतिशत नालों एवं नालियों की सफाई हर हालत में प्राथमिकता पर सुनिश्चित होनी चाहिए, जिससे शहर में जलजमाव न होने पाए। नालों से निकलने वाले सिल्ट को भी तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कानून व्यवस्था को भी सुदृढ़ किए जाने के साथ ही आम जनमानस की समस्याओं का प्राथमिकता पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया।

निमार्णाधीन सेतु की गुणवत्ता पर सीएम का जोर : मुख्यमंत्री ने रिंग रोड के कार्यों की गुणवत्ता के बारे में पीडी एनएचएआई से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गंगा नदी पर निमार्णाधीन सेतु की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने दालमंडी सड़क चौड़ीकरण की कार्यवाही में भी तेजी लाने को निर्देशित किया। सीएम योगी ने सड़क नियमों का लगातार उल्लंघन करने तथा पूर्व में चालान वाले वाहनों को चिह्नित करते हुए उनके लाइसेंस निरस्तीकरण, वाहन जब्ती तथा भारी जुमार्ने का भी निर्देश दिया। एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण को पावर कट तथा डिमांड पर लगातार सतर्क दृष्टि रखने का निर्देश दिया। उन्होंने टोल फ्री नंबर को लगातार ऐक्टिव रखने तथा भूमिगत विद्युत केबल डालने के दौरान सड़कों की कटिंग तथा उसके शीघ्र रिस्टोर किए जाने को कहा।

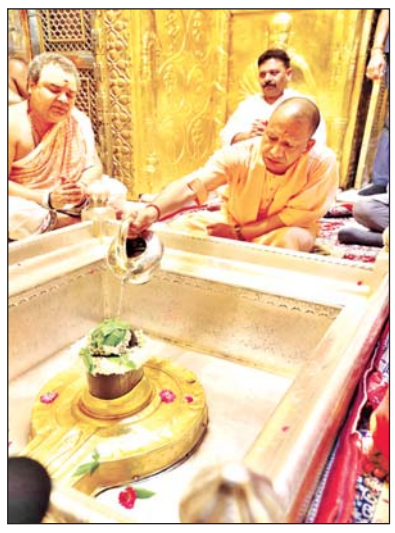

अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाएं: मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त को स्वच्छता का मैसेज लगातार प्रसारित कराने, अभियान चलाने, कूड़ा घरों की नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश देते हुए सभी सरकारी कार्यालयों में साफ सफाई रखने पर विशेष जोर दिया। पुलिस लाइन में गंदगी दिखने पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए पुलिस विभाग को स्वच्छता अभियान चलाने तथा पुलिस कार्मिकों से स्वच्छता के दृष्टिगत श्रमदान करने को भी कहा। सीएम ने कहा कि नगर निगम, पुलिस तथा स्ट्रीट वेंडर एसोसिएशन के साथ मिलकर सड़कों पर अतिक्रमण न होने पाए, इस पर नजर रखी जाए। अवैध होर्डिंग्स के विरुद्ध अभियान चलाएं तथा डिजिटल डिस्प्ले को बढ़ावा दें। विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष को गंजारी स्टेडियम के पास पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने भवनों का मानचित्र पास करने की प्रक्रिया तथा लंबित मामलों की भी जानकारी ली, जिस पर वीसी ने बताया कि ऑनलाइन नक्शे के 55 मामले लम्बित हैं। मुख्यमंत्री द्वारा पीपीपी मोड पर निर्मित 220 केवी जीपीएस सब-स्टेशन कैंट-वाराणसी ट्रांसमिशन के कार्यों में देरी होने पर नाराजगी जताते हुए कार्यदायी संस्था मेधा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड की जिम्मेदारी तय करने का निर्देश दिया।

बिना अनुमति न खोदी जाए सड़कः मुख्यमंत्री ने नगर निगम, शहरी एवं पंचायत राज विभाग को ग्रामीण स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखे जाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना अनुमति कोई सड़क न खोदी जाय। सड़कों की खोदाई करने वाले विभाग जनसामान्य के आवागमन के दृष्टिगत बेहतर तरीके से शीघ्रता से सड़कों का रेस्टोरेशन करे। उन्होंने कहा कि जनपद में गतिमान पीडब्ल्यूडी, सेतु निगम, जलनिगम आदि की जो परियोजनाएं समयबद्ध नहीं हैं, उन्हें समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

ईरिक्शा, टैंपो, ट्रक चालकों के सत्यापन का निर्देश : मुख्यमंत्री ने चौराहों, भीड़भाड़ वाले सकरे स्थलों पर आवागमन बाधित न हो, इसके लिए स्ट्रीट वेंडरों को व्यवस्थित किए जाने को कहा। शहर में ईरिक्शा, टेम्पो तथा सड़क किनारे खड़े ट्रकों आदि का सत्यापन कराने के निर्देश दिया, जिससे संदिग्ध लोगों की पहचान हो सके। मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल अपराधों पर सख्ती, राजस्व वादों को गुणवत्ता के साथ समयसीमा में निस्तारित करने को कहा। सड़क सुरक्षा, गौ-तस्करी पर सतर्क नजर रखने, फुट पेट्रोलिंग बढ़ाए जाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि थानों एवं पुलिस लाइनों के कार्य प्रणाली का नियमित समीक्षा होनी चाहिए। सभी विभाग समय से जनसुनवाई करे।

राजधानी में कोरोना के दो नये मरीज मिले

लखनऊ। राजधानी में लगातार कोरोना के सक्रिय केस मिलने का सिलसिला जारी है। सोमवार को भी लखनऊ में कोविड के दो धनात्मक रोगी पाए गए जिनमें एक महिला 35 वर्ष निवासी आलमबाग और एक पुरुष 41 वर्ष निवासी गोखले मार्ग है। जनपद में अब तक कुल 35 कोविद धनात्मक रोगी पाए गए हैं जिनमें एक्टिव केसेस की संख्या 23 है।

केकेसी में 30 जून तक होगा आवेदन

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र स्नाकोत्तर महाविद्यालय (केकेसी) के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. राकेश कुमार पाण्डेय ने सोमवार को बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में आवेदन के लिए अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ायी गयी है। उन्होंने बताया कि स्नाकोत्तर एवं एलएलबी पाठ्यक्रमों में आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि स्नातक अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणाम आने के बाद निर्धारित की जायेगी।

एकेटीयू में नैक मूल्यांकन के लिए 17 को आयेगी टीम

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में पहली बार होने वाले नैक मूल्यांकन के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की पीयर टीम आयेगी। इसे लेकर विश्वविद्यालय ने तैयारियां पूरी कर ली है। नैक पीयर टीम तीन दिन रहकर विभिन्न विभागों, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, बुनियादी ढांचे की जांच, फैकल्टी और प्रशासनिक साक्षात्कार और दस्तावेजों की समीक्षा करेगी। इस दौरान कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय प्रस्तुतिकरण देंगे। इस क्रम में इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल की निदेशक और विभागाध्यक्ष अपना प्रस्तुतिकरण देंगे।

एकेटीयू में औषधि एवं योग वाटिका का हुआ उद्घाटन

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय एवं सरोज पाण्डेय ने अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर औषधि एवं योग वाटिका का उद्घाटन किया। औषधि वाटिका में जहां विभिन्न प्रकार के औषधि गुणों वाले पौधे हैं वहीं योग वाटिका में सूर्य नमस्कार के विभिन्न चरण और सूर्य के 12 मंत्र लगाये गये हैं।

इस दौरान परिसर में स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने किया। शिविर में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, शिक्षकों कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराया। मेदांता की मेडिकल टीम ने जांच कर जरूरी सुझाव दिये। इस दौरान प्रतिकुलपति प्रो. राजीव कुमार, कुलसचिव रीना सिंह, वित्त अधिकारी केशव सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

आरडीएसओ में योग पर विशेष वेबिनार आयोजित

लखनऊ। आरडीएसओ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजितयोग जागरूकता कार्यक्रमो की श्रृंखला के तहत सोमवार को एक विशेष वेबिनारका आयोजन किया गया। इस वेबिनार का विषय था योग का महत्त्व, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप मेंडॉ. प्रशांत राय प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा विभाग महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ ने सहभागिता की। डॉ. राय ने योग, शरीर क्रिया विज्ञान और माइंडफुलनेस के अपने गहन अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से बताया कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि यह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक संतुलन प्राप्त करने का सशक्त माध्यम है। इस वेबिनार में आरडीएसओ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों नेउत्साहपूर्वक भागीदारीकी और इसे अत्यंत उपयोगी बताया। प्रतिभागियों को योग अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया ताकि कार्य दक्षता, मानसिक शांति एवं स्वास्थ्य को एक नई दिशा मिल सके। यह आयोजनआयुष मंत्रालय के मार्गदर्शन में किया गया, जो समाज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में आरडीएसओ का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस श्रृंखला की अगली कड़ी में 18 जून को आरडीएसओ के ऑडिटोरियम में महिला कर्मचारियों हेतु एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। इस व्याख्यान का संचालनप्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थाकी विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा।

सीएमएस कैम्ब्रिज टीम बेस्ट इन साउथ एशिया और सस्टेनबिलिटी अवार्ड से सम्मानित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सीएमएस के गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस के कैम्ब्रिज सेक्शन की छात्र टीम ने इंटरनेशनल साइंस कम्पटीशन में दोहरा सम्मान बेस्ट इन साउथ एशिया अवार्ड-2025 एवं सस्टेनबिलिटी अवार्ड-2025 अर्जित कर विश्व पटल पर लखनऊ गौरव बढ़ाया है। सीएमएस कैम्ब्रिज छात्र टीम को बेस्ट इन साउथ एशिया अवार्ड उसकी सर्वश्रेष्ठ शोध परियोजना मिट्टी से सतत ऊर्जाः माइक्रोबियल ईंधन सेल द्वारा गोमती नदी के प्रदूषकों की जैव ऊर्जा क्षमता का मूल्यांकन के लिए प्रदान किया गया है, जबकि पर्यावरण से सम्बन्धित मुद्दों के व्यावहारिक समाधान, तथ्यपूर्ण विश्लेषण एवं गहन अनुसंधान प्रस्तुत करने के लिए सस्टेनबिलिटी अवार्ड से नवाजा गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रतिष्ठित सम्मान अर्जित करने वाली सीएमएस कैम्ब्रिज छात्र टीम में शयान सिद्दीकी, आद्विक सक्सेना, नूरा इनायती, शरण्य वत्स एवं आरिनी शामिल हैं। खास बात यह है कि सी.एम.एस. कैम्ब्रिज छात्र टीम को लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। यह जानकारी सीएमएस के हेड, कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने दी है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल ने छात्रों के प्रोजेक्ट की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा है कि सीएमएस छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक है। सीएमएस संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गांधी ने वैश्विक स्तर पर छात्रों की दोहरी उपलब्धि पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है, साथ ही विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है। सीएमएस प्रबंधक प्रो. गीता गांधी किंगडन ने भी छात्रों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे सम्पूर्ण सीएमएस परिवार गौरवान्वित है। यह उपलब्धि छात्रों के सामाजिक उत्थान की प्रतिबद्धता व उनके वैश्विक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का स्पष्ट प्रमाण है।

लविवि के सीनियर अंडर ऑफिसर शिवम पांडे भारतीय सेना के डोगरा रेजिमेंट में हुए कमीशन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर शिवम पांडेय (बीएससी- 2022, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने 156वां कोर्स, एसएसबी सेंटर साउथ (बैंगलोर), 2023 (बैच 2019-2022) को भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त किया है। उन्हें इंडियन मिलिट्री अकैडमी (आईएमए), देहरादून से चयनित कर कमीशन प्रदान किया गया है, जहां से उन्होंने सफलतापूर्वक पास आउट किया। एसओयू शिवम पांडेय को प्रतिष्ठित डोगरा रेजिमेंट में कमीशन मिला है। उन्होंने अखिल भारतीय रैंक (एआई आर) - 25 प्राप्त की है, जो स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है।

एसओयू शिवम पांडेय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि एनसीसी ने आत्मविश्वास बढ़ाने, आपसी सहयोग की भावना विकसित करने और सशस्त्र बलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि एनसीसी के दौरान मिली बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग ने इंडियन मिलिट्री अकैडमी में सैन्य रणनीतियों को समझना आसान बना दिया। 64 यूपी बटालियन एनसीसी (लखनऊ विश्वविद्यालय) में प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए ड्रिल, अनुशासन और सैन्य व्यवहार ने उन्हें अकादमी के वातावरण में जल्दी अनुकूल होने में मदद की। एसओयू शिवम पांडेय की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय, बल्कि समस्त एनसीसी कैडेट्स को भी गर्व और प्रेरणा मिली है। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अलोक कुमार राय कर्नल कमांडेंट ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही 64 यूपी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल पीपीयस चौहान व ले. (डॉ) रजनीश कुमार यादव एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर ने भी भारतीय सेना लेफ्टिनेंट बनने पर बधाई दी।

बीबीएयू : शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

- सामाजिक समावेशन, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रतिबद्ध है बीबीएयू : प्रो. राज कुमार मित्तल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रगति पर है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में अभ्यर्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन कर रहे हैं। अब तक लगभग 13 हजार अभ्यर्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर चुके हैं। अब तक अभ्यर्थियों की तरफ से सबसे अधिक आवेदन क्रमशः प्रबंधन अध्ययन, एमसीए एवं बीएड पाठ्यक्रमों के लिए किये गये हैं। साथ ही जैसे-जैसे आवेदन की अंतिम तिथि निकट आ रही है, आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक सभी पात्र उम्मीदवार विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ttps://bbaucuet.samarth.edu.in/pg/ पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया 24 मई से शुरू हो चुकी है एवं आवेदन करने की अंतिम तिथि 18 जून निर्धारित की गयी है। सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण शुल्क 500/- निर्धारित किया गया है। वहीं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग श्रेणी के उम्मीदवारों को 300/- का पंजीकरण शुल्क देना होगा। ऐसे उम्मीदवार जो निर्धारित अंतिम तिथि तक पंजीकरण नहीं करा पाते हैं, उन्हें विलंब शुल्क 1000/- के साथ 24 जून तक पंजीकरण करने का अवसर प्रदान किया गया है। छात्र छात्रवृत्ति योजनाओं, आवासीय सुविधा, करियर काउंसलिंग, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सहायता जैसी सेवाओं का भी लाभ उठा सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने जानकारी देते हुए कहा कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय शिक्षा और शोध के क्षेत्र में निरंतर नये प्रतिमान स्थापित कर रहा है। यह विश्वविद्यालय न केवल अकादमिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, बल्कि यह सामाजिक समावेशन, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी प्रतिबद्ध रूप से कार्यरत है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय ने कई नवीन पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है, जो वर्तमान औद्योगिक आवश्यकताओं और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं। जिसमें जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा पी.जी. डिप्लोमा इन सोशल मीडिया मार्केटिंग, पी.जी. डिप्लोमा इन फिल्म एंड थिएटर एक्टिंग एंड एडिटिंग, पी.जी. डिप्लोमा इन डिजाइन एंड ग्राफिक्स, पी.जी. डिप्लोमा इन कॉपोरेट कम्युनिकेशन, सर्टिफिकेट कोर्स इन रेडियो जॉकी एंड वीडियो जॉकी, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा पी.जी. डिप्लोमा इन मैन्यूस्क्रिप्टोलॉजी (पाण्डुलिपि विज्ञान), प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा द्विवर्षीय एग्जीक्यूटिव एमबीए, डिप्लोमा कोर्स इन डिफेंस एण्ड स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, बागवानी विभाग द्वारा वन ईयर डिप्लोमा इन पोस्ट-हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी फॉर हॉर्टिकल्चरल क्रॉप्स, सर्टिफिकेट कोर्स इन कम्पोस्टिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन गार्डनिंग, फूड एंड न्यूट्रिशन विभाग-वन ईयर डिप्लोमा कोर्स इन फ्रूट एंड वेजिटेबल प्रोसेसिंग एंड प्रिजर्वेशन (अमेठी केंद्र), सिक्स मंथ सर्टिफिकेट कोर्स इन बेकरी एंड कन्फेक्शनरी (अमेठी केंद्र), सिक्स मंथ्स सर्टिफिकेट कोर्स फॉर फूड एनालिस्ट (अमेठी केंद्र), पी.जी. डिप्लोमा इन न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स, योग विभाग द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स इन योगा, सर्टिफिकेट कोर्स इन स्किल एनहांसमेंट फॉर पैरामेडिकल प्रोफेशनल, डिप्लोमा कोर्स इन कॉग्निटिव न्यूरो साइंस, डिप्लोमा कोर्स इन योगा एंड नैचुरोपैथी, डिप्लोमा कोर्स इन योगा इंस्ट्रक्टर एवं यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) द्वारा डिप्लोमा कोर्स इन ऑफिस ऑटोमेशन एंड टैली आदि पाठ्यक्रम शामिल रहेंगे। ये पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, नवाचार क्षमता और रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा उच्चस्तरीय रिसर्च लैब, डिजिटल क्लासरूम, लाइब्रेरी, स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर और सेंटर फॉर स्किल डेवेलपमेंट जैसी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। विश्वविद्यालय को हाल ही में इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आई आई आरएफ) 2025 में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 19वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने नैक द्वारा ए ग्रेड प्राप्त कर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदाता संस्थानों में अपनी स्थिति सुदृढ़ की है।

रूमी दरवाजा के समक्ष हुआ योगाभ्यास शिविर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वावधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन के क्रम में, लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहर रूमी दरवाजा के समक्ष योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में अंजनेयासन, वीरभद्रासन, नटराजासन, गौमुखासन, त्रिकोणासन आदि का अभ्यास कराया गया तथा भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम विलोम, शीतली प्राणायाम एवं सूर्यनमस्कार का अभ्यास भी कराया गया। संकाय के कोऑर्डिनेट डॉ अमरजीत यादव ने कहा कि स्मारकों एवं धरोहरों पर योगाभ्यास कराने से राष्ट्र गौरव का भाव उत्पन्न होता है। योग विभाग की छात्राओं ने रूमी दरवाजा के सामने योगाभ्यास करके भारतीय गौरव एवं स्वास्थ्य का संदेश दिया। प्रातः काल योगाभ्यास से शरीर में चेतना एवं स्फूर्ति का संचार होता है। प्रातः काल के शांत एवं स्वच्छ वातावरण में योगाभ्यास से भावनात्मक एवं विचारों के स्तर पर परिवर्तन आता है। व्यक्ति विशेष में शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक भावना बढ़ती है। प्रातः काल के अभ्यास से शरीर में स्थित चक्रों का जागरण होता है। इस कार्यक्रम में मोनिका सिंह, प्रीति मनुज, अर्चना वर्मा, सविता रंजन, स्मृति ओझा, अर्चना सिंह, प्रगति तिवारी, मनीषा दत्ता, अमिता शुक्ला, रुचि धवन, श्रेया कौशिक, दिव्या मिश्रा, सुष्मिता, खुशबू गौतम तथा रागिनी ने प्रतिभाग किया। पुनः 10 बजे से योग सभागार में शरीर पर प्राणायाम का प्रभाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में योगाचार्य किशोर कुमार शुक्ला के द्वारा भस्त्रिका प्राणायाम, उज्जायि प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम, नाड़ी शोधन प्राणायाम तथा भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। प्राणायाम के अभ्यास द्वारा शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक तथा आत्मिक चारों स्तरों पर लाभ होता है।

संक्षेप

बिहारीजी कॉरिडोर निर्माण के लिए महिला गोस्वामी ने डीएम को सौंपे मकान के कागजात

मथुरा। श्री बांके बिहारी जी कॉरिडोर निर्माण के मामले में आज उस समय एक नया मोड़ आया जब कॉरिडोर की परिधि में आने वाले एक मकान की महिला स्वामी श्रीमती यति गोस्वामी ने अपने मकान के कागजात एवं सहमति पत्र जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह को सौंप दिए। उन्होंने कॉरिडोर निर्माण को अपना समर्थन दिया है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय में मौजूद श्री राधा बल्लभ मंदिर परिवार से जुड़ी महिला श्रीमती यति गोस्वामी ने बिहारी जी कॉरिडोर परिधि में आने वाले अपने मौजूदा मकान की रजिस्ट्री अपनी स्वेच्छा से जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह को सौपते हुए कहा कि है वह बिहारी जी के भक्तों की सुविधा के लिए अपनी 75 वर्ग मीटर जमीन पर बने मकान को कॉरिडोर में देने को तैयार है। वृंदावन विकास के महायज्ञ में वह अपने मकान की स्वेच्छा से आहुति दे रहीं हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूरा भरोसा है कि उन्हें उचित मुआवजा दिया जाएगा और जिला प्रशासन जो भी मुआवजा तय करेगा वह उन्हें मंजूर होगा। बिहारी जी कॉरिडोर निर्माण की प्रक्रिया के अंतर्गत श्रीमती यति गोस्वामी ने बिहारी जी कॉरिडोर के लिए अपने पुत्र अंशुल और आकाश की मौजूदगी में अपनी जमीन का बिक्री संबंधी सहमति शपथ पत्र जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह को सौंप दिया। इस मौके पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि यह बहुत पुनीत कार्य है। श्रीमती यति गोस्वामी का 75 वर्ग मीटर का भवन बिहारी जी कॉरिडोर के दायरे में आ रहा।

62 परिवारों के आश्रितों को मिला 5 लाख का चेक

जिला संवाददाता

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का आयोजन विधायक पडरौना सहित अन्य जन प्रतिनिधि गण व जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, सहित एडीएम की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री के जनपद अंबेडकर में आयोजित कार्यक्रम के उदबोधन एवं कृषक दुर्घटना बीमा अंतर्गत प्रतीकात्मक चेक वितरण का लाइव प्रसारण देखा गया।

विधायक पडरौना मनीष जयसवाल ने इस अवसर पर कहा कि गरीब कल्याण की दिशा में जनपद के 62 परिवारों को सहायता राशि 5 लाख सरकार दी जा रही है, ऐसे सोच रखने वाली सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जनपद में 2021 से 2025 के मध्य लगभग 300 पीड़ित परिवारों को दिया जाना है उन्हें अब अगले कार्यक्रम के माध्यम से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार पूरी तरह से सभी के साथ खड़ी है। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज मुख्यमंत्री द्वारा जनपद अंबेडकर नगर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से पूरे प्रदेश में लगभग 11 हजार से अधिक परिवारों को उक्त योजना से लाभान्वित किया गया है, जिसमें जनपद कुशीनगर के 62 परिवारों के खातों में रुपए 5 लाख की धनराशि भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी तहसीलों से किसान दुर्घटना बीमा योजना से संबंधित लंबित पत्रावलियों को मंगाया गया है जिसमें 62 पत्रावलियों की कमियों को पूर्ण कर उन्हें योजना से लाभान्वित किया गया जिससे उनके अंदर संतुष्टि के भाव आए, अवशेष पत्रावलियों के संबंध में उन्होंने कहा कि उसे भी शीघ्र राजस्व विभाग के माध्यम से शीघ्र कार्यवाही पूर्ण करते हुए आगामी कार्यक्रमों के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने इस कार्य में लगे सभी संबंधित को भी धन्यवाद ज्ञापित किया, कहा कि जिसका जो हक है वो मिलना चाहिए। इस अवसर पर तहसील कप्तानगंज के सुभावती, पूनम विश्वकर्मा, पडरौना तहसील के अंजनी कुशवाहा, सुनीता, सुभावती देवी, रंजीता, दुर्गावती, गीता देवी, चंपा देवी, चंद्रा देवी, कुसुम, पूनम, तथा कसया तहसील के पूजा, माया सिंह, तारामती, प्रभावती, सुनीता, सीमा देवी, तिरुपति, मंजू देवी, अनीता, सुभावती, सहित सायरा खातुन के साथ सभी 62 लाभार्थियों में प्रतीकात्मक चेक का वितरण म्डीएम, एडीएम व हाटा प्रमुख प्रतिनिधि द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। इस अवसर पर हाटा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव,सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रेम कुमार, उप जिलाधिकारी पडरौना व्यास नारायण उमराव, तहसीलदार, सहित अन्य सभी संबंधित उपस्थित रहे।

90 लाभार्थियों को 4.3 करोड़ की सहायता राशि वितरित

देवरिया। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आज जनपद अंबेडकर नगर से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सदर तहसील के सभागार में किया गया, जिसमें सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी एवं जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उनकी सुरक्षा व सम्मान सरकार की प्राथमिकता है। यह योजना संकट की घड़ी में उनके परिवारों को संबल प्रदान करती है। यह न केवल आर्थिक सहायता है, बल्कि प्रदेश सरकार की संवेदनशील सोच और जनहित के प्रति उसके समर्पण की मिसाल भी है। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने जानकारी दी कि देवरिया जनपद में योजना के अंतर्गत चयनित 90 लाभार्थियों को ?4.30 करोड़ की सहायता राशि वितरित की गई है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित यह योजना किसानों के लिए एक भरोसेमंद सुरक्षा कवच है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता प्राप्त हो रही है।

कार्यक्रम के दौरान एडीएम प्रशासन जैनेंद्र सिंह, सीआरओ जेआर चौधरी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम श्रुति शर्मा सहित तहसील एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण तथा लाभार्थी परिवार भी उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह ने मुख्यमंत्री के उद्बोधन को आत्मीयता से सुना और योजना के प्रति सरकार की संवेदनशीलता की सराहना की।

डीएम ने उर्वरक वितरण में पारदर्शिता और नियंत्रण के दिए निर्देश

जिला संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने जनपद में उर्वरकों की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और नियोजित बनाए रखने हेतु कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि कृषकों को उर्वरकों की आपूर्ति उनकी जोत/कृषि भूमि के अनुसार तथा फसल की संस्तुति के अनुरूप ही सुनिश्चित की जाए। यह कार्य शत-प्रतिशत पीओएस मशीन के माध्यम से ही किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि यूरिया और फास्फेटिक उर्वरकों के साथ किसी अन्य उत्पाद की अनुचित टैगिंग, ओवर रेटिंग, कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा अनुदानित उर्वरकों का औद्योगिक इकाइयों में उपयोग जैसे कृत्य हरगिज स्वीकार्य नहीं होंगे। साथ ही, अन्तर्राज्यीय तस्करी की आशंका वाले क्षेत्रों में सतत निगरानी, स्थलीय निरीक्षण और भौतिक भंडारण का रैंडम सत्यापन किया जाए।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में कृषकों द्वारा खरीफ फसलों की बुवाई एवं रोपाई का कार्य प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में जून-जुलाई माह में नत्रजनिक व फास्फेटिक उर्वरकों की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। इस स्थिति में किसानों को उनकी जोत के अनुसार गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यूरिया, डीएपी, एनपीके कॉम्प्लेक्स और एमओपी की बिक्री केवल निर्धारित दरों पर ही की जाए। किसी भी विक्रेता द्वारा अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक पर बिक्री पाए जाने पर उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि उर्वरकों का वितरण आधार कार्ड के माध्यम से, कृषकों की जोत/खेतौनी की पुष्टि के बाद ही किया जाए। जनपद स्तरीय समिति द्वारा उर्वरकों की आपूर्ति, उपलब्धता व वितरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए।

थोक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे फुटकर विक्रेताओं को किसी भी प्रकार के अन्य उत्पादों की जबरन टैगिंग कर न बेचें। साथ ही, उन विनिमार्ता संस्थाओं पर भी कड़ी निगरानी रखी जाए जो यूरिया की आपूर्ति के लिए अन्य कम प्रचलित उत्पादों को क्रय करने हेतु बाध्य करते हैं। ऐसी बाध्यता प्रमाणित होने पर संबंधित संस्थाओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

प्रत्येक उर्वरक विक्रेता को स्टॉक पंजिका, विक्रय पंजिका और रसीदें अनिवार्य रूप से संधारित करनी होंगी। डिजिटल स्टॉक रजिस्टर भी तिथिवार प्रारूप में रखना आवश्यक होगा, जिससे उपलब्धता और वितरण का स्पष्ट विवरण हो।

उर्वरकों की बिक्री की सतत निगरानी की जाएगी और बिक्री फसल की संस्तुति के आधार पर ही सुनिश्चित की जाए। एमएफएमएस पोर्टल से टॉप-20 या फ्रिक्वेंट बायर्स की सूची प्राप्त कर संदिग्ध मामलों की जांच हेतु टीम गठित की जाएगी तथा रिपोर्ट भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि कोई उर्वरक विक्रेता, एजेंसी या व्यक्ति जमाखोरी, कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर बिक्री, अनुचित टैगिंग, तस्करी अथवा अधोमानक उर्वरकों की बिक्री जैसे अवैध कार्यों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपरोक्त आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

9 करोड़ में खरीदी जाएगी शिवाजी स्मारक के लिए जमीन

आगरा। आगरा के कोठी मीना बाजार में शिवाजी स्मारक के लिए राजा जयकिशन दास की कोठी सहित 2946 वर्गमीटर जमीन 9 करोड़ रुपए में खरीदी जाएगी। इसका प्रस्ताव प्रशासन की ओर से शासन को भेज दिया गया है। एक सप्ताह में बजट भी आवंटित होने की संभावना है। छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक महाराष्ट्र सरकार बनाएगी लेकिन स्मारक के लिए जमीन की खरीद उत्तर प्रदेश सरकार करेगी। राजा जयकिशन दास की कोठी सहित स्मारक के लिए प्रस्तावित जमीन पर मालिकाना हक का विवाद चल रहा है। ऐसे में जमीन का पैसा सरकार न्यायालय में जमा कराएगी। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि जमीन का फैसला जिसके पक्ष में होगा, वह न्यायालय से प्राप्त कर लेगा। कोठी मीना बाजार में शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने की घोषणा सबसे पहले 19 फरवरी 2025 को महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने आगरा किला में की। इसके बाद यूपी सरकार ने भी तेजी दिखाते हुए यहां शिवाजी स्मारक बनाने की घोषणा कर दी। कुछ महीनों तक दोनों सरकारें अपने-अपने स्तर से कोठी मीना बाजार में शिवाजी स्मारक बनाने का दावा करती रहीं। ऐसे में स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही थी कि यहां कौन सी सरकार शिवाजी स्मारक बनाएगी। इस संशय की स्थिति से पर्दा 26 मई 2025 को यूपी सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने उठाया। उन्होंने आगरा में बताया कि कोठी मीना बाजार पर प्रस्तावित शिवाजी स्मारक को महाराष्ट्र और यूपी सरकार दोनों मिलकर बनाएंगी। स्मारक के लिए उत्तर प्रदेश सरकार इस जमीन को खरीदेगी और महाराष्ट्र की सरकार यहां निर्माण कार्य करेगी। इस तरह से दोनों सरकारें यहां शिवाजी समारक बनाएंगी। इस संबंध में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के बीच बातचीत हो गई है। जिस जगह पर शिवाजी स्मारक प्रस्तावित है, उस जगह को लेकर कोर्ट में मामला विचाराधीन है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार जमीन की कीमत की रकम कोर्ट में जमा करा देगी। बाद में जो भी पक्ष केस जीतेगा, कोर्ट उसे यह रकम सौंप देगी। आगरा के शाहगंज इलाका में कोठी मीना बाजार का मैदान है। यहां बड़ी राजनीतिक रैलियां होती हैं। इसके एक तरफ टीले पर कोठी मीना बाजार बनी हुई है। दैनिक भास्कर टीम इस मैदान में पहुंची। इस कोठी तक जाने के लिए झाड़ियों के बीच से गुजरती संकरी सड़क पर करीब 50 मीटर चलना पड़ा। हमारे सामने 20 फीट ऊंची सिंगल स्टोरी भव्य बिल्डिंग दिखी। बरामदे में ब्रिटिश काल के लकड़ी के फ्रेम लगे हुए हैं। इस टीले से दूर तक शहर का नजारा दिख रहा था। बिल्डिंग के दोनों कोनों पर 3 परिवार केयर टेकर के रूप में रहते हैं। इन्हीं में एक हरिओम शर्मा का परिवार है। यही लोग पूरी बिल्डिंग की देखभाल 30 साल से करते आ रहे हैं। 2 अन्य परिवार बिल्डिंग की साफ-सफाई देखते हैं। बरामदे के बीच वाले हॉल के गेट के ऊपर लिखा है-राजा जयकिशन दास भवन।

नालों व ड्रेनों की हो रही सफाई कार्यों की विभागवार हुई समीक्षा

जिला संवाददाता

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तवंर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बाढ़ खण्ड, मनरेगा, सिचाई एवं गन्ना विभाग की संयुक्त रूप से बैठक कर पूर्व से चिन्हित जनपद के प्रमुख ड्रेनों एवं नालों की साफ सफाई के कार्यों की अद्यतन रिपोर्ट लेने उपरांत सभी संबंधित को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बैठक दौरान बरसात से पूर्व समस्त वृहद व छोटे नालों व ड्रेनो की साफ-सफाई हेतु सर्वप्रथम चीनी मिलों द्वारा कराए जा रहे कार्यों का एक एक कर चीनी मिल वाइज सौंपे गए कार्यों का ढ़ाढा, खड्डा, रामकोला के मिल प्रतिनिधि द्वारा बताया गया।

चीनी मिल के प्रतिनिधि द्वारा सभी कार्यों को एक सप्ताह के अंतर्गत पूर्ण कर लिए जाने का आश्वासन दिया गया। इसी प्रकार बाढ़ खण्ड के एई एवं अधि0 अभि0 सिंचाई द्वारा प्रगति रिपोर्ट देते हुए शीघ्र सभी कार्यों को पूर्ण करा लिए जाने का आश्वासन दिया गया। जिलाधिकारी ने जिला गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया कि ड्रेन एवं नालों की सफाई कार्य का मॉनिटरिंग करने सहित अन्य विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों में कोई दिक्कत आ रही हो तो उसे संबंधित एसडीएम से वार्ता कर निस्तारण कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने बाढ़ की तैयारियों के संबंध में एई बाढ़ खण्ड से जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं पर कार्य चल रहे हैं उन सभी कार्यों को तय समय सीमा के अंदर पूर्ण कराते हुए फोटोग्राफ्स सहित अन्य विवरण 22 जून तक अवश्य उपलब्ध कराएं। इसी प्रकार सिंचाई विभाग द्वारा हिरण्यवती नदी, बांसी नदी एवं बाढ़ की तैयारियों के संबंध में पुछ ताछ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बाढ़ की तैयारियों के संबंध में अन्य विभागों द्वारा किए जाने वाले तैयारियों हेतु शीघ्र बैठक कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किए, साथ ही उन्होंने आगामी बैठकों में रेवेन्यू विभाग को भी सम्मिलित किए जाने का निर्देश दिए। बैठक दौरान डीसी मनरेगा,जिला गन्ना अधिकारी अधिशासी अभियन्ता सिचांई, बाढ़ खण्ड के एई अधिकारी सहायक अभियन्ता गण, चीनी मिल के प्रतिनिधि सहित अन्य सभी संबंधित उपस्थित रहे।

महाराजा दाहिर सेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया याद

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, स्थित अमर शहीद संत कँवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र के मानद निदेशक प्रो. अनूप कुमार के साथ सलाहकार ज्ञानप्रकाश टेकचंदानी, सहायक आचार्य एवं समस्त स्टाफ ने पुष्पराज चैराहे पर स्थित सिंधुपति महाराजा दाहिर सेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उनके बलिदान को शिद्दत से याद किया। प्रो. अनूप कुमार ने इस अवसर पर कहा कि विदेशी आक्रांताओं से सबसे पहले सिंधी वीरों ने ही लोहा लिया था। छापामार युद्ध भी पहली बार सिंधियों ने ही शुरू किया था और स्त्री अस्मिता की रक्षा के लिए विश्व का पहला जौहर सिंधुपति दाहिर सेन की पत्नी रानी लाड़ी ने किया था।

उनकी दो बेटियों सूर्या और परिमल ने वाक चातुर्य से आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम को बैल की खाल में सिलवाकर मौत दिलवाई थी। प्रो. अनूप ने यह भी कहा कि सिंधी समुदाय मूल रूप से वीर था, किंतु समय के थपेड़ों ने उसे व्यापारी बना दिया। वह वीरता में भी अग्रणी था और आज व्यापार में भी अग्रणी है।

कप्तान साहब ! महिला से बदसलूकी को पुलिस नहीं मानती अपराध

जिला संवाददाता

कुशीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महिला उत्पीड़न और सुरक्षा को लेकर नियम कानून बनाने के साथ इसका सख्ती से पालन करने के लिए मातहतों को निरंतर आदेश दे रहे है लेकिन कुशीनगर जनपद की विशुनपुरा पुलिस सीएम के आदेश से पूरी तरह बेखबर है। पीड़ितों के साथ कैसे पेश आना है यह तो उनके उपर तय करता है। मामले की जांच पड़ताल कर कार्रवाई करने के बजाय झूठी रिपोर्ट लगा उच्चाधिकारियों को कैसे गुमराह करना है। यह इनके बाहें हाथ का खेल है। फरियादी न्याय के लिए दर - दर भटकता रहे। इससे इनको कोई लेना देना नहीं है। ताजा मामला विशुनपुरा थाना क्षेत्र का है जहां दबंगों ने बेबस महिला की सरेआम जमकर पिटाई करने के साथ बदसलूकी किया और पुलिस के सांठगांठ से पीड़िता का मुकदमा तक दर्ज नहीं होने दिया। अब दबंगों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पीड़िता पुलिस कप्तान, पुलिस उच्चाधिकारियों सहित महिला आयोग में हाजिरी लगाई है। फिर भी अब तक विशुनपुरा पुलिस दबंगों के विरुद्ध कार्रवाई करने से परहेज कर रही है। जिससे पीड़िता पुलिसिया मनमानी की शिकार हो रही है। उल्लेखनीय है कि विशुनपुरा थाना क्षेत्र के दुदही कस्बा में बीते 14 अप्रैल को धीरज और नंदलाल ने जमीनी विवाद में एक मंद्धबुद्धि व्यक्ति से कहासूनी करते करते उसको मारने पीटने लगे। बीच बचाव करने गई मंद्धबुद्धि की बहन विंध्यवासिनी देवी को भी दबंगों ने बेरहमी के साथ मारापीटा और उसके साथ बदसलूकी किया। इसकी शिकायत पीड़िता ने डायल 112 के साथ तहरीर देकर विशुनपुरा पुलिस से किया लेकिन पुलिस दबंग के प्रभाव में जमीनी विवाद बताते हुए मुकदमा दर्ज नहीं किया। हार कर पीड़िता ने न्याय की आस में पुलिस अधीक्षक कुशीनगर सहित पुलिस उच्चाधिकारियों और महिला आयोग में गुहार लगाई लेकिन पीड़िता का फरियाद विशुनपुरा थाने पर आकर दम तोड़ दिया। पुलिस ने बड़ी ही सफाई से मनगढ़ंत रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को मामले से गुमराह करने के लिए रिपोर्ट प्रेषित कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लिया। पीड़िता तथा पुलिस सूत्रों की माने तो पुलिस मामले को जमीनी विवाद में मारपीट दिखा रिपोर्ट प्रेषित किया है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कार्रवाई करने के बजाय क्या विशुनपुरा थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद में मारपीट और महिला के साथ बदसलूकी करने की पुलिस की खुली आजादी है..? क्या जमीनी विवाद मे पुलिस दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं करेगी और मुकदर्शक बन किसी बड़ी अप्रिय घटना के घटित होने का इंतजार करती रहेगी ? जैसा इसी थाना क्षेत्र के जंगल नौगावां में बीते दिनों महिला की मौत हो अथवा जिले के चौरा खास थाना क्षेत्र के कनौरा में रवि यादव की दर्दनाक मौत हो। क्या रुपए के चंद टुकड़ों के खातिर खाकी इतनी असंवेदनशील हो जायेगी कि खाकी धारण करने के पूर्व लिए अपने शपथ को भूल पीड़ितों को विना राग-द्धेष निष्पक्ष न्याय दिलाने के बजाय सही - गलत, पाप - पूण्य में अंतर करना छोड़ देगी और अपराधियों के प्रभाव में आकर अपने अधिकार और कर्तव्य तक को ताख पर रख देगी। ऐसे अनगिनत सवाल है जो पुलिस को कटघरे में खड़ा कर रही है। पुलिस महकमे से न्याय की उम्मीद छोड़ चुकी बेबस महिला को अब सीएम दरवार की आस है और महिला दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और न्याय पाने के लिए सीएम दरवार गोरखपुर में हाजिरी लगाने का मन बना चुकी है।

- **थाने पर आकर दम तोड़ रहा पीड़िता का फरियाद, पुलिस कार्रवाई करने के बजाय दबंग के इसारे पर मनगढ़ंत रिपोर्ट लगा अपने कर्तव्य की कर रही इतिश्री।**
- **दम तोड़ रही सीएम की महिला उत्पीड़न और सुरक्षा का दावा।**

धूम धाम से निकाला गया ईद-ए-गदीर का जुलूस

अयोध्या। हजरत मोहम्मद (स.अ) ने गदीर के दिन हजरत अली को अपना जानशीन बनाया जिसके बाद तमाम बुजुर्ग सहाबा ने अली को मुबारकबाद पेश किया। उसी की याद में शहर ए फैजाबाद राठहवेली में इतवार की रात मस्जिदें फय्याज से पूरे अकीदत के साथ जुलूस ए गदीर निकाला गया।

डायलिसिस के दौरान युवक की मौत कई पर गिरी गाज

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा दो दिन पूर्व जिला अस्पताल में डायलिसिस के दौरान लाईट भागने के बाद जनरेटर बंद होने पर नहटौर क्षेत्र के ग्राम फुलसंदा निवासी सरफराज (26 वर्ष) पुत्र निसार की मौत को गंभीरता से लेते हुए प्रधानमंत्री की निःशुल्क डायलिसिस योजना के अन्तर्गत निर्धारित सेवा अनुबन्ध में दी गयी शर्तों का घोर उल्लंघन करने का संस्था को दोषी पाया गया है, जिसके लिए संस्था को ब्लैक लिस्ट करने एवं संस्था के प्रबन्धक के विरूद्ध एफआईआर कराने तथा नोडल चिकित्सीय अधिकारी (डायलिसिस सेंटर) डा0 प्रेमप्रकाश ईएमओ व डा0 विक्की मेडीकल कालेज, डा0 मनोज सेन मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (पुरुष), बिजनौर व डा0 उर्मिला कार्या, प्रधानाचार्या, महात्मा विदुर स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय, बिजनौर के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गई है।

विद्युत कटौती से उपभोक्ताओं के सब्र का बांध टूटा

भटनी (देवरिया)। स्थानीय विद्युत उपकेन्द्र भटनी एवं सलेमपुर विद्युत उपकेन्द्र के भटनी फीडर से दिनभर विद्युत आपूर्ति पुरी तरह से ठप हो गयी। जहाँ लोगों का ऊमस भरी गर्मी से परेशान रहे। वही लोगो का जीवन पुरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया। वही देहात व नगर मे पानी के लिए लोग तरस गये। भटनी थाने मे पुरी तरह से कामकाज ठप रहा। बताया गया है कि भटनी विद्युत केन्द्र मे चार फीडर से पुरे क्षेत्र मे बिजली की आपूर्ति की जाती है। भटनी बैकुंठपुर फीडर खराब हो गया है। लेकिन कुछ लोगो के चलते भटनी बलुआअफगान देहात व नगर की विद्युत व्यवस्था चरमरा गयी है। गाँव से लेकर ग्रामीण अंचलो मे भी विद्युत आपूर्ति को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। थाने की हालत भी खराब है पुलिस कर्मचारियों के लिए स्नान से लेकर पीने के पानी तक की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गयी है। इस सम्बन्ध मे थाना प्रभारी निरीक्षक जीतेन्द्र सिंह ने बताया कि विद्युत आपूर्ति ठप हो जाने के कारण थाने कार्य दिनभर ठप रहा। पानी टंकी का पानी समाप्त हो गया है। जनरेटर खराब कम्प्यूटर नही चल रहा।

जिससे प्रशासनिक कार्य करने मे गम्भीर समस्या पैदा हो गयी है। विद्युत उपकेन्द्र से रोस्टर मे विद्युत की आपूर्ति करने के विरोध मे कुछ विद्युत उपभोक्ता जोरदार हंगामा करने लगे कि दो जगह की फीटर की सप्लाई नही होगी आक्रोश व्यक्त करते हुए जे ई की उपस्थिति मे विद्युत उपकेन्द्र का घेराव कर पुरी आपूर्ति ठप करवा दी। जिससे समाचार लिखे जाने तक बिजली की आपूर्ति ठप है। ऊधर सलेमपुर विद्युत उपकेंद्र के भटनी फीडर से विकास खण्ड भटनी के ग्राम साहोपार के रेलवे लाईन के दक्षिण तरफ आधे गाँव की बिजली की आपूर्ति सलेमपुर होती है वहां भी दिनभर विद्युत आपूर्ति ठप रही समाचार प्रेषण तक रात्रि साढे आठ बजे तक ठप रही। बिजली अब लोगो के लिए किसीमुसीबत से कम नही है

नीलगाय से टक्कर में बाइक सवार युवक घायल

भटनी(देवरिया)। नूरीगंज-खुखुंदू सडक मार्ग के एकडंगा स्कूल के सामने एक नीलगाय से टक्कर बाईक पलट जाने के कारण बाईक सवार घायल।

बताया गया है कि भटनी विकास खण्ड के ग्राम अहिरौली निवासी अपनी बाईक से किसी कार्य से भटनी आ रहे थे। ज्योही सडक मार्ग से एकडंगा स्कूल के सामने आये। उसी समय एक नील गाय आकर टक्कर मार दी। जिससे बाईक चालक सहित एक और व्यक्ति बाईक पलट जाने से घायल हो गये। घायल अमिताभ पाल व रामप्रित पाल को लोगो ने ऐम्बुलेंस से सामूदायिक स्वास्थ्य के भटनी भेजवाया। जहाँ उपचार के बाद चिकित्सक ने घर भेज दिया। बाईक क्षतिग्रस्त हो गयी।

कन्या जन्मोत्सव का हुआ आयोजन

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निदेर्शानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत जिला प्रोबेशन कार्यालय, कुशीनगर द्वारा दिनांक 16.06.2025 को संयुक्त जिला चिकित्सालय, रविन्द्रनगर धूस, कुशीनगर के सभागार कक्ष में कन्या जन्मोत्सव का आयोजित किया, जिसमें 03 दिवस पूर्व तक जन्म ली कन्याओं का जन्म दिवस केक काटकर मनाया गया। इस दौरान 20 नवजात कन्याओं की माताओं श्रीमती रागिनी शुक्ला पत्नी विकास शुक्ला, प्रियंका कुशवाहा पत्नी अमर वर्मा, सावया परवीन पत्नी जियायुलहक, जुबैदा खातुन पत्नी मेराज अहमद, पूजा पत्नी राजन कुमार, शकुन्तला पत्नी कन्हैया, साहिना पत्नी मुनिर, ममता पत्नीकरन, नाजरा खातुन पत्नी अब्दुल रहीम, सलोनी राय पत्नी प्रकाश राय, रूबी खातून पत्नी हसनैन अली, हुश्नआरा खातून पत्नी आजम अंसारी, रीतु पत्नी रोहित, शवरून पत्नी कमरूद्दीन मंसूर, काजल कुमारी पत्नी रंजीत गौतम, नसरीन जहाँ पत्नी इरसाद अंसारी, असरून नेशा पत्नी सैयद अली, गुड़िया पत्नी मुकेश, रेखा पत्नी अजय एवं फरहद पत्नी सद्दाम को मिष्ठान, अंगवस्त्र, बेबी किट, हल्दी पैकेट, गुड़िया, चाकलेट इत्यादि उपहार प्रदान किया गया। कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पांसरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, चाइल्ड हेल्प लाइन (1098), वन स्टाप सेन्टर (181), वुमेन हेल्पलाइन नवम्बर (1090), 112, 108, 102 इत्यादि की जानकारी देते हुए पम्पलेट वितरित की गयी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नवजात कन्याओं की माताओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का फार्म भरने एवं इस हेतु आवश्यक अभिलेख इत्यादि के बारे में बताते हुए पात्र कन्याओं का फार्म भरवाने हेतु अनुरोध किया गया। इस दौरान श्री सुनील कुमार यादव, वित्त एवं लेखा नियंत्रक स्वशासी मेडिकल कालेज रविन्द्रनगर, डॉ० दिलीप कुमार मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, विनय कुमार जिला प्रोवेशन अधिकारी, श्री नलिन सिंह डिस्ट्रीक मशिन कोआर्डिनेटर एच०३०डब्ल्यू०, श्रीमती प्रीति सिंह एवं बन्दना कुशवाहा, जेन्डर स्पेस्लिस्ट एच०इ० डब्ल्यू०, कुशीनगर के साथ-साथ नवजात कन्याओं के अभिभावक, ए०एन०एम० व आशा कार्यकत्री इत्यादि उपस्थित रहे।

भृगुनाथ प्रसाद बरनवाल की द्वितीय पुण्यतिथि आज

देवरिया। समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना और सेवा भाव को अपना जीवन-ध्येय बनाने वाले श्रद्धेय स्व. भृगुनाथ प्रसाद बरनवाल की द्वितीय पुण्यतिथि पर आज 17 जून को एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। यह आयोजन शाम 6 बजे राघव नगर स्थित अनुग्रह उत्सव स्थली (हनुमान मंदिर के समीप) में सम्पन्न होगा, जहाँ नगरवासी अपने प्रिय मार्गदर्शक को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम सुन्दर भगत करेंगे। वहीं पूर्व विधायक रवीन्द्र प्रताप मल्ल, डा. राजेश कुमार बरनवाल तथा डा. घनश्याम बरनवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा को विस्तार देंगे। श्रद्धांजलि सभा में स्व. बरनवाल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा, साथ ही उनके जीवन से जुड़ी प्रेरणादायी स्मृतियों को साझा किया जाएगा। कार्यक्रम के उपरांत सहभोज का आयोजन भी किया गया है, जिसमें स्वजन, मित्र, पारिवारिक सदस्य एवं गणमान्य नागरिक सम्मिलित होंगे। अरुण कुमार बरनवाल ने स्व. बरनवाल जी से स्नेह रखने वाले सभी शुभेच्छुओं, आत्मीयजनों एवं नगरवासियों से समय पर उपस्थित होकर श्रद्धांजलि सभा को स्मरणीय बनाने की अपील की है। यह पुण्य अवसर एक ओर जहाँ भावनाओं से ओत-प्रोत होगा, वहीं दूसरी ओर यह स्व. बरनवाल जी के जीवन-मूल्यों की पुनः प्रतिध्वनि भी बनेगा।

खिलाड़ी छोटे स्तर से खेलते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचते है: किशन चैधरी

मथुरा। मथुरा जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएम विवि के कुलाधिपति किशन चैधरी व रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर ने मुख्य अतिथि के तौर पर बलदेव के गांव मढ़ौरा के घड़ी अकबर में आयोजित श्रीगिर्राज क्रिकेट टूनार्मेंट का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजकों ने उनका चांदी का मुकुट पहनाकर एवं माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। प्रथम विजेता टीम को ट्रॉफी एवं 41000 रूपए तथा द्वितीय विजेता टीम को 21 हजार रुपए का नगद ईनाम दिया गया। टूनार्मेंट के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी ने कहा कि खेल के प्रति युवाओं का उत्साह बढ़ा है।

ऐसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना चाहिए। इससे खिलाड़ी छोटे स्तर से खेलते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचते है और अपने गांव, जिले के साथ प्रदेश का नाम रोशन करते है।

रालोद जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य बलदेव राजपाल सिंह भरंगर ने कहा हमारे यहां के युवाओं में जोश देखने को मिल रहा है, अन्य राज्यों व शहरों के खिलाड़ियों की तरह ब्रज के युवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के प्रयासों में जुटे है। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

संक्षेप

बीडीओ को सौंपा पत्र

कुतुबनगर (सीतापुर)। विकासखंड मिश्रिख के ग्राम कोल्हुआ निवासी रामकृपाल पुत्र शिवशंकर ने एक लिखित प्रार्थना पत्र खंड विकास अधिकारी मिश्रिख को दिया गया है। जिसमें बताया गया है कि कुलदीप पाल के मकान से राजू के मकान तक के रास्ते में निरन्तर पानी भरा रहता है। जिससे लोगों का अपने घरों तक जा पाना मुश्किल हो रहा है। जल निकासी के लिए नाली बनाये जाने की आवश्यकता है। प्रार्थी द्वारा नाली बनाये जाने की प्रार्थना की है।

25 किसानों को दी गयी सहायता राशि

महोली देहात (सीतापुर)। महोली तहसील सभागार में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत सहायता राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक महोली शशांक त्रिवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। योजना के अंतर्गत महोली तहसील क्षेत्र के 25 किसान परिवारों को 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की इस योजना के माध्यम से किसानों को विषम परिस्थितियों में सहायता प्रदान की जाती है। जिसके चलते आज सहायता राशि वितरण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी शशिबिंदु द्विवेदी, नायब तहसीलदार तपस्या यादव समेत कई अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महोली में अब तक इस योजना के तहत किसान परिवारों को कुल 1250000 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित की जा चुकी है।

मंदिर स्थापना पर हुआ भंडारे का आयोजन

सीतापुर। शहर के मोहल्ला शमशेर बाग मे बाबा नीब करौली के मंदिर स्थापना दिवस पर प्रथम भंडारे का भव्य आयोजन भक्तो द्वारा किया गया। इस दौरान भक्तों ने विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर कन्याओ को भोज कराया और उसके बाद भंडारे में पूड़ी सब्जी और हलुए का प्रसाद वितरित किया। भंडारे में सैकड़ो भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर अनीत मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, शरद मिश्रा, आनंद शुक्ला, देवेंद्र सिंह च'रहान बबलू, कुलदीप शुक्ला, अनुज शुक्ला, आशीष शुक्ला, अमित गुप्ता, अवनीश मिश्रा, रंजीत गुप्ता, रिशु शुक्ला, टानू दीक्षित, पुनीत तिवारी मोनू, विपिन शुक्ला, शिवम शुक्ला, संदीप राठौर, विमल त्रिवेदी, अभय शुक्ला, अभिषेक बाजपेई, गिरिश तिवारी, विनय गुप्ता, पारस दीक्षित, गौरव शुक्ला अंशु तिवारी, आशीष तिवारी सहित भक्तों ने प्रसाद का वितरण किया।

पहली ही बारिश में सड़क बनी सरोवर

बिसवां नगर (सीतापुर)। आखिर वही हुआ जिसका ग्रामीणों को इंतजार था। पहली ही बारिश में पूरा रास्ता सरोवर में बदल गया। पूरे रास्ते पर बारिश पानी ही पानी भरा हुआ है। घरों के सामने पानी भर गया है। लोगों को एक बार फिर इसी पानी में होकर निकलना मजबूरी बन गया है। अब यहां बाशिंदों के सब्र का बांध टूट गया है। वह किसी भी दिन परिवारों सहित इसी गंदे में खड़े होकर सरकारी तंत्र के मूड में दिख रहे हैं। लोगों का यह कहना भी था कि ग्राम पंचायत सिर्फ बरसात होने का इंतजार कर रही है। जैसे ही बरसात होगी वह बरसात का बहाना लेकर फिर इस परेशानी को धता बता देंगे और हुआ भी कुछ ऐसा ही। सोमवार सुबह हुई पहली बारिश में ही पूरा रास्ता जलमग्न हो गया। अगर समय रहते इस समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं किया गया तो किसी भी दिन स्थित बड़ी भयावह हो सकती है। मामला है बिसवां विकासखण्ड की ग्राम पंचायत जहांगीराबाद का जहां पोस्ट आफिस व ममता क्लीनिक के बीच होता हुआ एक इंटरलॉकिंग खड़न्जा रास्ता लगभग 400 मी० तक अनुसूचित जाति के लोगों के मुहल्ले तक गया हुआ है। इसी रास्ते पर वरिष्ठ चिकित्सक डा० खान की क्लीनिक व मकान भी है। इसी रास्ते पर दरी फैक्ट्री का कार्यालय है तथा इसी रास्ते पर होकर लोग मस्जिद में नमाज भी पढ़ने जाते हैं। सैकड़ों लोगों का इस रास्ते पर होकर दिन-रात आवागमन बना रहता है। यह ग्रामीणों का मुख्य रास्ता है। इस पर पानी भरे रहने से लोगों को अपने घरों को जाने के लिए इसी गंदे पानी में होकर जाना मजबूरी बन जाता है। मुहल्लेवासियों का कहना है कि कई वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे हैं। ग्राम प्रधान से लेकर खण्ड विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी तथा जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री सहित स्थानीय जन प्रतिनिधियों से इस सम्बन्ध में गुहार लगाई गई लेकिन किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। अगर बारिश और हुई तो घरों में पानी भर जायेगा। इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुनीर अहमद अंसारी ने बताया कि बारिश के बाद मैं मौके पर गया था। जल्द से जल्द पानी निकासी की व्यवस्था करके रास्ते की मरम्मत करा दी जायेगी।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत दी आर्थिक सहायता

जिला संवाददाता(vol)

सीतापुर। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक समारोह में जनपद के पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता की धनराशि वितरित की गई। यह योजना राज्य सरकार की एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य कृषि कार्य करते समय या कृषि से जुड़ी गतिविधियों में दुर्घटना का शिकार हुए कृषकों अथवा उनके परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। मुख्यमंत्री सजीव प्रसारण लाभार्थियों और उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा देखा एवं सुना गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु और कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने 39 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। जिसमें 36 लाभार्थियों को रू0 05-05 लाख, 02 लाभार्थियों को रू0 2.5 लाख एवं 01 लाभार्थी को रू0 01 लाख का प्रतिकात्मक चेक प्रदान किया गया, जनपद में कुल 245 लाभार्थी हैं। नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु और कारागार राज्यमंत्री ने कहा कि यह योजना राज्य सरकार की संवेदनशीलता और कृषकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने सम्बन्धित विभागों को निर्देशित किया कि इस योजना से संबंधित प्रत्येक पात्र कृषक या उनके आश्रितों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से लाभ सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा कि इस योजना के प्रचार-प्रसार पर भी बल दिया ताकि अधिक से अधिक कृषक परिवार इस योजना के प्रति जागरूक होकर समय पर आवेदन कर सकें और सरकार की इस कल्याणकारी योजना का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह, नगर पालिकाध्यक्ष सीतापुर के प्रतिनिधि, ब्लॉक प्रमुख हरगांव के प्रतिनिधि, उपजिलाधिकारी सदर अभिनव कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

नियमानुसार औषधि का क्रय विक्रय करें: डीआई

जिला संवाददाता(vol)

कमलापुर (सीतापुर)। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की बैठक कमलापुर में हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीआई अनीता कुरील मौजूद रही। उन्होंने मौजूद लोगों से नियमानुसार औषधि का क्रय विक्रय किये जाने की बात कही।

उन्होंने दवा खरीद व बिक्री से संबंधित सभी दस्तावेज मौके पर उपलब्ध कराने को कहा। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन पोर्टल में आ रही समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण कराने की बात कही। अपंजीकृत दुकानदारों से नकली दवाओं की खरीद, बिक्री न किये जाने की सख्त हिदायत दी। इस दौरान कमलापुर मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर सिंह की कार्यकारिणी को सीतापुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन से संबद्ध किया गया। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार बाजपेयी ने उन्हें संबद्ध पत्र सौंपा। बैठक में एसोसिएशन के जिला महामंत्री सहज गुप्ता, उपाध्यक्ष राजकुमार तिवारी, सुनील तिवारी, अनिल कुमार नंद, कोषाध्यक्ष सुमित मिश्रा, मंत्री अमित दीक्षित, वीरेंद्र विक्रम सिंह, विनीत सिंह, अमित गुप्ता, विकास मिश्रा एवं कमलापुर के समस्त दवा विक्रेता उपस्थित रहे।

मृतक आश्रितों को वितरित की सहायता राशि

जिला संवाददाता(vol)

सफीपुर, उन्नाव। एसडीएम व सीओ की मौजूदगी में मुख्य अतिथि विधायक बम्बालाल दिवाकर की अनुपस्थिति में प्रतिनिधि पुत्र अश्वनी दिवाकर ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत कुल तेईस मृतक आश्रितों को सहायता राशि का वितरण किया। क्षेत्र के तहसील साभागार में आयोजित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजनांतर्गत दुर्घटना कृषक बीमा के तहत उपजिलाधिकारी शिवेंद्र वर्मा ने पुलिस उपाधीक्षक मधुपनाथ मिश्रा ने मुख्य अतिथि विधायक बम्बालाल दिवाकर के प्रतिनिधि पुत्र अश्वनी दिवाकर ने तेईस मृतकों में स्व0 अंकित शर्मा, स्व0 अनुराग कुशवाहा, स्व0 दिनेश सिंह, स्व0 गोपाल सिंह, स्व0 सुधा आदि को कुल एक करोड़ पंद्रह लाख रुपये के प्रमाण पत्र वितरित किए।

वहीं पचास प्रतिशत शारीरिक अक्षमता पर एक पच्चीस को ढाई लाख रुपये एवम पच्चीस प्रतिशत शारीरिक नुकसान पर चार लोगो को एक एक लाख रुपये समेत कुल अट्ठाइस आश्रितों को प्रमाणपत्र सौंपा। इस मौके पर अश्वनी दिवाकर ने कहा कि शासन के द्वारा मृतको के आश्रितों को छोटी सी राशि आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी जाती है। एसडीएम ने कहा कि जिस समय परिवार के मुखिया की मौत होती है उस समय परिवार के पास सोचने की क्षमता कम होती है। उस समय धैर्य व विवेक से कार्य करने की आवश्यकता होती है। यह दी जाने वाली राशि आर्थिक सुधार व जीविकोपार्जन के लिए महत्वपूर्ण है। पहले दुर्घटना बीमा की समय सीमा तीन माह तक थी अब इसे बढ़ाकर छह माह कर दिया गया है। उन्होंने कहा यह प्रमाण पत्र है एक दो दिन में बिना बिचौलिये के सीधे आपके खाते में रुपये भेज दिया जाएगा। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कभी कभी दुर्घटना के दौरान परिवार के लोग किसी के बहकावे में आकर पोस्टमार्टम व कानूनी प्रक्रिया करवाने में दिक्कतें पैदा करते है ऐसे में समझदारी से कानूनी प्रक्रिया में सहयोग के बिना आर्थिक लाभ संभव नहीं है। इस मौके पर मलखान सिंह, दीपक विमल, राज दिवाकर, पुष्पेंद्र, सत्यम पाल आदि समेत राजस्व कर्मी व मृतक आश्रितो के परिजन मौजूद रहे।

ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा फेल, धक्के खा रहे मरीज

उन्नाव। रविवार को छुट्टी के बाद सोमवार को शुरू हुई ओपीडी में मरीजों की खचाखच भीड़ रही। पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी। घंटों इंतजार के बाद मरीज डॉक्टर के पास पहुंचे। इसके बाद दवा लेने के लिए उन्हें घंटों कतार में भी लगना पड़ा। जिला अस्पताल में सोमवार को सुबह से भीड़ जुटना शुरू हो गई। पर्चा काउंटर पर अतिरिक्त काउंटर की व्यवस्था न होने से मरीजों को कतार में लगना पड़ा। 10 बजे के बाद भीड़ अधिक होने पर मरीज व उनके तीमारदारों में पहले पंजीकरण कराने को लेकर धक्कामुक्की होने लगी। वहीं पंजीकरण की लाइन में कई लोगों में नोकझोंक भी हुई। स्वास्थ्य कर्मियों ने किसी तरह मामला शांत कराया। इसके बाद डॉक्टर के कक्ष के बाहर मरीजों की लंबी- लबी कतार लगना शुरू हुई। यहां मरीजों को दो घंटा लाइन में खड़ा होना पड़ा। इसके बाद डॉक्टर को दिखा सके। वहीं दवा वितरण कक्ष के बाहर भी कम स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार को 1845 मरीजों ने पर्चा बनाया और ओपीडी में डॉक्टर को दिखाया। इनमें 578 संक्रामक रोगी शामिल थे। बाल रोग विशेषज्ञ अमित श्रीवास्तव आदि डॉक्टरों के कक्ष में दोपहर तक भीड़ लगी। एनसीडी क्लीनिक चिकित्सक अमित तिवारी ने बताया कि ज्यादातर मरीज संक्रामक रोगों से पीड़ित थे। उन्हें दवा और रोगों से बचाव की सलाह दी गई।

लूट का पर्दाफश, दो अभियुक्त गिरफ्तार

हरगांव (सीतापुर)। विगत दिनों हुए लखीमपुर-सीतापुर राजमार्ग पर पिकअप लूट की घटना का हरगांव पुलिस ने क्राइम ब्रांच की टीम के साथ मिलकर लूट के दो अभियुक्तों को कल्लापुर मोड से गिरफ्तार कर उनके पास से लूट के नगद रुपए व मोबाइल सहित दो असलहे मय दो जीवित कारतूस भी बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीतापुर जनपद की हरगांव पुलिस ने क्राइम ब्रांच की टीम के साथ पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी सदर दिनेश कुमार शुक्ल के कुशल निर्देशन में विगत 16 मई को हुई सीतापुर लखीमपुर राजमार्ग पर गदनापुर गांव के पास पिकअप लूट के दो अभियुक्तों को मुखबिर की सूचना पर हरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत कल्लापुर गांव के मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 1600 नगद व एक अदद रियलमी मोबाइल फोन सहित एक अदद 315 बोर मय एक जीवित कारतूस व एक अदद 12 बोर मय एक जीवित कारतूस बरामद किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों में आशीष कुमार पुत्र स्व.गंगाराम निवासी मो. मुंशीगंज थाना कोतवाली नगर सीतापुर व रोहित गेहार पुत्र अवधेश निवासी मिरदही टोला थाना कोतवाली नगर सीतापुर को गिरफ्तार कर मुकदमा अपराध संख्या 138/25 धारा 109(1), 115(2), 351(3), 352, व 166/2025 धारा 115(2), 351(2), 309(6), 317(2) बीएनएस व 210/25 धारा 25(1)बी (आर्म्स) में पंजीकृत जेल रवाना किया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजेश कुमार सरोज, आरक्षी अर्पित कुमार, विशाल यादव, मोहित, विपिन पटेल व सुशील कुमार के साथ क्राइम ब्रांच निरीक्षक सत्येंद्र विक्रम सिंह, हे.का.शराफत अली, रोहित कुमार तोमर, गुरपाल सिंह, भूपेंद्र सिंह राणा, दीपक रंजन, अंकुर बलियान व अभिषेक तोमर शामिल रहे।

विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन

बिसवां नगर (सीतापुर)। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सेवता विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर जहांगीराबाद में कस्बा जहांगीराबाद में विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित की गई। जिसमें उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर उनकी उपलब्धियां गिनाई गईं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी उपस्थित हुए लेकिन उन्हें एक अत्यंत जरूरी कार्य से लखनऊ जाना पड़ा। इस कारण कार्यक्रम में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार त्रिवेदी बाबूजी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इस मौके पर भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य क्षेत्रीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सरकार द्वारा 11 वर्ष के अंदर कराए गए विकास कार्यों को कार्यकर्ताओं के बीच बताया गया और सरकार की उपलब्धियों को गिनाया गया। कृष्ण कुमार त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ भी मिला है। कार्यक्रम में मौजूद विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सक डा० श्याम किशोर वर्मा एवं नव निर्वाचित मण्डल अध्यक्ष महेश राजपूत, युवा मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष रामू चौरसिया, बृद्धादीन पाल, प्रधानाचार्य राम सिंह वर्मा आदि ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उपस्थित लोगों ने सरकार की उपलब्धियों की सराहना की और विधायक ज्ञान तिवारी के प्रयासों की प्रशंसा की। इस मौके पर भारी संख्या में विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में उपस्थित लोगों को विकसित भारत 2047 का संकल्प दिलाया गया।

ट्रक पलटा, चार राहगीरों की दबकर मौत

रेउसा (सीतापुर)। थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। क्षेत्र के मारूबेहड़ मोड़ पर अचानक धान की पालिस लदा ट्रक अचानक पलट गया। इस दौरान चार राहगीर चपेट में आ गए। जिससे मौके दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची रेउसा पुलिस ने रेस्क्यू कर ट्रक के नीचे दबे राहगीरों को बाहर निकाला और सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई चार मौतों से इलाके में कोहराम मच गया। वारदात की सूचना पर क्षेत्राधिकारी बिसवां सतीश चंद्र शुक्ला कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर हैं। थानाध्यक्ष हनुमंत तिवारी घटनास्थल पर उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में जुटे हैं।

बताते चलें कि रेउसा थाना इलाके के मारूबेहड़ गांव के समीप धान की पालिस लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे चार राहगीर उसके नीचे दब गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया और नीचे दबे नवयुवकों को बाहर निकाला उन्हें सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में क्षेत्राधिकारी बिसवां सतीश चंद्र शुक्ला ने बताया कि हादसे में चार युवकों की मौत हुई है। मृतकों की शिनाख्त अल्फाज उम्र 15 वर्ष पुत्र अफजल निवासी शिवपुरी, अल्ताफ उम्र 14 वर्ष पुत्र इकबाल निवासी मिश्रनपुरवा थाना हरदी बहराइच, मुन्ना उम्र 16 वर्ष पुत्र साबिर अली निवासी चहलारी और सुफियान उम्र 15 वर्ष पुत्र राजू निवासी भगवानपुर थाना हरदी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चारों युवक सलीम के पुत्र की शादी में शामिल होकर चहलारी घाट से वापस अपने घर जा रहे थे। चर्चा है कि घटना की जानकारी मिलने पर सीएचसी रेउसा पहुंचे। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम बिसवां मनीष कुमार, सीओ बिसवां सतीश चंद्र शुक्ला, कोतवाली बिसवां प्रभारी निरीक्षक टीपी सिंह, सदरपुर थाना प्रभारी मुकुल प्रकाश वर्मा, थानाध्यक्ष सकरन नवनीत मिश्र, थानाध्यक्ष थानगांव अतुल शुक्ला मय पुलिस बल के साथ सीएचसी रेउसा पहुंचे। आशंका जताई जा रही थी कि घटना को लेकर ग्रामीणों एवं परिजनों द्वारा धरना प्रदर्शन या सड़क जाम करने जैसी समस्या न खड़ी कर दी जाये। एहतियात के तौर पर शवों को पीएम के लिए भेजे जाने के बाद भी रेउसा से मारुबेहड़ तक पुलिस की गश्त जारी रही।

घरेलू विवाद में पत्नी को किया लहूलुहान

पाटन, उन्नाव। घरेलू विवाद में पति ने पत्नी को पीटकर लहूलुहान कर दिया। लाठी-डंडों और लातघूंसों से बेरहमी से पिटाई कर दी, सिर फटने सहित शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आयी है। पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत की, पुलिस कार्यवाही में जुटी। मामला बिहार थाना क्षेत्र के रद्धखेड़ा पनहन गांव का है, जहां मनोज नामक युवक का किसी बात को लेकर अपनी पत्नी उर्मिला से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि मनोज आपा खो बैठा और पत्नी पर टूट पड़ा। उसने लाठी-डंडों के साथ ही लात-घूंसों से भी पत्नी की जमकर पिटाई कर दी। पिटाई में उर्मिला को गंभीर चोटें आईं, शर फटने से खून बहने लगा। घायल पीड़िता किसी तरह थाने पहुंची और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। पीड़िता ने पति के खिलाफ तहरीर देते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उम्मीद परामर्श केंद्र का उद्घाटन

पुरवा, उन्नाव। परिवार नियोजन की सेवाओं की पहुँच तथा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा उम्मीद परियोजना का संचालन एवं मोबियस फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खंड विकास अधिकारी डॉ० संतोष कुमार श्रीवास्तव एवं सीएचसी अधीक्षक डॉ० दिनेश कुमार द्वारा उम्मीद परामर्श केंद्र का उद्घाटन किया गया।

अधीक्षक डॉ० दिनेश कुमार ने बताया कि उम्मीद परामर्श केंद्र का उद्देश्य हर इच्छुक दंपति को परिवार नियोजन की मनपसंद सेवाएं प्रदान की जाए और अधिक से अधिक लोग परिवार नियोजन के साधनों का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा जिला महिला चिकित्सालय सहित आठ ब्लाकों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर उम्मीद परामर्श केंद्र की स्थापना की जा रही है जिसके फलस्वरूप जन समुदाय में नवीन गर्भ निरोधक साधनों को अपनाए जाने की दर सुधार रूप से बढ़ सके। क्योंकि यही उत्तर प्रदेश की जनसंख्या पॉलिसी का भी उद्देश्य है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अनिल कुमार पटेल, चिकित्सा अधिकारी डॉ आदर्श सचान, एच०ई०ओ० राजेश कुमार, बी०सी०पी०एम० इशहाक अली, बी०पी०एम० शिवाकांत तिवारी, स्टाफ नर्स निधू एवं अब्दुल बासित आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने ऋण अदायगी के आंकड़े एकत्र किए

पुरवा, उन्नाव। क्षेत्र के बैंक प्रबंधकों के साथ बैठक कर एसडीएम ने दिशा निर्देश दिए और ऋण अदायगी के संबंध में आंकड़े एकत्र किए। तहसील सभागार

में सोमवार को क्षेत्र में संचालित लगभग एक दर्जन बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने बैठक की। उन्होंने शाखा प्रबंधकों को निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर दर्ज आरसी व वास्तविक आरसी का मिलान किया जाए। सप्ताह में कम से कम 2 दिन बैंक गाड़ी उपलब्ध कराए जिससे राजस्व वसूली टीम प्रातः जल्दी निकल कर वसूली करेगी। वसूली में प्रगति के हर संभव प्रयास किए जाए। बैठक में तहसीलदार रामशंकर द्वारा भी आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान कृष्णानंद बाजपेई नायब तहसीलदार, ऋषभ कुमार कश्यप, संग्रह अमीन कुलदीप वर्मा, दिवाकर मिश्रा, वर्मा सिंह, अभिषेक सिंह, शाखा प्रबंधकों में शंकरलाल असोहा, सत्य प्रकाश गुप्ता गुलरिहा, अंशुमाली चमियानी, अविनाश शुक्ला पुरवा ग्रामीण बैंक, सुरेश कुमार मिश्रा बैंक ऑफ इण्डिया पुरवा, माधवन मिश्रा पासाखेड़ा, आनंद वर्मा काथा, कमलेश कुमार मंगतखेड़ा, सचिन कुमार गौतम वरिष्ठ सहायक भारतीय स्टेट बैंक पुरवा, आलोक कुमार सिंह हिलौली, शादाब खान मवई, प्रशांत मिश्रा व प्रशांत शुक्ला कालूखेड़ा आदि उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थिति में बच्चे की मौत

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव रम्माखेड़ा में लगभग 3 वर्ष की बच्ची व लगभग छह माह के मासूम बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृत बच्चों के पिता रोहित ने पत्नी नेहा पर बच्चों को जहर देने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के गांव त्रिपुरारपुर के मजरे रम्माखेड़ा गांव निवासी रोहित अंडे की दुकान चलाता है उसने पुलिस को बताया कि दस दिन पहले पत्नी नेहा से खाना बनाने को लेकर कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद नेहा अपने मायके चली गई जबकि दोनों बच्चे सोनाक्षी लगभग 3 वर्ष और ऋतिक लगभग 6 माह पिता रोहित के पास ही रह गए थे। सोमवार सुबह लगभग 8 बजे नेहा अचानक खेत में पहुंची और कहा कि उसे बच्चों से मिलना है। रोहित अपनी साली निकिता को साथ लेकर खेत गया। वहां बातचीत के दौरान नेहा ने दोनों बच्चों को गोद में लिया। तभी कुछ जानवर खेत में घुस आए और रोहित उन्हें भगाने चला गया। जब वह वापस लौटा तो नेहा ने बच्चों को लौटाते हुए कहा की मेरा काम हो गया। बच्चों को लेकर जैसे ही रोहित घर की ओर लौटा, छह महीने का ऋतिक तड़पने लगा। आनन-फानन में बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस और क्षेत्राधिकारी पुरवा अजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की गहनता से जांच पड़ताल शुरू की। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि मामला बेहद संवेदनशील है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। वहीं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और संभावित जहर या अन्य संदिग्ध पदार्थ की जांच की जा रही है। वहीं ग्रामीणों की माने तो रोहित और नेहा की शादी वर्ष 2021 में पारंपरिक रीति-रिवाजों से हुई थी। समय के साथ घरेलू विवाद बढ़ते गए। मृत बच्चों की संदिग्ध मौत ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है। वहीं क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि संदिग्ध परिस्थितियों में दो मासूमों की मौत हुई है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत का असली कारण सामने आएगा। सभी पहलुओं पर गहराई से जांच की जा रही है। वहीं ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं भी हैं। पूरे गांव में मातम पसरा है। पिता रोहित का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

आरएमपी कॉलेज के अध्यक्ष बने अनूप गुप्ता

सीतापुर। महोली के पूर्व विधायक व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनूप गुप्ता को आरएमपी इंटर कॉलेज की प्रबंध समिति का रविवार को पुनः

अध्यक्ष मनोनीत कर लिया गया। इससे पूर्व भी वह कॉलेज के दो बार अध्यक्ष पद का दायित्व संभाल चुके हैं। कॉलेज के सभागार में चुनाव अधिकारी नरेंद्र कुमार त्रिपाठी एडवोकेट व पर्यवेक्षक राजकीय इंटर कॉलेज सीतापुर के प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह की देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। विजय कुमार बंसल ने अनूप गुप्ता के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका अनुमोदन अजय गुप्ता ने किया। जिस पर आमसभा के सभी 101 सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनूप गुप्ता को अध्यक्ष चुन लिया गया। कार्यकारिणी में संजय कुमार अग्रवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महेंद्र कुमार तिवारी को उपाध्यक्ष, नरेश कुमार वैश्य को प्रबंधक, रामलखन यादव व मुन्ना सिंह को उप प्रबंधक, राजेश कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष तथा तेज नरायन भरतिया को निरीक्षक पद पर सर्वसम्मति से चुना गया। सदस्य पद के लिए गोपीनाथ गुप्ता, सतीश चंद्र गुप्ता, रामकांत शुक्ला, अरविंद अग्रवाल, मिथिलेश गुप्ता, रामू जायसवाल, लालजी राठौर व सागर गुप्ता को भी आम सहमति से चुना गया। तीसरी बार अध्यक्ष बनने पर आमसभा के सदस्यों व अन्य लोगों ने अनूप गुप्ता को माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने किया।

मो० उमैर ने नीट परीक्षा पास कर जिले का नाम किया रोशन

बिसवां नगर (सीतापुर)। हिम्मत करने वालों की कभी हार नहीं होती इस बात को चरितार्थ कर दिखाया है। जहांगीराबाद कस्बे के एक सामान्य परिवार में रहने वाले बच्चे मोहम्मद उमैर ने। उसने नीट परीक्षा 2025 में 542 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया 16409 वीं रैंक प्राप्त कर ओबीसी कैटेगरी में 7256 वीं रैंक हासिल की है। उसकी इस उपलब्धि से परिवार सहित रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है। मो० उमैर ने बताया कि उसने प्रारम्भिक शिक्षा प्राइमरी स्तर पर जहांगीराबाद स्थित श्रीराम मनोहर श्रीवास्तव स्मारक विद्यालय से लेकर उन्हीं

शिक्षकों की प्रेरणा से कस्बा स्थित मदरसा आलमाइटी पब्लिक स्कूल से हाईस्कूल तक पढ़ाई करने के बाद इण्टर की पढ़ाई सीता इंटर कालेज महमूदाबाद से उत्तीर्ण कर नीट की तैयारी में जुट गया। नीट की तैयारी के साथ साथ हरदोई से बी एस सी की पढ़ाई भी पूरी की इस बीच दो बार क्वालीफाई नहीं कर सका। लेकिन हिम्मत नहीं हारी और तीसरे वर्ष बीयूएमएस में प्रवेश ले लिया फिर भी नीट में जाने की लालसा नहीं खत्म हुई और बीयूएमएस करते हुए नीट की तैयारी जारी रखी और 2025 में सफलता हासिल कर ली। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में 520 अंक मिले थे लेकिन कट आफ ज्यादा का था। मो० उमैर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अब्बा-अम्मी व शिक्षकों को दिया है। उनका कहना है कि मैं डॉक्टर बन कर देश के लोगों की सेवा करना चाहता था वह हमारा सपना अब पूरा होता दिख रहा है। परिवार में पिता मौलाना मो० कलीम उर्दू शिक्षक हैं तथा माँ कुशल गृहणी हैं। परिवार में कुल तीन भाई और दो बहनें हैं जिनमें मो० उमैर सबसे बड़े हैं। इससे पूर्व भी श्रीराम मनोहर श्रीवास्तव स्मारक विद्यालय में प्राथमिक शिक्षा लेने वाले तीन छात्र नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस डाक्टर बन चुके हैं। उनकी इस सफलता पर रिश्तेदारों सहित प्रधानाध्यापक अशोक कुमार श्रीवास्तव ने बधाइयां देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संक्षेप

बारिश होने के कारण सूरज की तपिश से मिली राहत

ललितपुर। ललितपुर में सोमवार दोपहर मौसम ने करवट ली। दोपहर 12 बजे अचानक बादल छा गए और रिमझिम बारिश शुरू हो गई। पहले 10 मिनट की हल्की बारिश हुई। इसके बाद साढ़े 12 बजे तेज बारिश शुरू हुई, जो करीब आधे घंटे तक जारी रही। सुबह से ही तेज धूप और गर्मी का प्रकोप था। दोपहर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। तेज धूप के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे थे। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। शनिवार की शाम को ललितपुर में तेज आंधी और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हुई थी। इनमें दो बच्चे भी शामिल थे। इस घटना में दो महिलाओं समेत पांच लोग घायल हुए थे। बछलपुर गांव में आंधी से कई पेड़ गिर गए थे और घरों के छप्पर उड़ गए थे।

ट्रेनों में चोरियों का सिलसिला लगातार जारी

ललितपुर। रेलवे कालोनी टीआरडी ऑफिस के पास रहने वाले निशार अहमद पुत्र अमीर बक्श ने जीआरपी पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि वह ट्रेन संख्या 20423 पातालकोट एक्सप्रेस के जनरल कोच में विगत 14 जून को भोपाल की यात्रा कर रहा था। रेलवे स्टेशन भोपाल पर उसके पास मोबाइल था, जब उसने बीना रेलवे स्टेशन के पास मोबाइल फोन चेक किया तो उसकी जेब से फोन गायब था। आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर जीआरपी पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

पड़ौसी की कुण्डी खट-खटाने से मना करने पर मारपीट

ललितपुर। थाना मड़ावरा के ग्राम पिपरट निवासी पार्वती पत्नी खिलान अहिरवार ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 12 जून को उसका पुत्र अभिषेक अहिरवार घर के दरबाजे पर लेटा हुआ था। तभी रात करीब 10 बजे गांव के अरविन्द पुत्र बाबूलाल बरार शराब के नशे में धुत्त होकर आया और पड़ौसी के घर की कुण्डी खट-खटाने लगा। इसी बीच उसके पुत्र अभिषेक ने मना किया और कहा कि उक्त लोग मजदूरी करने गये हैं, सुबह आना। आरोप है कि अरविन्द ने उसके साथ गालियां देते हुये घर चला गया। कुछ समय पश्चात वह अपने पिता बाबूलाल पुत्र बल्दुवा अहिरवार व दो रिश्तेदारों को लेकर आया और दरबाजे पर सभी लोग गालियां देते हुये लाठी-डण्डों से मारपीट करने लगे। गालियां देने से मना करने पर उक्त लोगों ने लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आयीं। आरोप है कि उक्त लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (2), 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

8 घंटे में ही कर लिया नजूल की जमीन पर अवैध कब्जा

ललितपुर। सदनशाह दरगाह के सामने कुछ लोगों द्वारा नजूल की जमीन पर बाउण्ड्रीबाल का निर्माण किया गया है। इसकी जांच करायी जाकर ऐसे अवैध निर्माण को तत्काल हटाये जाने की मांग उठायी गयी है। इस सम्बन्ध में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में बताया गया है कि नगर में स्थित सदनशाह दरगाह के सामने स्थित जमीन संख्या 557 पर सुबह 5 से अपराह्न 2 बजे के मध्य कब्जा होता रहा, लेकिन किसी ने प्रशासन को जानकारी नहीं दी। बताया कि जब उन्होंने अधिशाषी अधिकारी से जानकारी चाही, तो पुलिस बल मिलने पर कार्यवाही किये जाने की बात कही गयी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह स्पष्ट तौर पर गंभीर मामला है, जिसमें नजूल की जमीन पर खुलेआम कब्जा होना शासन- प्रशासन को चुनौती है। इसके अलावा उन्होंने नजूल लिपिक पर भी मूक सहमति देने का बड़ा आरोप लगाया। विहिप बजरंग दल ने जिला प्रशासन से ऐसे अवैध निर्माण को तत्काल हटाये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन पर जिलाध्यक्ष नवलकिशोर सोनी, जिला उपाध्यक्ष भरत कुमार, अंशुल, जिला मंत्री रामेश्वर मालवीय, नगर अध्यक्ष संजय जैन, संजू ग्वाला, डग्गी राजा आदि के हस्ताक्षर अंकित बताये गये हैं।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण के तहत जनपद के 238 किसानों को मिली 9.16 करोड़ की आर्थिक सहायता

जिला संवाददाता

ललितपुर। किसानों का कल्याण-उत्तर प्रदेश की पहचान, थीम पर मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत आज सोमवार को जनपद अम्बेडकरनगर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर-कमलों द्वारा प्रदेश के 11690 आश्रित परिवारों को 561.86 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिसका सजीव प्रसारण कलैक्ट्रेट सभागार ललितपुर में आश्रित परिवारों को दिखाया गया।

इस अवसर पर राज्यमंत्री, श्रम एवं सेवायोजन विभाग मनोहर लाल पंथ, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन की उपस्थिति में जनपद के कुल 238 लाभार्थियों को 9 करोड़ 16 लाख रुपए की सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक किसानों को दिये गए, जिसकी धनराशि लाभार्थियों के खातों में भेजी जा चुकी है। इन लाभार्थियों में तहसील ललितपुर के 84, तालबेहट के 54, महरौनी के 39, मड़ावरा के 32 एवं तहसील पाली के 29 लाभार्थी शामिल हैं। अम्बेडकर नगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी प्रभावित कृषक परिवारों के साथ है, आज प्रदेश के 11960 आश्रित परिवारों को एक साथ 561.86 करोड़ की धनराशि उनके खातों में हस्तांतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में किसानों का कल्याण-उत्तर प्रदेश की पहचान है, डबल इंजन की सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है।

ललितपुर कलैक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार गरीब, असहाय और किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सदर विधायक ने कहा कि आज जो सहायता राशि आश्रित परिवारों को वितरित हो रही है, उसका सदुपयोग करें, बच्चों की शिक्षा, पालन पोषण और रोजगार पर व्यय करें। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ यदि कोई घटना होती है तो मृत्यु की दशा में अनिवार्य रुप से पोस्टमार्डम करायें, ताकि सरकार द्वारा अनुमन्य सहायत मिल सके।

उन्होंने कहा कि कल वज्रपात से जनपद में 3 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी, जिन्हें सरकार द्वारा सहायता राशि मिल चुकी है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में कृषक दुर्घटना कल्याण योजना लागू होने से आपदा से प्रभावित कृषक परिवारों की माताओं-बहनों को सहारा मिल रहा है, उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की जरुरत नहीं है। इस योजना के तहत 5 लाख की धनराशि मिलती है, जो उनके काम आती है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव ने बताया कि आज इस कार्यक्रम के माध्यम से जनपद के कुल 238 लाभार्थियों को 9 करोड़ 16 लाख रुपए की सहायता राशि उनके खातों में भेज दी गई है।

इन लाभार्थियों में तहसील ललितपुर के 84, तालबेहट के 54, महरौनी के 39, मड़ावरा के 32 एवं तहसील पाली के 29 लाभार्थी शामिल हैं। उन्होंने योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत कृषक की मृत्यु अथवा पूर्ण शारीरिक अक्षमता पर 100 प्रतिशत (5 लाख), दोनों हाथ, दोनों पैर अथवा दोनों आंखों की क्षति पर 100 प्रतिशत (5 लाख) एक हाथ तथा एक पैर के क्षतिग्रस्त होने पर 100 प्रतिशत (5 लाख), एक हाथ, एक पैर अथवा एक आंख की क्षति पर 50 प्रतिशत (2.5 लाख), स्थायी दिव्यांगता 50 से 100 प्रतिशत के बीच होने पर 50 प्रतिशत (2.5 लाख), स्थायी दिव्यांगता 25 से 50 प्रतिशत के बीच होने पर 25 प्रतिशत (1.25 लाख) की आर्थिक सहायता का प्रावधान है।

कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभूषण प्रताप, तहसीलदार सदर व जनपद के आश्रित परिवारों के कृषण उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड पर प्रदेश की रैंकिंग में जनपद को मिला आठवां स्थान

जिला संवाददाता

ललितपुर। मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान की अध्यक्षता में सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जनपद के प्रमुख अधिकारियों के साथ मुख्यमन्त्री डैशबोर्ड के अन्तर्गत माह मई 2025 में

- चार विभागों की प्रगति खराब, डी श्रेणी में रहे शामिल
- प्रगति में सुधार न हुआ तो कार्यवाही के लिए तैयार रहें अधिकारी: सीडीओ

विभिन्न विभागों, योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें खराब प्रगति वाले विभागों को अगले माह तक प्रगति में अपेक्षित सुधार करने के निर्देश दिये गए। समीक्षा के दौरान प्रदेश की रैंकिंग में जनपद को राजस्व एवं विकास कार्यों में 8वां स्थान मिला है, जबकि जनपद के 4 विभागों की रैंकिंग खराब पायी गई, ये विभाग प्रदेश की रैंकिंग में डी श्रेणी में हैं, इनमें ग्राम्य विकास विभाग-डे एनआरएलएन बैंक क्रेडिट लिंकेज, नियोजन विभाग-फैमिली आईडी, प्राथमिक शिक्षा-मध्यान्ह भोजन एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम-ओडीओपी टूलकिट योजना आदि शामिल हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्यालयाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग खराब न हो, इसके लिए पोर्टल पर सही फीडिंग करायें और प्रगति सुधारें, अन्यथा कार्यवाही के लिए तैयार रहें। ग्राम विकास विभाग की समीक्षा के दौरान के अधिकारियों को निर्देश दिये कि यदि 25 तारीख तक स्थिति नहीं सुधरी तो सम्बंधित डीएमएम के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। नियोजन विभाग के तहत फैमिली आईडी की समीक्षा में डीपीआरओ व जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिये गए कि ग्राम पंचायत स्तर पर क्षेत्रीय कर्मचारियों को लक्ष्य आवंटित कर फैमिली आइडी बनवाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सभी जनपद स्तरीय विभाग अपने स्थानीय कर्मचारियों की फैमिली आईडी बनवायेंगे। पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारी की अनुपस्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पर्यटक अधिकारी का स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिये। बैठक में सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद, डीडीओ अतिरंजन सिंह, डीपीआरओ नवीन मिश्रा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश सिंह, डीआईओएस ओपी सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

योगाभ्यास और पौधरोपण कर जिलाधिकारी ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का किया उद्घाटन

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में सुबह 6 बजे इंदिरा बल भवन बिजनौर में अंतर्राष्ट्रीय दिवस का उद्घाटन समारोह ष्एक पृथ्वी एक स्वास्थ्यष के लिए योग थीम के अंतर्गत किया गया। 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्घाटन समारोह एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम के अन्तर्गत इन्दिरा बाल भवन, बिजनौर में सुबह 6 से 8 बजे तक सम्पन्न हुआ जिसमें जिलाधिकारी बिजनौर मुख्य अतिथि के रूप में रही। कार्यक्रम की शुरूआत जिलाधिकारी/मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलित कर की गई तथा इस अवसर पर मुख्य अतिथि को पौधा भेंट कर किया गया।

जिलाधिकारी कौर ने सभी योग संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए उनका आह्वान किया कि समाज में योग के प्रति जागरूकता पैदा करें और आज के युग में योग के महत्व एवं उसकी प्रासंगिकता के बारे में विस्तार से आमजन को जागरूक करें ताकि सभी लोग योग को अपने जीवन में शामिल कर आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें। योगाभ्यास कार्यक्रम के उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व थीम के अन्तर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रशान्त महर्षि व तिलक राम ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी को योग प्रोटोकॉल के अन्तर्गत योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा० राकेश कुमार, वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डा0 बीएन द्विवेदी, डा0 विमल कुमार, डा0 जाहिद तथा समस्त आयुष विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ-साथ सभी सहयोगी योग संस्थाओं ने प्रतिभाग किया।

अग्नि न्यूक्लियर ने ब्रम्होस सुपर किंग्स को 28 रनों से हराया

जिला संवाददाता

बांदा। जे के क्रिकेट क्लब के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जाबाज सैनिकों के पराक्रम एवं शौर्य के सम्मान में जे के क्रिकेट अकादमी ने भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी श्रीनाथ विहार में उद्घाघाटन मैच अग्नि न्यूक्लियर ब्लास्टर एवं ब्रह्मोस सुपर किंग्स के बीच खेला गया। टॉस जीतकर ब्रम्होस सुपर किंग्स ने अग्नि न्यूक्लियर ब्लास्टर को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अग्नि न्यूक्लियर ब्लास्टर ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाए, जिसमें मनोज रैकवार 35, अमित यादव 27 एवं शुभम दुबे ने 21 रनों की पारी खेली।

ब्रम्होस सुपर किंग्स के गेंदबाज आशुतोष राणा ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रम्होस सुपर किंग्स 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 113 रन ही बना पाई। जिसमें विपिन एवं ज्ञान यादव ने क्रमश 21-21 रनों का योगदान दिया। अग्नि न्यूक्लियर

ब्लास्टर के अंश तिवारी ने 3 एवं मिथलेश परिहार ने 2 विकेट लिये। अग्नि न्यूक्लियर ब्लास्टर 28 रनों से विजयी रही। अंश तिवारी को ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच पुरुस्कार से नवाजा गया। मैच में अम्पायर आदिल अहमद एवं शमशुल हसन तथा स्कोरिंग की भूमिका में अनिल सिंह रहे। कमेन्टेटर दीपक श्रीवास्तव एवं अजय कुमार रहे। मुख्य अतिथि चन्द्रमौली भारद्वाज समाजसेवी एवं डायरेक्टर डी आर इण्टर कॉलेज तथा भागवत प्रसाद एजुकेशन ग्रुप के डायरेक्टर अंकित कुशवाहा रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व क्रिकेटर सुनील सक्सेना वरिष्ठ पत्रकार तथा भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी प्रधानाचार्य रहे। कल का मैच आकाश रॉयल वारियर्स एवं पृथ्वी डेडली हिटर्स के बीच प्रातः 6 बजे से खेला जाएगा।

बस पलटी, 20 मजदूर घायल, 3 महिलाओं की हालत गंभीर

बांदा। ईंट पथाई के बाद 70 मजदूरों को प्रयागराज से बांदा वापस ला रही बस सोमवार सुबह अनियंत्रित होकर खाई में पलट गयी। चीख पुकार के बाद ग्रामीणों ने बस के शीशे तोड़कर मजदूरों को बाहर निकाला और घायल 20 से अधिक मजदूरों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में अधिकतर महिलाएं व किशोर शामिल हैं। तीन महिलाओं की हालत नाजुक बताई गयी है। प्रयागराज से हमीरपुर के कस्बा राठ जा रही प्राइवेट बस सवेरे लगभग 4 बजे बबेरू कोतवाली क्षेत्र के मुरवल-अलिहा गांवों के बीच अनियंत्रित होकर खाई में गिर गयी। चीख पुकार सुनकर आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। मौके पर पुलिस भी पहुंची, ग्रामीणों ने खाई में पटली बस के शीशे तोड़कर मजदूरों को बाहर निकाला। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। घायलों में हमीरपुर जिले के अकोना गांव की वीरवृती पत्नी रामआसरे 40, कल्ली पत्नी देवीदीन 25 तथा नंदनी पत्नी चरण सिंह 22 की हालत गंभीर बताई गई है। जबकि कांति 24, शांति 26, प्रेमलता 35, चांदनी 10 निवासी राठ, रानी 30 बिवांर, रानी 24 हमीरपुर, आरती 7, लक्ष्मी 16, संतोषी 17, रिजिका 7, ज्योति 31, उर्मिला 40 निवासी अकोना, अनुराग 9, अंजलि 30, भूरी 55, देवीचरण 35, रोहिणी 20 निवासी राठ तथा अनिल 21 छतरपुर मध्य प्रदेश को मामुली चोंटे आई हैं। सीओ बबेरू सौरभ सिंह ने बताया कि घटना के बाद घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाकर उपचार मुहैया कराया गया है।

सीएम किसान दुर्घटना लाभार्थियों को 6.55 करोड़ बांटे गए

बांदा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंबेडकर नगर से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत लाभार्थी धनराशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इसका सजीव प्रसारण महर्षि बामदेव सभागार में भी किया गया। जिले की सभी तहसीलों में 146 एवं मुख्यालय में 53 लाभार्थी कृषकों को 6.55 करोड़ 20हजार रुपए की धनराशि प्रतीकात्मक डेमो चेक के माध्यम से वितरित की गई। यह धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में ऑनलाइन हस्तांतरित की जा चुकी है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी जे. रीभा, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर, नगर पालिका अध्यक्ष मालती गुप्ता बासु , जिला पंचायत सदस्य, जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में कृषक परिवारों की महिलाएं एवं परिजन उपस्थित रहे।

सीएचसी महरौनी में स्टाफ नर्स ने प्रसव के नाम पर प्रसूता की सास से झटके एक हजार रुपये

ललितपुर। राज्य महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र महरौनी का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के समय यहां प्रसव कराने आयी गर्भवती महिला ने आरोप लगाया था कि लेबर रूम में तैनात स्टाफ नर्स द्वारा उससे दबाव

- राज्य महिला आयोग सदस्य अर्चना पटेल के निरीक्षण में खुली पोल
- सीएमएस ने स्टाफ नर्स के स्थानान्तरण करने को लेकर सीएमओ को भेजा पत्र

डालते हुये एक हजार रुपये लिये थे। प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान लेते हुये आयोग सदस्य ने तत्काल सीएमएस को दूरभाष पर वार्ता कर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया था। प्रकरण में सीएएमएस ने पत्र लिखकर रुपये लेने वाली स्टाफ नर्स का स्थानान्तरण अन्यत्र कर दिये जाने के लिए सीएमओ के समक्ष मांग रखी है।बताया गया है कि सोमवार की सुबह 7.12 बजे राज्य महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से मिल रहीं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। मौके पर महरौनी के कुआघोषी निवासी गर्भवती महिला ने आरोप लगाया कि अस्पताल के लेवर रूम में तैनात स्टाफ नर्स सिन्धु शुक्ला ने उसकी सास से प्रसव के नाम पर एक हजार रुपये लिये और धनराशि की मांग की गयी। इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये राज्य महिला आयोग सदस्य ने तत्काल फोन पर सीएमएस को सूचना दी और कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। प्रकरण का संज्ञान लेते हुये सीएमएस सीएचसी महरौनी को तत्काल पत्राचार कर ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स सिन्धु शुक्ला पर विभागीय कार्यवाही करते हुये अन्यत्र स्थानान्तरण के लिए सीएमओ कार्यालय में पत्राचार किया है। इसके अलावा सीएमएस ने तत्काल अस्पताल पहुंच कर वहां का निरीक्षण किया और गर्भवती महिला के रुपये वापस कराये।इनका कहना है

महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए उत्तर प्रदेश शासन कटिबद्ध है। स्वास्थ्य सेवाओं के एवज में कोई भी व्यक्ति चाहे वह अस्पताल से सम्बन्धित हो या फिर कोई बाहरी व्यक्ति हो। किसी को भी अतिरिक्त सुविधा शुल्क के नाम पर रुपये न दें। ऐसा होने पर तत्काल इसकी सूचना आलाधिकारियों को दें, ताकि समय रहते कार्यवाही हो सके।

सैकड़ो नम आंखों से वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुआलेह अहमद को सुपुर्द ए खाक किया

स्योहारा, बिजनौर। वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर सुआलेह अहमद उर्फ शब्बू का बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके निधन पर राजनीतिक, समाजिक एंव पत्रकार बंधुओं ने गहरे रंजोगम का इजहार किया। स्योहार के मौहल्ला इस्लामनगर स्टेशन रोड निवासी वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब स्योहारा के सह संरक्षक डॉक्टर सुआलेह अहमद उर्फ शब्बू (62 वर्ष) का बीमारी के चलते निधन हो गया। डॉक्टर शब्बू अहमद पिछले एक महीने से बीमार चल रहे थे और उनका दिल्ली के एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा था। डॉक्टर शब्बू अपनी बीमारी से लड़ते हुए आखिरकार बीती रात्रि लगभग अपनी जिंदगी से हार गए। डॉक्टर शब्बू के निधन की खबर से नगर मे शोक की लहर दौड़ गई। और उनके मित्रों, शुभचिंतको रिश्तेदारों ने उनके घर जाकर उनके परिवार वालों को हिम्मत दी और उनकी मगिफरत की दुआ की।

डॉ0 सुआलेह अहमद की नमाज ए जनाजा पढ़ने और उनके जनाजे में शामिल होने तथा शोक सवेंदना व्यक्त करने वालो में शहर इमाम मौलाना मौहम्मद कामिल, इमाम शाही मस्जिद कारी शाहिद, वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रेस क्लब के संरक्षक डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा, पूर्व विधायक नईमुलहसन, ब्लाक प्रमुख उज्जवल सिंह चैहान, बसपा नेता हाजी मौहम्मद इल्यास, पूर्व चेयरमैन अख्तर जलील, कांग्रेस नेता चै0 फहीमउर्रहमान, डा0 एचएस कालरा, डा0 आसिफ अंसारी, डा0 इमरान अहमद, हाजी जमील अहमद, हाजी अनवर जमाल, इमरान अख्तर उर्फ सनी, अफजाल चैधरी, नय्यर चैधरी, आफाक ठेकेदार, असजद चैधरी, दानिश चैधरी, मुफीज आलम उर्फ रिंकू, सुहैल जफर, सरफराज अहमद उर्फ गुड्डा, उमेर जावेद, अयान जावेद, पदम सिंह, अरशद चैधरी आदि सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

पुलिस ने की एटीएम बैंक परिसर की सघन चेकिंग

बांदा। बैंकों और उसके आसपास लूट और टप्पेबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए एसपी पलाश बंसल के निर्देश पर जिले भर में सघन रूप से बैंक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ने एटीएम, बैंक शाखाओं और आसपास चेकिंग की। इस दौरान एटीएम व बैंकों मे लगे सुरक्षा उपकरणों, सीसी टीवी कैमरों, आपातकालीन अलार्म और अग्निशामक यंत्रों की जांच की। तथा 24 घंटे सीसी टीवी कैमरे चालू रखने की हिदायत दी। पुलिस ने बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों से बात कर उन्हें बैंक का कार्य सुचारू रूप से करने के लिए पूरी सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिया। पुलिस ने बैंक सुरक्षा गार्डों को निर्देश दिए कि बैंक आने वाले ग्राहकों के वाहन पार्किंग स्थल पर ही खड़ा कराएं जिससे आने जाने वाले ग्राहकों को किसी तरह की असुविधा न हो। इस दौरान बैंकों व एटीएम के आसपास घूम रहे संदिग्ध लोगों और संदिग्ध वाहनों की जांच कर उन्हें कड़ी चेतावनी दी।

बैठक से गायब रहे 8 अफसरों का डीएम ने रोका वेतन

बांदा। ई-आफिस प्रणाली के शत प्रतिशत क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहे 8 ऑफिसरों का वेतन रोकने के साथ ही धीमी प्रगति पर डीएम ने नाराजगी जताई। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों में ई-आफिस प्रणाली के प्रभावी एवम शत प्रतिशत क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्रामीण अभियंत्रण सहायक आयुक्त श्रम, अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण, उपायुक्त उद्योग, दुग्ध विकास अधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी और डिप्टी स्पोर्ट्स ऑफिसर शामिल हैं। डीएम ने सभी का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान डीएम ने ई-ऑफिस प्रणाली संचालन में लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि अधिकांश विभागों में गो-लाइव होने के बावजूद ई-ऑफिस यूजर्स द्वारा पत्रावलियों का संचालन अभी तक नियमित रूप से नही किया जा रहा है। उन्होने कहा कि विभागों द्वारा शेष बचे ई-ऑफिस यूजर्स का डीएससी, डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट, बीपीएन नंबर, क्रिएशन तथा एनआईसी ई-मेल जेनेरेशन में अनावश्यक विलम्ब किया जा रहा है। यह अत्यंत खेद जनक है। उन्होने कड़ी हिदायद देते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने स्तर पर ई-ऑफिस के माध्यम से सभी पत्रावलियों का संचालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य प्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी और त्वरित बनाया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय, जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

योगाभ्यास के साथ शुरू हुआ अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह

जिला संवाददाता

ललितपुर। युवा भारत योग समिति, शैडो ग्रुप, पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान के संयुक्त तत्वाधान में चंद्रशेखर आजाद पार्क में योगाचार्य अनुराग चतुर्वेदी के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को दृष्टिगत रखते हुए योग सप्ताह का शुभारंभ किया गया।

जिसमें सप्ताह के पहले दिन युवा भारत योग समिति के जिला प्रभारी योगाचार्य मुकेश साहू एड. द्वारा प्रोटोकॉल के तहत योग अभ्यास कराया और बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को दैनिक क्रियाएं का हिस्सा बनाना चाहिए योग के लिए क्योंकि स्वस्थ रहने के लिए योग करना अति आवश्यक है। योग अभ्यास में कपालभाति प्राणायाम अनुलोम-विलोम, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, भुजंगासन, मर्कटासन, धनुरासन योग अभ्यास कराया।

इस दौरान योगाचार्य मुकेश साहू एड., अरविंद जैन, योगाचार्य अनुराग चतुर्वेदी, योग शिक्षक अशोक सेन, सहयोगी शिक्षक परशुराम साहू, प्रकाशचंद साहू एड., अंतिम जैन, अखिलेश जैन, अनूप जैन, डा.अभिषेक चतुर्वेदी, अक्षय गौतम एड., श्यामलाल साहू, कमल कुमार, फूलसिंह अमीन, रूपेंद्र राठौर, श्रीराम समाधिया, देशप्रेमी प्रेमशंकर गुप्ता, सुरेंद्र जैन, रामकिशोर रजक, उदयभान सिंह, अजित नापित, हरि सोनी, प्रीति शुक्ला, श्रद्धा सोनी, नीतू ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

खिड़की निकालने को लेकर हुआ विवाद पहुंचा कोतवाली तक, एफआईआर दर्ज

ललितपुर। कोतवाली अंतर्गत मोहल्ला आजादपुरा नहर के पास रहने वाले डा.सुरेन्द्र कुमार जैन पुत्र के.सी. जैन ने पुलिस को शिकायती पत्र भेजा है। बताया कि बीते रविवार को वह अपने घर की क्लीनिक पर बैठा हुआ था और पास में उसकी पत्नी स्नेहलता जैन बैठी हुयी थी।

आरोप है कि इसी बीच पड़ौसी विमलचंद्र जैन व उसके दोनों पुत्र अमित गुल्ला व एक अन्य पुत्र अपना नया मकान का निर्माण करा रहे हैं, उनके भवन निर्माण से उनके घर की दीवाल भीग गयी। उक्त लोग आये और कहा कि उनके घर की ओर वह खिड़की निकालेंगे, जब उन्होंने व उनकी पत्नी ने इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने एकराय होकर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गये। पीड़ित के अनुसार उक्त लोग उनके मकान की ओर खिड़की निकालने की बात कह रहे हैं और खिड़की न निकालने देने पर घर बेचकर भाग जाने की धमकी दी गयी और ऊपर की ओर खिड़की निकाल ली।

पीड़ित ने बताया कि उसके दोनों बच्चे बाहर रहते हैं और घर में दोनों वृद्ध पति-पत्नी निवासरत हैं। आरोप है कि उक्त लोग मनमानी पर आमादा हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (2) व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

हर पहलू की हो जांच

अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान हादसा कितना भयानक था कि इस हादसे के दृश्यों को देखते ही रूह कांप जाती है। हादसा क्यों हुआ, कैसे इस तरह के हादसों को रोका जा सकता है, इस बात की जांच विशेषज्ञ और वैज्ञानिक कर रहे हैं। अभी तक विशेषज्ञ, अनुभवी पाइलट और बनाने वाली कंपनी भी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची हैं। यहां तक कि हादसे के शिकार सभी मृतकों के शवों की पहचान और परिजनों को सौंपने का कार्य भी पूरा नहीं हुआ है।ऐसे में हादसे को लेकर बेबुनियाद अटकलबाजियां करने से सभी को बचना चाहिए। अहमदाबाद विमान हादसा इस सदी की सबसे भयावह त्रासदी है। देश ही नहीं, दुनिया भी स्तब्ध है कि इतना खौफनाक हादसा कैसे हुआ? नियति का निर्णय था, लिहाजा एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश, जिंदा बच गये। यह कुदरती चमत्कार ही है। अलबत्ता विमान में सवार सभी यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर की हादसे में मौत हो गई। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और कुछ उद्योगपति भी यात्रियों में शामिल थे। यात्रियों में 217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात शिशु थे। क्रैश होकर विमान बिल्डिंग पर गिरा जिसके कारण 33 अन्य लोगों की मौत हो गयी और इसमें अधिकतर डॉक्टर थे। दरअसल यह नियति का बेहद क्रूर न्याय है। एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री सवार थे। उड़ान को लंदन जाना था। पल भर में ही तमाम ख्वाहिशें, सपने, परिवार चिंदी-चिंदी हो गये। जीवन राख बन गया। बहरहाल अब जांच का दायरा अंतरराष्ट्रीय हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन को 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपनी होगी। बुनियादी जांच 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो' (एएआईबी) ही करेगा, जो भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्रालय से ही संबद्ध एक कार्यालय है। भारतीय वायुक्षेत्र में सभी गंभीर विमान हादसों की जांच यही ब्यूरो करता है। बहरहाल सभी रिपोर्ट को सार्वजनिक जरूर किया जाये ताकि आम आदमी भी हादसे के कारणों को जान सके। यह विमान हादसा सबसे त्रासद इसलिए है, क्योंकि विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की इमारत से टकराया और उसका एक हिस्सा इमारत में ही फंसा रह गया। वह दोपहर का भोजन करने का समय था, लिहाजा मेस में कुछ डॉक्टर, एमबीबीएस छात्र, नर्सिंग छात्र और अन्य खाना खा रहे थे। विमान वज्रपात की तरह क्रैश हुआ और धड़कती जिंदगियों को पल भर में ही लाश बना दिया। कुछ तो विमान की आग के तापमान में जल कर खाक हो गये। ऐसी मौतों की संख्या 27 बताई गई है। कितनी भयावह त्रासदी है यह। मौतों का आंकड़ा देखकर दिल बैठ जाता है। सरकार ने 274 मौतों की पुष्टि की है इसमें विमान के 241 और 33 अन्य हैं। वैसे दुनिया के सामने सब स्पष्ट है कि कितना विध्वंसक हादसा है यह! इसे सामान्य घटना तो कोई मान ही नहीं सकता, लेकिन अचंभा है कि बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर जैसा आधुनिक, विकसित और सबसे अधिक भरोसेमंद विमान इस तरह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ? बोइंग विमान के 14 साल के सफर में 1175 विमानों में, 2100 उड़ान प्रतिदिन के हिसाब से, 1 अरब से अधिक यात्री अब तक उड़ान भर चुके हैं। एक भी ड्रीमलाइनर विमान अभी क्रैश नहीं हुआ। इसे लंबी दूरी का सबसे विशिष्ट विमान माना जाता है। दुनिया की बड़ी विमानन कंपनियां इन्हीं विमानों का इस्तेमाल करती रही हैं, लेकिन खूबियों के बावजूद ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी खामियां भी सामने आती रही हैं। ये खामियां भारतीय संसद में भी गूंज चुकी हैं। अधिकतर विशेषज्ञों के आकलन हैं कि विमान के दोनों इंजन बंद हो गये, लिहाजा विमान को श्रेष्ट नहीं मिल पाया, नतीजतन 625 फीट तक उड़ान भरने के बाद विमान ऊपर नहीं जा सका। अंततः नीचे आकर क्रैश हो गया। विशेषज्ञ यह सवाल भी करते हैं कि अचानक दोनों इंजन कैसे फेल हो गए? विमान में जीई कंपनी के इंजन लगाए जाते हैं, जो सबसे विश्वसनीय माने जाते रहे हैं। विमान से ईंधन लीक होने, लीथियम बैटरी, कम्प्यूटर चिप संबंधी चेतावनियां सामने आती रही हैं। लेकिन इससे पहले एक भी विमान क्रैश नहीं हुआ था। ऐसे में यह जरूरी है कि जांच का दायरा विस्तृत कर इसमें सभी पहलुओं को शामिल किया जाये ताकि सचाई सामने आ सके।

अहमदाबाद विमान हादसा इतना हृदय विदारक है कि इस पर अटकलबाजी करने के बजाय गहन जांच निष्कर्षों का इंतजार करना चाहिए।

दुनिया के हित में नहीं इजराइल-ईरान युद्ध

ईरान पर इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है। यह स्ट्राइक ईरान के बहुत अंदर तक की गईं और परमाणु व बैलिस्टिक मिसाइल साइट्स को हिट करने के अतिरिक्त सशस्त्र बलों व आईआरजीसी के प्रमुखों को भी मार गिराया गया। ईरान ने कठोर जवाबी हमला करने की कसम खायी है, जवाब भी दे रहा है लेकिन आज उसके पास सीमित विकल्प हैं। इजराइल ने पिछले साल ही उसकी लेबनानी प्रॉक्सी हिजबुल्लाह को बहुत कमजोर कर दिया था और सीरिया में तेहरान समर्थक असद शासन का पतन हो गया था। इसके अलावा इजराइल का दावा है कि उसकी नवीनतम स्ट्राइक्स में गोपनीय मोसाद सेल शामिल थी, जिसने ईरान के भीतर से हमला करते हुए ईरानी एयर डिफेंस व बैलिस्टिक मिसाइल लांचर्स को नष्ट किया। इसका अर्थ यह है कि तेहरान का काउंटर-इंटेलिजेंस नेटवर्क अनेक मोर्चों पर विफल रहा है।

इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान को धमकी दे रहे हैं कि अगर तेहरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर वाशिंगटन के साथ ताजा समझौता नहीं किया तो इजराइल उस पर और सैन्य हमले करेगा। इस मुद्दे पर अमेरिका व ईरान के बीच वार्ता चल रही थी। लेकिन तेहरान वाशिंगटन की इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम स्थगित कर दे। बहरहाल, अगर स्ट्राइक्स का उद्देश्य आयतुल्लाह को सख्त संदेश देना था, तो उनका विपरीत असर हो सकता है- तेहरान अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम तेज कर सकता है और एनपीटी को छोड़ सकता है। इससे खाड़ी के अरब देशों में तनाव बढ़ सकता है और सऊदी अरब भी परमाणु हथियार बनाने पर बल दे सकता है।

जाहिर है इस सबका ऊर्जा के दामों पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। क्रूड तेल के दामों में पहले ही 9 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है और इसमें अतिरिक्त इजाफा हो सकता है। सप्लाई चेनों पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि खाड़ी में महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग हैं। साथ ही हमें अंडरसी केबल्स को भी नहीं भूलना चाहिए जिन्हें निशाना बनाया जा सकता है या उनका बतौर हथियार इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत के लिए भी चीजें जटिल हो गई हैं। चाबहार बंदरगाह के जरिये ईरान हमें अफगानिस्तान के लिए महत्वपूर्ण वैकल्पिक व्यापार मार्ग प्रदान करता है। यही मार्ग लिंक है सेंट्रल एशिया के लिए इंटरनेशनल नार्थ-साउथ कॉरिडोर तक। अगर इस क्षेत्र में तनाव लम्बे समय तक चलता है, तो सब चीजों पर काले बादल छा जायेंगे। तेल अवीव व तेहरान के बीच सैन्य टकराव का बढ़ना दुनिया के हित में नहीं है। लेकिन नेतन्याहू, आयतुल्लाह व ट्रम्प के इरादे नेक नहीं लग रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अगर ईरान जवाबी हमला करता है तो फ्रांस इजराइल की रक्षा करने में मदद करेगा, लेकिन यह समर्थन बिना शर्त व बिना सीमा का नहीं है। पेंटागन भी पश्चिम एशिया में अपने युद्धपोत व अन्य सैन्य एसेट्स पोजीशन कर रहा है ताकि इजराइल की रक्षा की जा सके। लगभग चार दशक तक ईरान ने अरबों डॉलर, हथियार व सैन्य शक्ति का निवेश इजराइल विरोधी नेटवर्क विकसित करने में किया, जिसे 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' कहते हैं, कि जब इजराइल से युद्ध होगा तो यह लोग ईरान के साथ खड़े हो जायेंगे। लेकिन पिछले एक वर्ष के दौरान यह एक्सिस बहुत कमजोर हो गया है और किसी को यह उम्मीद नहीं है कि इससे तेहरान की कोई अर्थपूर्ण मदद हो सकेगी। हिजबुल्लाह, जो लेबनान में ईरान का सबसे मजबूत सहयोगी है, ने ईरान पर इजराइल के हमले की निंदा तो अवश्य की लेकिन उसने यह नहीं कहा कि वह इसका बदला लेगा। यमन के हूतियों ने भी ऐसा कोई संकेत नहीं दिया कि वह जवाबी सैन्य कार्यवाही करेगा। यह सही है कि एक्सिस पूरी तरह से नष्ट नहीं हुआ है, लेकिन बहुत कमजोर अवश्य हो गया है। एक्सिस इजराइल को रक्षा की मुद्रा में लाने की स्थिति में नहीं है। ईरान ने दिसम्बर में अपने एक महत्वपूर्ण सहयोगी को भी खो दिया जब विद्रोहियों ने सीरिया में बशर अल-असद का तख्ता पलट दिया था। इराकी मिलिशिया में अभी कुछ दम खम जरूर बाकी है। इसका अर्थ यह है कि ईरान पर हमला उस समय किया गया है, जब वह अपनी सबसे कमजोर स्थिति में था।

विमर्श

पश्चिम एशिया में टकराव लम्बे समय तक चलता है, तो सब चीजों पर काले बादल छा जायेंगे। तेल अवीव व तेहरान के बीच सैन्य टकराव का लंबे समय तक चलना दुनिया के हित में नहीं है। लेकिन नेतन्याहू, खेमेनाई और ट्रम्प के इरादे ठीक नहीं हैं।

बहरहाल, इजराइल की स्ट्राइक्स से ईरान अपमानित अवश्य हुआ है, लेकिन पराजित नहीं हुआ है। इसलिए यह मानकर बैठ जाना बहुत बड़ी भूल होगी कि ईरान खामोश बैठ जायेगा। इस लेख के लिखते समय ही यह खबर आ गई कि ईरान ने इजराइल पर मिसाइलों की बारिश की है। ईरान के पहले हमले में इजराइल में तीन लोग मारे गये और अनेक घायल हुए। ईरान के दूसरे हमले में 2 लोग मारे गये व 19 अन्य घायल हुए हैं। यह हमले ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के टीवी संबोधन के बाद शुरू हुए, जिसमें उन्होंने कहा, इस्लामी गणराज्य के सशस्त्र बल दुश्मन पर बहुत तगड़ी मार लगायेंगे। ईरान ने तेल अवीव के केंद्र में हमले किये हैं। दूसरी ओर इजराइल ने भी ईरान पर ड्रोनों से हमला किया है। जाहिर है दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस टकराव में ईरान कम तक टिक पायेगा, यह भी सवाल है। क्योंकि इजराइल की तैयारी, तकनीक और युद्ध कौशल ईरान से बहुत उन्नत दर्जे का है। इसलिए ईरान तेजी कमजोर हो रहा है। बहरहाल युद्ध किसी भी समस्या का हल नहीं है। युद्ध से कभी किसी का भला नहीं होता है- साहिर लुधियानवी के शब्दों में, 'टैंक आगे बढें या पीछे हटें, कोख धरती की बांझ होती है... इसलिए ए शरीफ इंसानों, जंग टलती रहे तो बेहतर है।' जंग में कितना ही खून बहा लिया जाये, आखिर में फैसले वार्ता मेज पर ही होते हैं। ईरान व इजराइल को भी आखिरकार वार्ता मेज पर ही आना होगा, लेकिन फिलहाल के पागलपन का नतीजा यह हुआ है कि पश्चिम एशिया का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है, यूरोप आने जाने वाली 1,800 फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। दोनों इजराइल व ईरान के आम नागरिक तनाव में हैं। सैन्य टकराव तो इन दोनों मुल्कों में हो रहा है, लेकिन महंगाई व आर्थिक मंदी की मार दुनिया के लगभग सभी देशों को झेलनी पड़ेगी।

इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि वर्तमान स्थिति के ईरान की न्यूक्लीयर महत्वाकांक्षा जिम्मेदार है। इजराइल भी कम जिम्मेदार नहीं है। इजरायली पीएम का जबरदस्त विरोध है, लगभग रोजाना ही उनके खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। अपने खिलाफ चल रहे अदालती मामलों से बचने के लिए पहले उन्होंने न्यायपालिका को ही एग्जीक्यूटिव के अधीन करने का प्रयास किया, जो भारी विरोध के कारण असफल रहा। इसके बाद अपनी कुर्सी बचाये रखने के लिए वह अपने मुल्क को निरंतर जंग में झोंके हुए हैं। हमास से बंदियों की रिहाई के लिए हुए समझौते को भी उन्होंने अपने स्वार्थ के चलते सफल नहीं होने दिया। इजराइली अखबारों का कहना है कि जंग बंद हुई तो नेतन्याहू अपने घोटालों के कारण जेल में होंगे। बहरहाल यह इजराइल का आंतरिक मामला है। लेकिन ईरान और इजराइल की टकराव से नुकसान पूरी दुनिया का हो रहा है। भारत को भी हो रहा है। इसलिए यह जंग जितनी जल्दी समाप्त हो जाये, मानवता के लिए उतना ही बेहतर है।

सोशल मीडिया

दिल्ली में सरकार द्वारा वर्षों से रह रहे गरीबों व मजदूरों के घरों को बिना पुनर्वास की व्यवस्था किये, तोड़ा जाना उचित नहीं, पहले पुनर्वास की व्यवस्था करें फिर वहां से हटायें। मायावती.

अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का परिणाम है कि पिछले आठ वर्षों में 'नया उत्तर प्रदेश' अपराध व दंगामुक्त हुआ है। सीएम योगी.

जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही इस दर्दनाक खबर में दिखती है, जहां ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत हो गयी। राहुल गांधी.

कठिन सिल्क रूट पर परी कथाओं वाला द्वीप 'बुखारा'

पर्यटन

मनोरंजक कथाएं केंद्रीय एशिया से पृथ्वी के हर भाग में यात्रा कर चुकी हैं। अगर मुल्ला की कब्र को देखना है, तो तुर्की के अकेशीर में जाना होगा। नसीरुद्दीन की गधे पर सवार मूर्ति बुखारा के केंद्र में है जैसे ऐतिहासिक इमारतों, बाजारों, रेस्टोरेंट्स और वेंडर्स पर नजर रख रही हो। प्राचीन गलियों, नहरों व घरों को बहुत ध्यानपूर्वक बरकरार रखा गया है जैसे इतिहास की 3डी तस्वीर बना दी गई हो, जिसकी दिलचस्पी तेज, आधुनिक संसार में प्रवेश करने की है ही नहीं। मैं एक कोने में बैठ गया और इस विंटेज नजारे का आनंद लेने लगा।

जैसे रेगिस्तान के बीच में नखलिस्तान हो, लयाबी हौज एक छोटा सा तालाब है इस हमेशा जवान रहने वाले प्राचीन शहर में। (अगली बार जब आप दिल्ली के हौज खास में जायें तो याद रखें कि हमारे इतिहास में केंद्रीय एशिया से इसका संबंध है)। तालाब के पास पांच बुजुर्ग बोर्ड गेम खेलने में व्यस्त हैं, उन्हें पर्यटकों के आने जाने और व्यस्त कार्य दिवस पर व्यापारियों से कोई लेना देना नहीं है। इस पासे के खेल में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं थी, इसलिए मैं आगे बढ़ा और टोकि तेल्पक बाजार के निकट सबसे विश्वसनीय हमाम में चला गया। हमाम का नाम मुझे किसी ने बताया तो था, लेकिन फिलहाल मुझे याद नहीं आ रहा है। नाम वैसे भी उजबेक में लिखा था और लाल व हरी बत्तियां उस पर टिमटिमा रही थीं। मैंने अपने कपड़े एक लकड़ी के कैबिनेट में बंद किये, अपने नाजुक अंगों को कॉटन के बारीक से तौलिये से कवर किया और फिर कुछ गुम्बदों के नीचे से होता हुआ हॉट चैम्बर में पहुंच गया। यह सदियों पुराना कमरा है, जिसमें मोटी पत्थर की दीवारें हैं। यह दिल्ली की गर्मियों के जितना गर्म है, लेकिन यह मुझे अधिक गर्म क्यों लग रहा है? मैंने अपना सिर घुमाकर देखा तो अपनी बेवकूफी समझ में आयी। मैं ब्लोअर के सामने बैठा था, जो गर्म हवा फेंक रहा था। मैंने अपनी सीट बदली। एक स्लोवाक पर्यटक मेरे पास आ बैठा। कुछ करने को नहीं था तो हम अपने अपने देशों के बारे में बातें करने लगे। अपने मुल्क के जाड़ों को याद करते हुए उसे यह सबसे अच्छा पल लग रहा था। कुछ मिनट बाद एक युवा मालिश करने वाला, जिसने मेरे जैसा ही तौलिया बांधा हुआ था, मुझे मुख्य स्नानघर में ले गया। मैं फिसलन भरे स्टोन प्लेटफार्म पर लगभग सो गया। वह मेरे हाथ पैरों को इस तरह स्ट्रेच करने लगा जैसे मैं कोई जिमनास्ट हूं। **समीर चौधरी.**

एक ऐसी जगह की कल्पना कीजिये जहां एक कदम आगे बढ़ाने पर आप कई सदी पीछे चले जाते हैं। एक ऐसी जगह जो बहुत अधिक पारम्परिक है, लेकिन तरोताजागी की उमगें आपमें भर देती है। वह सूफी मत का केंद्र है और ऐसी जगह भी है, जहां भेड़ की पीठ पर जमी चर्बी उसके मांस जितनी ही महत्वपूर्ण है। यह बातें सिर्फ बुखारा पर ही लागू नहीं होती हैं बल्कि पूरे उज्बेकिस्तान का यही हाल है। बुखारा एक ऐसी जगह है जहां टैक्सी चालक से लेकर व्यापारी तक आपकी मोलभाव करने की क्षमता की परीक्षा लेगा। अगर आप सौदेबाजी में असफल होकर दार्शनिक की मुद्रा में आ भी जाते हैं तो भी आपको खुश होना चाहिए क्योंकि भारतीय रुपए के मुकाबले में उज्बेक सोम बहुत सस्ता है। मैंने अपने एक दोस्त के साथ तीन-कोर्स लंच मात्र 800 रुपए में खाया और एयरपोर्ट से होटल तक का किराया सिर्फ. 200 रुपए लगा। मैं यह नहीं कह रहा कि बुखारा आप इसलिए जायें कि वह सस्ता है। यह तो ऐसा होगा जैसे कोई आगरा ताजमहल की बजाय लोहा मंडी की वजह से जाये।

बुखारा कठिन सिल्क रूट पर परीकथाओं वाला द्वीप है, जो इतिहास और हेरिटेज की खुली किताब है। पुराने संसार का यह सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक व धार्मिक केंद्र था। वह ज्ञान का लाइटहाउस था। हिन्दुओं के लिए जो बनारस है, वही इस्लामी संसार के लिए बुखारा था। कुछ शताब्दियों के अंतर के कारण मैं बुखारा का आध्यात्मिक वैभव देखने से वंचित रह गया। लेकिन अपनी यात्रा की एक दोपहर जब मैंने नादिर दीवान-बेगी मदरसा काम्प्लेक्स के भीड़भरे आंगन में डांस परफॉर्मेंस व फैशन शो देखा तो मुझे एहसास हो गया कि बुखारा एक अलग ही अनुभव होने जा रहा है। अगले आश्चर्य के लिए मुझे अधिक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी। एक सजे हुए पूर्व मदरसा के सामने गधे पर सवार एक व्यक्ति की मूर्ति है, जिसे लोगों ने घेरा हुआ है। डूबते सूरज की नारंगी रोशनी मोटे पेड़ों व पुराने घरों से झांक रही है और व्यक्ति की मुस्कान को अधिक चमका रही है। यह बुखारा का प्रिय मुल्ला नसीरुद्दीन है, जिसकी

स्वार्थ का बंधन

कोई भी मनुष्य पूर्ण नहीं होता है। हरेक में कुछ खूबियां होती हैं और खामियां। व्यक्ति को अपनी खूबियों को निखारना चाहिए ताकि समाज में उसको वाजिब स्थान मिल सके। इसके लिए आत्मनिरीक्षण भी करते रहना चाहिए। आत्म निरीक्षण या आत्म अवलोकन मनुष्य को हमेशा सही रास्ते पर चलने और व्यक्तित्व के परिष्कार की प्रेरणा देता है। आत्मिक प्रगति का प्रथम चरण आत्म-निरीक्षण जितना गंभीर और प्रखर होता है। उसी अनुपात में शरीर और आत्मा की भिन्नता का वास्तविक आभास होता है। अन्यथा तोतारटन्त की तरह आत्मा परमात्मा की चर्चा का बाल विनोद चलता रहता है। माया के बंधन शिथिल होने या कटने का एक मात्र उपाय है कि अपनी सत्ता की स्थिति को समझा जाये। यह अनुभूति विकसित हो सके तो ही आत्मा का महत्व एवं हित सूझ पड़ता है और शरीर के पक्ष में झुकी हुई सारी प्रकृति को संतुलित करने का मन होता है। शरीर संसार में अनुरक्त रहता है और आत्मा की प्रायः उपेक्षा करता है। यह सोच तक नहीं पाता कि हमारे भीतर आत्मा नाम की कोई वस्तु भी है और उसकी भी कुछ मांग, पुकार, सुख एवं आवश्यकताएं भी हैं। इस प्रकार की अनुभूति तभी होती है जब शरीर तथा इसके सुखों पर सर्वस्व न्यौछावर किए रहने के ढर्रे में परिवर्तन किया जाये। आत्मा को परमात्मा का संदेश सुनने और आह्वान को अंगीकार करने की बात अंतरंग की गहराई तक प्रवेश कर जाती है। तभी यह सूझ पड़ता है कि शरीर की तरह आत्मा के निमित्त भी कुछ किया जाना चाहिए। क्या किया जाना चाहिए? इसके उत्तर में दो तथ्य उभर कर सामने आते हैं। एक यह कि आत्म गौरव के अनुरूप व्यक्तित्व के ढलने में जो त्रुटियां चल रही हैं, उनका कठोरतापूर्वक नियमन किया जाये। इसी को तप कहते हैं। इस संदर्भ में कठोरता बरतनी होती है। अभ्यस्त दुष्प्रवृत्तियां सहज पीछा नहीं छोड़तीं। तपश्चर्या का अभिप्राय शरीर को कष्ट देना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है- ऐसा मनोबल विकतिस करना जो दुष्प्रवृत्तियों से मल्लयुद्ध करके उन्हें परास्त कर सके। इसी को संशोधन पक्ष कहते हैं। इसके अतिरिक्त दूसरा पक्ष श्रेष्ठता के अभिवर्द्धन का है। यह आत्मविश्वास एवं आत्मबल के आधार पर उपर्युक्त क्रम बना लेने से भी संभव हो सकता है। इसके लिए सत्प्रवृत्तियों के समन्वय द्वारा ईश्वर की उपासना सहायक होती है। इसे ही योग कहते हैं। विराट ब्रह्म से अपने आपको जोड़ना ही योग है। क्षुद्र स्वार्थपरता के संकीर्ण बंधनों को शिथिल करने का अभ्यास करना ही योग है। ऐसे साधक का दृष्टिकोण समता और क्रिया कल्याण सर्वजनीन हित साधन का होता है।

अंतर्दृष्टि

ये कैसा कलयुग है प्रभु!

व्यंग्यलोक

हे प्रभु! ये कैसा कलियुग आ गया! जिस चीज को भी छूने की कोशिश कर रहा हूं दूर भागी जा रही है। सपनों को छूने की कोशिश करता हूं तो सपने दूर भागे जा रहे हैं। अपनों को छूने की कोशिश करता हूं तो अपने दूर भागे जा रहे हैं। शिमला मिर्च को छूने की कोशिश करता हूं तो शिमला मिर्च हाथ से मछली की तरह फिसली जा रही है। टमाटर छूने की कोशिश करता हूं तो टमाटर बहुत दूर भागे जा रहे हैं। अदरक छूने की कोशिश करता हूं तो अदरक दूर भागा जा रहा है। आखिर ये रोजमर्रा की चीजें आम जनता से इतनी दूर क्यों हो गई रही हैं प्रभु! क्या मेरी बिरादरी की तकदीर में सब कुछ दूर से ही देखना लिखा है प्रभु? लाख पकड़ने की जद्दोजहद के बाद भी मेरे हाथ में आखिर ये टमाटर क्यों नहीं आते? क्या इन दिनों मेरे मुंह के भाग्य में टमाटर, अदरक खाना नहीं लिखा है? प्रभु! इस उम्र में अब पत्नी से प्रताड़ित होकर तुलसीदास भी नहीं हो सकता। हो भी जाऊं तो आदिपुरुष की तरह अनाप शनाप लिख मारा तो....ऐसे घोर कलिकाल में समझ नहीं आ रहा मैं किसको कोसूं? केंद्र सरकार को कि राज्य सरकार को? अपने को या फिर बीवी को! किसान को या बिचौलिए को? मैंने प्रभु के चरण पकड़े कहा तो प्रभु पसीजे, उठो वत्स! बहुत रो लिए टमाटर का रोना। बहुत रो लिए अदरक का रोना। मेरा आदेश! फिलहाल टमाटर त्याग दो। अदरक त्याग दो। प्रभु! बिना आत्मा के शरीर की कल्पना की जा सकती है, पर टमाटर के बिना दाल की कल्पना नहीं की जा सकती। बिना हृदय के जीव की कल्पना की जा सकती है, पर बिन अदरक सब्जी की कल्पना नहीं की जा सकती। तो ऐसे में आप कह रहे हैं कि टमाटर त्याग दूं? सच पूछो तो प्रभु मैं शरीर त्याग सकता हूं, पर टमाटर नहीं। मैं शरीर त्याग सकता हूं, पर अदरक नहीं। मेरी रग रग में अब पचासियों विषैली स्प्रे किए टमाटरों का स्थाई वास हो चुका है और एक आप हो कि जनहित में बाजार में टमाटर सस्ते करने के बदले अपने भक्त को टमाटर, अदरक का त्याग करने को कह रहे हो? इंपॉसिबल प्रभु! इंपॉसिबल! हे वत्स! जनहित की दुहाई दे मुझसे इमोशनली मत खेलो। पॉलिटिक्स न करो! क्योंकि जिन्होंने आज तक जनहित की बात की, फाइनली अपने हित ही साधे। हैप्पी लाइफ का सिंपल सा फंडा ये है कि जो भी समाज में भाव दिखाए, उस हर एक को त्याग दो। वह चाहे बीवी ही क्यों न हो! कह प्रभु अंतरध्यान। बंधुओ! आखिर प्रभु का कहने का तात्पर्य क्या है? ये तो नहीं कि मैं टमाटर खाने छोड़ दूं? ये तो नहीं कि मैं अदरक दाल में पाना छोड़ दूं? या फिर ये जीभ ही त्याग दूं? न रहे जीभ, न सताए स्वाद!

अशोक गौतम

विचार

मस्तिष्क के लिए अध्ययन की उतनी ही आवश्यकता है जितना की शरीर को व्यायाम की आवश्यकता है।

-एडीसन.

जिस कर्म में भोगने की इच्छा होती है, जो अहंकार से किया जाता है तथा जो बहुत प्रयास से होता है, वह राजस कर्म कहा जाता है।

-गीता.

जीवन कर्म का ही दूसरा नाम है। वह जो कभी कर्म नहीं करता उसका अस्तित्व है किन्तु वह जीवित नहीं है।

-हिलार्ड.

वे ही व्यक्ति महान और शक्ति शाली बनते हैं जिनको अपने आप पर पूरा भरोसा रहता है।

-स्वामी विवेकानन्द.

जो मनुष्य सचमुच में विद्वान हैं वे अपनी असफलताओं से कभी भी घबराते नहीं हैं।

-शेक्सपियर.

आप की बात

जरूरी हैं बेहतर सड़कें

हर बरसात के बाद सड़कों की हालत बदतर हो जाती है और महीनों या कई बार सालों तक उसको दुरुस्त नहीं किया जाता है जिसके कारण गड्ढे लगातार बढ़ते जाते हैं। इससे सड़क दुर्घटनाएं तो बढ़ती ही हैं लेकिन लोगों का चलना भी दूभर हो जाता है। शहरों में तो सड़कों की सुध-खैर भी ली जाती है, लेकिन अधिकांश ग्रामीण सड़कें दुर्दशा की शिकार हैं। उनका कोई पुरसाहाल नहीं है। वर्षों तक गड्ढों की भराई नहीं होती है। शहरों में तो बात-बात पर सड़कें काट देने या उनको खोद डालने की परम्परा सी बन गयी है। एक तरफ सड़क बनकर तैयार होती है और दूसरी तरफ उसे खोदने वाले पहुंच जाते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे इंतजार करते हैं कि जल्दी से सड़कें बनें ताकि उनकी खोदाई व तहस-नहस करने का शुरू हो सके। यह दरअसल विकास में नियोजन की कमी का परिणाम है। अगर पहले से यह अनुमान लगा लिया जाये ताकि जो सड़क बनायी जायेगी वहां उसके नीचे से सीवर भी बनना है, अंडरग्राउण्ड बिजली की लाइन जाने है, कम्युनिकेशन केबल बिछाना है, जैसी चीजों का पहले से ही अनुमान लगाकर नियोजन कर लिया जाये तो एक तरफ सड़कें बनने के बद ही दूसरी तरफ उसकी खोदाई न हो। सिर्फ विकास के लिए सड़कों सड़कों को नहीं खोदा जाता है बल्कि कई बार स्वागत द्वार बनाने, टेंट लगाने, होर्डिंग के लिए भी खोदाई होती है। इन पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है कि सड़कों का नियोजन ठीक से हो और दूसरे यह कि सड़कों खोदने वालों पर फाइन लगाया जाये।

मनोज कुमार सिंह, बाराबंकी.

संविदा कर्मियों का शोषण

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में खाली पदों पर भर्ती करने के बजाय प्रदेश सरकार सेवा प्रदाताओं के माध्यम से भर्तियां करती हैं। इससे जो युवा नौकरी में जाते हैं उनका दोहरा शोषण होता है। एक तो अधिकांश सरकारी सेवा प्रदाता कंपनियां युवाओं से घूस लेकर भर्तियां करती हैं, दूसरे उनको बहुत मामूली वेतन मिलता है और तीसरे उनकी नौकरी को भी हमेशा खतरा बना रहता है। यह स्थितियां इसलिए बनी हैं कि अगर सरकार सीधे संविदा पर भर्ती करे तो जो लोग एक बार भर्ती हो जायेंगे वे नौकरी में बने रहने के लिए यूनियन बनाकर शक्ति प्रदर्शन करेंगे, स्थायी करने की मांग करेंगे और फिर वेतन बढ़ाने और बात-बात पर हड़ताल भी करेंगे। कुछ लोगों की मनमानी के कारण आज पूरा युवा परिणाम भुगत रहा है। सरकार अपनी तरफ से संविदा नौकरियों पर भी भारी पैसा खर्च करती है, लेकिन सेवा प्रदाता कंपनी पूरा पैसा नहीं देती हैं। वह खुद भी मुनाफा काटती हैं, उसके कर्मचारी घूस लेते हैं और मामूली वेतन पर युवाओं को रखकर उनका शोषण करती हैं। युवाओं का शोषण रोकने और उनको अच्छा वेतन व सुविधाएं देने के लिए यह जरूरी है सरकार चाहे स्थायी नौकरी दे या संविदा पर रखे, लेकिन भर्तियां सीधे करें। भर्ती में बिचौलिया कंपनियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। हां अगर सरकार को यह डर हो कि यूनियनबाजी होगी तो पहले से ही यह बांड भरा लेना चाहिए कि संविदा नौकरी संविदा ही रहेगी। परमानेन्ट होने के लिए अन्य युवाओं के साथ आवेदन करना होगा। दरअसल आज प्रदेश में लाखों भर्तियों की जरूरत है लेकिन सरकारी नौकरी में मोटा वेतन और काम के बजाय मटरगस्ती के कारण सरकार भर्तियां नहीं करती है और लोगों का काम लटकता है। इसलिए सरकार को अपनी हैसियत के हिसाब से भर्तियां करनी चाहिए। प्राइमरी स्कूलों में कम से कम छह-सात शिक्षक और कर्मचारी होने चाहिए ताकि ठीक से पढ़ाई और अन्य प्रबंध हो सके। भले ही सरकारी वेतन कम दे। गांव में पढ़ाने वाला शिक्षक कम वेतन में काम चला सकता है। एक स्कूल में एक-दो शिक्षक रखने के बजाय सात-आठ कर्मचारी कम वेतन पर रखना चाहिए ताकि सरकार का बोझ भी न बढ़े और लोगों को रोजगार भी मिले और शिक्षा भी सुधरे।

महेश कुमार श्रीवास्तव, बहराइच.

संक्षेप

लापता वृद्ध का मिला शव, हत्या की आशंका

सोहावल-अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र के लहरपुर गांव निवासी दो दिन पूर्व लापता हुये वृद्ध का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सोमवार की सुबह गांव के करीब एक खेत से बरामद हुआ शव की पहचान होने के बाद गांव में कोहराम मच गया शरीर पर लगी चोटों को देखकर लोग हत्या की आशंका व्यक्त करने लगे।

अपने निजी नलकूप की रखवाली करने घर से निकले गांव निवासी राम नरेश पाण्डेय उम्र लगभग 72 वर्ष शुक्रवार को लापता हुये। लिखाई गयी थी। परिजन ग्रामीणों के साथ अगल-बगल तलाश करते रहे लेकिन कहीं भी उनका अता पता नहीं चला। सोमवार की सुबह निजी नलकूप के पास एक चरी के खेत में ग्रामीणों ने शव को देखा। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब शव की पहचान कराई तो लापता वृद्ध का ही शव निकला।शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। संदिग्ध हालत में मिले इस वृद्ध के शरीर पर कई चोट के निशान देखकर ग्रामीणों ने हत्या कर शव फेके जाने की आशंका जता रहे हैं। मौके पर प्रभारी निरीक्षक रौनाही सुमित श्रीवास्तव क्षेत्राधिकार सदर योगेंद्र कुमार सहित उच्चाधिकारियों ने मौके की पड़ताल किया और दिशा निर्देश जारी किए। पूछे जाने पर क्षेत्राधिकारी सदर योगेंद्र कुमार ने बताया कि अब तक अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। शव का पोस्टमार्टम चल रहा है। रिपोर्ट आने के बाद तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

यूजी व पीजी कोर्स में आवेदन की तारीख बढ़ी

अयोध्या। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने स्नातक और परास्नातक कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। अब छात्र स्नातक के लिए 10 जुलाई एवं परास्नातक के लिए 15 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकते हैं छात्र हित को दृष्टिगत रखते हुए प्रवेश तिथि को बढ़ा दिया गया है। आवासीय प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि कुलपति कर्नल डॉ बिजेंद्र सिंह ने छात्रों हित निर्णय लिया है कि अब यूजी और पीजी दोनों कोर्स के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी जाए। ऐसे छात्र जो ब्न्म्ज् में आवेदन नहीं कर पाए थे, वे अब इस अवसर का फायदा उठाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर समर्थ पोर्टल के जरिए फॉर्म भर सकते हैं।

विधायक ने लाभार्थियों को बांटा किसान दुर्घटना योजना का चेक

जिला संवाददाता

सोहावल-अयोध्या। तहसील क्षेत्र सोहावल और मसौधा ब्लाक के लगभग 14 गांव के दुर्घटना में शिकार हुए किसान के आश्रित के लिए तहसील सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एस डी एम अभिषेक सिंह की मौजूदगी में मुख्य अतिथि बीकापुर विधायक डा0 अमित सिंह चैहान ने दुर्घटना में शिकार हुए लगभग 25 किसान के परिवार को पांच-पांच लाख रुपए चेक का प्रमाण पत्र वितरित किया। कपासी, बरवा, मीरपुर कांटा, मऊ यदुवंशपुर, करेरू, देवराकोट, मोइया कपूरपुर, सरियावां, गोपीनाथपुर, बनबीरपुर, पिनावां , बिछिया, बंदीदासपुर सहित चैदह ग्राम सभाओं के परिवारों ने हिस्सा लेकर किसान बीमा योजना की मिली धन राशि का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह ने किया। बीकापुर विधायक श्री चैहान ने प्रशंसा करते हुए कहा कि देश में डबल इंजन की सरकार गरीब मजदूर किसानों के हित में काम करने वाली सरकार है। मृतक के परिवार को सहायता के लिए कहीं भटकना न पड़े। इसका ध्यान रखते हुए प्रति परिवार को पांच- पांच लाख रुपये का प्रतीकात्मक चेक प्रदान करते हुए विधायक ने कहा कि आज से कल तक सभी लोगों के खाते में 5 लाख की धनराशि पहुंच जाएगी।हम धन्यवाद देते हैं माननीय मुख्यमंत्री जी को जिन्होंने दुर्घटना होने पर निराश्रित लोगों के बारे में चिंतन करने का काम किया।ऐसी तमाम योजनाएं हैं जो मुख्यमंत्री के द्वारा चलाई जा रही है। जब से देश व प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए है जिसकी क्षमता पूर्व की सरकारों में नही थी।भाजपा सरकार में धारा 370 व राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक फैसला लिया गया।लंबी प्रतीक्षा के बाद प्रभु श्री राम का मंदिर बना।अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण हुआ।ओवर ब्रिज बनाए गए और सड़कों का जाल पूरे उत्तर प्रदेश में बिछाया गया।मिल्कीपुर विधानसभा में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग का निर्माण हो रहा है।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मिल्कीपुर श्याम नारायण पाठक, उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर सुधीर कुमार ,तहसीलदार मिल्कीपुर सुमित कुमार सिंह,नायब तहसीलदार आनंद प्रकाश राय व लाभार्थी उपस्थित रहे

के किसान बीमा का लाभ दिया गया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता सूर्य प्रसाद श्रीवास्तव, रमेश सिंह, रमेश सिंह ऊर्फ नानमून सिंह, कानूनगो उदय राज सहित सभी ग्राम सभा के कार्यरत हल्का लेखपाल मौजूद रहे।

लाभार्थियों को विधायक ने बांटी सहायता राशि

मिल्कीपुर-अयोध्या। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने दुर्घटना के लाभार्थियों को सहायता राशि का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में किसान की मृत्यु अथवा पूर्ण शारीरिक अक्षमता पर पांच लाख,दोनो हाथ,दोनों पैर अथवा दोनों आंखों की क्षति पर पांच लाख,एक हाथ तथा एक पैर के क्षतिग्रस्त होने पर पांच लाख,एक हाथ,एक पैर अथवा एक आंख की क्षति होने पर ढाई लाख, स्थायी दिव्यांगता 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच होने पर ढाई लाख तथा 25 से 50 प्रतिशत के बीच स्थायी दिव्यांगता होने पर 1.25 लाख रुपए की सहायता राशि सरकार की तरफ से मृतकों के आश्रितों व दिव्यांगो को प्रदान की जाती है।

इसी क्रम में तहसील मिल्कीपुर में 42 आश्रित परिवारों को 2करोड़ 10 लाख रुपए की सहायता राशि वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने लाभार्थियों को सहायता राशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान कर किया।लाभार्थियों को सहायता राशि

योग अनन्त काल से हमारी ज्ञान निधिः डॉ. बिजेन्द्र सिंह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी योग एवं समग्र स्वास्थ्य का हाईबिड मोड में आयोजन किया गया। राजभवन द्वारा दिशा-निर्देश के क्रम में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ0 बिजेन्द्र सिंह ने किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं वक्ता का0सु0 साकेत के प्राचार्य प्रो0 दानपति तिवारी रहे। उद्घाटन सत्र के उद्बोधन में कुलपति डॉ0 बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि योग हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है, यह अनन्त काल से हमारी ज्ञान निधि है। योग हमारी सनातन परम्परा का ज्ञान है, जिसे हम साधना विज्ञान के रूप में प्रस्तुत कर रहे है। भारतीय संस्कृति सर्वोच्च है। महावीर स्वामी, भगवान बुद्ध के जीवन के उपदेश की अलग-अलग मुद्राएं जिनसे अलग-अलग भाव उत्पन्न होते है, वह योग है। योग की कई मुद्राएं है इससे शरीर की तंत्रिका तंत्र एवं प्रमुख अंगो को व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है। कुलपति ने कहा कि सूर्य नमस्कार बारह आसनों का समूह है जो हमारे शरीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त है। इसी के साथ प्राणायाम सांसो पर आधारित अभ्यास है जो विचारों को नियंत्रित करता है और हमें आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। ऋषियों के हजारों वर्ष की तप-साधना का प्रतिफल योग है। योग साधना से ही संत माइनस डिग्री तापमान पर कन्दराओं में आज भी तपस्या करने में समर्थ है। उन्होने कहा कि आज भारत के नेतृत्व में पूरी दुनिया योग कर रही है। राज भवन के निर्देशन में पूरे माह जन जागरण के लिए योग कार्यक्रम किये जा रहे है।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो0 दानपति तिवारी ने कहा कि मानव जीवन कई गंभीर चुनौतियों से परिपूर्ण है इसका समाधान सिर्फ योग है। वर्ष 2014 से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग की जो ज्योति जलाई है वह सतत प्रज्वलित हो रही है। आज विश्वभर में लगभग 300 मिलियन लोग योग से सतत जुड़ रहे है।

2047 तक विकसित भारत बनाने का दिलाया संकल्प

जिला संवाददाता

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के विभिन्न शक्ति केंद्रों पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने देश की उपलब्धियों को गिनाते हुए 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाया।

विधान सभा रूदौली में पूर्व सांसद लल्लू सिंह व विधायक रामचन्दर यादव , मिल्कीपुर में विधायक चन्द्रभानु पासवान, बीकापुर में जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, चैरे बाजार में राघवेन्द्र पाण्डेय ने सभा को सम्बोधित किया। इस दौरान लोगों को 2047 विकसित भारत बनाने में सहयोग के लिए संकल्प दिलाया गया।

पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष भारत के नव निर्माण का आधार हैं। अब हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को विश्व शक्ति के रूप में स्थापित करना है। विधायक रामचंदर यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने देश की जनता को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा है।

यह संकल्प सभा देश के भविष्य को मजबूत करने का प्रयास है। विधायक चंद्रभानु पासवान ने कहा कि विकसित भारत का सपना मोदी जी का नहीं, देश के 140 करोड़ लोगों का है। इसमें हर व्यक्ति की भूमिका अहम है। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह संकल्प देश को नए युग की ओर ले जाएगा। महामंत्री राघवेंद्र पांडेय ने कहा कि जनसहभागिता से ही भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाया जा सकता है।

सभी ने विकसित भारत निर्माण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ ली। सभाओं में विजय लक्ष्मी जायसवाल, बब्लू पासी, विजय बहादुर पासी, विजय बहादुर तिवारी, कृष्ण कुमार पाण्डेय, इन्द्रभान सिंह, कमलेश सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम जन उपस्थित रहे।

आश्रित परिवारों के खातों में प्रेषित की गयी की सहायता राशि

बहराइच। जनपद अम्बेडकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 11690 आश्रित परिवारों के खातों में कुल रू. 561.86 करोड़ की सहायता राशि का

जनपद के 281 हिताधिकारियों के खातों में पहुंचे रू. 10.192 करोड़

वर्चुअल माध्यम से अन्तरण किया गया। जिसमें जनपद बहराइच हेतु स्वीकृत 221 दावों के सापेक्ष 281 हिताधिकारियों के बैंक खातों में रू. 10 करोड़ 19 लाख 20 हजार की धनराशि प्रेषित की गई। योजना अन्तर्गत तहसीलवार हिताधिकारियों की बात की जाए तो कैसरगंज के स्वीकृत 38 दावों के सापेक्ष 46, नानपारा में 42 के सापेक्ष 78, पयागपुर में 42 के सापेक्ष 47, सदर बहराइच में 45 के सापेक्ष 49, महसी में 31 के सापेक्ष 34 एवं मिहींपुरवा (मोतीपुर) में स्वीकृत 23 दावों के सापेक्ष 27 हिताधिकारियों के खातों में धनराशि का प्रेषण किया गया है।कलेक्ट्रेट सभागार सहित जनपद की तहसीलों में मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में मौजूद मा. जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों द्वारा हिताधिकारियों को स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में एम.एल.सी. पदमसेन चैधरी व पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड ने जिलाधिकारी मोनिका रानी व मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह के साथ हिताधिकारियों को डैमो चेक व स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इसी प्रकार तहसील महसी में विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, तहसील पयागपुर में विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, तहसील नानपारा में विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर के प्रतिनिधि आलोक जिंदल व तहसील कैसरगंज में ब्लाक

प्रमुख हुजूरपुर अजीत प्रताप सिंह व विधानसभा संयोजक गौरव वर्मा द्वारा मौजूद अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ हिताधिकारियों को डैमो चेक व स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि 14 सितम्बर 2029 से प्रारम्भ की गई मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत अब तक 1700 दावों को स्वीकृत करते हुए रू. 8131.50 लाख की धनराशि का वितरण मृतक कृषकों के आश्रित परिजनों को किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि यदि आग लगने, बाढ़, बिजली गिरने, करेन्ट लगने, साँप काटने, जीव-जन्तु/जानवर द्वारा काटने/मारने/आक्रमण से, समुद्र, नदी, झील, तालाब, पोखर व कुएं में डूबने, आंधी-तूफान, वृक्ष से गिरने/दबने, मकान गिरने, रेल/रोड/वायुयान/अन्य वाहन आदि से दुर्घटना, भू-स्खलन, भूकंप, गैस रिसाव, विस्फोट, सीवर चैम्बर में गिरने अथवा अन्य किसी कारण से कृषक की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता होती है, तो कृषक/विधिक वारिस/वारिशों को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना अन्तर्गत सहायता राशि उपलब्ध करायी जाती है। डीएम ने बताया कि उपरोक्त कारणों से मृत्यु अथवा पूर्ण शारीरिक अक्षमता की स्थिति, दोनों हाथ अथवा दोनों पैर अथवा दोनो आंखों की क्षति, एक हाथ तथा एक पैर की क्षति होने पर रू. 05 लाख तथा एक हाथ या एक पैर या एक आंख की क्षति एवं स्थायी दिव्यांगता 50 प्रतिशत से अधिक होने पर किन्तु 100 प्रतिशत से कम होने पर रू. 2.50 लाख तथा दिव्यांगता 25 प्रतिशत से अधिक होने पर किन्तु 50 प्रतिशत से कम होने पर रू. 1.25 लाख देय है। योजना अन्तर्गत वांछित लाभ प्राप्त करने हेतु खतौनी व पट्टे की प्रमाणित प्रति एवं बटाईदार हेतु प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र जिसके लिए हाईस्कूल प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की प्रति, वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट, ड्राईविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड, निवास की स्थिति में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति, मोबाइल नम्बर तथा आधार नम्बर इत्यादि अभिलेखों की आवश्यकता होगी।

पिरखौली में दबंगों ने छप्पर के घर को उजाड़ कर भूमि पर किया कब्जा

सोहावल-अयोध्या। विकास खण्ड सोहावल की ग्राम पंचायत पिरखौली स्थित महाराजा का पुरवा निवासी बलराम रैदास पुत्र छबिलाल रैदास आदि के छप्पर के घर को उजाड़ कर जबरदस्ती कब्जा कर लिया है।तिरह जून को शाम लगभग 4 बजे त्रिभुवन सिंह पुत्र राम बहादुर सिंह निवासी देवगिर थाना शुक्ल बाजार जिला अमेठी अस्थाई निवास महाराजा का पुरवा (पिरखौली, अशोक सिंह निवासी मोईया कपूरपुर,संजय सिंह पुत्र राजमान सिंह, अजय सिंह पुत्र राजमान सिंह, राज मानसिंह निवासी ग्राम महाराजा का पुरवा ग्राम पंचायत पिरखौली सहित दस अज्ञात के साथ मिलकर बलराम रैदास आदि का छप्पर का घर उजाड़ कर भूमि को जबरदस्ती कब्जा कर लिया। पीड़ित के रोकने पर उक्त लोगों ने पीड़ित को लात घूँसे से पीटते हुए जाति सूचक शब्दों में भद्दी-भद्दी गालियां दी।

स्मार्ट मीटर लगवाने के नाम पर वसूली की हो कोशिश तो तुरंत करें शिकायत

जिला संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या मण्डल के पांच जनपदों कृ अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, अमेठी व बाराबंकी में सभी उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है। यह कार्य कार्यदायी संस्था मै. पोलारिस द्वारा

● मीटर आर्मर्ड केबल के साथ ही लगाए जाएंगे, केबल निःशुल्क प्रदान की जाएगी

किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि मीटर आर्मर्ड केबल के साथ ही लगाए जाएंगे, और यह केबल संस्था द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाएगी। मुख्य अभियंता (वितरण), मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि०, अयोध्या क्षेत्र द्वारा सभी उपभोक्ताओं को यह स्पष्ट जानकारी दी गई है कि अगर कोई व्यक्ति स्मार्ट मीटर या केबल लगाने के नाम पर आपसे पैसे की मांग करता है या बिना आर्मर्ड केबल लगाए मीटर फिट करता है, तो उसकी शिकायत तुरंत करें।बताया गया है कि यदि कोई वसूली की कोशिश करे तो संबंधित व्यक्ति का फोटो खींचें, उसका नाम, मोबाइल नंबर और पहचान नोट करें, स्थानीय थाने में एफआई दर्ज कराएं और साथ ही विद्युत विभाग के किसी कार्यालय या इस मोबाइल नंबर 9415902000 पर तुरंत सूचित करें।

साथ ही उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे इस प्रक्रिया में सतर्क रहें और किसी भी तरह की धोखाधड़ी या अवैध वसूली का विरोध करें। यह पूरी सेवा उपभोक्ताओं के लिए बिल्कुल मुफ्त है।

उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा क्रांति की ओर अग्रसर

जिला संवाददाता

बहराइच। आज विश्व के हर क्षेत्र में विकास करने के लिये विद्युत जरूरी है। बिना विद्युत के कोई भी यन्त्र, उपकरण, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यातायात वाहन, घरेलू प्रकाश आदि नही चल पाते है। विद्युत उत्पादन, विद्युत शक्ति, जल से. कोयले आदि की उष्मा से, नाभिकीय अभिक्रियाओं से, पवन शक्ति से. पेट्रोलियम/प्राकृतिक गैस आदि से होती है। किन्तु यह संसाधन धीरे-धीरे खत्म हो रहे है। इसलिये मानव को विद्युत आवश्यकताओं के लिये सौर ऊर्जा व अन्य विद्युत उत्पादन संसाधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। विश्व भौगोलिक क्षेत्र में सूर्य ऊर्जा का सबसे बड़ा श्रोत है। सूर्य की ऊर्जा के कारण ही मौसम एवं जलवायु का श्परिवर्तन होता है। धरती पर सभी प्रकार के जीवन, जीव-जन्तु, पेड-पौधे आदि को सूर्य की ऊर्जा का ही सहारा है। इसी सूर्य की ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलने को ही मुख्य रूप से सौर ऊर्जा कहा जाता है। सौर ऊर्जा वास्तव में अक्षय ऊर्जा श्रोत है जिसका उपयोग छोटे स्तर से लेकर बडे स्तर तक किया जा सकता है। सूर्य की उष्मा से प्राप्त सौर ऊर्जा उत्पादन में कोई प्रदूषण नहीं होता है। इससे संचालित उपकरणों का जीवन लम्बा होता है और रख-रखाव की कम आवश्यकता होती है। सौर ऊर्जा आधुनिक जीवन में महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्त्व में उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हो रहे है। सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले राज्यों की श्रेणी में हो गया है। प्रदेश में 3840 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता के 09 सोलर पार्कों की स्थापना की जा रही, इसमें से 528 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू हो गया है। सौर ऊर्जा की प्राकृतिक संभावना वाले सर्वश्रेष्ठ चार राज्यों राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के पश्चात उत्तर प्रदेश देश में पांचवें स्थान पर है, जहां पर सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में बृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा, प्रदेश के बुंदेलखंड और अन्य क्षेत्रों में सोलर पार्कों की स्थापना की जा रही है। प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र में विशेष रूप से सोलर पार्कों की स्थापना के लिए बड़े पैमाने पर निवेश प्राप्त हुआ है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने बड़े ठोस कदम बढ़ाए हैं। इनमें सोलर पार्क के अतिरिक्त घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर लगाना, सोलर नगरों की स्थापना, कृषि फार्म को सौर ऊर्जा से बिजली देना, पंप स्टोरेज एवं जैव ऊर्जा का उत्पादन शामिल हैं। बायोमास ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रदेश में 25 लाख घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा रहें है। इससे लोगों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। प्रदेश में सौर ऊर्जा से 22 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य है। इसमें 6 हजार मेगावाट निजी व सरकारी भवनों में सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना करके की जा रही है। तथा 14 हजार मेगावाट क्षमता की सौर उपयोगिता परियोजनाएं व सोलर पार्क स्थापित किये जायेंगे। राज्य में 3871.17 मेगावाट ग्रिड से जुड़ी नवीकरणीय क्षमता स्थापित की गई है। साथ ही कैप्टिव उपयोग, तीसरे पक्ष की बिक्री और डिस्कॉम, यूपीपीसीएल को बिजली की खुली बिक्री के तहत 2594 मेगावाट की ग्राउंड माउंटेड परियोजना स्थापित की गई। प्रदेश के 1.21 लाख घरों में 450 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं।

40 सदस्यीय छात्राओं ने किया एआरटीओ कार्यालय का भ्रमण

बाराबंकी। उप सभागीय परिवहन कार्यालय सभागार मे वात्सल्य संस्था के तत्वाधान मे परिवहन विभाग की आनलाइन सुविधाओ की जानकारी हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मे सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवन्त सिंह यादव ने विजिट करने आई 40 सदस्यीय छात्राओ को परिवहन विभाग की वेबसाइट, मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन सेवाओं जैसे कि ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, और चालान भुगतान के बारे में जानकारी दी। तथा छात्राओ को ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक श्री यादव ने लाइसेन्स आवेदन, पंजीकरण समेत नियमों, सुरक्षा उपायों और विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की गतिविधियां के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। तो वही छात्राओ द्वारा पूछे गये सवालो का सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक ने उत्तर भी दिया। इसके उपरान्त आर0आई श्री यादव ने छात्राओ को कार्यालय के विभिन्न पटलो का भ्रमण करवाते हुये कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

जनपद में 10 क्रय केन्द्रों के माध्यम से हो रही है मक्का की खरीद

बहराइच । अपर जिलाधिकारी/जिला खरीद अधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 (रबी फसल) में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत जनपद में 15 जून 2025 से मक्का खरीद प्रारम्भ हो गयी है जो 31 जुलाई 2025 तक संचालित रहेगी। इस वर्ष मक्का का समर्थन मूल्य रू.2,225=00 प्रति कुण्टल निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि मक्का खरीद हेतु कृषि उत्पादन मण्डी समिति बहराइच, नानपारा व रिसिया में 03-03 तथा मिहींपुरवा में 01 कुल 10 क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

कृषकों द्वारा वर्ष 2024-25 (रबी फसल) में सरकारी केन्द्रों पर मक्का विक्रय हेतु विभाग के पोर्टल एफसीएस डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से आधार लिंक/एन.पी.सी.आई. मैप्ड खाते के माध्यम से ही भुगतान होना है इसलिए पंजीकरण करते समय कृषक इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि जो नाम खतौनी बैंक खाते में हो, वही नाम रजिस्ट्रेशन में भी होना चाहिये। श्री रंजन ने बताया कि सरकार की मंशा किसानों को उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त कराये जाने की है। इसलिए सभी कृषक बन्धु अपने ग्राम के नजदीकी सरकारी मक्का क्रय केन्द्रों पर मक्का विक्रय कर अपनी उपज का शतप्रतिशत समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त करें।

पूरेडलई क्षेत्र में नहरों में पानी नहीं, किसानों की बढ़ी मुश्किले

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। विकासखंड पूरेडलई में किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। शारदा सहायक नहर से लेकर छोटी माइनरें पूरी तरह सूखी पड़ी है। जिससे क्षेत्र के किसानों को धान की नर्सरी लगाने में परेशानी का सामना करना पड रहा है। धान की नर्सरी का उपयुक्त समय 15 मई से 20 जून के बीच होता है। नहरों में पानी नहीं होने से कुछ किसान नलकूप के माध्यम से धान की नर्सरी तैयार कर रहे है। खमौली, सराय बरई, चिर्रा, खजुरी, नवीपुर, डालमऊ, सुखीपुर, नियामतगंज, और चांदामऊ गांवों में गन्ने की खेती बडे पैमाने पर की जाती है। भीषण गर्मी और सिंचाई के अभाव में गन्ने की हरी भरी फसल सूखने लगी है। पूरेडलई क्षेत्र में किसान भिंडी तोरई लौकी कद्दू और करेला जैसी सब्जियों की भी खेती करते हैं। बारिश न होने और नहरो में पानी की कमी से इन फसलों को भी नुकसान का खतरा है। किसान अब भी नहर में पानी आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विकसित भारत संकल्प सभा का शुभारम्भ

सिद्धौर, बाराबंकी। विधानसभा जैदपुर के अंतर्गत मण्डल सिद्धौर के स्व. चन्द्रमौलि वर्मा सभागार व मंडल हरख मे ग्रामीण बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हरख के प्रांगण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपरान्त विकसित भारत संकल्प सभा का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम मे पूर्व सांसद श्री रावत ने मोदी व योगी सरकार की उपलब्धियां की चर्चा करते हुये कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष का कार्यकाल भारत के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखने का कार्यकाल है। सरकार द्वारा ग्रामीण व शहरी छेत्र के विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, ग्रामीण राष्ट्रीय आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना, पीएम उज्जवला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान योजना,पीएम पोषण अभियान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना जो राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर प्रमोद तिवारी, मनोज कुमार वर्मा,आशुतोष अवस्थी, भाजपा नेता नवीन सिंह राठौर, जिलासंयोजक श्रम प्रकोष्ठ शिव स्वामी वर्मा, प्रवीण सिंह सिसोदिया, सरिता वर्मा आदि मौजूद रहे।

श्रीराम कथा के तीसरे दिन भक्तों ने सुना ऋषि श्रृंगी का प्रसंग

बाराबंकी। निन्दूरा क्षेत्र के बिजौली गांव में अकम्बा घाट पर चल रही श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास द्वारिका नन्द व्यास ने एक रोचक कथा का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा श्रृंगी ऋषि हर घर मे भोजन बनाने जाते थे परन्तु उनसे एक भी अन्न भूमि पर नहीं गिरता था। एक बार शाहजहांपुर के पास गंगा नदी के समीप भोजन बना रहे थे वहां पर एक अन्न भूमि पर गिर गया जिसका ढाई नाम पड़ गया। आज भी एक महीने तक मेला लगता है। इस शुभ अवसर पर ग्राम के समस्त निवासी गण, बाबा राम दास की कुटिया पर उपस्थित सभी संत महात्मा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों में सियाराम सिंह पूर्व प्रधान बिजौली एवं प्रबन्धक राम दास की कुटिया, वर्तमान प्रधान रोहित, काशी राम, रमाकान्त, बालकिशुन, श्रीपाल, चन्द्रभाल, राम किशोर, मोनू, राम प्रताप, सुख्खी लाल, सुरेश, राम किशोर डिकोलिया, बस्कोलिया, जिजियामऊ राम बालक आदि उपस्थित रहे।

संक्षेप

273 केंद्रों पर लगेगी चौपाल

अमेठी।विकसित भारत के अमृत काल सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी अमेठी द्वारा जनपद के 273 शक्ति केन्द्रों (सेक्टर)पर चौपाल का आयोजन किया जाएगा चौपाल आयुष्मान कार्ड बनवाने की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने आम जन मानस से आग्रह किया है कि सभी 70 वर्ष की आयु पार चुके लोग चौपाल में शामिल होकर अपना आयुष्मान कार्ड भी बनवाएं। भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि चौपाल 16,17,18 जून 2025 को आयोजित होगी।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

जयसिंहपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। जयसिंहपुर कोतवाली पुलिस ने बलात्कार के एक पुराने मामले में फरार चल रहे आरोपी संदीप प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2014 में अर्जुनपुर गंगापुर गांव निवासी एक महिला ने बलात्कार और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी संदीप प्रजापति लंबे समय से न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था, जिसके चलते एफटीसी कोर्ट से उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया। सोमवार को कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हीरालाल यादव, उपनिरीक्षक वैभव त्रिपाठी तथा कांस्टेबल आशीष गौड़ शामिल रहे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार संदीप प्रजापति का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पहले भी पशु क्रूरता, सार्वजनिक स्थान पर महिला को घूरना, छेड़छाड़, आर्म्स एक्ट और गुंडा एक्ट जैसी धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

बीए उर्दू की मौखिकी 19 जून को होगी

सुलतानपुर (वीओएल)। राणा प्रताप पीजी कॉलेज के बीए षष्ठम सेमेस्टर उर्दू विषय के रिसर्च प्रोजेक्ट की मौखिकी परीक्षा 19 जून को 11.30 बजे से सम्पन्न होगी। अतः सम्बन्धित छात्र/छात्राएं अपने प्रवेश-पत्र एवं रिसर्च प्रोजेक्ट की फाइल के साथ उर्दू विभाग में निर्धारित तिथि एवं समयानुसार उपस्थित हों। यह जानकारी उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. महमूद आलम खान ने दी।

एमए राजनीति विज्ञान की मौखिकी परीक्षा 19 जून को

सुलतानपुर। राणा प्रताप पीजी कॉलेज, एमए चतुर्थ सेमेस्टर राजनीति विज्ञान विषय की मौखिक/प्रायोगिक परीक्षा 19 जून दिन गुरुवार को महाविद्यालय में प्रातः 10:00 बजे से होगी। छात्र/छात्राएं अपने प्रवेश-पत्र, डिजरटेशन के साथ समय पर महाविद्यालय में उपस्थित रहें। परीक्षा छूट जाने पर सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं छात्र/छात्राओं की होगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष डॉ. अभय सिंह ने दी।

योगाभ्यास के हुए कार्यक्रम

लालगंज रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर लालगंज खंड विकास कार्यालय, तहसील कार्यालय सहित अन्य विभागों और कॉलेजो में योगाभ्यास के कार्यक्रम संपन्न हुए हैं।

10.94 करोड़ के चेक वितरित

उद्यान मंत्री, सदर विधायक व डीएम ने जनपद में 232 लाभार्थियों को दिया चेक

रायबरेली। राजकीय इण्टर कॉलेज के सभागार में तहसील सदर के कार्यक्रम का जनपदस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह, सदर विधायक अदिति सिंह, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने तहसील सदर के 107 लाभार्थियों को कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत सहायता राशि के डमी चेक वितरित किये गये। जनपद की सभी तहसीलों में जिसमें सदर 107, महराजगंज 25, लालगंज 42, सलोन 20, ऊँचाहार 23, डलमऊ 15 कुल 232 लाभार्थियों को 10.94 करोड़ रुपए के चेक वितरित किये गये। इस अवसर पर उद्यानमंत्री श्री सिंह ने कहाकि उत्तर प्रदेष सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की श्रंखला में आयोजित इस कार्यक्रम में जनपद रायबरेली के लाभार्थियों को लाभान्वित करने के लिये मैं जनपद रायबरेली के परिवारों की तरफ से मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में इस योजना का शुभारम्भ हुआ है। मुख्यमंत्री ने विकास और विरासत के मूल मंत्र के साथ प्रदेश का विकास कर निरन्तर आगे बढ़ाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी जिस संवेदनशीलता के साथ लोगों की सेवा करते है। उसी का परिणाम है कि सरकार की योजनाओं की सरहाना कर लोगों का जनसमर्थन लगातार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आज इस मंच से 10 करोड़ 94 लाख रुपए की धनराशि सहयोग व सेवा भाव से लोगों को देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। सदर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के 232 लाभार्थियों में से 107 लाभार्थी सदर तहसील के है जो लाभान्वित हुए है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरा यह प्रयास रहता है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग के पात्र लाभार्थियों को मिले, इसके लिये हम निरंतर प्रयासरत रहते है, यदि किसी भी लाभार्थी को सरकार की योजना का लाभ लेने में किसी प्रकार की कोई समस्या आ रही है तो वह हमसे सम्पर्क कर अपनी समस्या से अवगत करा सकता है, हम उसकी समस्या का समाधान कराकर उसको योजना का लाभ दिलायेंगे। मैं प्रदेष सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने पीड़ितों के आश्रितों की मदद कर उनके जीवन को सुगम व खुशहाल बनाने का कार्य किया है।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, परियोजना निदेशक, ग्राविअभि सतीश प्रसाद मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण व लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

24 घंटे में बरामद की चोरी हुई बाइक

महराजगंज रायबरेली। चंदापुर थाने की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जो बाइकें चोरी करता था, पुलिस ने उसके कब्जे से दो चोरी की बाइकें भी बरामद कर ली इसके आलावा एक मोबाइल फोन भी मिला है। शनिवार की रात गांव पूरे ओली मजरे समरहदा के रहने वाले इसकार पुत्र रमजान की बाइक चोरी हो गई थी। पीड़ित ने चंदापुर थाने में पहुंचकर तहरीर देकर अज्ञात के विरुद्ध चोरी का केस दर्ज कराया था जिसके बाद से ही चंदापुर थाने की पुलिस सक्रिय थी। नतीजतन चैबीस घंटे के अंदर ही चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की दो बाइकें पुलिस ने बरामद कर ली उसके पास एक चोरी का मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। वहीं दूसरी बाइक मिल एरिया थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। थानाध्यक्ष प्रशांत द्विवेदी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर आरोपी मुकेश पासी पुत्र छोटे लाल को गिरफ्तार किया गया है, जो कि चंदापुर थाना क्षेत्र के समरहदा गांव का ही रहने वाला है।

नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में छठी बार हंगामा

अध्यक्ष और सभासदों के बीच तीखी नोकझोंक

रायबरेली। नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़ गई। लगातार छठी बार आयोजित इस बैठक में सभासदों और नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर के बीच तीखी बहस और गंभीर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। सभासदों ने अध्यक्ष पर मनमानी, भ्रष्टाचार और गुंडे बुलवाने जैसे गंभीर आरोप लगाए, जबकि अध्यक्ष ने सभासदों पर शराब पीकर बैठक में आने का सनसनीखेज आरोप लगाया। इस दौरान महिला सभासदों ने बाहरी लोगों पर अभद्रता और छेड़छाड़ का आरोप लगाकर माहौल को और गरमा दिया। हंगामे के बीच नाराज सभासद जमीन पर बैठ गए, और अंततः अध्यक्ष को बैठक छोड़कर बाहर निकलना पड़ा। सोमवार को नगर पालिका सभागार में आयोजित बोर्ड बैठक सुबह 11 बजे शुरू हुई, जिसकी अध्यक्षता शत्रोहन सोनकर कर रहे थे। अधिशासी अधिकारी (ईओ) स्वर्ण सिंह बैठक का संचालन कर रहे थे। बैठक शुरू होते ही सभासदों ने अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सभासद सतीश मिश्रा, संजय श्रीवास्तव, पंकज साहू, रामखेलावन बारी, मोहित सिंह, पुष्पा यादव, सबिस्ता बृजेश और कुसुमा देवी सहित कई अन्य ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष मनमाने ढंग से अपने चहेते वार्डों में विकास कार्य करवा रहे हैं, जबकि अन्य वार्डों की अनदेखी हो रही है। सभासदों ने यह भी आरोप लगाया कि उनके प्रस्तावों को कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है और शहर में स्वच्छता, सीवर लाइन, और सड़कों की स्थिति बदहाल है। बैठक के दौरान सभासदों ने अध्यक्ष के 50 लाख रुपये के कार्य स्वीकृति अधिकार को वापस लेने की मांग उठाई, जिसे लेकर पहले भी विवाद हो चुका है। सभासदों का कहना था कि इस अधिकार का दुरुपयोग कर ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। जवाब में, शत्रोहन सोनकर ने सभासदों पर शराब पीकर बैठक में आने का आरोप लगाया, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। सभासदों ने पलटवार करते हुए कहा कि अध्यक्ष ने बाहरी गुंडों को बुलवाया, जिन्होंने सभासदों के साथ बदतमीजी की। हंगामे के बीच कुछ महिला सभासदों ने बाहरी लोगों पर अभद्रता और छेड़छाड़ का सनसनीखेज आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ये लोग अध्यक्ष के इशारे पर बैठक में शामिल हुए और सभासदों को डराने-धमकाने की कोशिश की। इन आरोपों ने हंगामे को और बढ़ा दिया, और सभासदों ने जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। नाराज सभासदों ने अपनी नाराजगी जताने के लिए बैठक के बीच में ही जमीन पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना था कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी और अध्यक्ष की मनमानी बंद नहीं होगी, वे इस तरह का विरोध जारी रखेंगे। सभासदों ने जेल रोड की बदहाली का मुद्दा भी उठाया, जिसे लोक निर्माण विभाग को सौंपने का प्रस्ताव पहले से लंबित है। सभासदों का आरोप था कि इस मुद्दे पर भी जानबूझकर देरी की जा रही है। सभासदों की नारेबाजी हंगामे और नारेबाजी के बीच स्थिति को अनियंत्रित देखकर अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने बैठक को बीच में ही छोड़ दिया। कोरम पूरा न होने का हवाला देते हुए उन्होंने बैठक को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

नवागत क्रीड़ाधिकारी राजेश सोनकर का खेल संघों ने किया स्वागत

सुलतानपुर (वीओएल)। जिले के पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों और खिलाडियों ने नवागत क्रीड़ाधिकारी राजेश सोनकर का स्वागत किया। दोपहर बाद आयोजित शिष्टाचार मुलाकात में खेल संघों के समन्वय से कार्य करने की बात कही गयी। उन्होंने खेल संघों को आस्वस्त किया कि जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने का कार्य किया जाएगा।

साथ ही खेल के विकास में तत्परता से कार्य करेंगे। इस अवसर पर फुटबॉल संघ के सचिव एमएस बेग, हॉकी संघ के सचिव तारिक वसीम, मंडल व्यायाम शिक्षक राहुल तिवारी, एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष व्यायाम शिक्षक राजेश कनौजिया, टेबल टेनिस संघ के सचिव मो सईद, वॉलीबाल संघ के कोषाध्यक्ष मुनेन्द्र मिश्र, कबड्डी संघ से कोच राजकुमार सरोज, साहबजादे, हरिशंकर, कुलदीप वर्मा सहित अन्य खेल संघों के पदाधिकारी, कनिष्ठ सहायक फायजा, स्टेडियम कोच व खिलाड़ी मौजूद रहे। नवनियुक्त क्रीड़ा अधिकारी के कार्यभार ग्रहण करने पर एथलेटिक्स संघ के सचिव अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बाबादीन चैधरी, क्रीड़ा सचिव दिलीप सिंह, वॉलीबाल संघ सचिव एस एन सिंह, कबड्डी संघ सचिव महेश यादव, हैंडबाल संघ के कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह बॉक्सिंग संघ सचिव विजय यादव, ने बधाई दी।

बछरावां थाना प्रभारी पंकज त्यागी लाइन हाजिर

रायबरेली। जिले में पुलिस प्रशासन ने लापरवाही और कर्तव्य में ढिलाई बरतने के आरोप में बछरावां थाने के प्रभारी पंकज त्यागी को लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यह कार्रवाई तब की गई, जब थाने के आसपास पुलिस की सक्रियता और मुस्तैदी में कमी पाई गई। सूत्रों के अनुसार, पंकज त्यागी को पहले भी तीन बार अल्टीमेटम दिया जा चुका था, लेकिन उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं होने के कारण यह सख्त कदम उठाया गया। बछरावां में ट्रैफिक जाम की समस्या पिछले कुछ समय से गंभीर होती जा रही थी, खासकर थाने के सामने। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों की ओर से थाने की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बताया जा रहा है कि थाने के आसपास पुलिस की मौजूदगी न के बराबर थी, जिसके कारण क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक प्रबंधन प्रभावित हो रहा था। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच की और पंकज त्यागी को लापरवाही का दोषी पाया।एसपी ने पाया कि थानेदार ने न केवल अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक से नहीं किया, बल्कि उच्च अधिकारियों के निदेर्शों का पालन करने में भी ढिलाई बरती। इसके चलते उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, पंकज त्यागी को पहले भी तीन बार अल्टीमेटम दिया गया था। इन चेतावनियों में उन्हें अपनी कार्यशैली में सुधार लाने और क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, बार-बार चेतावनी के बावजूद उनकी ओर से कोई ठोस सुधार नहीं दिखा। ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने में उनकी निष्क्रियता और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में लापरवाही ने पुलिस प्रशासन को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया।

सफाई कर्मचारी की मौत पर परिवार को मिली सहायता राशि

- विकास विभाग व कर्मचारी संघ ने दिए 90 हजार रुपये

जयसिंहपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। विकास खंड जयसिंहपुर के ग्राम पंचायत अमिलिया सिकरा के राजस्व ग्राम बरूआ निवासी सफाई कर्मचारी अमरजीत वर्मा का आकस्मिक निधन खेत में सिंचाई के दौरान हृदयगति रुक जाने से हो गया। उनकी मृत्यु के उपरांत परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए विकास विभाग और सफाई कर्मचारी संघ द्वारा मानवीय पहल करते हुए 90 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह सहायता राशि सोमवार को खंड विकास अधिकारी जयसिंहपुर निशा तिवारी की उपस्थिति में मृतक अमरजीत वर्मा की पत्नी को सौंपी गई। राशि विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सफाई कर्मचारी संघ के संयुक्त प्रयास से एकत्र की गई थी। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) रामजी लाल, लघु सिंचाई विभाग के प्रतिनिधि और खंड प्रेरक रवींद्र गुप्ता मौजूद रहे। सफाई कर्मचारी संघ की ओर से ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र कुमार वर्मा, जिला कमेटी सदस्य रामचंद्र यादव, पिंटू वर्मा, माया प्रसाद पांडेय, जे.पी. वर्मा, शेषनारायण वर्मा, राम जनक वर्मा, रवींद्र कुमार वर्मा, राजेंद्र कुमार वर्मा, चंदमणि वर्मा, राम मनोरथ, शत्रुघन सिंह, रघुनंदन और घिसियावन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। मृतक अमरजीत वर्मा विकास खंड जयसिंहपुर की ग्राम पंचायत इसूर के नगईपुर राजस्व ग्राम में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। परिवार को मिली सहायता पर परिजनों ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और संगठन के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी गई।

खड़ी ट्रेलर में डंफर ने मारी टक्कर, खलासी की मौत

गोसाईगंज, सुलतानपुर (वीओएल)। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के टांडा-बांदा हाईवे पर एफसीआई गोदाम के पास रविवार रात करीब ग्यारह बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रेलर के खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब ट्रेलर से गिट्टी उतारने के बाद खलासी पीछे पटरे की स्थिति देखने गया था, इस बीच पीछे से तेज रफ्तार डंपर ने ट्रेलर में टक्कर मार दी। कोतवाली देहात लोहरामऊ निवासी ट्रेलर चालक जय कुमार यादव, लंभुआ थानाक्षेत्र समौता कला निवासी खलासी सनी प्रजापति (19) पुत्र शीतला प्रसाद रविवार रात पीढ़ी में गिट्टी उतारने के बाद टांडा बाँदा हाइवे के रास्ते सुलतानपुर आ रहे थे। रात ग्यारह बजे इनायतपुर एफसीआई गोदाम के पास वह मजदूरों को उतारने के लिए रुके थे। मजदूरों के जाने के बाद खलासी ट्रेलर के पीछे पटरा देखने चला गया। इस बीच पीछे से आ रही डंफर ने ट्रेलर में टक्कर मार दी। जिससे खलासी सनी प्रजापति दोनों वाहनों के बीच दब गया। गंभीर अवस्था में उसको मेडिकल कालेज सुल्तानपुर लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोसाईगंज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डंपर चालक को हिरासत में लेने के साथ डंफर को कब्जे में में लिया है। नगर कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक के पिता शीतला प्रसाद की ओर से मामले में तहरीर दी गई है। मृतक चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। वह ट्रेलर पर खलासी का कार्य कर अपने परिवार की आर्थिक मदद करता था। परिजनों से मिली तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। चैकी इंचार्ज द्विवेश द्विवेदी ने बताया कि आगे की अन्य कार्यवाही की जा रही है।

कृषक दुर्घटना बीमा के स्वीकृति प्रमाण पत्र हुए वितरित

लालगंज रायबरेली। भाजपा के पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह और उप जिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी के द्वारा कृषक दुर्घटना बीमा के स्वीकृत प्रमाण पत्र लाभार्थियों को दिए गए। इस अवसर पर पूर्व विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि कृषक दुर्घटना योजना सरकार की लोकप्रिय योजना है ।किसी भी तरह की दुर्घटना में किसान को पांच लाख रुपए मिलते हैं। विकलांग को ढाई लाख रुपए मिलते हैं। लालगंज तहसील के 42 लाभार्थियों में से 39 को पांच लाख रुपए के स्वीकृत प्रमाण पत्र दिए गए । वहीं दो विकलांग हुए लाभार्थियों को ढाई लाख रुपए स्वीकृत प्रमाण पत्र दिया गया । इसके अलावा एक लाभार्थी को पहले ही चार लाख रुपए दिए जा चुके थे ।आज उसे एक लाख रुपए का स्वीकृत प्रमाण पत्र दिया गया।

श्याम करन बने मंडल उपाध्यक्ष

भेटुआ, अमेठी। भारतीय जनता पार्टी के विधान सभा अमेठी के नवनियुक्त मंडल कार्यसमिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों का माल्यार्पण कर क्षेत्र के शहरी गांव में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ल एवं मंडल अध्यक्ष निमिषा त्रिपाठी ने स्वागत किया । पार्टी में पहले से ही दायित्व निर्वहन कर रहे ज्यादातर सदस्यों को पहले से बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंडल अध्यक्ष निमिषा त्रिपाठी ने बताया कि सरकार की नीति रीति को जन जन तक पहुंचाने में पार्टी कार्यकताओं की अहम भूमिका रहती है। बताया कि अब जिन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है वे अपने दायित्व निर्वहन के लिए पूरे मनोयोग से लगे हैं। सनहा गांव के श्याम करन को मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया है इनके इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। वहीं राजीव शुक्ल,राजेश शर्मा, रामेंद्र जायसवाल के साथ दर्जनों कार्यकताओं ने जिम्मेदारी संभाली है।

राजस्व टीम की निष्क्रियता से खलिहान व खेल मैदान पर दबंगों का कब्जा बरकरार

अमेठी ।एक ओर जहां मुख्यमंत्री के निदेर्शों पर सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर जनपद अमेठी के भेंटुआ ब्लॉक की ग्राम पंचायत गैरिकपुर में इससे उलट स्थिति देखी जा रही है। प्रकरण परशुरामपुर गांव का है, जो गैरिकपुर ग्राम पंचायत में स्थित है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां गाटा संख्या 84 (खलिहान) और गाटा संख्या 81 (खेल का मैदान) पर दबंगों द्वारा अतिक्रमण कर निर्माण कार्य व खेती की जा रही है। स्थानीय लोगों ने इस मामले की शिकायत उपजिलाधिकारी अमेठी से की थी, जिसके बाद 29 मई 2025 को राजस्व निरीक्षक रामाज्ञा यादव, लेखपाल पंकज गुप्ता और पुलिस बल के साथ मौके का निरीक्षण किया गया। ग्रामीणों के अनुसार, स्थलीय जांच में अतिक्रमण की स्थिति सामने आई और संबंधित लोगों को कब्जा हटाने की लिखित हिदायत दी गई। हालांकि, शिकायतकताओं का कहना है कि मौके पर निरीक्षण के बाद भी अब तक न तो कब्जा हटाया गया है और न ही कोई स्पष्ट कार्रवाई की गई है। इस स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने लेखपाल पंकज गुप्ता की मिलीभगत होने का दावा किया व मामले में निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने यह भी कहा है कि यदि जल्द कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो वे जिलाधिकारी अमेठी से मिलकर मामले की विस्तृत शिकायत करेंगे और आवश्यकता पड़ी तो मुख्यमंत्री कार्यालय तक भी अपनी बात पहुंचाएंगा।

आंगनबाडी कार्यकत्री कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठी

गौरीगंज, अमेठी। अमेठी में विभागीय उदासीनता और अधिकारियों द्वारा लगातार की जा रही प्रताड़ना से तंग आकर आज बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी महिला कार्यकत्री कलेक्ट्रेट पहुँची और धरने पर बैठ गई।धरने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुँचे एसडीएम को आंगनबाडी कार्यकत्री ने शिकायती पत्र सौंपकर कार्यवाही की मांग की।महिलाओं का आरोप था कि विभाग द्वारा जबरन आधार कार्ड में लगे फोटो के हिसाब से फोटो खींचकर इकेवाईसी भरने का आदेश दिया गया जबकि कई साल पुराने आधार कार्ड की तरह कैसे फोटो खींचा जा सकता है।इसके साथ ही सीडीपीओ द्वारा नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। दरअसल ये पूरा मामला अमेठी के गौरीगंज स्थित कॉलक्ट्रेट परिसर का है जहाँ आज दोपहर बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी महिला कार्यकत्री पहुँची और धरने पर बैठ गई।धरने की सूचना मिलते ही अतिरिक्त मजिस्ट्रेट मौके पर पहुँचे और शिकायती पर लेकर कार्यवाही का आस्वाशन दिया।आंगनबाड़ी कार्यकत्री संघ की जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिंदु गुप्ता ने बताया कि राशन या अन्य सामानों को लेकर ग्रामीण हमे परेशान करते है।अब विभाग के अधिकारी भी प्रताड़ित करने लगे है।विभाग द्वारा कहा जा रहा है कि आप घर घर जाकर ई केवाईसी भरिये और उस इकेवाईसी मे वही फोटो होनी चाहिए जो आधार कार्ड में लगी है।अब लोगो का कई साल पुराना आधार कार्ड बना है अब उस हिसाब से कैसे फोटो खींचा जा सकता है।हम।लोगो को 6 हजार रुपए वेतन मिलता है और जो मोबाइल भी है वो पुराना हो चुका है उससे फोटो नही खींचा जा सकता है।सीडीपीओ और सुपरवाईजर द्वारा लगातार नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है।चार साल पहले जब मोबाइल दिया गया तब रिचार्ज कियाया गया था दोबारा कभी रिचार्ज नही किया गया।अब हम लोगों की मांग है कि हम लोगो को अच्छा मोबाइल दिया जाए और उसे हर महीने रिचार्ज किया जाये जिससे कि हम लोग बेहतर काम कर सके।

लाभार्थियों को वितरित किया गया 8.60 करोड़ का चेक

सुलतानपुर (वीओएल)।मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत पात्र लाभार्थियों का चेक वितरण कार्यक्रम एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता व जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह, जिलाधिकारी कुमार हर्ष, एडीएम प्रशासन गौरव शुक्ला की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में वितरित किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम के साथ तहसीलों में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका सजीव प्रसारण किया गया। एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह का एडीएम प्रशासन, जिला पंचायत अध्यक्ष का एसडीएम सदर ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने सरकार के इस योजना के लाभार्थियों को चेक वितरित किया। साथ ही सीएम योगी का आभार व्यक्त किया। वहीं डीएम से अनुरोध किया कि पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं से ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित करें। इस दौरान सीएम योगी का लाइव प्रसारण भी देखा गया।

पुलिसिया जांच के नाम पर सब्जी व्यापारी से 70 हजार रुपये की लूट

रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के सलेथू नहर पुल के पास बहरहुआ मोड़ पर सोमवार तड़के एक सब्जी व्यापारी के साथ सनसनीखेज लूट की वारदात ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। काली कार सवार चार बदमाशों ने असलहे की नोंक पर व्यापारी से 70 हजार रुपये नकद और उसका मोबाइल लूट लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और छानबीन शुरू कर दी। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा निवासी सब्जी व्यापारी मोहम्मद समीम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह सोमवार सुबह करीब 5 बजे अपनी पिकअप वैन से कानपुर मंडी सब्जी खरीदने जा रहे थे। जब वह सलेथू नहर के आगे बहरहुआ मोड़ के पास पहुंचे, तभी महराजगंज की तरफ से आ रही एक काली कार ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया। कार से चार लोग उतरे और रौबदार अंदाज में उनसे पूछने लगे, हमें पहचानते नहीं हो? हम महराजगंज थाने से तुम्हारा पीछा करते हुए आए हैं। दो नंबर का काम करते हो, लाइसेंस दिखाओ। मोहम्मद समीम के साथ मौजूद पिकअप चालक मोहम्मद शकील ने लाइसेंस निकालने की कोशिश की, लेकिन तभी एक बदमाश ने समीम की कनपटी पर कट्टा सटा दिया।

संक्षेप

तीन के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस दर्ज

प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने मारपीट व धमकी को लेकर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। परानीपुर गांव निवासी पवन कुमार यादव पुत्र छोटे लाल यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती दस जून की रात करीब आठ बजे वह अपने घर पर था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के रमाशंकर सरोज पुत्र ननकूराम अपने पुत्रों रमेश सरोज व कार्तिक सरोज के साथ लाठी डंडा लेकर उसके दरवाजे पर पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। पीड़ित के मना करने पर उसे मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। एसओ राधेश्याम का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट, पांच पर केस दर्ज

प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षियों ने मारपीट व गालीगलौज की। जांच के बाद उदयपुर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना के लीला का पुरवा मजरे कुम्भीआइमा निवासी सुन्दरलाल के पुत्र अशोक वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर तेरह जून की रात करीब साढ़े दस बजे गांव के विपक्षी शिवा पुत्र पुल्लू, राकेश वर्मा, लखन वर्मा, शिव बहादुर वर्मा पुत्रगण रामअंजोर तथा राकेश के जीजा पुल्लू लाठी डण्डा लेकर पहुंचे और घर में घुसकर मारपीट किया। आरोपियों की पिटाई से पीड़ित व उसके भाई तथा भाभी रेशमा को गंभीर चोटें आ गयी। एसओ राधेश्याम का कहना है कि जांच के बाद पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

युवक की मौत से नहीं उठ सका रहस्य का पर्दा

प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के देवरी पूरे जगन्नाथ में युवक की संदिग्ध मौत को लेकर सोमवार को भी रहस्य बना दिखा। मृतक जीतलाल गुप्ता 38 पुत्र स्व0 रामखेलावन का शव का पीएम के बाद जिला मुख्यालय पर गायघाट पर मृतक के साले ने अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक जीतलाल की पत्नी अनीता व बच्चे खुशी, धीरज, प्रियंका सोमवार को भी रोते बिलखते देखे गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नही हो सका। पीएम के बाद मृतक का बिसरा सुरक्षित कर परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस घटना को प्रथम दृष्टया आत्महत्या मान रही है। थानाध्यक्ष उदयपुर राधेश्याम का कहना है कि बिसरा प्रिजर्व किया गया है, अनुसंधान आख्या की प्रतीक्षा है। बतादें जीतलाल गुप्ता का शव रविवार को दिन में करीब ग्यारह बजे घर के अंदर बंद कमरे में संदिग्ध दशा में मिला था।

तीन लोगों ने युवक को पीटा

सिद्धार्थनगर- शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के सबुआ गांव में एक युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग मिलकर एक युवक को लाठी-डंडों से पीट रहे हैं। मामले में बांसी के पुलिस क्षेत्राधिकारी पवीन प्रकाश ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीड़ित की पहचान छठ्ठू (भदई का पुत्र) के रूप में हुई है। आरोपियों में उसी गांव के रामू (जोखू का पुत्र), जुगनू (जोखू का पुत्र) और रामू की पत्नी पाना शामिल हैं। घायल छठ्ठू को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों को धारा 170, 126, 135 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

गांव में सूखे हैंडपम्प, पानी के लिए मचा हाहाकार

गनवरिया गांव के हैंड पंपों ने दिया जवाब -बूंद बूंद पानी के लिए तरसे ग्रामीण

- जिम्मेदारी में ग्राम प्रधान नाकाम, गांव में त्राहिमाम- त्राहिमाम
- एसडीएम के त्वरित प्रयासों से हुआ जलापूर्ति का पूरा समाधान

बी. एस. परिहार

बलरामपुर। रहिमन पानी राखिये बिन पानी जग सून! इस महाकाव्य के हृदय सम्राट रहीम दास की यह पंक्तियां गनवरिया गांव के धरती पर साफ दिखाई दे रही हैं। विकासखंड तुलसीपुर की ग्राम गन वरिया में लगे हैंड पंपो नें सेवा से जवाब दे दिया है। 3 माह से गन वरिया वाशिंदे एक- एक बूंद पानी के लिए तरस रहें हैं। प्रधानमंत्री मोदी तथा सूबे के मुखिया योगी के जल जीवन स्वप्निल सपनों पर जल निगम विभाग ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया है। गन वरिया में हजारों लोग एक-एक बूंद शुद्ध पेयजल के लिए हाहा कार के हालात उत्पन्न हो गए हैं।

ज्ञात तब होगी जनपद की तुलसीपुर नगर से सट्टा गण उमरिया गांव पानी की किला से जूस रहा है ग्रामीण एक ही पूर्ण पानी के लिए मोहताज हो गए हैं गांव में लगे हैंडपंपों की गले सूख गए हैं गांव में 10 साल पहले करोड़ों लागत से निर्मित हुई भारी भरकम पानी की टंकी जो वर्तमान में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर सरकारी सिस्टम को ठेंगा दिखा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले इस टंकी से जो जल की आपूर्ति की जाती थी उस पानी में तरह-तरह के विषैले कीड़े मकोड़े केंचुओं के साथ दुर्गंध युक्त गंदा पानी आता था। जिसका प्रयोग ना तो खाना बनाने में और न नहाने में, न आचमन के लिए भी प्रयोग करने लायक था। विगत 3 माह से गन वरिया गांव में जल संकट विकराल हालत में है। ग्रामवासी एक-एक बूंद के लिए मोहताज हैं। बाहर लगे प्राइवेट कंपनी के आरो का पानी खरीद कर पीते हैं। जब पीने के लिए पानी हालात बद से बदतर हैं। तो परिवारों में उनको नहाने, धोने, नित्य क्रिया कर्म, के लिए पानी की किल्लत कितनी दुखदायी है। सहज ही समझा जा सकता है। इस भीषण गर्मी में खाना से ज्यादा जीवन के लिए पानी की जरूरत है। जिसका पूरा का पूरा अकाल है। जल शक्ति मिशन गनवरिया गांव के लिए किसी कपोल कल्पित किस्से कहानियों से ज्यादा कुछ नहीं।

एसडीएम के त्वरित प्रयासों से ग्रामीणों के खुशियों हुई बौछार

दैनिक वॉयस आफ लखनऊ के संवाददाता ने पानी की किल्लत को लेकर गन वरिया गांव पहुंच कर समाचारों का संग्रह शुरू किया। एसडीएम तुलसीपुर राकेश कुमार जयंत से पानी की किल्लत पर उनका पक्ष लेने के लिए फोन किया। एसडीएम सूचना पाकर तत्काल गन वरिया गांव पहुंचे। पानी किल्लत पर ग्राम वासियों से रूबरू हो कर उत्पन्न हालात देखकर द्रवित हो उठे। फौरन एक्शन लेते हुए अधिशासी अधिकारी टाउन एरिया तुलसीपुर को फोन लगाकर तत्काल दो टैंकर पानी मौके पर भेजने का निर्देश दिया।

दोनों टैंकर पानी आने तक स्वयं एसडीएम मौके पर डटे रहे। पानी की कमी से बेहाल ग्रामीणों को कतार बद्ध कराकर उन्हें पानी वितरण करा कर किल्लत को दूर किया। एस डी एम ने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि गन वरिया गांव में प्रत्येक दिवस दो टैंकर पानी तब तक उपलब्ध कराया जाए जब तक जल समस्या का निराकरण स्थायी रूप से ना हो जाय। एसडीएम के इस व्यवस्था से हजारों जनता ने जयकर कर उनका आभार व्यक्त कर स्वागत किया वहीं एसडीएम ने वॉयस ऑफ लखनऊ को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि यदि संवाददाता द्वारा सूचना उपलब्ध न कराई जाती तो यह जल आपूर्ति की समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती। और जनता एक एक बूंद बूंद पानी के लिए बेहाल रहती।

पानी के खातिर दो दिन नहीं बना भोजन

मनवरीय के 70 वर्षीय मोमिना समाचार खबरें करते समय पांच पांच लीटर की डिब्बे में पानी लेकर उधर से गुजरी और रुक गई जब संवाददाता ने उससे पूछा तो उसका आंसू छलक पड़ा मोमिना ने बताया कि यह जो पानी लेकर आई है काफी दूर से लेकर आई है। पीने के लिए घर में पानी नहीं है। पानी के अभाव में दो दिन खाना नहीं पका सकी घर में।कहते-कहते मोमिना की आंखें छल छला उठी। मोमीना ने बताया कि पानी की बहुत भारी परेशानी है। पानी न होने के चलते उसने दो दिन खाना नहीं बनाया। मोमीना ने एसडीएम जयंत से भी रूबरू होकर अपनी व्यथा बताई तो वह चकित रह गए। मोमिना को भरोसा दिलाया कि आप उसे पानी की कोई दिक्कत नहीं होगी उसे हर रोज जरूरत भर का पानी जरूर मिलेगा।

स्वच्छ पेयजल मुहैया कराना हमारी प्राथमिकता: एसडीएम

गनवरिया गांव के जल संकट का मामला मीडिया के माध्यम से मेरे संज्ञान में आया। तुरंत मौके पर जाकर हालात देखा। ग्राम वासियों से रूबरू होकर उनकी जल संकट की समस्याएं सुनी। भीषण गर्मी के कारण जल स्तर घटनें के कारण हैंड पंप सूख गए हैं।जो प्रकृति आपदा है। गन वरिया गांव के हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेय जल मुहैया कराना हमारी प्रथम प्राथमिकता है। इसके लिए अधिशासी अधिकारी तथा टाउन एरिया अध्यक्ष तुलसीपुर को निर्देशित किया है कि यहां पर प्रतिदिन दो टैंकर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करेंगें। पानी टंकी के बारे में जब उनसे आपूर्ति होने वाली दूषित जल के बारे में सवाल कियागया तो एस. डी. एम. ने एसडीएम ने बताया कि पानी टंकी के बारे में जो जानकारी मिली है। उसका भी शीघ्र समाधान होगा। निश्चित रूप से शुद्ध जला पूर्ति होगी। एस. डी. एम. नें बताया कि भीषण गर्मी में जल आपूर्ति के लिए डीएम साहब ने निर्देश दे रखा है कि एसडीएमएवं खण्ड विकास अधिकारी एक साथ क्षेत्र भ्रमण कर जल संकट के सभी समस्याओं को दूर करें।उन्होने आगे बताया कि वे अपने ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों का सर्वे राजस्व अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा करवा रहें हैं जहां पानी के किल्लत से संबन्धित हैं। सबका समाधान होगा।

प्रधान के उदासीनता से बूंद -बूंद पानी के लिए तरसे लोग

ग्राम प्रधान को जानता इसलिए सुनती है कि वह उनकी दुख सुख में काम आए लेकिन गांवरिया गांव के प्रधान ने अपनी वह जिम्मेदारियां निभाने में नाकामयाब रहे जिसे जनता ने उन पर भरोसा करके सौंपी थी गांव में एक ही खून पानी के लिए जनमानस में त्राहिमाम त्राहिमाम की हाहाकार हालात बने रहे प्रधान अपनी दुकानदारी में मस्त और व्यस्त रहे पैसों के लिए पानी का मुकम्मल व्यवस्था करने में फिसड्डी रहे उन्होंने इतनी बड़ी समस्या के निराकरण न तो स्वयं कोई सार्थक प्रयास किया और ना ही जिला प्रशासन को तीन महीना के बीच में अवगत कराया जिसका जिक्र एसडीएम ने करते हुए भी कहा कि उन्हें इस समस्या के बारे में नहीं बताया गया। संवाददाता के सवाल पर ग्राम प्रधान मो. नसीम उर्फ बब्बू कहते हैं कि पानी टंकी को उन्हें हैंडओवर नहीं किया गया है। प्राइवेट कंपनी ने आरो लगा रखा है। लोग खरीद के पानी पीने के अलावा और कोई चारा नहीं है। पानी का संकट तो है ही।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत बांटे गये चेक

प्रतापगढ़। स्थानीय तहसील सभागार में सोमवार को जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के प्रभावितों को शासकीय चेक समारोहपूर्वक वितरित किया गया। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि तीस लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत पांच-पांच लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत हुई थी। कार्यक्रम में विश्वनाथगंज विधायक जीतलाल पटेल, रामपुरखास विधायक आराधना मिश्रा मोना के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी के प्रतिनिधि अभिमन्यु सिंह ने योजना के तहत निराश्रित महिलाओं को डमी चेक प्रदान किये। कार्यक्रम का संयोजन तहसीलदार गरिमा वर्मा ने किया। तहसीलदार ने बताया कि योजना के तहत तहसील क्षेत्र के पैतालिस प्रभावितों को स्वीकृत धनराशि खाते में भेजी जा चुकी है। इस मौके पर लालगंज प्रमुख इं. अमित सिंह पंकज, नायब तहसीलदार पंकज कुमार सिंह, आशुतोष सिंह, केके सरोज आदि रहे।

विद्युत कटौती व लो वोल्टेज के कारण हलकान हो रहे लोग, आक्रोश

प्रतापगढ़। कस्बाई एवं ग्रामीण अंचलों में इधर विद्युत कटौती को लेकर लोग हलाकान दिख रहे हैं। भीषण गर्मी में लो वोल्टेज तथा लोकल फाल्ट के कारण रोस्टर की भी बिजली लोगों को मुहैया नहीं हो पा रही है। रविवार की देर शाम आंधी के चलते कई गांवों में तार टूटने से रात की पाली में घुप अंधेरा छाया दिखा। वही नगर पंचायत की बाजार में भी रात व दिन दोनों पालियों में विद्युत कटौती के कारण लोग परेशान दिखे। विद्युत कटौती के चलते इलेक्ट्रानिक बाजार में मंदी देखी जा रही है। वही तहसील समेत सरकारी कार्यालयों में कम्प्यूटरीकृत कार्य भी बाधित होने से लोग हलाकान हो रहे हैं। लालगंज दीवानी न्यायालय में अभी तक फीडर अलग नही किया जा सका है। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशक को दीवानी न्यायालय का फीडर अलग करने के लिए पत्र भी लिखा है। अधिवक्ताओं के मुताबिक प्रदेश के सभी दीवानी न्यायालयों में न्यायिक कामकाज को अवरोधमुक्त रखने के लिए अलग फीडर की व्यवस्था की गयी है। वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश पाण्डेय, संजय ओझा, पवन पाण्डेय, जीतेन्द्र सिंह आदि का कहना है कि बिजली आपूर्ति में बाधा के कारण अदालती कामकाज पर असर पड़ रहा है। वहीं नहरों में अभी तक पानी की एक बूंद नहीं दिखी है। ऐसे में बिजली की भी न के बराबर आपूर्ति के कारण धान की नर्सरी को सूखता देख किसान भी परेशान हो उठा है। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने सोमवार को एसडीएम से मिलकर विद्युत आपूर्ति में सुधार न होने को लेकर आक्रोश भी जताया है। अधिवक्ताओं ने एसडीएम से कहा कि समस्या का समाधान न होने पर वह आंदोलन की शुरूआत करेंगे। अधिशाषी अभियंता लालगंज रूपेश कुमार का कहना है कि आंधी पानी के कारण रविवार को आपूर्ति प्रभावित हुई थी। उनका कहना है कि शासन के रोस्टर के मुताबिक आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं।

154 किसान परिवारों को मिली 6.91 करोड़ की सहायता राशि

सिद्धार्थनगर- मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत मंगलवार को जनपद के लाभार्थी परिवारों को सहायता राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सिद्धार्थनगर कलेक्ट्रेट सभागार सहित जिले की सभी तहसीलों शोहरतगढ़, बांसी, इटवा और डुमरियागंज में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद जगदम्बिका पाल, विधायक श्यामधनी राही (कपिलवस्तु) तथा जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद जगदम्बिका पाल ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि पहले किसानों की मृत्यु या दुर्घटना की स्थिति में परिवार को कोई मदद नहीं मिलती थी, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस पहल से अब मृतक किसानों के परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस योजना का लाभ बंटाईदार किसानों को भी मिलेगा।

जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने बताया कि जनपद की सभी तहसीलों से कुल 142 दावे प्राप्त हुए थे, जिनके आधार पर 154 लाभार्थी परिवारों को ?6 करोड़ 91 लाख 50 हजार रुपये की सहायता राशि वितरित की जा रही है। यह वितरण कार्यक्रम सभी जिलों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से किया गया।

मजदूर के बेटे ने नीट में हासिल किए 496 अंक

सिद्धार्थनगर- इटवा विकास क्षेत्र के सिसवा बुजुर्ग गांव में एक दिहाड़ी मजदूर के बेटे ने नीट परीक्षा 2025 में सफलता हासिल की है। कनिक राम के पुत्र अंकित कुमार गौतम ने 720 में से 496 अंक प्राप्त किए हैं। अनुसूचित वर्ग से संबंध रखने वाले अंकित ने ऑल इंडिया रैंक 56706 हासिल की है। अंकित की मां अनीता, जो आशा कार्यकर्ता हैं, ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही पढ़ाई में रुचि रखता था। वह महापुरुषों की प्रेरक कहानियां पढ़ता था और डॉक्टर बनने का सपना देखता था। अंकित ने प्राथमिक शिक्षा अपने गांव से प्राप्त की। हाई स्कूल की पढ़ाई रईस अहमद इंटर कॉलेज इटवा से की। इंटरमीडिएट की पढ़ाई सिद्धार्थ नगर से पूरी की। नीट की तैयारी के लिए इटवा में कोचिंग क्लास और घर पर ऑनलाइन अध्ययन किया अंकित ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुओं को दिया है। उन्होंने कहा कि वह चिकित्सा के क्षेत्र में जाकर लोगों की सेवा करना चाहते हैं। अन्य छात्रों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करने से सफलता जरूर मिलती है।

श्रेष्ठ कर्म से मिला करती है प्रभु की कृपा : आचार्य देवव्रत जी

प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ के समीप देउम पूरब पूरे सुदामा में हो रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में सोमवार को श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दिये गये उपदेशों को सुनकर भावविभोर हुए दिखे। कथाव्यास आचार्य देवव्रत जी महराज ने कहा कि सत्संग जीवन के सुधार का सबसे सुगम अवसर हुआ करता है। उन्होने कहा कि युवाओं को भविष्य सुदृढ़ बनाने के लिए सत्संग की ऊर्जा को आत्मसात करना चाहिए। आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि भगवान ही कर्म साधना को स्वीकार कर प्रतिफल दिया करते हैं। उन्होने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने प्रभु की कृपा प्राप्त करने की दिशा का ज्ञान देते हुए श्रेष्ठ कर्म की प्रेरणा दी है। उन्होनें कहा कि विपरीत परिस्थितियों और अभावग्रस्त स्थिति में भी जो भगवान की शरण को ग्रहण किये रहता है, उसके कल्याण का भी प्रभु पुर्नमार्ग तैयार कर दिया करते हैं। संगीतमयी श्रीमदभागवत कथा में द्वारिकाधीश की महिमा के भजन सुनकर भी भक्त निहाल हो उठे दिखे। कथा के संयोजक पं0 वीरेन्द्रमणि तिवारी ने व्यासपीठ का मंत्रोच्चारण के मध्य पूजन अर्चन किया। इस मौके पर शाश्वत पाण्डेय, मनोरमा तिवारी, लक्ष्मी नारायण पाण्डेय, देवेन्द्रमणि, दिनेश तिवारी आदि रहे।

ग्राम्य विकास के कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

सिद्धार्थनगर ।जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में विकास विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर 19 पैरामीटर के अनुसार मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से माह जुलाई 2025 के अन्त तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया। सभी खण्ड विकास अधिकारी/नोडल अधिकारी क्षेत्र में निरीक्षण कर प्रगति की जानकारी ले। आंगनबाड़ी भवन के सर्वे की प्रगति की समीक्षा की गयी। जर्जर व मरम्मत योग्य आंगनबाड़ी केन्द्र 08 पैरामीटर के आधार पर मरम्मत कार्य कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सीडीपीओ के माध्यम से कार्य की प्रगति की जानकारी भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। ओडीएफ माडल ग्राम की समीक्षा करते हुए प्रगति लाने का निर्देश दिया। जिन ग्रामों में अन्नपूर्णा भवन आर0आर0सी0 सेन्टर हेतु भूमि चिन्हित नहीं है उपजिलाधिकारी के माध्यम से भूमि चयन की कार्यवाही कराये। सामुदायिक शौचालय, आर0आर0सी0 सेन्टर क्रियाशील कराने तथा गांव में सफाई कर्मचारी का नाम अंकित कराने का निर्देश दिया।

तीन पीएचसी केंद्रों पर निःशुल्क दवाएं दी गईं

सिद्धार्थनगर। भनवापुर में आयोजित जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में तीन पीएचसी केंद्रों पर मरीजों का मुफ्त इलाज किया गया। पीएचसी तरहर में डॉ. आशीष सत्यार्थी ने 40 मरीजों का इलाज किया। पीएचसी बिजौरा में डॉ. इर्शदेव आर्या ने 29 मरीजों को देखा। पीएचसी सोहना में डॉ. सबीहा मलिक ने 36 मरीजों का उपचार किया।मरीजों में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पाई गईं। इनमें गले में खराश, खांसी, बुखार और गैस्ट्राइटिस प्रमुख थीं। कुछ मरीजों में एसिडिटी, पेट दर्द और फंगस संक्रमण की शिकायतें थीं। उच्च रक्तचाप, शुगर और जोड़ों के दर्द के मरीज भी आए। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी गईं। अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने लू से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तापमान अधिक होने से लू लगने का खतरा है। लोगों को जिंक और ओआरएस का घोल पीने की सलाह दी। दोपहर में बाहर न निकलने को कहा। नींबू पानी, तरबूज, खरबूज और खीरा-ककड़ी का सेवन बढ़ाने की सलाह दी। स्वास्थ्य मेले में पीएन तिवारी, कौशतुभ तिवारी, अजय पांडेय, अखिलेश त्रिपाठी और मनोज मिश्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस भर्ती अभ्यर्थियों का एसपी ने किया सम्मान

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा 2023 में जनपद श्रावस्ती से चयनित अभ्यर्थियों/रिक्रूट आरक्षियों ने नियुक्ति पत्र ग्रहण किया। आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर हुई इस सीधी भर्ती कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ में किया गया था, जहां गृह मंत्री भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने जनपद सकुशल लौटने पर पुलिस लाइन सभागार कक्ष में अभ्यर्थियों से मुलाकात किया और उनकी इस महत्वपूर्ण सफलता पर शुभकामनाएं दीं। पुलिस अधीक्षक ने नए पुलिसकर्मियों का आह्वान किया किया – ह्यह उनके जीवन में एक नए दायित्व की शुरूआत है ह्व साथ ही अपेक्षा जाहिर की कि वे पुलिस सेवा में ईमानदारी, निष्ठा व सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए पुलिस की गरिमा को अधिक ऊँचाई तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

डीएम ने सुनी जनता की फरियाद

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया। ग्राम कुरबेनी, तहसील इकौना निवासी गुल्ले व जगदीश प्रसाद पुत्र कृपाराम ने जिलाधिकारी को आवेदन दिया किया कि उनके चालीस लोगों का संयुक्त परिवार मुख्य रूप से पैतृक भूमि पर ही निर्भर है, जिसका गलत परगना चढ़ाकर गायत्री देवी के नाम दर्ज किया गया है, साथ ही इसका बैनामा भी किया हुआ है। फरियादियों ने जिलाधिकारी से भूमि वापस दिलाने की गुहार लगाई। इस पर जिलाधिकारी ने सहायक चकबंदी अधिकारी को तत्काल मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने कुल 09 शिकायतें सूनीं, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थीं। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को तीन दिनों के भीतर उनके निस्तारण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। साथ ही सख्त निर्देश दिया किया शिकायतें केवल कागज पर नहीं निपटें, उनके निस्तारण का असर जमीनी स्तर पर भी नजर आना चाहिए। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री जी हर माह जनशिकायत निस्तारण की समीक्षा करते हैं, इसलिए हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निपटारा तय किया जाना चाहिए, साथ ही निस्तारण तय सीमा अवधि में किया जाना चाहिए, ताकि फरियादियों को कोई असुविधा न होने पाए।

किसान दुर्घटना कल्याण योजना : 42 लाभार्थियों को मिला चेक

श्रावस्ती । मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत जनपद के 42 लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए हैं। कार्यक्रम जनपद मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र, जिलाध्यक्ष डॉ. मिश्रीलाल वर्मा एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया, जहां लाभार्थियों को चेक प्रदान किए गए साथ ही मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का वर्चुअल कार्यक्रम भी सजीव देखा गया। वितरण कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र ने कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार किसानों के हित के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाकर उनके जीवनस्तर को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष डॉ. मिश्रीलाल वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ हर सुख-दुख में साथ रहती आई है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली महत्वपूर्ण योजना है, जिसका लाभ संकट की घड़ी में उनके परिजनों तक पहुंचाता है। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना तहत जनपद के 42 दावों पर दो करोड़ तीन लाख पचास हजार रुपये की धनराशि उनके खाते में स्थानांतरित किया गया है – जिसमें तहसील भिनगा के 13, इकौना के 12 व जमुनहा के 17 दावे शामिल हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य कार्यक्रमों के तहत भी किसानों व उनके परिजनों तक इसका लाभ पहुंचाता रहेगा प्रशासन।

कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल, प्रभारी एल.आर.सी. विश्वनाथ सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी व लाभार्थियों सहित उनके परिजन मौजूद रहे।

ट्रैक्टर से तोड़ी घारी, धमकी भी दी, पुलिस ने केस दर्ज किया

सिद्धार्थनगर- जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के मन्नीजोत गांव में एक पशु बाड़े को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। बुधई प्रजापति ने गांव के दो लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बुधई ने बताया कि वह अपने पुश्तैनी मकान के पास स्थित पुराने पशु बाड़े की मरम्मत करा रहे थे। रविवार दोपहर 12 बजे गांव के घनश्याम मिश्र और राज मिश्र ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य रुकवाया और घारी को गिराना शुरू कर दिया।पीड़ित के मुताबिक, विरोध करने पर आरोपितों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। ट्रैक्टर से धक्का देकर घारी को नुकसान पहुंचाया। मौके पर मौजूद लोगों ने इस घटना का वीडियो बना लिया। आरोपित लाठी-डंडे लेकर पीड़ित के घर तक पहुंच गए। बुधई ने तुरंत 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर आरोपित मौके से फरार हो गए।

अहिल्या बाई होलकर जयंती पर हुआ कवि सम्मेलन

श्रावस्ती (मलावा)। पुण्य श्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में जनपद श्रावस्ती के मलावा गांव में एक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज किशोर (प्रवक्ता एवं सामाजिक समरसता प्रमुख, अवध प्रांत) रहे, जबकि अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य दद्दन मिश्रा ने की। कार्यक्रम में गुलाब चंद जायसवाल, राधाकृष्ण पाठक सहित अखिल भारतीय साहित्य परिषद् अवध प्रांत के जिला महामंत्री रमेश तिवारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से अहिल्याबाई होलकर की प्रेरक जीवनगाथा पर प्रकाश डालने के साथ एकजुट होने का संदेश दिया, जिसका श्रोताओं ने करतल ध्वनि सहित समर्थन किया। सामाजिक चेतना कवि सुरेश सैनिक ने कहा काशी, मथुरा, अयोध्या राष्ट्र के हैं प्राण तत्व, कब्रों को राष्ट्र की पहचान कैसे लिख दूं।। लूटने, जलाने, ध्वज भगवा जो आये यहां, बहसी दरिंदों को इंसान कैसे लिख दूं। सभा में मौजूद एक मात्र कवियत्री ऋचा मिश्रा रोली ने देश प्रेम गीत से सबका दिल जीत लिया, वही कवि दिनेश त्रिपाठिय शम्स ने अपनी गजलों से खूब तालियां बटोरीं, श्रवण सायक ने अपने अवधी गीतों से समां बांध दिया। अनुपम पाठक ने अपनी लेखनी का दमदार प्रदर्शन किया तो वही मोहित मिश्रा नामक क्षेत्रीय कवि ने अपनी कविताओं से खूब प्यार बटोरा। तो वही लोगों ने कवि मनोज मिश्रा कप्तान को, जो आकस्मिक कारण से कवि सम्मेलन में नहीं पहुंच सके, उनको याद किया।

संक्षेप

निसान मोटर इंडिया ने नेटवर्कविस्तार को दी गति

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने राजस्थान में पांच नए टचपॉइंट्स की लॉन्चिंग के साथ भारत में अपना नेटवर्क 283 कस्टमर टचपॉइंट्स तक पहुंचने की घोषणा कीहै। इस विस्तार से प्रमुख क्षेत्रीय बाजारों में सुगमता और ग्राहकों के बेहतर अनुभव पर ब्रांड के फोकस को मजबूती मिलेगी। नए लॉन्च किए गए टचपॉइंट्स में जयपुर में एक शोरूम व अत्याधुनिक वर्कशॉप, उदयपुर में व्यापक 3एस सेंटर और अजमेर में एक नया शोरूम शामिल है। उदयपुर के 3एस सेंटर मेंएक ही छत के नीचे सेल्स, सर्विस और स्पेयर पाट्र्स ऑपरेशंस का परिचालन होगा। यहां कुशल एवं उत्साही सेल्स एवं सर्विस प्रोफेशनल्स को नियुक्त किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हर टचपॉइंट को इस तरह डिजाइन किया गया है, जिससे ग्राहकों को सुगम और शानदार ब्रांड एक्सपीरियंस मिले। जयपुर, उदयपुर और अजमेर में नई डीलरशिप के उद्घाटन के साथ राजस्थान में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का हमें गर्व है। भारत में अपने फ्यूचर पोर्टफोलियो की लॉन्चिंग की दिशा में बढ़ रहे हैं और ये उद्घाटन उसी दिशा में हमारे नेटवर्क विस्तार के प्रयासों का हिस्सा हैं।

जसप्रीत और संजना बने केनरा एचएसबीसी लाइफ के ब्रांड अम्बेसडर

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और उनकी पत्नी व जानी-मानी खेल प्रस्तोता संजना गणेशन को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। इस जोड़ी का प्रतिनिधित्व राइज वर्ल्डवाइड द्वारा किया जा रहा है। यह साझेदारी कंपनी के उद्देश्य आधारित ब्रांड दृष्टिकोण को और सशक्त बनाती है और इसके मूल विचार प्रॉमिसेज का पार्टनर, यानी जीवन के हर मोड़ पर भरोसेमंद साथ निभाने वाले साथी, को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करती है। कंपनी का मानना है कि जसप्रीत और संजना का रिश्ता भरोसे, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता जैसे मूल्यों पर आधारित है, वही मूल्य जो न केवल उनके खेल में उत्कृष्टता की पहचान हैं।

देश का निर्यात घटकर 38.73 अरब डॉलर

नयी दिल्ली। देश का निर्यात मई में 2.17 प्रतिशत घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया। वहीं व्यापार घाटा इस दौरान 21.88 अरब डॉलर रहा। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। मई में आयात सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत घटकर 60.61 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-मई 2025-26 के दौरान निर्यात बढ़कर 77.19 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात बढ़कर 125.52 अरब डॉलर रहा।

अंतर्देशीय जलमार्ग विकास संबंधी परामर्श कार्यशाला शुरू

पटना। केंद्रीय पोत, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने आज राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा नदी) पर अंतदेर्शीय जलमार्गों को बढ़ावा देने के लिए ढांचागत सुविधाएं विकिसत करने संबंधी प्रमुख घोषणाएं की हैं। ये घोषणाएं आज यहां राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा नदी) पर अंतदेर्शीय जलमार्ग विकास संबंधी परामर्श कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मौके पर की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि आज इस परामर्श कार्यशाला के मौके पर, हम अपनी नदियोंको पुनर्जीवित करने, खासतौर से राष्ट्रीय जलमार्गों को भविष्य में हमारे विकास के इंजन के तौर पर स्थापित करने का संकल्प लेते हैं।

आईबीएम ने 'प्रारंभ 2025' के साथ इनोवेशन को बढ़ावा दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एआई आधारित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आईबीएम ने एकेटीयू और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से 'प्रारंभ 2025' नामक एक छात्र-हैकाथॉन का आयोजन किया। यह पहल एआई सिटी इन लखनऊ परियोजना को गति देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस उद्घाटन हैकथॉन के रोमांचक समापन में, जीएल बजाज (एकेटीयू) की टीम समाधान एआई, शिव नादर विश्वविद्यालय (ईआरए विश्वविद्यालय) की टीम मोजेक और प्रणवीर सिंह प्रौद्योगिकी संस्थान (एकेटीयू) की टीम बाइट नाइट्स ने अपने अभिनव, व्यावहारिक और समाजोपयोगी सोल्यूशन्स के साथ सभी को प्रभावित करते हुए इस हैकाथॉन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

सेंसेक्स में 678 अंकों की उछाल

मुंबई। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से सोमवार को स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी लौट आई। मानक सूचकांक सेंसेक्स में करीब 678 अंक और निफ्टी में 228 अंक की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 677.55 अंक यानी 0.84 प्रतिशत उछलकर 81,796.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 747.22 अंक बढ़कर 81,865.82 अंक पर पहुंच गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 227.90 अंक यानी 0.92 प्रतिशत चढ़कर 24,946.50 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही शेयर बाजारों में दो दिन के अंतराल के बाद तेजी लौट आई। ईरान-इजराइल संघर्ष छिड़ने से पिछले दो सत्रों में सेंसेक्स 1396.54 अंक और निफ्टी 422.8 अंक गिर गया था। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.81 प्रतिशत गिरकर 73.63 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इस बीच, मई में थोक मुद्रास्फीति घटकर 0.39 प्रतिशत पर आ गई जो 14 महीने का सबसे निचला स्तर है। खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में नरमी के कारण मई में थोक मुद्रास्फीति घटी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने के बावजूद भारतीय बाजारों ने जुझारूपन दिखाया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1263.52 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी। शुक्रवार को सेंसेक्स 573.38 अंक गिरकर 81,118.60 अंक और निफ्टी 169.60 अंक गिरकर 24,718.60 अंक पर बंद हुआ था।

सोना 170 रुपये टूटकर 101,370 पर, चांदी 1000 रुपये फिसली

नयी दिल्ली। कमजोर वैश्विक रुख के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 170 रुपये गिरकर 1,01,370 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 101,540 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही थी।

वहीं, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 150 रुपये घटकर 100,550 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 100,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। चांदी की कीमत भी 1000 रुपये की गिरावट के साथ 107,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। शुक्रवार को चांदी 108,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। भारत-अमेरिका और अमेरिका-यूरो क्षेत्र के बीच संभावित व्यापार सौदों की रिपोर्ट आने के बाद मुनाफावसूली देखी गई जिससे सोना 99,800 रुपये के आसपास सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग में इस नरमी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने में मामूली गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 13.23 डॉलर प्रति औंस टूटकर 3,419.41 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। सोने की कीमतों में मामूली गिरावट आई है, लेकिन यह रिकॉर्ड ऊंचाई के आसपास बनी हुई है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों को सुरक्षित संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। निवेशकों को इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति के फैसलों का इंतजार रहेगा। केंद्रीय बैंक के आर्थिक अनुमान आने वाले महीनों में संभावित ब्याज दरों में कटौती के बारे में मार्गदर्शन देंगे।

अब यूपीआई से लेनदेन होगा तेज

एजेंसी

नयी दिल्ली। यूपीआई के जरिए लेनदेन सोमवार से और तेज होने जा रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने भुगतान के लिए प्रतिक्रिया समय को घटाकर 10 सेकंड कर दिया है। यूपीआई या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस एक तत्काल भुगतान प्रणाली है, जिसे एनपीसीआई ने मोबाइल फोन के जरिए बैंकों के बीच लेनदेन की सुविधा के लिए विकसित किया है। एनपीसीआई के हाल के परिपत्र के अनुसार धन हस्तांतरण, स्थिति जांच और वापसी सहित लेनदेन अब 30 सेकंड के बजाय 10 से 15 सेकंड में पूरे हो जाएंगे। इस तरह 16 जून से, यूपीआई भुगतान में पता सत्यापित करने में लगने वाला समय अब पहले के 15 सेकंड की तुलना में केवल 10 सेकंड लगेगा। एनपीसीआई ने कहा कि प्रतिक्रिया समय में संशोधन का मकसद ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है। एनपीसीआई के एक अन्य परिपत्र के अनुसार, ग्राहक जल्द ही अपने यूपीआई ऐप के जरिए दिन में 50 बार अपने खाते का बैलेंस चेक कर सकेंगे। एक विशेषज्ञ के अनुसार अभी तक एक दिन में खाते की शेष राशि की जांच करने की कोई सीमा नहीं है और प्रणालीगत दक्षता को ध्यान में रखते हुए 50 की सीमा शुरू की गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे बढ़कर बंद

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे की मजबूती के साथ 86.03 (अस्थायी) पर रहा। वैश्विक कच्चेतेल की कीमतों में गिरावट, कमजोर होते डॉलर और घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के रुख के कारण रुपये में यह तेजी आई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि, निर्यात में गिरावट और विदेशी पूंजी निकासी के कारण रुपये में तेजी पर अंकुश लगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 86.16 पर खुला तथा 85.94 से 86.24 के दायरे में कारोबार करने के बाद कारोबार के अंत में 86.03 (अस्थायी) पर बंद हुआ। यह पिछले बंद से आठ पैसे की तेजी है। शुक्रवार को रुपया 86.11 पर बंद हुआ था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, लेकिन निचले स्तरों पर डॉलर की अच्छी खरीदारी हुई, क्योंकि बाजार पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजराइल युद्ध के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को रुपया 85.75 से 86.50 के व्यापक दायरे में रह सकता है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई में भारत का निर्यात 2.17 प्रतिशत घटकर 38.73 अरब डॉलर रहा, जबकि व्यापार घाटा 21.88 अरब डॉलर रहा। मई में आयात में सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 60.61 अरब डॉलर का रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में कमी आने से देश में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) मई में घटकर 0.39 प्रतिशत रह गई। अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति 0.85 प्रतिशत थी। पिछले साल मई में यह 2.74 प्रतिशत थी।

जल्द बारिश आने से जून के पहले पखवाड़े में ईंधन की मांग में नरमी

नयी दिल्ली। देश के कई हिस्सों में बारिश जल्द आने से जून के पहले पखवाड़े में भारत की ईंधन खपत में कमी आई है। दो महीने की वृद्धि के बाद डीजल की खपत नकारात्मक दायरे में चली गई जबकि पेट्रोल की मांग में भी गिरावट आई है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तीन खुदरा ईंधन विक्रेता कंपनियों के बिक्री आंकड़ों के मुताबिक, जून के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की मांग 2.3 प्रतिशत घटकर 14 लाख टन रह गई। यह मई में हुई लगभग नौ प्रतिशत वृद्धि के उलट है। तीनों खुदरा ईंधन विक्रेता कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी 90 प्रतिशत है। एक जून से 15 जून के दौरान डीजल की खपत 4.8 प्रतिशत की गिरावट के साथ 32.6 लाख टन पर आ गई। भारत में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले ईंधन डीजल की मांग अप्रैल और मई में क्रमशः चार और दो प्रतिशत बढ़ी थी। परिवहन और कृषि अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माने जाने वाले डीजल की मांग में वित्त वर्ष 2024-25 में केवल दो प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जिसमें अधिकांश महीनों में नकारात्मक वृद्धि ही रही थी। उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि मानसून के जल्दी दस्तक देने से सिंचाई की मांग कम हो गई है और वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। इस बार मानसून निर्धारित समय से आठ दिन पहले ही केरल पहुंच गया था।

घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री घटकर 3,44,656 इकाई पर

नयी दिल्ली। घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत घटकर 3,44,656 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 3,47,492 इकाई थी।

वाहन विनिर्माताओं के निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री मई में 2.2 प्रतिशत बढ़कर 16,55,927 इकाई रही, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी महीने में यह 16,20,084 इकाई थी। सियाम ने कहा कि सभी श्रेणियों में वाहनों की कुल थोक बिक्री 1.8 प्रतिशत बढ़कर 20,12,969 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल मई में यह 19,76,674 इकाई थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बयान में कहा, सभी वाहन खंडों ने मई 2025 में स्थिर प्रदर्शन दर्ज किया। उन्होंने कहा कि हालांकि यात्री वाहन खंड में 0.8 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन कुल 3.45 लाख इकाइयों की बिक्री मई में अब तक की दूसरी सबसे अधिक बिक्री रही। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहन खंड में मारुति सुजुकी इंडिया की घरेलू बिक्री मई 2024 में 1,44,002 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 1,35,962 इकाई रह गई। इसके साथ ही यह इस खंड में अग्रणी रही। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मई 2024 की 43,218 इकाइयों के मुकाबले 52,431 इकाइयों की बिक्री की, जबकि हुंदै मोटर इंडिया ने मई 2024 में 49,151 इकाइयों की तुलना में 43,861 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज की। दोपहिया वाहन खंड में मोटरसाइकिल की बिक्री मई 2024 में 10,38,824 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 10,39,156 इकाइयों पर लगभग स्थिर रही। दूसरी ओर, स्कूटर की बिक्री पिछले महीने 7.1 प्रतिशत बढ़कर 5,79,507 इकाई हो गई, जबकि मई 2024 में यह 5,40,866 इकाई रही थी। घरेलू बाजार में कुल तिपहिया वाहनों की बिक्री मई में सालाना आधार पर 55,763 इकाइयों की तुलना में 3.3 प्रतिशत घटकर 53,942 इकाई रह गई। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा छह महीने से भी कम समय में तीन बार रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती तथा सामान्य से अधिक मानसून का पूर्वानुमान कुछ ऐसे संकेतक हैं, जो आने वाले महीनों में चीजों को बेहतर एवं उपभोक्ता भावना को बढ़ावा देकर मोटर वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

थोक मंहगाई मई में घटकर 14 माह के निचले स्तर 0.39 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में नरमी के बीच मई में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) घटकर 14 महीने के निचले स्तर 0.39 प्रतिशत आ गई। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर तनाव के कारण कीमतें बढ़ सकती हैं।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 0.85 प्रतिशत और मई 2024 में 2.74 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मुख्य तौर पर खाद्य उत्पादों, बिजली, अन्य विनिर्माण, रसायनों व रासायनिक उत्पादों, अन्य परिवहन उपकरणों और गैर-खाद्य वस्तुओं के विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मई में 1.56 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि अप्रैल में इनमें 0.86 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सब्जियों के दाम में भारी गिरावट आई। सब्जियां मई में 21.62 प्रतिशत सस्ती हुईं जबकि अप्रैल में इनकी कीमतें 18.26 प्रतिशत घटी थीं। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति 2.04 प्रतिशत रही, जबकि अप्रैल में यह 2.62 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली में भी मई में मुद्रास्फीति 2.27 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल में यह 2.18 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। खुदरा मुद्रास्फीति मई में घटकर छह वर्ष के निचले स्तर 2.82 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य कीमतों में नरमी रही। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। आरबीआई ने मुद्रास्फीति में नरमी के बीच इस महीने नीतिगत ब्याज दर में 0.50 प्रतिशत की भारी कटौती कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया था। दक्षिण-पश्चिम मानसून के शीघ्र आगमन के बावजूद इसकी प्रगति जून के प्रारम्भ में ही रुक गई, जो 15 जून 2025 तक के सामान्य स्तर से 31 प्रतिशत कम रही। मानसून का अस्थायी एवं स्थानिक वितरण फसल के पूर्वानुमान व परिणामस्वरूप खाद्य मुद्रास्फीति के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ हैं। इज़राइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद चालू महीने में कच्चे तेल की कीमतों में काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

पेज एक का शेष

जनगणना की

जनगणना है। संविधान के अनुच्छेद 246 के अनुसार, जनगणना सातवीं अनुसूची में संघवर्ती सूची में 69वें स्थान पर सूचीबद्ध विषय है। जनगणना समाज के हर वर्ग से डेटा संग्रह का प्राथमिक स्रोत है और एक दशकीय गतिविधि है। आगामी जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी, जो आजादी के बाद पहली बार होगी। पिछली व्यापक जाति-आधारित गणना अंग्रेजों ने 1881 और 1931 के बीच की थी। आजादी के बाद से किए गए सभी जनगणना कार्यों से जाति को बाहर रखा गया था।

आगामी जनगणना में जाति गणना को शामिल करने का निर्णय 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा लिया गया था। एक आधिकारिक बयान में कहा गया था इन सभी परिस्थितियों पर विचार करते हुए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीतिक दबाव में न आए, यह निर्णय लिया गया है कि एक अलग सर्वेक्षण में जाति गणना कराने के बजाय मुख्य जनगणना में इसे शामिल किया जाना चाहिए। साल 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा को आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाएगा। इस विषय पर विचार-विमर्श के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया और अधिकतर राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना कराने की सिफारिश की। हालांकि, कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने जाति जनगणना के बजाय सर्वेक्षण का विकल्प चुना, जिसे सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) के रूप में जाना जाता है। संयुक्त प्रगतिशाल गठबंधन (संप्रग) सरकार के तहत 2011 में एसईसीसी के अंतर्गत जातिगत आंकड़े एकत्र किए थे, लेकिन इसे कभी भी पूरी तरह से प्रकाशित या उपयोग नहीं किया गया। बिहार और तेलंगाना ने पिछले तीन वर्षों में जातिगत सर्वेक्षण कराए हैं। आगामी प्रक्रिया में लोगों को स्व-गणना का प्रावधान भी उपलब्ध कराया जाएगा। जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण में - हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) - प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा।

मोदी को

क्रोएशिया की यात्रा करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्होंने और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता जताई और उन दोनों का मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। मोदी ने क्रिस्टोडौलिडेस के साथ व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अपने संबोधन में यह भी कहा कि बातचीत के जरिए समाधान और स्थिरता बहाल करना मानवता की मांग है। प्रधानमंत्री ने सीमा पार से होने वाले आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साइप्रस के समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा हम सीमा पार से होने वाले आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साइप्रस के समर्थन के लिए आभारी हैं। प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में अभी साइप्रस में हैं। मई में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में, ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया गया था। संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान अपने संबोधन में राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस ने कहा हमारे बीच ऐतिहासिक मित्रता है और हमारे संबंधों में विश्वास है। उन्होंने 22 अप्रैल के भयावह पहलगाम आतंकी हमले को भी याद किया और कहा कि साइप्रस, भारत के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है। राष्ट्रपति ने कहा कि साइप्रस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है। अपने संबोधन में क्रिस्टोडौलिडेस ने अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे का भी जिक्र किया और कहा कि साइप्रस के लोग दुख की इस घड़ी में भारत के साथ हैं। मोदी और क्रिस्टोडौलिडेस ने भारत-साइप्रस संबंधों के सभी पहलुओं पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु न्याय जैसे क्षेत्रों में सहयोग के बारे में बात की। उन्होंने क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। मोदी ने कहा हम दोनों ने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता व्यक्त की। उनका नकारात्मक प्रभाव केवल उन क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है। हम दोनों का मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। बातचीत के माध्यम से समाधान और स्थिरता बहाल करना मानवता की मांग है।

सीएम योगी ने

तांडव करते हैं। समाज को बांटते हैं। पर्व त्योहार के उत्साह और उमंग को फीका करते हैं। उन्होंने समाज को बांटने वालों को बेनकाब करने की बात भी कही। उन्होने 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' के तहत पूरे उत्तर प्रदेश के 11,690 किसान परिवारों को 561.86 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित करने की बात कही। इसमें अम्बेडकरनगर के 431 परिवार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना में किसानों, बटाईदारों, कृषि श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को शामिल किया गया है। योजना के तहत 2020-21 से 2025-26 तक क्रमशः 500 करोड़ से 1,050 करोड़ तक की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, कि पैसे की कमी नहीं है। हम हर तहसील में इस कार्यक्रम को चला रहे हैं ताकि आपदा प्रभावित किसान परिवारों को तुरंत सहायता मिले। मुख्यमंत्री ने शिव बाबा धाम और श्रवण धाम के पर्यटन विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिव बाबा धाम में कई कार्य पूरे हो चुके हैं और शेष कार्य प्रगति पर हैं। श्रवण धाम को मातृ-पितृ भक्ति के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, तहसील भीटी में अग्निशमन केंद्र और फायर ब्रिगेड यूनिट की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिसका शिलान्यास जल्द होगा।

विकास व विरासत

को नौकरी पर अधिकार मिल रहा है। 60244 युवाओं का प्रदेश पुलिस का हिस्सा बनना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अंबेडकरनगर के शिव बाबा धाम तपोस्थली से कृषक दुर्घटना बीमा योजना में प्रदेश के 11690 लाभार्थियों को 561.86 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटन की शुरूआत की। सीएम ने कहा कि 2025-26 के लिए 1050 करोड़ की व्यवस्था की है, ताकि अन्नदाता किसानों को कोई संकट न आए। सिपाही भर्ती में बिना किसी लूट खसोट के हर वर्ग को लाभ मिला, 12045 बेटियां भी भर्ती हुई हैं। यह 2017 से पहले संभव नहीं था। सरकार बेहतर सुरक्षा देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्व वादों के समाधान की दिशा में सरकार के उठाए गए कदमों का परिणाम है कि चाहे कोई भी मामला हो एक समय सीमा तय हो गई है। हर बेटी सुरक्षित हो, हर व्यापारी सुरक्षित हो। सरकार इस दिशा में काम कर रही है। कोई भी बेटी व व्यापारी की सुरक्षा में खतरा पैदा करेगा, तो कानून का डंडा उस पर चलेगा। आने वाली उसकी सात पीढ़ियां याद करेंगी कि कानून के साथ खिलवाड़ व किसी गरीब को परेशान करने की कीमत क्या होती है।

गैंगरेप का झूठा

हुए कहा है कि निर्भया कांड के बाद यह प्रावधान किया गया कि सामान्य छेड़छाड़ से लेकर दुष्कर्म तक के मामलों की तुरंत रिपोर्ट दर्ज होगी। इसी के साथ पीड़िताओं को आर्थिक सहायता देने का भी प्रावधान किया गया लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह सामने आया है कि तेजी से फर्जी दुराचार व गैंगरेप के मामलों की रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। इसी तरह एससी-एसटी एक्ट में भी ऐसे ही मिलते जुलते प्रावधान किए गए हैं जिसमें एफआईआर दर्ज कराने से लेकर आरोप पत्र प्रेषित करने और मुकदमे के विचारण की समाप्ति तक पीड़ित को विभिन्न चरणों में एक लाख से लेकर आठ लाख 25 हजार रुपए तक देने का प्रावधान है। एफआईआर दर्ज कराने के इस कठोर प्रावधान और पीड़ित बनकर प्रतिकर की धनराशि हड़पने की लालच ने अपराध व अपराधियों का एक नया वर्ग कानून व्यवस्थाओं से जुड़ी संस्थाओं जैसे पुलिस व अदालत के सामने पैदा कर दिया है, जो अपने दुश्मनों से बदला लेने के लिए कुछ महिलाओं द्वारा इसी प्रवृति के वकीलों से सांठ गांठ करके बलात्कार, गैंगरेप, एससी-एसटी एक्ट के झूठे मुकदमे लिखाए जाते हैं और अपना बदला पूरा करने के साथ-साथ प्रतिकर की धनराशि को आपस में बांट लेते हैं।

टॉपर्स बनेंगे

एक ओर जहां विद्यार्थियों को प्रशासनिक जिम्मेदारी का अनुभव दिलाएगी, वहीं दूसरी ओर जल-संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का बोध भी कराएगी।

देवरिया व

बुलाया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि गोपीगंज थाना क्षेत्र के चेरापुर गांव के राम कुमार विश्वकर्मा (17) और धनीपुर गांव के ज्‍ षि कुमार विश्वकर्मा (18) एवं राहुल विश्वकर्मा (17) गंगा में नहाने गए थे। सोमवार को बरहज नगर में दर्दनाक घटना से पूरे नगर सहित क्षेत्र में कोहराम मच गया। पटेल नगर पश्चिमी निवासी तूफानी बासफोर के घर रविवार की शाम जन्मदिन पार्टी का आयोजन था। बर्थडे पार्टी में गोरखपुर महानगर के मोहद्दीपुर निवासी संजय व उनकी पत्नी तथा उनके बेटे प्रदीप 24 व रोहित 23 शामिल होने बरहज अपने ननिहाल में आये थे। उन लोगो के संग पूनम पत्नी रंजीत बासफोर भी अपने बेटे बंटी 22 के साथ बरहज ननिहाल में आये थे। सोमवार की सुबह लगभग सात बजे चार युवक रोहित, प्रदीप, बंटी के साथ राजन पुत्र रंजेय नदी में नहाने के लिए सरयू नदी घाट पर गए थे। स्नान करते समय गहरे पानी मे चले जाने से चारों युवक डूबने लगे।

इजरायल ने

में ढील दिखाने को तैयार है। एक खाड़ी देश के सरकार से जुड़े सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि खाड़ी देश इस बात को लेकर गहराई से चिंतित हैं कि यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर हो सकता है। कतर, ओमान और सऊदी अरब तीनों देशों ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह इस्त्राइल पर दबाव बनाए ताकि वह संघर्षविराम के लिए तैयार हो सके और तेहरान के साथ परमाणु समझौते की वार्ता फिर से शुरू हो सके। व्हाइट हाउस और अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस पर अभी तक कोई टिप्पणी की है। उधर, इजराइल ने दावा किया कि उसने ईरान की राजधानी पर हवाई श्रेष्ठता हासिल कर ली है और उसके विमान अब बिना किसी बड़े खतरे का सामना किए तेहरान के ऊपर उड़ान भर सकते हैं। इजराइल की सेना ने कहा कि ईरानी वायु रक्षा और मिसाइल प्रणालियों पर कई दिनों तक हमले किए जाने के बाद उसके विमान अब पश्चिमी ईरान से तेहरान तक के आसमान में आसानी से उड़ान भर सकते हैं और उसने जमीन से जमीन पर मार करने वाले 120 से अधिक उन मिसाइल लांचरों को नष्ट कर दिया है जहां से इजराइल पर हमला किया जा रहा था।

भीषण गर्मी

मध्यम वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान प्रदेश के तराई इलाकों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश भी हुई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद में सर्वाधिक 149.4 मिमी. तथा नकुड़ (सहारनपुर) में 120 मिमी. की बहुत भारी बारिश के साथ बिजनौर में 86 मिमी. की भारी बारिश तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश के मनकापुर (गोंडा) में सर्वाधिक 83 मिमी. एवं शारदानगर (लखीमपुर खीरी) में 66.4 मिमी. की भारी बारिश दर्ज की गई। इसी क्रम में तापमान में आई व्यापक गिरावट के परिणामस्वरूप प्रदेश से लू की स्थितियां पूरी तरह समाप्त हो गई हैं।

वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को हराया

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया और आयरलैंड को 62 रन से हराकर बारिश से प्रभावित तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीती

एजेंसी

ब्रेडी (उत्तरी आयरलैंड)। वेस्टइंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया और आयरलैंड को 62 रन से हराकर बारिश से प्रभावित तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीती। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एविन लुईस (44 गेंदों में 91 रन) और कप्तान शाई होप (27 गेंदों में 51 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 122 रन की साझेदारी की मदद से पांच विकेट पर 256 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने कुल 20 छक्के लगाए। लुईस ने आठ जबकि होप और कीसी कार्टी ने चार-चार छक्के लगाए। कार्टी ने 22 गेंदों पर नाबाद 49 रन का योगदान दिया।

आयरलैंड इसके जवाब में सात विकेट पर 194 रन ही बना पाया। उसकी तरफ से रॉस अडायर (36 गेंदों में 48 रन) और हैरी टेक्टर (25 गेंदों में 38 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी की। पहला और दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। दोनों टीमों ने मई में डबलिन में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 1-1 से बराबर की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने एकदिवसीय और टी20 श्रृंखला दोनों में वेस्टइंडीज को 3-0 के समान अंतर से हराकर क्लीन स्वीप किया था।

पूर्व क्रिकेटरों की राय, इंग्लैंड जीतेगा श्रृंखला लेकिन भारत कड़ी चुनौती देगा

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि अगर भारत लीड्स और मैनचेस्टर में मैच जीतने में सफल रहता है तो उसके पास इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला जीतने का शानदार मौका होगा, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने पांच मैच की श्रृंखला में मेजबान टीम को 3-2 से जीत का दावेदार बताया। भारत और इंग्लैंड पांच मैचों की श्रृंखला के साथ अपने नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेंगे।

इस श्रृंखला का पहला मैच शुक्रवार से लीड्स में खेला जाएगा। मैनचेस्टर 23 जुलाई से चौथे टेस्ट की मेजबानी करेगा। हेडन ने जियो हॉटस्टार पर कहा, मुझे नहीं लगता कि इंग्लैंड के गेंदबाज इतने अच्छे हैं। उसके कई गेंदबाज चोटिल हैं और कई खिलाड़ी संन्यास ले चुके हैं। उसके लिए यही बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा उत्तरी इंग्लैंड में होने वाले टेस्ट मैच काफी महत्वपूर्ण होंगे। भारत अगर इन मैच में जीत हासिल कर लेता है तो वह श्रृंखला अपने नाम कर सकता है। भारत के इंग्लैंड के पिछले दौरे के बाद से मेजबान टीम के दो सबसे अनुभवी गेंदबाजों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। यही नहीं इंग्लैंड के कुछ प्रमुख तेज गेंदबाज चोटिल हैं। तेज गेंदबाज मार्क वुड चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफा आर्चर भी शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे और गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। इस बीच भारत नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगा।

इस तरह से भारत रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद एक नए युग की शुरुआत करेगा। स्टेन ने भारत को हारा हुआ नहीं माना, लेकिन इंग्लैंड को जीत का दावेदार बताया। उन्होंने कहा, भारतीय टीम काफी युवा है। यह कहा जा सकता है कि इंग्लैंड श्रृंखला जीतने जा रहा है, लेकिन यह बिना संघर्ष के नहीं होने वाला है। मुझे लगता है कि एक या दो टेस्ट ऐसे होंगे जिन्हें भारत अपने नाम कर सकता है। दक्षिण अफ्रीका के इस क्रिकेटर ने कहा, सभी मैच करीबी होंगे। लेकिन हर मैच का नतीजा निकलेगा। मुझे लगता है कि यह 3-2 से इंग्लैंड के पक्ष में होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटरों दीप दासगुप्ता और संजय मांजरेकर ने भी इंग्लैंड को श्रृंखला में जीत का दावेदार बताया लेकिन साथ ही कहा कि मुकाबला काफी करीबी होगा।

दासगुप्ता ने कहा, भारतीय टीम काफी युवा है और उसका कप्तान भी युवा है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, जिससे इंग्लैंड को थोड़ा फायदा मिलेगा। इंग्लैंड को घरेलू मैदान पर खेलने का भी फायदा मिलेगा, लेकिन यह (श्रृंखला) काफी करीबी होगी। मुझे लगता है कि इंग्लैंड 3-2 से जीतेगा। मांजरेकर ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड श्रृंखला जीतने के लिए बेहतर स्थिति में है। वे अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे हैं और भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुज़र रही है, इसलिए मुझे लगता है कि इंग्लैंड यह श्रृंखला जीत सकता है।

जर्मन क्वालीफायर तात्याना मारिया ने 37 साल की उम्र में क्वींस क्लब का खिताब जीता

लंदन। जर्मन क्वालीफायर तात्याना मारिया ने विंबलडन के अभ्यास टूर्नामेंट क्वींस क्लब में जीत हासिल करके अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने के साथ खुद को क्वीन ऑफ क्वींस साबित किया। दो बच्चों की 37 वर्षीय मां मारिया ने लंदन में ग्रास कोर्ट पर खेले गए इस टूर्नामेंट के फाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 6-4 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीए 500 खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 86वें नंबर की खिलाड़ी मारिया ने अपनी बेटियों चार्लोट और सेसिलिया तथा अपने पति और कोच चार्ल्स एडौर्ड मारिया के सामने जीत हासिल की। मारिया ने कहा, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं एक अच्छा उदाहरण हूं कि मेरी उम्र में भी आप बड़ी ट्रॉफियां जीत सकते हैं। मुझे खुद पर बहुत गर्व है।

म्यूनिख विश्व कप में भारत का शानदार प्रदर्शन

नयी दिल्ली। भारत ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ के वार्षिक कैलेंडर में सबसे प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंटों में से एक म्यूनिख विश्व कप में अपने प्रदर्शन में सुधार कर दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। पिछले चार विश्व कप में यह तीसरा मौका है जब भारत ने तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव के. सुल्तान सिंह ने कहा हमारे निशानेबाजों ने एक बार फिर से म्यूनिख विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस आयोजन से पहले कहा जा रहा था कि भारत के लिए यह टूर्नामेंट चुनौतीपूर्ण होगा। इसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ी भाग ले रहे थे जबकि हमारे कुछ सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज इसमें नहीं खेल रहे थे। हमारे निशानेबाजों ने हालांकि यह साबित कर दिया कि भारतीय निशानेबाजी में विकल्प पहले से कहीं अधिक है। इस सत्र की शुरुआत से शानदार लय में चल रही पिस्टल निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। हरियाणा की इस 19 साल की निशानेबाज ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व कप का अपना लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता।

संक्षेप

चेन्नई की तीन साल बाद डब्ल्यूटीए कैलेंडर में वापसी

चेन्नई। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) ने सोमवार को घोषणा की कि भारत तीन साल बाद डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट चेन्नई ओपन की मेजबानी करेगा जिसका मुख्य ड्रॉ 27 अक्टूबर से शुरू होगा। यह टूर्नामेंट पिछली बार 2022 में डब्ल्यूटीए कैलेंडर में शामिल किया गया था जब चेक गणराज्य की लिंडा फ्रुहविर्टोवा एकल चैंपियन बनी थीं। टीएनटीए के अध्यक्ष विजय अमृतराज ने कहा, आखिरकार तमिलनाडु सरकार और एसडीएटी (तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण) के मजबूत समर्थन की बदौलत चेन्नई में एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेलटेनिस प्रतियोगिता को लाने के हमारे प्रयास सफल हुए। उन्होंने कहा इस प्रतियोगिता का प्रसारण एक प्रमुख खेल चैनल पर किया जाएगा। मैं इस आयोजन को सफल बनाने में चेन्नई के खेलप्रेमियों की उत्साही भागीदारी की आशा करता हूं।

विश्व ब्लिट्ज़ टीम चैम्पियनशिप में पांचवें स्थान पर रही

लंदन। मुख्य रूप से भारतीय खिलाड़ियों से सजी टीम एमजीडी। ने फिडे विश्व ब्लिट्ज़ टीम चैम्पियनशिप में टीम फ्रीडम को हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। इससे पहले उसने यहां टूर्नामेंट में रैपिड वर्ग का खिताब जीता था। डब्ल्यूआर चेस ने काज़ चेस को हराकर 2023 में यह प्रतियोगिता शुरू होने के बाद से अपना दूसरा ब्लिट्ज़ खिताब हासिल किया। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी की मौजूदगी वाली टीम एमजीडी। ने पहले ही 16 टीमों के नॉकआउट में जगह बना ली थी। उसने पहले दौर में जेनरेशन एक्सवाइजेडए को 4-0 से हराया था। लेकिन एरिगैसी, पी हरिकृष्णा, डेविड गुइजारो, वी. प्रणव, लियोन ल्यूक मेंडोंका, स्टावरौला त्सोलाकिडो और अथर्व तायडे की टीम को क्वार्टर फाइनल में हेक्सामाइंड चेस टीम के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। हेक्सामाइंड की टीम में अमेरिका के लेवोन अरोनियन और भारत के विदित गुजराती जैसे खिलाड़ी शामिल थे। पांचवें स्थान के प्लेऑफ मुकाबले में एमजीडी। ने फ्रीडम को दोनों मैचों में 4-2 से हराया। टीम फ्रीडम की अगुवाई पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद कर रहे थे।

सप्तक तलवार संयुक्त 63वें स्थान पर रहे

ब्रनो (चेक गणराज्य)। भारतीय खिलाड़ी सप्तक तलवार राइफेनबैंक गोल्फ चैलेंज के अंतिम दौर में पार 71 के स्कोर के साथ संयुक्त 63वें स्थान पर रहे। इस 26 साल के खिलाड़ी ने चार दौर में 72, 70, 74 और 71 के कार्ड के साथ अपना अभियान कुल तीन ओवर के स्कोर पर किया।

तकनीकी रूप से सशक्त हुए ताइक्वांडो रेफरी सेमिनार में मिली नये नियमों की जानकारी

लखनऊ। रेफरीज को तकनीकी रूप से और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित नेशनल रेफरी/रिफ्रेशर सेमिनार का समापन रविवार को हुआ। के डी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में आयोजित इस सेमिनार में यूपी के साथ अन्य प्रदेशों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सेमिनार के दौरान इंटरनेशनल रेफरी नवीन चंद्रा ने प्रतिभागियों को ताइक्वांडो में आए नवीनतम तकनीकी बदलावों और प्रतियोगिता कराने के नियमों में हुए बदलाव के बारे में बारीकी से अवगत कराया। कोर्स के समापन के दौरान उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के चेयरमैन डा. सैयद रफत जुबैर रिजवी, अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू, सचिव राजकुमार और कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह मौजूद रहे।

इन सभी ने इस बात पर बल दिया कि ताइक्वांडो में वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए इस तरह के सेमिनार बेहद आवश्यक हैं। सचिव राजकुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों के कुल 121 रेफरी व रिफ्रेशर शामिल हुए, जिन्होंने कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया। परिणामों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन प्रशिक्षित रेफरी की सेवाएं प्रदेश में होने वाली आगामी ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं में ली जाएंगी।

वनडे विश्व कप : भारत पांच अक्टूबर को कोलंबो में पाक से भिड़ेगा

एजेंसी

दुबई। भारत का महिला एकदिवसीय विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच पांच अक्टूबर को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में तटस्थ स्थल पर खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार इस विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी और उसके बाद के मैचों के लिए स्वीकार किए गए हाइब्रिड मॉडल के अनुसार कोलंबो को तटस्थ स्थल के रूप में जोड़ा गया है। भारत ने तब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी (पुरुष) के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से मना कर दिया था। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 भारतीय पर्यटकों के मारे जाने के बाद ऐसी अटकलें थीं कि क्या आईसीसी भारत और पाकिस्तान के बीच राउंड रोबिन मैच का आयोजन करेगा? आईसीसी पिछले काफी समय से अपने सभी आयोजनों में भारत बनाम पाकिस्तान मैच को शामिल करता रहा है।

दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव के बाद विश्व स्तर पर भी भारत के अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी देश से मुकाबला करने को लेकर संदेह पैदा हो गया था। आईसीसी ने सोमवार को कार्यक्रम जारी कर हालांकि सभी संदेहों को दूर कर दिया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 30 सितंबर को बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ करेगा। यह इस विश्व कप का उद्घाटन मैच होगा। टीम इसी मैदान पर 26 अक्टूबर को शुरुआती चरण के अपने आखिरी मैच में बांग्लादेश से भिड़ेगी। कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के बाद इस स्थल के मैचों की मेजबानी के अधिकार खोने की अफवाहों का खंडन हो गया। भारत के अन्य मैच नौ अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में होंगे। टीम 19 अक्टूबर को इंदौर में इंग्लैंड से भिड़ेगी और फिर 23 अक्टूबर को गुवाहाटी में उसके सामने न्यूजीलैंड की चुनौती होगी।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, महिला क्रिकेट की आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें भारत में होंगी जहां शानदार स्थल और रिकॉर्ड संख्या में दर्शकों के साथ हम सभी एक अविस्मरणीय टूर्नामेंट की प्रतीक्षा है। बीसीसीआई ने अभी तक हालांकि स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) का गठन नहीं किया है, जो टूर्नामेंट के संचालन की प्रभारी होगी। टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपने अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा। पिछले सत्र का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और दोनों टीमें 22 अक्टूबर को इंदौर में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के अनुसार अपने सभी मैच कोलंबो में खेलेगा।

भारत के खिलाफ मैच के अलावा टीम प्रेमदासा स्टेडियम में बांग्लादेश (दो अक्टूबर), ऑस्ट्रेलिया (आठ अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ भी खेलेगी। पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट में पाकिस्तान की प्रगति पर निर्भर करेगा।

ईएफआई के खाते फ्रीज, भारत में घुड़सवारी प्रतियोगिताएं रद्द

नयी दिल्ली। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) द्वारा वैश्विक संचालन संस्था एफईआई को बकाया राशि का भुगतान नहीं किए जाने के कारण कम से कम 24 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट रद्द कर दिए गए हैं। यह घटना घुड़सवारों और देश में घुड़सवारी खेल के विकास को नुकसान पहुंचा सकती है। पता चला है कि ईएफआई को जनवरी से मार्च 2025 के बीच आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए एफईआई अधिकारियों को पारिश्रमिक और संबद्ध शुल्क के रूप में लगभग 27 लाख रुपये का भुगतान करना था। हालांकि गुटों में अंदरूनी लड़ाई के कारण महासंघ का खाता फ्रीज हो गया है जिसके कारण बकाया राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है और एफईआई को कैलेंडर से इन प्रतियोगिताओं को हटाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ईएफआई को लंबित वेतन, पिछले वर्ष आयोजित टूर्नामेंटों से जुड़े विभिन्न खर्चों और अन्य खर्चों का भी भुगतान करना है जो लगभग दो करोड़ रुपये होता है। ईएफआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ईएफआई को दिल्ली, मेरठ और जयपुर में आयोजित विभिन्न इवेंटिंग, शो जंपिंग और ड्रेसेज प्रतियोगिताओं के लिए एफईआई अधिकारियों को पारिश्रमिक देना था। हालांकि महासंघ के भीतर विभिन्न गुटों के परिचालन अधिकार का दावा करने के कारण बैंक ने खाते के संचालन पर रोक लगा दी है।

मैंने वाशिंगटन सुंदर से प्रेरणा ली: साईं सुदर्शन

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। वाशिंगटन सुंदर का बहुत कम समय में आयु वर्ग से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक का शानदार सफर उनके युवा साथी बी साई सुदर्शन के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। सुदर्शन 20 जून को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। वाशिंगटन 2016 में जूनियर विश्व कप में भारत अंडर-19 के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेल रहे थे और इसके डेढ़ साल के अंदर उन्होंने 18 वर्ष के खिलाड़ी के रूप में भारत के लिए अपना पहला वनडे खेला। जब वह 20 वर्ष के थे तब 2021 में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया तथा आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाई। वाशिंगटन से दो साल जूनियर साईं सुदर्शन ने बताया कि किस तरह से उनके इस सीनियर साथी के सफर ने उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। साई सुदर्शन ने इंट्रा-स्क्वाड (टीम के बीच आपस में मैच) अभ्यास मैच के दौरान बीसीसीआई टीवी से कहा, मैंने उनके साथ (जूनियर स्तर पर) कुछ मैच खेले हैं। इसलिए, यह हमेशा विशेष होता है। हम उनसे काफी प्रेरणा लेते हैं और जिस तरह से उन्होंने बहुत कम समय में भारत की तरफ से खेलना शुरू किया वह बात मेरे दिमाग में थी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने वाशिंगटन की प्रशंसा करते हुए कहा उन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया।

विश्व कप : पेरिस सेंट जर्मेन ने एअलेटिको मैड्रिड को 4-0 से हराया

एजेंसी

पासाडेना (अमेरिका)। चैंपियंस लीग में पहली बार चैंपियन बनने के बाद आत्मविश्वास से भरी पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एटलेटिको मैड्रिड पर 4-0 की जीत के साथ क्लब विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान का जोरदार आगाज किया।

पीएसजी ने 31 मई को इंटर मिलान को 5-0 से हराकर अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीतने के बाद अपने पहले मैच में एटलेटिको पर काफी हद तक दबदबा बनाया। विश्व कप 1994 के फाइनल के स्थल रोज बाउल में 80,619 दर्शकों के सामने यूरोप की इन दो दिग्गज टीमों के बीच खेले गए मैच में पीएसजी की तरफ से फैबियान रुइज़ और विटिना ने पहले हाफ जबकि सेनी मायुलु और ली कांग इन ने दूसरे हाफ में गोल किए। एटलेटिको के क्लेमेंट लेंगलेट को 78वें मिनट में दूसरा पीला कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। इस तरह से एटलेटिको को मैच के आखिरी चरण में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

क्रिस्पिन छेत्री ने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर के लिए 24 सदस्यीय टीम घोषित की

नयी दिल्ली। चोटों के कारण तीन फारवर्ड खिलाड़ियों को खोने के बाद भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने सोमवार को एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 क्वालीफायर के लिए थाईलैंड जाने वाली 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की। क्वालीफायर के लिए 23 खिलाड़ियों की अंतिम टीम की घोषणा पहले मैच से पूर्व की जाएगी।

भारतीय टीम को क्वालीफायर के ग्रुप बी में रखा गया है जहां उनका सामना मंगोलिया (23 जून), तिमोर लेस्ते (29 जून), इराक (दो जुलाई) और मेजबान थाईलैंड (पांच जुलाई) से होगा। ग्रुप विजेता मार्च 2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे। महिला एशियाई कप फीफा महिला विश्व कप ब्राजील 2027 का भी क्वालीफायर है।

छेत्री और उनकी टीम सोमवार शाम को थाईलैंड पहुंचेगी और अपने पहले मैच से पूर्व उत्तरी शहर चियांग माई में एक सप्ताह तक प्रशिक्षण लेगी। सभी मैच चियांग माई स्टेडियम में होंगे। भारतीय टीम ने बेंगलुरु में पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में छह सप्ताह तक ट्रेनिंग की और क्वालीफायर की तैयारी के लिए 30 मई और तीन जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले जिसमें दोनों बार टीम को 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। छेत्री ने कहा मैं बेंगलुरु में तैयारियों से खुश हूं। हमने 40 दिन से अधिक समय तक ट्रेनिंग की। ट्रेनिंग मैदान और सभी सुविधाएं बेहतरीन थीं। जहां तक टीम की बात है हमारे पास युवा और सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। उन्होंने कहा दुर्भाज्ञ से चोटों के कारण करिश्मा (शिरवोइकर), संध्या (रंगनाथन) और रेणु जैसे फॉरवर्ड टीम का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन यह फुटबॉल का हिस्सा है। और पिंक लेडीज कप टीम (फरवरी में) की तुलना में अब हमारे पास अधिक अनुभवी खिलाड़ी हैं। चियांग माई के अधिक नमी वाले मौसम से तालमेल बैठाने के लिए भारतीय टीम मंगोलिया के खिलाफ पहले मैच से एक सप्ताह पूर्व शहर में पहुंचेगी।

ताजिकिस्तान दौरे के लिए भारत की अंडर-23 पुरुष टीम घोषित

नयी दिल्ली। भारत की अंडर-23 पुरुष टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने सोमवार को ताजिकिस्तान और किर्गिज गणराज्य के खिलाफ आगामी मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें सीनियर टीम के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी को देखते हुए भारत के लिए यह दौरा काफी महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम एक जून से कोलकाता स्थित एआईएफएफ नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रही थी।

सितंबर में एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की तैयारियों के तहत भारत 18 जून को ताजिकिस्तान और 21 जून को किर्गिज गणराज्य से भिड़ेगा।

भारत को लीड्स में कुलदीप व जडेजा दोनों को खिलाना चाहिए : हरभजन

नयी दिल्ली। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की एकादश में रविंद्र जडेजा के साथ शामिल करने का समर्थन किया है। श्रृंखला का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा। पारंपरिक रूप से लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है।

हरभजन ने सोमवार को पीटीआई वीडियोज से कहा, भारत को कुलदीप यादव को खिलाने पर विचार करना चाहिए। बेशक जडेजा उनके साथ गेंदबाजी करेंगे। इसलिए तीन तेज गेंदबाजों के साथ दो स्पिनर इस मैच के लिए एकदम सही जोड़ी होंगे। हरभजन ने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को किसी भी तरह की परिस्थितियों में संभावित मैच विजेता करार दिया। उन्होंने कहा देखते हैं कि क्या परिस्थितियां बदलती हैं और स्पिनरों को मदद मिलती है। लेकिन अगर ऐसा नहीं भी होता है तो भी मुझे लगता है कि ये दो सक्षम गेंदबाज हैं जो किसी भी पिच पर विकेट ले सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर हरभजन ने 2002 में हेडिंग्ले में दो स्पिनरों को मैदान में उतारने के भारत के साहसिक फैसले को याद किया जब उन्होंने और अनिल कुंबले ने मिलकर 11 विकेट चटकाए थे। हरभजन ने कहा उस समय यह एक बहुत ही अनोखा फैसला था। पिच पर काफी घास थी लेकिन प्रबंधन ने फैसला किया।

आपदा प्रबंधन में अग्रणी बना भारत: शाह

10 वर्षों में हमने क्षमता, दक्षता, गति और सटीकता-चारों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारत एनडीएमए और एनडीआरएफ सहित अन्य एजेंसियों के उत्कृष्ट कार्यों की वजह से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन गया है।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा मोचन बलों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि 10 साल पहले आपदा से निपटने वाले संगठनों का दृष्टिकोण हताहतों की संख्या कम से कम रखने का था और 10 साल बाद, हताहतों की संख्या शून्य रखने का लक्ष्य रहता है। उन्होंने कहा कि जब भी भारत की आपदा प्रतिक्रिया का इतिहास लिखा जाएगा, मोदी सरकार के पिछले 10 साल परिवर्तनकारी दशक के रूप में दर्ज किये जाएंगे। इन 10 वर्षों में हमने क्षमता, दक्षता, गति और सटीकता - चारों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। गृह मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने नीति, विषय संरचना, अनुसंधान कार्य, जनता तक विभिन्न अभ्यासों का प्रसार, कई अनुप्रयोगों का विकास और समग्र समन्वय तथा नीति-संबंधी कार्य प्रभावी ढंग से किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में एनडीएमए, एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) और सीडीआरआई (आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन) ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के लिए मजबूती से स्थापित किया है। शाह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राहत और आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी एजेंसियों की कार्यशालाओं और बैठकों को एक साथ लाकर समग्र सरकारी दृष्टिकोण के साथ विचारों का एक मंच बनाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि जब सभी आपदा राहत दलों के प्रमुख एक ही मंच पर चर्चा करते हैं, तो कई कमियां दूर हो जाती हैं और देश को भी आपदा से निपटने के लिए तैयार रहने में लाभ होता है। गृह मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि हर साल आपदाओं के प्रति संवेदनशील कुछ जिलों और तहसीलों को इस सम्मेलन में शामिल किया जाना चाहिए ताकि राष्ट्रीय स्तर पर जिस आपदा प्रबंधन की योजना रहती है, वह धीरे-धीरे तहसील और जिला स्तर तक भी पहुंचे। उन्होंने एनडीएमए की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि इसने नीति, विषय संरचना, शोध कार्य, विभिन्न अभ्यासों का जनता तक प्रसार, कई अनुप्रयोगों का विकास और समग्र समन्वय तथा नीति-संबंधी कार्य को प्रभावी ढंग से किया है।

जयशंकर ने यूएई, आर्मेनिया के अपने समकक्षों से बात की

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और कूटनीति की भूमिका पर चर्चा की।

इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते सैन्य तनाव के बीच पश्चिम एशिया में घटनाक्रम लगातार बदल रहा है। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और कूटनीति की भूमिका पर यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई। संपर्क में रहने की सहमति बनी। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने आर्मेनियाई समकक्ष अरारत मिर्जोयान से भी बात की। जयशंकर ने कहा कि आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान से बातचीत की। क्षेत्र के घटनाक्रम और हमारे करीबी सहयोग पर चर्चा की। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य परिसरों को निशाना बनाकर हमले किए, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया और ईरान ने जवाबी कार्रवाई की। भारत ने कहा था कि वह दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रम को लेकर बहुत चिंतित है और उभरती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। भारत ने दोनों देशों से किसी भी तरह के आक्रामक कदम से बचने का आग्रह किया। बढ़ते तनाव के बीच, जयशंकर ने शुक्रवार को स्थिति पर चर्चा करने के लिए इजराइल और ईरान में अपने समकक्षों से बात की।

संक्षेप

डीएम ने इंद्रायणी नदी पर बने पुल को खतरनाक घोषित किया था : फडणवीस

पालघर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि पुणे में इंद्रायणी नदी पर बने लोहे के पुल को जिलाधिकारी ने खतरनाक घोषित किया था और उस पर चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए थे। पुणे के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल रविवार दोपहर ढह जाने से चार लोगों की मौत हो गई थी और 18 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये थे। बत्तीस साल पुराना यह लोहे का पुल उस पर अधिक संख्या में पर्यटकों के मौजूद होने के कारण ढह गया था। पालघर में एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि मावल तहसील में घटनास्थल पर एक नया पुल बनाने का ठेका दिया गया था और काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुल को घटना से पहले ही जिलाधिकारी ने खतरनाक घोषित कर दिया था और ग्रामीणों ने भी चेतावनी बोर्ड लगाए थे। उन्होंने बताया कि पर्यटकों को पुल की स्थिति की गंभीरता का शायद पता नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने मानसून के मौसम के लिए पुणे जिले में पुलों तथा जलाशयों समेत 500 खतरनाक स्थानों की पहचान की थी। अधिसूचनाएं जारी कर दी गयी हैं और कुछ स्थानों पर पुलिस को तैनात किया गया है।

श्रीहरिकोटा में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर छापेमारी

अमरावती। तमिलनाडु पुलिस ने आंध्र प्रदेश पुलिस को श्रीहरिकोटा में एक कथित आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में सूचना दी जिसके बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई और जांच-पड़ताल तेज कर दी गयी। हालांकि, बाद में यह सूचना अफवाह साबित हुई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह सूचना रविवार को साझा की गयी थी। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, जिसे पहले श्रीहरिकोटा रेंज (एसएचएआर) के नाम से जाना जाता था, दक्षिणी राज्य में स्थित इसरो का मुख्य प्रक्षेपण स्थल है, जिसमें उन्नत प्रक्षेपण और ट्रैकिंग सुविधाएं हैं। नायडूपेटा के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जी चंतिबाबू ने बताया, अभी तक हमें इलाके में कोई असामान्य गतिविधि नहीं मिली है और यह एक अफवाह लगती है, लेकिन हम अपनी जांच जारी रख रहे हैं। अधिकारियों ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसएचएआर) में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ भी समन्वय किया और क्षेत्र के आसपास गश्त तेज कर दी।

खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारी किराये के टट्टू : पुरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जी7 शिखर सम्मेलन से पहले कनाडा में खालिस्तान समर्थक हालिया प्रदर्शनों को खारिज करते हुए प्रदर्शनकारियों को किराये का टट्टू बताया और कहा कि इन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। पुरी ने कहा कि एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ये लोग पड़ोसी देश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें उनसे फंडिंग नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि ये जो किराये के टट्टू हैं, इन्हें गंभीरता से मत लीजिए। मंत्री ने यह टिप्पणी लुटियंस दिल्ली के 14, पंत मार्ग स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 वर्ष और दिल्ली सरकार के 100 दिन पर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए की। प्रधानमंत्री मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर साइप्रस से अपनी यात्रा के दूसरे चरण में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा पहुंचेंगे। ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर चिंताओं पर पुरी ने आश्वासन दिया कि भारत के ऊर्जा भंडार मजबूत बने हुए हैं। आज हमारे पास ऊर्जा की ऐसी स्थिति है, जहां हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है, हमारा अपना उत्पादन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में, हमारा जैव-ईंधन मिश्रण 1.4 प्रतिशत था, किसने सोचा था कि यह अब 20 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा? उन्होंने भारत के हरित ऊर्जा क्षेत्र में हाल की प्रगति का भी उल्लेख किया। पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन, जिसे भविष्य का ईंधन माना जाता है, अब एक वास्तविकता बन रहा है।

मनरेगा खत्म करने की कोशिश में मोदी सरकार

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के आवंटन में कटौती करके इसे खत्म करने की कवायद में जुटी है, जो संविधान के खिलाफ अपराध है।

उन्होंने खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर खत्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम के अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने सवाल किया, क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है, क्योंकि वो गरीबों की जेब से करीब 25,000 रुपये करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, मांग ज्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से ख़र्च करने पड़ते हैं? खरगे ने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा, जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं? उन्होंने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य मांग के बावजूद रोज़गार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि क्या ये सच नहीं कि एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7 प्रतिशत परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है? खरगे ने पूछा कि करीब 7 करोड़ पंजीकृत श्रमिकों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगाकर बाहर क्यों किया गया? 10 वर्षों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? ग़रीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मजदूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है? उन्होंने इस बात पर जोर दिया, मनरेगा पर ख़र्च रोकने की कुल्हाड़ी, हर ग़रीब के जीवन पर मोदी सरकार द्वारा किया गया गहरा आघात है।

मुंबई में बारिश से लोकल ट्रेन व मेट्रो सेवाएं प्रभावित

मुंबई। मुंबई में सोमवार सुबह बारिश होने से निचले इलाके जलमग्न हो गए और सड़क यातायात, उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवा तथा मेट्रो रेल सेवाएं बाधित हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटे में शहर और उपनगरों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना के साथ आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है।

अधिकारियों के अनुसार मुंबई में सुबह आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटे की अवधि में औसतन 95 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जबकि पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में क्रमशः 58 और 75 मिमी बारिश दर्ज की गई। मंगलवार को अपराह्न 3.31 बजे 4.21 मीटर का उच्च ज्वार आने की उम्मीद है, इसके बाद मंगलवार तड़के 3.31 बजे 3.44 मीटर का एक और उच्च ज्वार आ सकता है। रात 9.41 बजे 1.86 मीटर का निम्न ज्वार, जबकि मंगलवार को सुबह 9.10 बजे 1.33 मीटर का निम्न ज्वार आने का पूर्वानुमान है। अधिकारियों ने बताया कि शहर और उपनगरों में लगातार बारिश हुई, जिसमें बीच-बीच में भारी बारिश हुई और इससे कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। मध्य और पश्चिमी रेलवे की उपनगरीय ट्रेन सेवाएं भी देरी से चल रही हैं। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि सुबह के व्यस्त समय में मध्य रेलवे की सेवाएं 20 से 30 मिनट देरी से चलीं। दोपहर में आजाद नगर स्टेशन पर ओवरहेड तारों पर प्लास्टिक शीट गिरने के बाद घाटकोपर-अंधेरी-वर्सोवा लाइन पर मेट्रो सेवा कुछ समय के लिए बाधित रही। मुंबई मेट्रो वन ने एक्स पर बताया, अब सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। तेज हवाओं के कारण, पास के एक निर्माण स्थल से एक प्लास्टिक शीट उड़कर आजाद नगर मेट्रो स्टेशन के पास ओवरहेड इलेक्ट्रिकल लाइन पर गई थी, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं।

इंटरटेनमेंट...

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही 'हाउसफुल-5'

मुंबई। अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 को रिलीज हुए 10 दिन हो चुके हैं। मेकर्स की ओर से शेयर की गई जानकारी के मुताबिक, फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 191.82 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। वहीं, वर्ल्डवाइड कमाई का आंकड़ा 244.46 करोड़ रुपए का आंकड़ा भी पार कर लिया है। फिल्म हाउसफुल 5, 6 जून को रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और

दस दिनों में वर्ल्डवाइड 244 करोड़ की कमाई डोमेस्टिक कलेक्शन 191 करोड़ रुपए

नाना पाटेकर समेत कई एक्टर्स नजर आए। फिल्म का प्रोडक्शन बजट ?225 करोड़ था, जबकि प्रिंट और विज्ञापन पर ?15 करोड़ खर्च हुए। इस तरह फिल्म की कुल लागत ?240 करोड़ थी। वैसे देखा जाए तो 'हाउसफुल 5' अक्षय कुमार की 18वीं फिल्म है, जो ?100 करोड़ क्लब में शामिल हुई है। इनमें से 17 फिल्में बॉलीवुड की हैं, जबकि एक फिल्म तमिल भाषा की 2.0 है। अगर उनकी पिछली कुछ फिल्मों के इंडियन बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड की बात करें, तो 'स्काई फोर्स' ने शानदार प्रदर्शन किया था। जबकि फिल्म खेल-खेल में ने 39.29 करोड़ का ऑलटाइम कलेक्शन किया था। वहीं, सरफिरा ने सिर्फ 24 करोड़ रुपए कमाए थे। हालांकि, अब हाउसफुल 5 की परफॉर्मेंस ने अक्षय को जरूर एक राहत दी होगी।

पहलगाम आतंकी हमले पर चुप्पी पर बोले आमिर

मुंबई। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले पर कई बड़े सेलेब्स की चुप्पी पर सवाल उठ रहे थे। हाल ही में जब आमिर खान से उनकी चुप्पी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वो आतंकी हमले के बाद डिप्रेशन में थे और कई दिनों तक घर से नहीं निकले थे। एक्टर ने ये भी बताया कि आतंकी हमला होने के बाद उन्होंने सितारे जमीन पर का ट्रेलर रोक दिया था और अंदाज अपना-अपना का प्रीमियर कैंसिल कर दिया था। आप की अदालत में आमिर खान ने कहा है, 'ये जो हादसा हुआ है, ये जो अटैक हुआ है, आतंकवादी हमला हुआ है हमारे देश में, हमारे लोगों पर, ये घिनौना एक्ट है। उनकी कायरता देखिए, जो बुजदिल लोग हैं, वही ऐसा करते हैं। आतंकवादी हमारे देश में घुसकर लोगों पर गोलियां चला रहे हैं।

मिथुन चक्रवर्ती को मंदाकिनी के कारण दाऊद से मिलीं धमकियां

मुंबई। मिथुन चक्रवर्ती ने हिंदी और बंगाली के अलावा ओड़िया, तेलुगु, कन्नड़, पंजाबी और तमिल फिल्मों में भी काम किया है। बॉलीवुड के डिस्को डांसर और 'दादा' के नाम से मशहूर मिथुन चक्रवर्ती का फिल्मी सफर पांच दशक से भी लंबा रहा है। मिथुन चक्रवर्ती ने 350 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

मिथुन सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि बिजनेसमैन और राजनेता भी रहे हैं। उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड, फिल्मफेयर, पद्म भूषण और सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया है। मिथुन चक्रवर्ती का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। 16 जून 1950 को कोलकाता में जन्मे मिथुन दो भाइयों में छोटे थे। जवानी के दिनों में उनका झुकाव नक्सली विचारधारा की ओर हो गया था।

'डॉन 3' में कियारा को रिप्लेस करेंगी कृति सेनन!

मुंबई। कृति सेनन इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच अब खबरें आ रही हैं कि एक्ट्रेस फिल्म डॉन 3 में नजर आ सकती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जब पैपराजी ने कृति को लेडी डॉन कहकर बुलाया, तो वह मुस्कुरा दीं। इसके बाद से यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि कियारा आडवाणी की जगह अब कृति सेनन फिल्म में नजर आ सकती हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि कृति सेनन मुंबई में किसी इवेंट में शिरकत करने पहुंची थीं। जैसे ही वह बाहर आईं, पैपराजी ने उन्हें पोज देने के लिए कहा। इसी दौरान पहले उन्हें परम सुंदरी कहकर पुकारा गया और फिर डॉन-डॉन की आवाजें आने लगीं। इतना ही नहीं, एक फोटोग्राफर ने उन्हें लेडी डॉन भी कह दिया। यह सुनते ही कृति ने कोई जवाब तो नहीं दिया, लेकिन वह मुस्कुराती हुई नजर आईं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन ने फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करने के लिए हामी भर दी है। अभी उन्होंने फिल्म साइन नहीं की है, लेकिन जल्दी ही कर सकती हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि डायरेक्टर फरहान अख्तर और उनकी टीम को ऐसी एक्ट्रेस चाहिए थी जो अच्छी एक्टिंग करे और जिसका स्क्रीन पर दमदार असर हो और कृति इस रोल के लिए एकदम सही लगीं। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बता दें, डॉन 3 फिल्म में रणवीर सिंह नजर आएंगे।

पैपराजी के सवाल पर एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन 2026 में रिलीज हो सकती है फिल्म

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com